Established 1865

पायनियर

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

Follow us on:
www.dailypioneer.com
@thedailypioneer
dailypioneer
dailypioneer

RNI N0. UPHIN/2010/36547 | वर्ष-16 | अंक-50 | लखनऊ, सोमवार, 8 दिसंबर 2025 | पृष्ठ-16, मूल्य 6 रुपये | (नगर संस्करण)

धधक उठा गोवा का नाइट क्लब, 25 मरे

अग्निकांड में मारे गए 25 लोगों में 20 कर्मचारी और 5 पर्यटक शामिल, तीन दिल्ली के

एजेंसी। पणजी

गोवा नाइटक्लब अग्निकांड में मारे गए सभी 25 पीड़ितों की पहचान कर ली गई है, जिनमें 20 कर्मचारी और पांच पर्यटक शामिल हैं। अधिकारियों ने रविवार रात यह जानकारी दी। आग में मारे गए पांच पर्यटकों में से चार दिल्ली के थे, जिनमें एक ही परिवार के तीन सदस्य शामिल थे। पांचवां पर्यटक कर्नाटक का था। राज्य सरकार ने रविवार रात सभी 25 मृतकों की सूची जारी की।गोवा की राजधानी पणजी से 25 किलोमीटर दूर अरपोरा गांव स्थित लोकप्रिय पार्टी स्थल 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइट क्लब में आग लगने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। दिल्ली के चार पर्यटकों की पहचान सरोज जोशी, अनीता जोशी, कमला जोशी और विनोद कुमार के रूप में हुई है। उनकी पहचान रविवार को उनकी रिश्तेदार भावना जोशी ने की। सरकार ने बताया कि इस घटना में मारे गए एक अन्य पर्यटक की पहचान कर्नाटक के इशाक के रूप में हुई है। सरकार ने बताया कि उसकी पहचान उसके पिता एम. डी. हुसैन ने की।सूची के अनुसार, मृतकों में से 20 नाइटक्लब के कर्मचारी थे, जिनमें उत्तराखंड के पांच, नेपाल के चार, झारखंड और असम के तीन-तीन, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के दो-दो और पश्चिम बंगाल का एक व्यक्ति शामिल है। मृतकों (कर्मचारियों) में सबसे अधिक संख्या उत्तराखंड के लोगों की है, जिनकी पहचान जितेंद्र सिंह, सतीश सिंह, सुरेंद्र सिंह, सुमित नेगी और मनीष सिंह के रूप में हुई है। चार नेपाली नागरिकों की पहचान चूर्ण बहादुर पुन, विवेक कटवाल, सबिन और सुदीप के रूप में हुई है। मृतकों में महाराष्ट्र के डोमिनिक और मनोज जोरा, जबकि उत्तर प्रदेश के रोहन सिंह और सुनील कुमार शामिल हैं। दार्जिलिंग के एकमात्र पीड़ित की पहचान सुभाष छेत्री के रूप में हुई है। इसमें झारखंड के मोहित, प्रदीप महतो और बिनोद महतो, जबकि असम के तीन लोग मनोजित मल, राहुल तांती और दिगंबर पातिर शामिल हैं।

भीड़भाड़ एवं छोटे दरवाजों के कारण नहीं निकल सके लोग

मालिकों के खिलाफ केस दर्ज :वहीं,गोवा में पुलिस ने बर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब के दो मालिकों, उसके प्रबंधक और कार्यक्रम आयोजकों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की और अरपोरा-नागोवा पंचायत के सरपंच को हिरासत में लिया।

इलेक्ट्रिक पटाखे फोड़ने से लगी आग, चार कर्मचारी गिरफ्तार

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने रविवार को कहा कि 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइटक्लब में आग लगने की घटना के बाद क्लब के चार कर्मचारियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उन्होंने उन अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई के आदेश दिए हैं, जिन्होंने सुरक्षा मानदंडों का उल्लंघन होने के बावजूद क्लब के संचालन की अनुमति दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि अंदर 'इलेक्ट्रिक पटाखे' फोड़े गए थे, जिससे आग लगी। उन्होंने यह भी कहा कि क्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। इलेक्ट्रिक फायरक्रैकर' उन पटाखों को कहा जाता है, जिन्हें बिजली से संचालित किया जाता है। पारंपरिक पटाखों की तरह इनमें रासायनिक पदार्थ जलाए जाने के बजाय इलेक्ट्रॉनिक सर्किट का उपयोग होता है।

मुख्यमंत्री सावंत ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने राज्य के मुख्य सचिव डॉ. वी. कैंडावेलू और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आलोक कुमार को दोषी सरकारी अधिकारियों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया है। सावंत ने स्थिति की समीक्षा के लिए राज्य प्रशासन और गृह विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ कई बैठकें भी कीं। उन्होंने कहा कि डीजीपी को क्लब के मालिक सौरभ और गौरव लूथरा के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये हैं, जिनके खिलाफ प्राथमिकी पहले ही दर्ज की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि दोनों को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि क्लब के मुख्य महाप्रबंधक राजीव मोदक, महाप्रबंधक विवेक सिंह, बार प्रबंधक राजीव सिंघानिया और द्वार प्रबंधक रियांशु ठाकुर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है ।सरकार ने घटना की जांच के लिए दक्षिण गोवा के जिलाधिकारी, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं के उप निदेशक और फॉरेंसिक प्रयोगशाला के निदेशक की एक समिति गठित की है। समिति एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट देगी।

राष्ट्रपति मुर्मू ने जताया शोक

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार देर रात गोवा के नाइट क्लब में आग लगने से लोगों की मौत होने पर गहरा दुख व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। गोवा की राजधानी पणजी से 25 किलोमीटर दूर अरपोरा गांव में स्थित लोकप्रिय पार्टी स्थल बर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब में आग लगने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, उत्तरी गोवा जिले में हुई आग लगने की इस दुखद घटना से मुझे गहरी पीड़ा हुई है। इस घटना में कई लोगों की जान चली गई। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। ईश्वर उन्हें इस कठिन समय में शक्ति प्रदान करे। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी और तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया। गुप्ता ने कहा, गोवा के अरपोरा में हुई दुर्घटना का समाचार अत्यंत दुःखद है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवारों के साथ हैं।

पीएम ने गोवा के मुख्यमंत्री से की बात

पणजी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गोवा के एक नाइट क्लब में आग लगने से 23 लोगों की मौत हो जाने की घटना के बाद राज्य के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत से बात की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, गोवा के अरपोरा में आग लगने की घटना बहुत दुखद है। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजन को खो दिया है। घायल लोगों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। उन्होंने कहा, गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत जी से स्थिति के बारे में बात की। राज्य सरकार प्रभावित लोगों की हर संभव मदद कर रही है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा, गोवा के अरपोरा में हुए हादसे में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

निशानेबाजी विश्वकप

सिमरनप्रीत कौर को सोना ऐश्वर्य व अनीष की चांदी

दोहा। युवा सिमरनप्रीत कौर बरार ने रविवार को यहां मुश्किल मुकाबले में जीत हासिल करके महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता जबकि भारत के 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन चैंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में अपने पदार्पण में रजत पदक अपने नाम किया। विश्व चैंपियनशिप की 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल स्पर्धा के रजत पदक विजेता अनीश भानवाला ने भी साल का अंत शानदार तरीके से किया और दूसरा स्थान हासिल किया। जिससे भारत के पदकों की संख्या छह हो गई जिसमें दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक शामिल हैं। दूसरे दिन भी शानदार प्रदर्शन के साथ भारत ने पदक तालिका में चीन के बाद दूसरा स्थान बनाए रखा। चीन के पास तीन स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक हैं। इस साल की शुरुआत में लीमा में विश्व कप में रजत पदक जीतने वाली सिमरनप्रीत के पिता ने अपनी बेटी के लिए सरकारी नौकरी छोड़ दी थी। इस निशानेबाज ने फाइनल में 41 का शानदार स्कोर बनाकर अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की और अपने माता-पिता को फक्र महसूस कराया। उन्होंने साथ ही विश्व जूनियर रिकॉर्ड की बराबरी भी की। आठ निशानेबाजों के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली दूसरी भारतीय ईशा सिंह सातवें स्थान पर रहीं। ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर क्वालिफिकेशन दौर में 581 के स्कोर के साथ नौवें स्थान पर रहने के बाद फाइनल में जगह नहीं बना पाईं। क्वालिफिकेशन दौर में 21 साल की सिमरनप्रीत ने 585 के स्कोर से पांचवें स्थान से जबकि ईशा ने 585 के स्कोर से चौथे स्थान से फाइनल में जगह बनाई। सिमरनप्रीत ने धीमी शुरुआत की जिसमें वह पहले पांच शॉट की सीरीज में तीन निशाने चूक गईं और आठवें (अंतिम) स्थान पर खिसक गईं। लेकिन उसके बाद उन्होंने वापसी की और तीन परफेक्ट '5' के शॉट लगाकर चीन की शीर्ष निशानेबाज और मौजूदा 10 मीटर एयर पिस्टल विश्व चैंपियन याओ कियानक्सुन (36 अंक से रजत) और जर्मनी की पूर्व विश्व चैंपियन डोरेन वेनेकैंप (कांस्य पदक) को पीछे छोड़ दिया।

'वंदे मातरम' पर पीएम मोदी करेंगे डिबेट का आगाज

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर सोमवार को लोकसभा में चर्चा की शुरूआत करेंगे। इसमें राष्ट्रीय गीत के बारे में कई महत्वपूर्ण और अज्ञात पहलुओं के सामने आने की संभावना है।

लोकसभा में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर चर्चा सोमवार के लिए सूचीबद्ध है और इस पर बहस के लिए 10 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस चर्चा में दूसरे वक्ता होंगे। इस चर्चा में लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई और प्रियंका गांधी वाद्रा सहित अन्य सदस्य भी शामिल होंगे।

संसद में बहस के लिए 10 घंटे का समय निर्धारित

संसद में यह चर्चा, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित और जदुनाथ भट्टाचार्य द्वारा संगीतबद्ध वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर वर्ष भर आयोजित होने वाले समारोह का हिस्सा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उस पर 1937 में इस गीत से प्रमुख छंदों को हटाने और विभाजन के बीज बोने का आरोप लगाया था। सात नवंबर को, मोदी ने वंदे मातरम के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में वर्ष भर आयोजित होने वाले समारोहों की शुरूआत की, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं और छात्रों के बीच इस गीत के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। अधिकारियों ने बताया, चर्चा के दौरान वंदे मातरम से जुड़े कई महत्वपूर्ण और अनजाने पहलू देश के सामने आएंगे।

एसआईआर पर भी होगी बहस

गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को राज्यसभा में चर्चा की शुरूआत करेंगे और स्वास्थ्य मंत्री एवं राज्यसभा के नेता जे पी नड्डा दूसरे वक्ता होंगे। लोकसभा में चुनाव सुधारों पर भी चर्चा होगी, जिसमें मंगलवार और बुधवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित इसके सभी पहलुओं को शामिल किया जाएगा। राज्यसभा में बुधवार और बृहस्पतिवार को चुनाव सुधारों पर चर्चा होगी। एक दिसंबर से शुरू हुए शीतकालीन सत्र के पहले दो दिनों की कार्यवाही एसआईआर पर विपक्षी दलों के हंगामे के कारण बाधित रही।

इंडिगो ने अब तक 610 करोड़ लौटाएः सरकार

मुंबई। इंडिगो ने रद्द या अत्यधिक विलंबित उड़ानों के लिए अब तक 610 करोड़ रुपये के रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर ली है और शनिवार तक 3,000 नग सामान यात्रियों तक पहुंचा दिया गया है। सरकार ने रविवार को यह जानकारी दी। सरकार ने कहा कि देश का विमानन नेटवर्क तेजी से सामान्य स्थिति की ओर लौट रहा है और परिचालन पूरी तरह स्थिर होने तक सभी सुधारात्मक कदम लागू रहेंगे। सरकार ने शनिवार को एयरलाइन को निर्देश दिया था कि रद्द उड़ानों से संबंधित टिकटों का रिफंड रविवार शाम तक पूरा किया जाए और यात्रियों के छूटे हुए सामान को अगले 48 घंटे के भीतर उन तक पहुंचाया जाए। मंत्रालय ने कहा कि इंडिगो के हालिया परिचालन संकट के कारण उत्पन्न व्यवधान को दूर करने के लिए तेज और प्रभावी कदम उठाए गए हैं, ताकि यात्रियों को आगे कोई असुविधा न हो। नागर विमानन मंत्रालय ने अपनी विज्ञप्ति में कहा, ्इंडिगो अब तक 610 करोड़ रुपये का रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर चुका है। रद्द उड़ानों से प्रभावित यात्रियों के यात्रा पुनर्निर्धारण में किसी भी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। यात्रियों की सहायता के लिए विशेष सहायता केंद्र बनाए गए हैं, ताकि रिफंड और दोबारा बुकिंग से जुड़े मुद्दों का त्वरित समाधान हो सके।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना की क्षमता और अनुशासन को किया रेखांकित

तब बदल सकता था पाक का नक्शा

एजेंसी। लेह

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बल और भी बहुत कुछ कर सकते थे लेकिन उन्होंने जानबूझकर संयमित और संतुलित प्रतिक्रिया का विकल्प चुना।

सिंह ने कहा कि मई में हुए ऑपरेशन ने भारतीय सेना की क्षमता और अनुशासन को रेखांकित किया, जिन्होंने बिना तनाव बढ़ाये आतंकी खतरों को बेअसर कर दिया। रक्षामंत्री सिंह ने देश के विभिन्न हिस्सों में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा पूरी की गई 125 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमने अपने सशस्त्र बलों, नागरिक प्रशासन और सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों के बीच जो समन्वय देखा, वह अविश्वसनीय था। मैं लद्दाख और सीमावर्ती क्षेत्रों के प्रत्येक नागरिक के प्रति हमारे सशस्त्र बलों को अपना समर्थन देने के लिए आभार व्यक्त करता हूं। सिंह ने कहा, यह समन्वय ही हमारी पहचान है। हमारा आपसी बंधन ही हमें दुनिया में सबसे अलग पहचान देता है। ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा सात मई को शुरू किया गया था, जिसका लक्ष्य पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाना था। यह अभियान जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को किये गए उस हमले का बदला लेने के लिए शुरू किया गया था, जिसमें 26 लोग मारे गए थे और इस हमले में जान गंवाने वालों में से अधिकतर पर्यटक थे। उन्होंने कहा, कुछ ही महीने पहले, हमने देखा कि कैसे पहलगाम में हुए जघन्य आतंकवादी हमले के जवाब में, हमारे सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया और दुनिया जानती है कि उन्होंने आतंकवादियों के साथ क्या किया।

रक्षा मंत्री सिंह ने कहा, बेशक, अगर हम चाहते तो और भी बहुत कुछ कर सकते थे, लेकिन हमारे बलों ने ना केवल वीरता, बल्कि संयम का भी परिचय दिया और केवल वही किया जो जरूरी था।

हमारी सेनाएं और अधिक कर सकती थीं, लेकिन हमने संयम बरता : राजनाथ

125 बीआरओ परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित

लेह। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को लेह से सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की हाल में पूर्ण हुई 125 परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया और इन्हें भारत के सीमावर्ती बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का एक प्रभावी उदाहरण बताया। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इन परियोजनाओं का निर्माण 5,000 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है और ये परियोजनाएं लद्दाख और जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेशों तथा अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मिजोरम सहित सात राज्यों में फैली हुई हैं। इनमें 28 सड़कें, 93 पुल और चार अन्य परियोजनाएं शामिल हैं। यह आयोजन सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के इतिहास में एक ही दिन में किए गए सबसे बड़े और सर्वाधिक मूल्य वाले उद्घाटन का प्रतीक बना।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले हलचल तेज-कोलकाता में बना कीर्तिमान

लाखों लोगों ने साथ किया गीता का पाठ

पायनियर समाचार सेवा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल और पड़ोसी राज्यों से साधुओं एवं साध्वियों सहित लाखों श्रद्धालुओं ने कोलकाता के प्रतिष्ठित ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित विशाल भगवद गीता पाठ समारोह में भाग लिया। कार्यक्रम के आयोजकों ने यह जानकारी दी। आयोजकों ने बताया कि भगवा वस्त्र पहने भिक्षुओं ने कार्यक्रम स्थल पर गीता की प्रतियों से एक स्वर में श्लोक पढ़ा।

जानकारी के अनुसार, इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के पूर्व प्रमुख सुकांत मजूमदार, पूर्व सांसद लॉकेट चटर्जी और विधायक अग्निमित्र पॉल सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। इसी के साथ स्वामी प्रदीप्तानंद महाराज तथा धीरेंद्र शास्त्री सहित प्रमुख धार्मिक हस्तियां भी समारोह में शामिल हुई। पंच लाखो कोंठे गीता पाठ (एक साथ पांच लाख गीता पाठ) नामक इस कार्यक्रम का आयोजन सनातन संस्कृति संसद द्वारा किया जा रहा है जो विभिन्न मठों और हिंदू धार्मिक संस्थानों से आए भिक्षुओं और आध्यात्मिक गुरुओं का एक समूह है।

पॉल ने कहा, गीता केवल हिंदुओं के लिए नहीं है, यह भारत के सभी 140 करोड़ लोगों के लिए है। आयोजकों ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य पश्चिम बंगाल की आध्यात्मिक विरासत को जागृत करना और धर्मग्रंथों के माध्यम से सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि इसे(कार्यक्रम) राज्य और संभवतः देश में अब तक का सबसे बड़ा सामूहिक गीता पाठ बताया जा रहा है।

विशाल समारोह में लाखों लोगों ने लिया भाग

अहंकार खत्म करने को तैयार बंगाल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा कि राज्य धार्मिक अहंकार को खत्म करने के लिए तैयार है। राज्यपाल ने मुर्शिदाबाद में एक दिन पहले बाबरी मस्जिद की नींव रखे जाने की घटना की ओर इशारा किया। टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद में अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक मस्जिद की आधारशिला रखी।

बंगाल और तमिलनाडु में एनडीए की होगी बड़ी जीत

एजेंसी। अहमदाबाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि देश के हर कोने में जनता ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों को खारिज कर दिया। उन्होंने भरोसा जताया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के आगामी चुनावों में जनता के समर्थन से बड़ी जीत हासिल करेगा।

उन्होंने कहा की कि 2029 विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेलों और 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के बाद, अहमदाबाद 2036 ओलंपिक की भी मेजबानी करेगा। शाह ने 1,500 करोड़ रुपये की लागत वाले तीन खेल परिसर सहित विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद अहमदाबाद नगर निगम के एक कार्यक्रम को संबोधित किया। शाह ने कहा कि भाजपा और उसके गठबंधन सहयोगियों ने बिहार में हाल के विधानसभा चुनावों में दो तिहाई बहुमत हासिल करके अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा तथा पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में भी बड़ी जीत दर्ज करेंगे, जहां अगले साल चुनाव होने हैं। शाह ने कहा, 2014 के लोकसभा चुनाव से लेकर 2025 तक...यह भाजपा के लिए लगातार जीत का समय रहा है।

लोगों ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों को नकार दिया

वंचित-दलित-पिछड़ों का सशक्तीकरण

उत्तर प्रदेश बना राष्ट्रीय मॉडल

❖ सामाजिक सुरक्षा क्रांति के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार, करोड़ों लाभार्थियों तक पहुंचा प्रत्यक्ष लाभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर एक बार फिर सामाजिक न्याय के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा एक-दो महीनों में यह सुनिश्चित कर लिया जाएगा कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी और संविदा कर्मी को न्यूनतम मानदेय की गारंटी मिल सके। योगी सरकार पिछले साढ़े 8 वर्षों में वंचितों और पिछड़े वर्ग के लोगों के उत्थान से संबंधित योजनाएं सफलतापूर्वक क्रियान्वित कर रही है। वहीं 2012-17 का शासन दलित और वंचितों पर अत्याचार के लिए कुख्यात था।

सामाजिक कल्याण योगी सरकार की पहली प्राथमिकता: 2017 में सत्ता संभालने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तर प्रदेश में सामाजिक सुरक्षा और कल्याण योजनाओं को जिस पैमाने पर क्रियान्वित किया है जो राज्य के इतिहास में अभूतपूर्व है। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना से लेकर बाल सेवा, पेंशन, छात्रवृत्ति और शादी अनुदान तक हर योजना का सीधा लाभ करोड़ों परिवारों तक पहुंचा है। सभी जनपदों में लागू अभ्युदय योजना से तीन वर्षों में 743 से अधिक युवाओं ने प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल की। निराश्रित महिला, वृद्धावस्था और दिव्यांगजन पेंशन योजनाओं के अंतर्गत 1,06,17,640 लाभार्थियों को प्रतिमाह 1000 रुपये की पेंशन दी जा रही है, जिसने लाखों परिवारों को सामाजिक सुरक्षा की नई सीढ़ी दी है।

बेसहारा और गरीबों के लिए मददगार योगी सरकार: पिछले साढ़े 8 वर्षों में उत्तर प्रदेश सरकार ने छात्रवृत्ति योजनाओं के माध्यम से करोडों विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता प्रदान की है। अनुसूचित जाति वर्ग में पूर्वदशम श्रेणी के 32,49,854 छात्रों को 708.65 करोड रुपये और दशमोत्तर श्रेणी के 88,81,716 छात्रों को 8,370.45 करोड रुपये दिए गए। ओबीसी वर्ग में पूर्वदशम योजना के तहत 63,47,476 छात्रों को 1,300.88 करोड रुपये तथा दशमोत्तर योजना में 1,44,05,981 छात्रों को 12,235.85 करोड रुपये वितरित हुए। छात्रवृत्ति वितरण से स्पष्ट है कि शिक्षा सहायता को पहली बार भेदभावरहित और पारदर्शी ढंग से लागू करते हुए प्रत्येक छात्र को अपनी पढाई जारी रखने के लिए वास्तविक आधार उपलब्ध कराया गया। योगी सरकार में दलितों और वंचितों को पावर सेंटर बनाया जा रहा है। वंचित आज मुख्यधारा में शामिल होकर उत्तर प्रदेश को विकसित प्रदेश बनाने के लिए अपना अमूल्य योगदान दे रहे हैं।

2029-30 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनेगा उत्तर प्रदेश: योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत विकसित भारत के विजन 2047 को साकार करने में उत्तर प्रदेश की भूमिका सबसे अहम है। शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित एक निजी समाचार पत्र के कॉन्क्लेव में प्रतिभाग करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत को वर्ष 2027 तक 5 ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प तभी पूरा हो सकता है जब देश की सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य समान गति और संकल्प के साथ आगे बढ़े। मुख्यमंत्री योगी के अनुसार, इसी उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार ने व्यापक विमर्श और जनभागीदारी के आधार पर राज्य का विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया है जिसमें जनप्रतिनिधियों तथा जनता दोनों के सुझाव शामिल किए गए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अनुसार विकसित भारत के निर्माण में उत्तर प्रदेश को अपनी भूमिका मजबूत करनी होगी। इसके लिए विधानसभा में 27 घंटे तक लगातार चर्चा कराई गई, जिसमें सभी दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही जनता से भी व्यापक स्तर पर सुझाव मांगे गए और अब तक 98 लाख विचार प्राप्त हुए। इन सुझावों को आधार बनाकर राज्य के 12 प्रमुख सेक्टरों के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश का लक्ष्य वर्ष 2029-30 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का है और राज्य की वर्तमान प्रगति इस दिशा में उत्साहजनक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उत्तर प्रदेश 'विकसित भारत विकसित उत्तर प्रदेश' और 'आत्मनिर्भर भारत आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' के संकल्प को पूरा करेगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निवेश के क्षेत्र में हुए बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रारंभिक दौर में कई उद्यमी उत्तर प्रदेश लौटने से हिचकिचाते थे और राज्य के प्रति नकारात्मक धारणा रखते थे।

योगी ने कहा कि उन्होंने उद्योग जगत को भरोसा दिलाया कि नया उत्तर प्रदेश उन्हें अवश्य दिखाई देगा। इसी प्रयास के परिणामस्वरूप रोड शो में ढाई लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव प्राप्त हुए और पहले इन्वेस्टर समिट में यह आंकड़ा बढ़कर लगभग चार लाख पचहत्तर हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2023 के तीसरे इन्वेस्टर समिट में उत्तर प्रदेश को कुल 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इस प्रकार राज्य को अब तक कुल 45 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव मिले हैं जिनमें से 15 लाख करोड़ की परियोजनाएं जमीन पर उतर चुकी हैं।

91,441 बूथों पर बीएलओ ने किया शत-प्रतिशत कार्य

पायनियर समाचार सेवा लखनऊ।

प्रदेश के 34 विधानसभा क्षेत्रों और 91,441 बूथों पर बीएलओ ने शत-प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया है। अब तक 15.43 करोड़ से अधिक गणना प्रपत्रों का वितरण किया जा चुका है, जो लगभग 99.93 प्रतिशत है। इनमें से 14.52 करोड़ से अधिक प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन पूर्ण हो चुका है, जो करीब 94.04 प्रतिशत है। यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि राज्य में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) के कार्यों में तेज प्रगति दर्ज की जा रही है। उन्होंने कहा कि बीएलओ को चिन्हित अनुपस्थित, शिफ्टेड और मृत मतदाताओं की दोबारा गहन जांच करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित की जा सके। इस प्रक्रिया में राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए से पूरा सहयोग लेने पर भी जोर दिया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों से अपील की कि वे अपने बीएलए को सहयोगात्मक भूमिका निभाने के निर्देश दें, जिससे पात्र मतदाताओं के नाम सही ढंग से मतदाता सूची में दर्ज हो सकें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के अद्यतन का कार्य अंतिम चरण में है और आयोग इसे पारदर्शी तथा त्रुटिरहित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सरकार का उद्देश्य अधिकतम लोगों को राहत देना

❖ 31 मार्च के बाद भुगतान करने वाले बकायेदार भी होंगे लाभान्वित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने विद्युत बिल राहत योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को एक और बड़ी राहत प्रदान करते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। पहले 31 मार्च के बाद आंशिक भुगतान कर चुके उपभोक्ताओं को इस योजना के दायरे से बाहर रखा गया था, जिससे अनेक उपभोक्ता योजना का लाभ नहीं ले पा रहे थे। विभिन्न जिलों के दौरे और विद्युत बिल राहत शिविरों के निरीक्षण के दौरान कई उपभोक्ताओं ने मंत्री से आग्रह किया कि अप्रैल, मई, जून आदि महीनों में उन्होंने कुछ न कुछ भुगतान अवश्य किया है, किंतु फिर भी उनका काफी बकाया शेष है, इसलिए उन्हें भी योजना का लाभ दिया जाए। उपभोक्ताओं की इस पीड़ा और वास्तविक स्थिति को समझते हुए ऊर्जा मंत्री ने अत्यंत संवेदनशीलता के साथ अधिकारियों को तुरंत निर्देश दिए कि ऐसे सभी उपभोक्ताओं को योजना के लाभ से वंचित न किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार का उद्देश्य अधिकतम लोगों को राहत देना है, इसलिए भुगतान कर चुके किन्तु अब भी बकायेदार उपभोक्ताओं को योजना का लाभ मिलना चाहिए। ऊर्जा मंत्री के निर्देशों के क्रम में अब 30 नवंबर तक भुगतान करने वाले ऐसे सभी उपभोक्ताओं को भी विद्युत बिल राहत योजना में शामिल कर लिया गया है। जनहित में लिए गए इस महत्वपूर्ण फैसले से प्रदेशभर के उपभोक्ताओं ने ऊर्जा मंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने वास्तव में जनता की परेशानी को समझा और राहत प्रदान करने का सार्थक प्रयास किया है।

संविधान को सही तरीके से लागू करे सरकार: मायावती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने रविवार को कहा कि बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर ने करोड़ों गरीबों, दलितों, शोषितों और वंचितों को सामाजिक न्याय व अधिकार दिलाने के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनके मिशनरी विचार बहुजन समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। बसपा प्रमुख ने कहा कि बाबा साहेब ने जीवनभर वंचितों और आमजन के हितों के लिए संघर्ष किया और संविधान के माध्यम से उन्हें अधिकार दिलाए। इसलिए उनके दिखाए मार्ग पर चलना और उनकी नीतियों को ईमानदारी से लागू करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी समर्थकों और श्रद्धालुओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि बाबा साहेब का मिशन तभी पूरा होगा जब पिछड़े, दलित और वंचित वर्गों को न्याय, सुरक्षा और समान अवसर वास्तविक रूप से प्राप्त होंगे।

सशस्त्र सेनाएं कठिन परिस्थितियों में राहत पहुंचाने का करती हैं कार्य : गोयल

❖ सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर मुख्य सचिव को निदेशक ने प्रतीकात्मक झंडा लगाकर स्मृति चिन्ह किया भेंट

पायनियर समाचार सेवा

लखनऊ। सशस्त्र सेना झंडा दिवस के पावन अवसर पर मुख्य सचिव एसपी गोयल को सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास के निदेशक ब्रिगेडियर अतुल कुमार एसएम (अ. प्रा.) द्वारा प्रतीकात्मक झंडा लगाकर स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

उन्होंने कहा कि हमारी सशस्त्र सेनाओं का साहस, शौर्य, त्याग, बलिदान तथा निःस्वार्थ भाव से सेवा करने का स्वर्णिम इतिहास रहा है। सशस्त्र सेनाएं कठिन परिस्थितियों और दुर्गम स्थानों पर न केवल राष्ट्र की सुरक्षा और क्षेत्रीय अखण्डता को बनाए रखने, अपितु देश की आन्तरिक कठिनाइयों व दैवीय आपदाओं के समय लोगों की जीवन रक्षा करने तथा उन्हें राहत पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न करती हैं।

दलित व पिछड़े वर्ग के लिए संगठन आर-पार की करेगा लड़ाई

❖ यूपी पावर ऑफिसर्स एसोसिएशन की प्रांतीय कार्यसमिति के पदाधिकारियों ने बैठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी पावर ऑफिसर्स एसोसिएशन की प्रांतीय कार्यसमिति की एक आवश्यक बैठक रविवार फील्ड हॉस्टल कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि बिजली निगम में दलित एवं पिछड़े वर्ग के अभियंताओं के साथ हो रही लगातार उत्पीड़नात्मक और भेदभावपूर्ण कार्यवाहियों के विरोध में संगठन आर-पार की लड़ाई लड़ेगा। एसोसिएशन ने कहा कि वर्तमान चुनी हुई सरकार में दलित अभियंताओं को न्याय केवल उच्च न्यायालय से ही मिल पाता है, जो अत्यंत चिंताजनक स्थिति है। इसलिए सरकार से मांग की गई कि इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। संगठन ने अपने सभी सदस्यों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने विभागों में हो रही दुर्भावनापूर्ण कार्यवाहियों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें। इन सभी रिपोर्टों को एकत्रित कर एसोसिएशन मुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री से समय लेकर विस्तृत रूप से अवगत कराएगा कि बिजली कंपनियों में दलित अभियंताओं के खिलाफ भेदभावपूर्ण कार्यवाही हो रही है, जिस पर तत्काल रोक लगाई जाए। एसोसिएशन ने स्पष्ट कहा कि दलित अभियंताओं के उत्पीड़न के कई मामलों से यह साबित होता है कि दलित अभियंताओं के खिलाफ भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' से आगरा मंडल में जबरदस्त सफलता

पायनियर समाचार सेवा

लखनऊ/आगरा। योगी सरकार की हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने की नीति उत्तर प्रदेश को विद्युत उत्पादन में आत्मनिर्भर बना रही है, साथ ही बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी सृजित कर रही है। केंद्र की 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' को आगरा मंडल में जबरदस्त सफलता मिली है। यहां 82 हजार से अधिक लोगों ने सौर ऊर्जा से अपने घर और प्रतिष्ठान रोशन करने के लिए आवेदन किया है, जिससे ब्रज क्षेत्र ग्रीन एनर्जी की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है।

यूपी नेडा परियोजना अधिकारी (अतिरिक्त प्रभार) खगेंद्र सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार की प्रोत्साहन नीतियों और पीएम सूर्य घर योजना के कारण सौर ऊर्जा का उपयोग बढ़ रहा है। आगरा मंडल में अब तक 82759 लोगों ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत आवेदन किया है। जिसमें आगरा जनपद से 30502 आवेदन प्राप्त हुए है। उन्होंने कहा कि यह योजना न केवल उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली प्रदान कर रही है, बल्कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देते हुए पर्यावरण और रोजगार दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रही है। इस योजना से आगरा मंडल में अब तक 3200 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला है। इस योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा 'सूर्य मित्र' प्रशिक्षण कार्यक्रम है। यूपी नेडा द्वारा युवाओं को सोलर पैनल लगाने और रखरखाव का मुफ्त प्रशिक्षण दिया जाता है।

पिछले 4 वर्षों में काशी में 26 करोड़ श्रद्धालुओं और पर्यटकों का हुआ आगमन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने कहा कि 'काशी तमिल संगमम' का आयोजन प्रधानमंत्री की सोच है। प्रधानमंत्री द्वारा उत्तर एवं दक्षिण भारत की सांस्कृतिक आदान-प्रदान की परंपरा को 'काशी तमिल संगमम' के माध्यम से पुनर्जीवित करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा काशी के विकास के लिए ऐतिहासिक कार्य किए गए हैं और इसी का परिणाम है कि पिछले 4 वर्षों में काशी में लगभग 26 करोड़ श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों का आगमन हुआ, जो की वाराणसी के सांस्कृतिक आकर्षण को दर्शाता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एवं वाराणसी के मंडलायुक्त राजलिंगम ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि 'काशी तमिल संगमम' का आयोजन उत्तर एवं दक्षिण भारत की संस्कृत आदान-प्रदान परंपरा की परंपरा को पुनर्जीवित करने के साथ-साथ राष्ट्र की एकता और अखंडता को भी बल प्रदान करती है।

मंडलायुक्त ने कहा कि यह काशी एवं रामेश्वरम का आकर्षण ही है कि उत्तर भारत के लोगों को दक्षिण भारत एवं दक्षिण भारत के लोगों को उत्तर भारत की यात्रा के लिये प्रोत्साहित करती है। मंडलायुक्त ने कहा कि उत्तर एवं दक्षिण भारत के बीच यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान सदियों पुराना है और 'काशी तमिल संगमम' के माध्यम से यह एक नये रूप में दिख रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर प्रभाकर सिंह ने कहा काशी तमिल संगमम के आयोजन से दोनों स्थानों के लोगों को एक दूसरे के महान विभूतियों जिनका राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान रहा है के बारे में जानने का अवसर प्रदान करता है तथा यह हमारी सांस्कृतिक एकता को बल प्रदान करता है।

मीडिया कार्यशाला को संबोधित करते हुये काशी पत्रकार संघ के अध्यक्ष अरुण मिश्रा ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है जिसके चलते इसकी जिम्मेदारियां भी एक सजग प्रहरी के रूप में है।कार्यशाला में बैंक ऑफ बड़ौदा के उप महाप्रबंधक मनोज कुमार बख्शी द्वारा भी भागीदारी की गई।

स्टेट बैंक एससी-एसटी एसो. के चुनाव संपन्न

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय स्टेट बैंक अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ, लखनऊ पूरब तथा पश्चिम अंचल का त्रैवार्षिक चुनाव, मण्डल महामंत्री-आशा राम की निगरानी में, चुनाव अधिकारी रतन कुमार (सेनि), कौशलेन्द्र कुमार (सेनि) तथा राजेंद्र प्रसाद (सेनि) द्वारा संपन्न कराया गया। निर्वाचन प्रक्रिया में लखनऊ अंचल पूरब तथा पश्चिम के सभी जिलो अयोध्या, गोंडा, बाराबंकी, सीतापुर, लखीमपुर, शाहजहांपुर, बलरामपुर, बहराइच एवं लखनऊ से आए सभी सदस्यों ने अपने-अपने जिला कमेटी का गठन कर, अंचल कमेटी का गठन किया। जिसमें लखनऊ अंचल (पश्चिम) से गौरव कुमार सिंह को अध्यक्ष, विवेक कुमार को उपमहासचिव एवं लखनऊ अंचल (पूरब) से अशोक कुमार को अध्यक्ष एवं राहुल कुमार सिंह को उप महासचिव एवं अन्य पदाधिकारी को सर्वसम्मति से चुना गया।

टैलेंट हंट में युवा प्रतिभाओं ने जीता दिल

❖ 23 दिसम्बर को होगा ग्रैंड फिनाले

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के युवा कलाकारों को अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुँचाने के उद्देश्य से ''उत्तर प्रदेश आर्टिस्ट अकादमी'' द्वारा ''मिस एंड मिस्टर उत्तर प्रदेश-2025-26'' टैलेंट हंट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस कड़ी में रविवार 7 दिसम्बर को गोमती नगर विभूति खंड स्थित होटल सेवी ग्रैंड में टैलेंट हंट का आयोजन किया गया। इसमें लगभग दो सौ प्रतिभागियों ने अपने हुनर का प्रभावी प्रदर्शन कर अपनी प्रबल दावेदारी पेश की। प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले 23 दिसंबर को लखनऊ में आयोजित किया जाएगा, जिसमें फिल्म जगत की प्रतिष्ठित हस्तियाँ राजकुमार संतोषी, अनिल शर्मा, राहुल रॉय, सुरेंद्र पाल, अली खान, हेमंत बिरजे, उर्वशी सोलंकी, शुभी जोशी और संजय गगनानी की उपस्थिति प्रस्तावित है। रविवार को हुई प्रतिस्पर्धा के निर्णायक मंडल में अंतरराष्ट्रीय फैशन डिजाइनर निधि खन्ना, कोरियोग्राफर दीप सच्चर, निहिल श्रीवास्तव, मिस उत्तर प्रदेश तनिष्क शर्मा, प्रभाती पांडे, वैष्णवी दुबे, अभिनेता पुष्पेंद्र सक्सेना तथा अजीम खान, अज़हर मिर्ज़ा उपस्थित रहे। निर्णायक मंडल ने सुयोग्य प्रतिभागियों का चयन अपनी अपनी कसौटी पर किया। मिस एंड मिस्टर उत्तर प्रदेश के टैलेंट हंट राउंड में दीपांजलि त्रिपाठी ने सेमी क्लासिकल गाने पर सुंदर डांस किया वहीं अभिमन्यु राज ने अपनी गायकी से मशहूर गायक राहत फतेह अली के सूफियाना अंदाज को पेश किया।

यहियागंज गुरुद्वारे का दो करोड़ से किया जाएगा कायाकल्प: जयवीर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पर्यटन विभाग राजधानी लखनऊ स्थित ऐतिहासिक यहियागंज गुरुद्वारे का पर्यटन विकास करने जा रहा है। गुरुद्वारे के ऐतिहासिक महत्व, सामुदायिक आस्था और शहर की सांस्कृतिक विरासत को सहेजते हुए पर्यटन विकास पर 2 करोड़ रुपए की धनराशि खर्च की जाएगी। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि सिखों के नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर और दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी की स्मृतियों से जुड़े गुरुद्वारे का पर्यटन विकास हमारी प्राथमिकता है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार सभी धर्मों की आस्था का समान रूप से सम्मान करती है।

राजपूत रेजिमेंटल सेंटर में सम्पन्न हुई 33वीं द्विवर्षीय कॉन्फ्रेंस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजपूत रेजिमेंटल सेंटर में 5 से 7 दिसंबर तक '33वीं बायनयल कॉन्फ्रेंस' (द्विवर्षीय कॉन्फ्रेंस) आयोजित की गयी, जिसमें लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार जीओसी-इन-सी पश्चिमी कमान और कर्नल ऑफ द राजपूत रेजिमेंट, वरिष्ठ सेवारत एवं सेवानिवृत अधिकारी, सभी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर्स और सूबेदार मेजर सम्मिलित हुए क इस अवसर पर सभी पदों ने रेजिमेंट के महत्वपूर्ण सामरिक विषयों पर चर्चा की। शनिवार को एक भव्य एवं गरिमामयी सैन्य समारोह आयोजित किया गया, जिसमें सभी वरिष्ठ सैन्य पदों ने करियप्पा वार मेमोरियल पर पहुंचकर अमर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की और उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। जिसने वातावरण को भावनात्मक और गौरवपूर्ण बना दिया। पुष्पांजलि अर्पित करने के उपरांत विशेष सैनिक सम्मलेन का आयोजन हुआ जहां लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार जी ओ सी-इन-सी पश्चिमी कमान और कर्नल ऑफ द रेजिमेंट द्वारा लेफ्टिनेंट जनरल हरजीत सिंह साही कमांडांट, आर्मी वार कॉलेज, महू को 'बैटन' सौंपकर 'कर्नल ऑफ द राजपूत रेजिमेंट' के अतिप्रतिष्ठित पद का औपचारिक हस्तांतरण सम्पन्न किया गया। नव नियुक्त 19वें कर्नल ऑफ़ द रेजिमेंट ने भूतपूर्व 18वें कर्नल ऑफ़ द रेजिमेंट को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के सम्मान स्वरुप उन्हें स्क्राल भेंट की।

मीटर स्मार्ट है लेकिन अभी तक कॉमिक स्मार्ट नहीं : उपभोक्ता परिषद

❖ अबतक प्रदेश में 4702 उपभोक्ताओं के कनेक्शन पोल से मैन्युअली काटे गए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी में अब तक लगभग 53 लाख स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा चुके हैं। यह मीटर पूरी तरह ऑटोमेटिक प्रणाली पर कार्य करते हैं, जिनमें उपभोक्ता के खाते में शेष राशि कम होने या बकाया होने पर बिजली सप्लाई स्वतः ही ऑनलाइन कट जाती है और रिचार्ज होने पर स्वयं जुड़ भी जाती है। लेकिन कुछ खंडों में अभी भी अभियंताओं को पुरानी आदत पड़ी है कि बकाए पर कनेक्शन सीढ़ी से कटता है तो स्मार्ट प्रीपेड मीटर वाले उपभोक्ताओं के यहां भी सीढ़ी लेकर पहुंच गए मीटर स्मार्ट है लेकिन अभी तक कॉमिक स्मार्ट नही।

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा बिजली कंपनियों में जानकारी चौंकाने वाली रही कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जाने के बावजूद प्रदेश में 4702 उपभोक्ताओं के कनेक्शन पोल से मैन्युअली काटे गए। यह वही पुरानी व्यवस्था है जिसमें बिजली कर्मचारी सीढ़ी लेकर पोल पर चढ़कर कनेक्शन काटते थे। जब यह मामला विद्युत निगम के आला अधिकारियों के संज्ञान में आया तो उन्होंने सभी अभियंताओं और कर्मचारियों को यह स्पष्ट निर्देश दिए कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर में किसी भी प्रकार का पोल से कनेक्शन काटना पूर्णतः अनुचित और गैर-जरूरी है, क्योंकि यह सिस्टम पूरी तरह डिजिटल है और कनेक्शन स्वतः ही ऑनलाइन कटता है।

मामला बढ़ने पर पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के निदेशक (तकनीकी) को हस्तक्षेप करना पड़ा और उन्होंने एक स्पष्ट व सख्त आदेश जारी किया। जिसमें उन्होंने यह कहा कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं का कनेक्शन किसी भी परिस्थिति में पोल से नहीं काटा जाएगा। किसी भी मैन्युअल हस्तक्षेप–जैसे पोल से लाइन उतारना या डिस्कनेक्ट करना–पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाता है। स्मार्ट मीटर से जुड़े सभी डिस्कनेक्शन-रिकनेक्शन केवल ऑटोमेटिक ऑनलाइन प्रणाली से ही होंगे। अभियंताओं और फील्ड स्टाफ के लिए स्मार्ट मीटरिंग सिस्टम पर विशेष प्रशिक्षण अनिवार्य किया जाये।

कारोबारी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

❖ आर्थिक तंगी से परेशान था कारोबारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जानकीपुरम थाना क्षेत्र में नहर रोड मौर्या भट्ठे के पास मुंशीपुलिया निवासी रामबाबू गौड़ (55) ने बीती रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिवारजन के अनुसार वह पिछले कई महीनों से आर्थिक संकट और दुकान न चलने की वजह से अवसाद में थे।

एक साल पहले उन्होंने जानकीपुरम स्थित मौर्या भट्ठे के पास हार्डवेयर की दुकान खोली थी, लेकिन कारोबार न चल पाने से वे लगातार मानसिक दबाव में थे। पुलिस ने शव का पंचायत नामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए ट्रामा सेंटर भेज दिया। जानकीपुरम इंस्पेक्टर ने बताया कि रामबाबू की शनिवार सुबह घर से दुकान के लिए निकलने के पहले उनकी पत्नी सरोजिनी से कहासुनी भी हुई थी। इसके बाद वे दुकान चले गए और देर रात तक घर नहीं लौटे। देर रात उन्होंने पत्नी को वीडियो कॉल कर फांसी लगाने की बात कही। यह सुनते ही पत्नी के होश उड़ गए और उन्होंने बेटे निर्मल को जानकारी दी। निर्मल ने पड़ोसियों को साथ लेकर दुकान पहुंचा तो मुख्य शटर लॉक मिला, जबकि बगल का छोटा शटर भी बंद था। जब शटर खोला गया तो अंदर रामबाबू पंखे से लोहे की चेन के सहारे लटके मिले। बेटे ने रोते हुए पुलिस को सूचना दी। परिवार में पत्नी सरोजिनी, एक बेटा और एक विवाहित बेटी है। बेटे निर्मल ने बताया कि दुकान लगातार घाटे में चल रही थी और घर भी लोन पर था, जिसकी किस्तें समय पर न दे पाने से पिता काफी तनाव में रहते थे। जानकीपुरम थाना प्रभारी विनोद कुमार तिवारी ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। मौके पर कोई भी सुसाइड नोट नही मिला है।

ब्रेकर बना मौत का कारण, पीएसी जवान की इलाज के दौरान मौत

पायनियर समाचार सेवा, लखनऊ। हजरतगंज थाना क्षेत्र में ड्यूटी के दौरान हुए एक दर्दनाक हादसे में पीएसी जवान की मौत हो गई। शुक्रवार शाम हुई दुर्घटना में घायल जवान ने रविवार को ट्रॉमा सेंटर में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना की सूचना से विभाग और परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के मुताबिक, उन्नाव जिले के औरास थाना क्षेत्र निवासी बबलू राणा (28) पीएसी की 32वीं वाहिनी बटालियन में तैनात थे। वह गोमती नगर रिवर फ्रंट कैंप में सुरक्षा एवं बाढ़ राहत व्यवस्था से जुड़ी ड्यूटी कर रहे थे। शुक्रवार शाम करीब 6:30 बजे वह अपनी बुलेट बाइक से हजरतगंज की ओर जा रहे थे। इसी दौरान हजरतगंज क्षेत्र में सड़क पर अचानक आए एक बड़े ब्रेकर को न देख पाने के कारण उनकी बाइक अनियंत्रित होकर उछल गई और वह सड़क पर गिर पड़े। गिरने से उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। मौके पर मौजूद कर्मियों ने उन्हें तत्काल ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा था। लेकिन तीन दिन तक जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करने के बाद रविवार को उनकी मौत हो गई।

संदिग्ध परिस्थितियों में ठेकेदार की मौत

❖ पेड़ से लटकता मिला शव छानबीन में जुटी पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पारा थाना क्षेत्र में रविवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब ग्राम खुशहाल निवासी 55 वर्षीय फर्नीचर ठेकेदार का शव संदिग्ध परिस्थितियों में आम के पेड़ से लटकता मिला। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इंस्पेक्टर सुरेश कुमार के अनुसार मृतक की पहचान वाहिद खान (55) पुत्र स्व. अली हुसैन, निवासी ग्राम खुशहाल, के रूप में हुई है। वह लकड़ी ठेकेदारी व फर्नीचर का कार्य करते थे। परिजनों के मुताबिक वह रोज की भांति सुबह करीब चार बजे घर से निकले थे। दोपहर करीब एक बजे ग्रामीणों ने अशफाक के आम के बाग में शव लटका देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। मृतक के बड़े बेटे शोएब ने बताया कि सुबह से उनकी तलाश की जा रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि उनका शव कब्रिस्तान के पास बाग में लटका मिला है। मृतक अपने पीछे पत्नी, दो बेटे शोएब और उबेश तथा दो बेटियां आफरीन और जुबैदा को छोड़ गए हैं।

शादी का झांसा देकर किशोरी से रेप

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

निगोहा थाना क्षेत्र के एक गांव की 13 साल की एक किशोरी को एक युवक ने शादी का झांसा देकर उसे बहला फुसला कर भगा ले गया। जहां उसके साथ दुराचार किया। परिवारीजनों की सूचना पर निगोहां पुलिस ने युवक को धर दबोचा। प्रभारी निगोहां अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि थानां क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली एक महिला ने रविवार को शिकायत की कि जिसमे उसने बताया कि बीते शुक्रवार की सुबह-सुबह लगभग 11 बजे उसकी 13 वर्ष की बेटी को धनवारा थाना मोहनलालगंज निवासी शोभित द्वारा बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया। रविवार को ग्राम रामपुरगढ़ी के पास से आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

रंजिश में दबंगों ने दलित पर किया जानलेवा हमला

❖ कार का शीशा भी तोड़ा, नहीं दर्ज हुई एफआईआर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

माल थाना क्षेत्र में दबंगों ने पुरानी रंजिश को लेकर दलित को बुरी तरह से लात-घुसों से पीट-पीट कर लहूलुहान कर दिया। शोर शराब होने पर दबंगो ने फायरिंग कर दी। यही दबंगों ने उसकी कार का शीशा भी तोड़ डाला। पीड़ित से इस संबंध में थाना में तहरीर दी है लेकिन एफआईआर नहीं हुई।

माल थाना क्षेत्र के मसीढा रतन गांव निवासी चंद्रसेन पासी शनिवार को अपने साथी आकाश को उसके गांव बीरपुर छोड़कर रात लगभग नौ बजे अपने गांव वापस लौट रहा था। चंद्र सेन का आरोप है कि रास्ते में उसके गांव के ही रहने वाले चंद्र प्रताप व शेखर सिंह अपने अज्ञात 10/12 साथियों के साथ स्कॉर्पियो, डिजायर कार और दो पहियों से रास्ते में झीनगी नाले के पास गाड़ा बंदी कर खड़े थे। देखते ही एक राउंड गोली चला दी। जब वह बचकर भागने लगा तो अपनी गाड़ियों और बाईकों से पीछा कर दौड़ा लिया, तो उसने अपनी कार को खेतों में उतार कर पैदल भागने लगा। जिस पर शेखर सिंह ने फिर फायर झोंक दिया। जिससे वह गिर गया। तब सभी लोग असलहों के बट और लात-घूसों से मारने पीटने लगे।

बोर्डिंग रोके जाने से नाराज यात्री का एयरपोर्ट पर हंगामा

❖ सुरक्षाकर्मियों से की हाथापाई, पुलिस ने भेजा जेल

पायनियर समाचार सेवा। सरोजनीनगर

अमौसी स्थित चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर शनिवार रात एक यात्री ने हाई वोल्टेज ड्रामा किया। वह नशे की हालत में इंडिगो एयरलाइंस से दम्माम जा रहा था। उसे नशे की हालत में होने के कारण बोर्डिंग से रोक दिया गया। नाराज यात्री ने टर्मिनल के बाहर जमकर उत्पात मचाया और सुरक्षाकर्मियों से धक्का-मुक्की तक कर डाली।

पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान घनश्याम विश्वकर्मा पुत्र विरेंद्र शर्मा, निवासी ग्राम पडियापुर, पोस्ट मडौली, थाना महुवाडीह, जिला देवरिया के रूप में हुई है। वह इंडिगो की फ्लाइट 6ए-97 से सऊदी अरब के दम्माम जाने वाला था। एयरपोर्ट सुरक्षा कर्मियों द्वारा थाने पर की गयी शिकायत के मुताबिक, घनश्याम काफी नशे में था, जिसके चलते एयरलाइंस स्टाफ ने उसे उड़ान के लिए अयोग्य बताते हुए बोर्डिंग से मना कर दिया और ऑफलोड कर टर्मिनल के बाहर भेज दिया। टर्मिनल से बाहर आते ही यात्री ने अपना आपा खो दिया। उसने अपना बैग पटक पटक कर तोड़ना शुरू कर दिया और यात्रियों से भी अभद्र व्यवहार किया। जब ड्यूटी पर मौजूद एमएसएफ सुरक्षाकर्मियों ने हस्तक्षेप किया तो वह उनसे गाली-गलौज और हाथापाई पर उतर आया। स्थिति बिगड़ते देख अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों ने उसे काबू में किया और सरोजनीनगर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ सार्वजनिक स्थान पर उत्पात, धमकी व कर्मचारियों से दुर्व्यवहार समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने उससे पूछताछ करने के बाद उसे जेल भेज दिया है।

सीएम ग्रिड योजना के काम के दौरान दीवार ढही

❖ तीन मजदूर घायल,एक की हालत गंभीर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विभूति खंड थाना क्षेत्र में रविवार को बड़ा हादसा हो गया। सीएम ग्रिड योजना के तहत गोमती नगर बस डिपो में चल रही खुदाई के दौरान एक जर्जर दीवार अचानक भरभराकर गिर पड़ी। दीवार गिरने से तीन मजदूर मलबे की चपेट में आकर घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक मलबा हटाने का कार्य ओमेक्स की तरफ से पीपीपी मॉडल के तहत किया जा रहा था। उसी दौरान सीतापुर निवासी दीपू, मलिहाबाद निवासी रामआसरे और सीतापुर के ही फकीरे हादसे की चपेट में आ गए। दीपू और रामआसरे के पैरों में चोटें आई हैं, जबकि फकीरे का हाथ टूट गया है और कंधे में भी चोट बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर हड़कंप मच गया। घायलों को तुरंत लोहिया अस्पताल ले जाया गया जहां उनका इलाज जारी है।नगर निगम के चीफ इंजीनियर महेश वर्मा ने कहा कि घटना की रिपोर्ट लेकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वहीं ठेकेदार ने बताया कि मलबा हटाते समय जर्जर दीवार अचानक गिर गई, जिससे हादसा हुआ।

रुद्र महायज्ञ से सनातन संस्कृति को मिलता है बढ़ावाः महाराज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आशियाना क्षेत्र एक निजी होटल में रविवार को बनारस से पधारे आदि गुरु वैदिक सेवा संस्थान के आयोजक व कथावाचक शैवाचार्य प्रशांत प्रभु महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिव महापुराण एवं रुद्र महायज्ञ से सनातन संस्कृति को बढ़ावा मिलता है। हम पाश्चात्य सभ्यता जीवनशैली को अपनाते जा रहे है जबकि पश्चिमी देशों के लोग भारतीय संस्कृति को अपना रहे है। आगामी 14 दिसंबर को कलश यात्रा के साथ एलडीए कॉलोनी के रामलीला मैदान में दस दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा एवं रुद्र महायज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है जिसका समापन 25 दिसंबर को किया जाएगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में व्यक्ति की मौत, पत्नी ने लगाया हत्या का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पारा क्षेत्र के खुशहालगंज गांव में एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पत्नी हनीफा ने लिखित प्रार्थनाज्ञपत्र देकर उमेश यादव नाम के व्यक्ति पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

जानकारी के मुताबिक पत्नी के अनुसार 7 दिसंबर 2025 की सुबह करीब 3:30 बजे उनके पति वहीद खाँ नींद से उठकर नहाए थे। इसके बाद सुबह 5 बजे के आसपास वह घर से बाहर चले गए, जिसके बाद वे वापस नहीं लौटे,हनीफा का आरोप है कि उनके पति ने हाल ही में थाना औरास क्षेत्र में लकड़ी खरीदी थी, जिस मामले में उमेश यादव ने उन्हें पकड़वाया था और 2 लाख रुपये की मांग कर रहा था, जबकि मृतक ने वन विभाग में 4 दिसंबर को 80,000 रुपये जुर्माना के रूप में जमा भी किया था। पत्नी ने बताया कि कुछ दिन पहले उमेश ने उनके बेटे के खाते में पैसे ट्रांसफर कराकर वहीद से नकद ले लिए थे, जिसके बाद वह बार-बार धमकी देता था,मैं सचिवालय में हूँ, तुम्हें जेल भेज दूँगाङ्क कानूनी कार्यवाही करवाऊँगा।परिजनों का दावा है कि उमेश यादव कई बार उनके घर भी आया था और यह बात पूरे परिवार को मालूम है,हनीफा ने कहा कि आज सुबह करीब 11 बजे उनके बेटे के मोबाइल पर भी उमेश का फोन आया था और वह वहीद के बारे में पूछ रहा था।

शार्ट सर्किट से लगी आग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आलमबाग के आजाद नगर में रहने वाले एक चिकित्सक के मकान के प्रथम तल पर रविवार दोपहर अचानक से आग लग गया। छत से धुएं की लपटे देख क्षेत्र में हड़कंप मच गया। कंट्रोल नंबर की सूचना पर पहुंची एक दमकल की गाड़ी ने थोड़ी ही देर में आग पर काबू पा लिया लेकिन तब तक कमरे का सारा घरेलू समान जलकर नष्ट हो चुका था। फिलहाल आग से लाखों का सामान जलकर स्वाहा हो गया। आलमबाग के आजाद नगर में स्वास्थ्य महकमे में कार्यरत डॉ वरुण कुमार गुप्ता अपने परिवार संग रहते है। रविवार दोपहर अचानक मकान के प्रथम तल से धुंआ निकलने लगा। जिसे देख वहां हड़कम्प मच गया।

मांगों को लेकर किसानों की महापंचायत

❖ 1.25 करोड़ रुपये प्रति बीघा मुआवजे की मांग दोहराई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

काकोरी कोतवाली क्षेत्र के जालियामऊ में आगरा एक्सप्रेस-वे के निकट रविवार को किसानों की एक बड़ी महापंचायत आयोजित की गई। यह बैठक एलडीए की वरुण विहार योजना के तहत अधिग्रहित की जा रही भूमि के उचित मुआवजे को लेकर बुलाई गई थी। महापंचायत में क्षेत्र के 12 गांवों के सैकड़ों किसान शामिल हुए।

किसानों ने सर्वसम्मति से 1.25 करोड़ रुपये प्रति बीघा मुआवजे की मांग दोहराई। किसानों का कहना था कि विकास योजनाओं के नाम पर उनकी जमीन तो ली जा रही है, लेकिन उन्हें जमीन के अनुरूप न्यायसंगत दर पर मुआवजा नहीं मिल रहा। इससे उनकी आजीविका और भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। महापंचायत को लेकर प्रशासन भी अलर्ट रहा। सुरक्षा की दृष्टि से कई थानों की पुलिस फोर्स तैनात की गई और पूरे कार्यक्रम के दौरान अधिकारी स्थिति पर नजर बनाए रहे। कार्यक्रम में किसानों के समर्थन में भाजपा के पूर्व सांसद कौशल किशोर सहित कई स्थानीय नेता भी मौजूद रहे। मंच से उन्होंने कहा कि किसानों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

12 गांवों के किसानों को समान रूप से 1.25 करोड़ रुपये प्रति बीघा मुआवजा मिलना चाहिए। बैठक के अंत में किसानों ने उम्मीद जताई कि एलडीए उनकी मांगों पर सकारात्मक और पारदर्शी तरीके से विचार करेगा। किसानों का कहना है कि वे विकास कार्यों के विरोधी नहीं हैं, लेकिन अपनी जमीन का न्यायपूर्ण और संतुलित मूल्य चाहते हैं।

कार्यक्रम के प्रमुख आयोजकों में डॉ. रमेश रावत, रवि पारस पाल, मुन्ना भाई, हरिपाल गौतम उर्फ कल्लू, दाऊद मियां, पिंटू राजपूत, मुनव्वर अहमद, सुंदरलाल यादव, डॉ. महेंद्र प्रजापति, सूरज कनौजिया, अजय राजपूत, रमाकांत, दिलीप प्रधान प्रतिनिधि सकरा, कप्तान यादव, धर्मेंद्र सिंह चौहान, सुरेंद्र लोधी, नरेश प्रजापति, जयवीर, सरोज यादव, पेंटर राकेश प्रजापति, मोहम्मद इब्राहिम, मोहम्मद शरबत अली आदि शामिल रहे।

डॉक्टर ने जहरीला पदार्थ खाकर दी जान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मोहनलालगंज क्षेत्र के केसरीखेडा गाँव में डॉक्टर ने शनिवार को जहरीला पदार्थ खा लिया। जिसके बाद परिजन गंभीर हालत में इलाज के लिए ट्रामा टू लेकर गये। जहां इलाज के दौरान डॉक्टर की मौत हो गयी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिये भेज दिया। मोहनलालगंज के सिसेंडी के केसरीखेड़ा निवासी शिवम ने बताया कि उनके पिता नरसिंह बहादुर सिंह बीएमएस डॉक्टर थे और सिसेंडी में क्लीनिक चलाते थे। शनिवार की सुबह वह क्लीनिक गये थे थोड़ी देर बाद घर आकर अपने कमरे मे जाकर दरवाजा अंदर से बंद कर जहरीला पदार्थ खा लिया।

होटल कारोबारी की इनोवा कार चोरी

❖ पुलिस ने नहीं दर्ज की रिपोर्ट, संदिग्ध मान रही घटना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

गोमतीनगर में होटल कारोबारी की इनोवा मकान के सामने से चोरी हो गयी। कारोबारी ने पुलिस को सूचना दी लेकिन ने अभी तक गाड़ी चोरी की रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। कारोबारी का आरोप है कि पुलिस कार्रवाई करने के बजाए उन्हें ही उल्टा चोरी की साजिश में शमिल होने की बात कह रही है। जबकि पीड़ित ने इनोवा कार के दोनों ही चाभी पुलिस को उपलब्ध करा दी है। गोमतीनगर के विशालखंड में रहने वाले बालक राम कश्यप होटल कारोबारी है। गोमतीनगर थाने में दी तहरीर के अनुसार शनिवार की रात में सड़क पर भीड़ अधिक होने की वजह से उन्होंने अपनी इनोवा कार यूपी32जीजे-8555 विनम्र खंड 1/30 के सामने खड़ी करके सोने चला गया। अगले दिन सुबह उठा तो देखा कि इनोवा कार गायब है। बालकराम ने बताया कि वह कई घंटे तक आसपास और इलाके में इनोवा कार ढूढ़ा लेकिन कार नहीं मिली। जिसके बाद उन्होंने थाने में जाकर तहरीर दी। बालकराम का आरोप है कि तहरीर मिलने के बाद थाने से प्रकरण की जांच के लिए तहरीर चौकी तकवा विनम्रखंड भेज दी गयी जहां चौकी प्रभारी मोहित है।

अनियंत्रित कार ने कई वाहनों को मारी टक्कर, क्षतिग्रस्त

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

गुडम्बा थाना क्षेत्र के जानकीपुरम सेक्टर-एच, सहारा स्टेट के पास रविवार दोपहर एक अनियंत्रित कार ने जोरदार उत्पात मचाया। तेज रफ्तार स्विफ्ट डिज़ायर कार ने सड़क किनारे खड़ी कई गाड़ियों को टक्कर मार दी और फिर अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसा इतना तेज था कि कई दोपहिया और चारपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि कार चालक गाड़ी के भीतर ही फँस गया। जानकीपुरम निवासी एडवोकेट दिनेश बहादुर ने बताया कि उनकी कार घर के सामने बाउंड्री से सटाकर खड़ी थी। करीब 11:30 बजे अचानक एक तेज रफ्तार स्विफ्ट डिज़ायर ने उनकी कार व पास में खड़ी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद कार आगे खड़ी सुरेश कुमार की कार और स्कूटी को भी क्षतिग्रस्त करती हुई उलटकर सड़क पर पलट गई। स्थानीय लोग शोर सुनकर मौके पर पहुंचे और गंभीर रूप से फँसे ड्राइवर को बाहर निकालने का प्रयास किया। दिनेश सिंह बताया कि ड्राइवर नशे में लग रहा था जब लोगो ने पुलिस की मदद से उसको गाड़ी से निकलने की कोशिश की।

युवक से मारपीट, अभद्रता करने वालों पर एफआईआर

❖ उच्चाधिकारियों की फटकार पर हुई कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शहर में महिला सुरक्षा को लेकर किए जा रहे दावे एक बार फिर सवालों के घेरे में हैं। जानकीपुरम के रसूलपुर कायस्थ इलाके में गत पांच नवंबर की शाम घर में घुसकर एक युवक पर हुए हमले और महिलाओं से की गई अभद्रता के मामले में पुलिस की लापरवाही स्पष्ट रूप से सामने आई है। दर्जनभर से ज्यादा हमलावरों द्वारा युवक को बुरी तरह पीटे जाने और महिलाओं के साथ मारपीट के बावजूद जानकीपुरम पुलिस ने अब तक मुकदमा दर्ज नहीं किया है। इतना ही नहीं, घटना के स्पष्ट सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध होने के बावजूद पीड़ितों को न्याय नहीं मिल सका था। फिलहाल वरिष्ठ अफसरों के फटकार के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है।

जानकीपुरम विस्तार में शुक्रवार रात एक परिवार पर हुए हमले ने पूरे मोहल्ले में दहशत फैला दी। रसूलपुर कायस्थ निवासी पूजा सिंह, जो हाईकोर्ट में अधिवक्ता हैं, ने थाना लखनऊ में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि करीब 20 से 25 लोगों के समूह ने उनके घर पर ईंट-पत्थर चलाते हुए घुसकर बर्बर तरीके से हमला किया। घटना में उनकी गर्भवती बहन को गंभीर चोटें आई हैं, जिसे सेंट मेरी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूजा सिंह ने बताया कि गत चार दिसंबर को परिवार सीतापुर में हुए धार्मिक कार्यक्रम में गये थे। पांच दिसंबर की शाम लगभग सात बजे परिवार के सभी सदस्य घर लौटे तो पिता समर बहादुर सिंह ने घर के सामने टूटी नाली को लेकर बिल्डर सुरेंद्र कुमार सिंह से कहासुनी हो गयी। कुछ देर बाद रात लगभग 7:50 बजे सुरेंद्र कुमार सिंह जो प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता है अपने साथियों अंकुर शुक्ला, महेश शुक्ला, ऋषि सिंह, अविनाश शुक्ला तथा कई अज्ञात लोगों के साथ वहां पहुंचे। समूह ने ईंट-पत्थर चलाने शुरू कर दिए और गेट खुलते ही घर में घुसकर हमला कर दिया। उच्चाधिकारियों के आदेश के बाद जानकीपुरम पुलिस ने दूसरे दिन मुकदमा दर्ज किया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने उनकी माता प्रीति सिंह की साड़ी खींचकर मारपीट की। बीच-बचाव करने पहुंचीं उनकी बहन आरती सिंह जो दो माह की गर्भवती हैं को पेट पर जोरदार चोटें पहुंचाई गईं, जिससे वह बेहोश होकर गिर पड़ीं। इसी दौरान भीड़ ने तांडव जारी रखा। पीड़िता पूजा का आरोप है कि उनके साथ भी बदसलूकी की गई, कपड़े फाड़े गए और छेड़छाड़ की गई, जिससे वह असहज होकर रोने लगीं। हमलावरों के भागने के बाद घायल आरती को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने कई जांचें कराने की सलाह दी है। पीड़िता ने बताया कि प्रमुख आरोपी पर कई आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं और उसकी गैंग आए दिन क्षेत्र में मारपीट कर लोगों को डराती-धमकाती रहती है।

संक्षिप्त समाचार

जरूरी उत्पादों का पेश किया कलेक्शन

पायनियर, लखनऊ। जैसे-जैसे देशभर में सर्दी दस्तक दे रही है, यह मौसम आराम, बचाव और रोजमर्रा की सेहत पर ध्यान देने का समय बन जाता है। साधारण इम्युनिटी बूस्टर और राहत देने वाले उपायों से लेकर ऐसे उपयोगी सामान तक, जो अपने प्रियजनों को गर्म और सहज बनाए रखने में मदद करते हैं, विंटर एसेंशियल्स ठंडे दिनों को आसान बना देते हैं। इस सर्दी, अमेजन के एवरीडे एसेंशियल्स ने हेल्थ एंड पर्सनल केयर, गॉरमेट ग्रोसरी, बेबी केयर और पेटकेयर जैसी कैटेगरीज में जरूरी उत्पादों का एक सोच-समझकर चुना हुआ कलेक्शन पेश किया है, जिससे हर घर के लिए मौसमी तैयारी और भी आसान, समझदारी भरी और आरामदायक हो जाती है। ग्राहक अब नए स्पेशल स्टोरफ्रंट, बेबी गिफ्टिंग और प्रीमियम बेबी केयर के साथ-साथ इम्युनिटी एसेंशियल्स, रेस्पिरेटरी केयर और किड्स विंटर हेल्थ जैसे क्यूरेटेड कलेक्शन भी देख सकते हैं। अमेजन पे के जरिए ग्राहक अतिरिक्त बचत का आनंद ले सकते हैं, जबकि प्राइम मेंबर्स को हजारों उत्पादों पर सेम-डे डिलीवरी का फायदा मिलता है।

नथिंग फोन (3ए) लाइट नए कलर में

पायनियर, लखनऊ। लंदन-बेस्ड टेक्नोलॉजी कंपनी नथिंग ने अपने स्मार्टफोन फोन (3ए) लाइट की सेल पांच दिसंबर 2025 से शुरू हो गयी है। इंडिया लॉन्च के दौरान कंपनी ने क्लासिक ब्लैक और व्हाइट के साथ एक नया ब्लू कलर ऑप्शन भी पेश किया है। इस डिवाइस में नथिंग का सिग्नेचर ट्रांसपेरेंट डिजाइन, 6.77 इंच का एमोलेड डिस्प्ले, 50 मेगापिक्सल मेन कैमरा जो ट्रूलेंस इंजन 4.0 से लैस है, मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7300 प्रो चिपसेट और 5000एमएएच बैटरी दी गई है। इस स्मार्टफोन की कीमत 20,999 रूपए रखी गई है, जो बैंक डिस्काउंट के बाद 19,999 (8जीबी + 128जीबी वैरिएंट) में खरीदा जा सकेगा। फोन (3ए) लाइट अब भारत में फिलपकार्ट, विजय सेल्स, क्रोमा और अन्य प्रमुख रिटेल आउटलेट्स पर उपलब्ध है।

अमेजन बाजार ने एक वर्ष किया पूरा

पायनियर, लखनऊ। अमेजन ने घोषणा की है कि उसके अल्ट्रा-अफोर्डेबिलिटी स्टोर अमेजन बाजार ने लॉन्च के एक साल के भीतर ट्रांजैक्टिंग ग्राहकों में आठ गुना वृद्धि हासिल कर ली है जिसका प्रमुख कारण टियर-2 और टियर-3 शहरों में बढ़ती अपनाने की दर है अमेजन बाजार फैशन, जूलरी, होम डेकोर, किचनवेयर और इलेक्ट्रॉनिक एक्सेसरीज जैसी कैटेगरी में 600 रुपये से कम कीमत वाले उत्पादों का बड़ा चयन प्रदान करता है। दो करोड़ से अधिक उत्पाद पहले से ही लाइव हैं और बाजार लगातार ग्राहकों की विविध जरूरतों और पसंद को पूरा करने के लिए नए प्रोडक्ट जोड़ रहा है जिससे भारत के सभी ग्राहकों को ट्रेंडी और बजट-फ्रेंडली उत्पादों तक आसान पहुंच मिल सके। इस सीजन अमेजन बाजार पर कार्ट में सबसे ज्यादा जोड़े गए कुछ उत्पाद, होम डेकोर बजट बायज, एलीगेंट सिरेमिक व्हाइट बॉटल-शेप्ड वाज, इसे 190 रुपये में खरीदें, इस स्लिक, सफेद सिरेमिक वाज के साथ किसी भी स्पेस में मिनिमलिस्ट आकर्षण जोड़ें। इसकी ग्रेसफुल बॉटल शेप ऊंचाई और एलीगेंस लाती है ताजे फूलों, ड्राइड स्टेम्स या एक स्टैंडअलोन डेकोर पीस के रूप में आपके घर को आसानी से सुंदर बनाती है।

सड़क हादसे में बुजुर्ग की मौत

पायनियर, लखनऊ। आलमबाग क्षेत्र में तीन पूर्व गुरुवार दोपहर सड़क पर घायलावस्था में पड़े बुजुर्ग की अस्पताल में मौत की पुष्टि होने पर थाने पर तैनात एसआई ने जांच के बाद दुर्घटना को अंजाम देने वाली गाड़ी नंबर आधार पर शनिवार को मुकदमा दर्ज कराया है। वहीं मृतक बुजुर्ग का शिनाख्त नहीं हो सका है। आलमबाग इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र सरोज ने बताया कि गुरुवार दोपहर आलमबाग चौराहे पर एक चोटिल 60 वर्षीय बुजुर्ग के पड़े होने की सूचना मिली थी। जिसपर मौके पर पहुंचे उपनिरीक्षक धीरज यादव ने चोटिल बुजुर्ग को त्वरित एम्बुलेंस से इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल भेजा। जहां डॉक्टरों ने बुजुर्ग को मृत घोषित कर दिया था। मृतक बुजुर्ग का काफी पहचान कराने का कोशिश किया गया लेकिन मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी। आसपास लगे कैमरों खंगालने पर जानकारी हुआ कि चारपहिया वाहन (यूपी35बीपी-8889) की टक्कर से बुजुर्ग चोटिल हुआ था। जिससे उसकी मौत हो गई थी। गाड़ी नंबर आधार पर उपनिरीक्षक धीरज यादव की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पीएम रिर्पोट में जहर की पुष्टि नही

पायनियर, लखनऊ। माल थाना क्षेत्र में शनिवार को अमलौली गांव के एक बाग में मिले शव के मामले में मृतक महेंद्र गुप्ता के भाई सर्वेश गुप्ता निवासी राजगढ़ ने चार व्यक्तियों के खिलाफ जहर देकर हत्या किए जाने की तहरीर थाने पर दी थी। जिस पर थाना प्रभारी ने दो सगे भाइयों शुभम तथा सुबोध को तत्काल गिरफ्तार कर लिया था। साथ ही शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। राजगढ़ गांव के रहने वाले महेन्द्र गुप्ता की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट रविवार को मिलने के बाद प्रकरण उलझता जा रहा है। बताया जा रहा है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में जहर और एल्कोहल होने की पुष्टि नहीं हुई है। इसके बाद भी परिजनों ने नामजद आरोपियों पर कार्रवाई न होने पर गांव में शव को रखकर प्रदर्शन करने की धमकी दी थी। इस पर थाना प्रभारी के द्वारा काफी देर तक समझाने बुझाने पर शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया था। उधर पुलिस हत्या के खुलासे के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। साथ ही लगभग दर्जनभर लोगों को थाने लाकर पूछताछ करने में जुटी है।

हॉलिडे टॉय लिस्ट स्टोर किया लॉन्च

पायनियर, लखनऊ। अमेजन इन ने 2025 हॉलीडे टॉय लिस्ट की घोषणा कर दी है, जिसे त्योहारों के दौरान खिलौने खरीदने के लिए प्रमुख डेस्टिनेशन के रूप में पेश किया गया है। इस बड़ी रेंज में 10 लाख से अधिक खिलौनों के कलेक्शन से चुनी गई 10,000 से ज्यादा खास डील्स शामिल हैं। प्राइम मेंबर्स को छुट्टियों के व्यस्त सीजन में भी सेम-डे और नेक्स्ट-डे डिलीवरी मुफ्त मिलती है, साथ ही नई लॉन्चिंग और लिमिटेड-एडिशन कलेक्टिबल्स पर विशेष शुरूआती एक्सेस भी मिलता है। हॉलीडे टॉय लिस्ट में रोमांचक नए कैरेक्टर कलेक्शंस को पेश किया गया है। जिनमें स्पंजबॉब, डोरेमॉन, हेलो किटी, स्मर्फ्स, लेगो वेडनेसडे और फॉमूर्ला एक कलेक्टिबल्स, इनसाइड आउट, लिलो एंड स्टिच शामिल हैं, साथ ही लंबे समय से पसंद किए जाने वाले फ्रेवरेट्स जैसे मार्वल, डिज्नी फ्रोजन, स्टार वार्स, हैरी पॉटर, ट्रांसफॉर्मर्स, पोकेमॉन, पेप्पा पिग और पाव पेट्रोल भी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास, 5- कालिदास मार्ग, लखनऊ में सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर 'फ्लैग पिन' और 'स्मारिका' का किया विमोचन।

स्टार्टअप इंडिया की नई धड़कन बना यूपी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

❖ प्रदेश में 18568 स्टार्टअप सक्रिय रूप से कर रहे कार्य

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज स्टार्टअप इंडिया की नई धड़कन बनकर उभर रहा है। प्रदेश सरकार के संकल्पित प्रयासों और उद्योग अनुकूल नीतियों ने राज्य में एक नई स्टार्टअप संस्कृति को जन्म दिया है। पिछले कुछ वर्षों में स्टार्टअप इकोसिस्टम में गुणात्मक और परिमाणात्मक वृद्धि देखने को मिली है।

स्टार्टअप इकोसिस्टम के मामले में उत्तर प्रदेश, देश में अपना विशेष स्थान रखता है। यह बदलाव न केवल प्रदेश की आर्थिक प्रगति को रफ्तार दे रहा है बल्कि युवा ऊर्जा को सही दिशा भी प्रदान कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार का विज़न, प्रदेश के युवाओं को जॉब सीकर से, जॉब क्रिएटर बनाना है। प्रदेश के सभी 75 जिलों में स्टार्टअप की मौजूदगी है, जो एग्री-टेक, एआई, ड्रोन और फिनटेक आदि क्षेत्र से हैं। योगी आदित्यनाथ सरकार के समर्थन से उत्तर प्रदेश में स्टार्टअप की संख्या तेजी से बढ़ी है। वर्तमान में प्रदेश में 18568 स्टार्टअप सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। यह संख्या इस बात का प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश अब उद्यमिता का मजबूत गढ़ बन चुका है। इन स्टार्टअप्स में से लगभग आठ हजार स्टार्टअप्स का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। सरकार की नीतियों में यह दृष्टिकोण साफ झलकती है। स्टार्टअप नीति ने युवाओं को न केवल उद्यम आरंभ करने का अवसर दिया है बल्कि उन्हें आवश्यक मेंटरशिप, वित्तीय सहयोग और तकनीकी सहयोग भी उपलब्ध कराया है। इनक्यूबेशन सेंटरों की संख्या में तेजी से हुई वृद्धि ने नए उद्यमियों को जमीन स्तर से लेकर उद्योग स्थापना को मजबूत आधार दिया है।

प्रदेश के कई विश्वविद्यालय और तकनीकी संस्थान नवाचार के केंद्र बन चुके हैं। यहां से निकलने वाले नए विचार और प्रयोग पूरे देश के स्टार्टअप परिदृश्य में अपनी पहचान बना रहे हैं। योगी आदित्यनाथ सरकार की आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स संबंधी नीतियों ने भी स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई दिशा दी है। प्रदेश में आईटी सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, लखनऊ, कानपुर और गोरखपुर जैसे शहर अब आईटी और टेक आधारित स्टार्टअप के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। सरकार द्वारा आईटी पार्कों का विकास तेज गति से किया जा रहा है। यही कारण है कि विश्व की कई बड़ी कंपनियां भी उत्तर प्रदेश को निवेश के लिए उपयुक्त स्थान मान रही हैं। स्टार्टअप सेक्टर के विशेषज्ञ रजत श्रीवास्तव का कहना है कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की प्रभावी और ठोस स्टार्टअप नीति के कारण स्टार्टअप इको सिस्टम तेजी से सुदृढ़ हो रहा है। इनका कहना है कि आने वाले समय में उत्तर प्रदेश स्टार्टअप का बहुत बड़ा केंद्र बनेगा। आज उत्तर प्रदेश में सरकार की पारदर्शी नीतियां मजबूत कानून-व्यवस्था और उद्योग अनुकूल वातावरण के कारण उद्यमिता एक नई ऊंचाई पर पहुंच रही हैं।

महिला उद्यमियों की भागीदारी भी तेजी से बढ़ी है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी अब नवाचार और उद्यमिता का विस्तार हो रहा है जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियां बढ़ रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अपने स्टार्टअप इकोसिस्टम को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। प्रदेश की नई पहचान एक विकसित नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित हो रही है। जहां युवा अपने सपनों को जमीन पर उतार रहे हैं और उत्तर प्रदेश को नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर कर रहे है।

सीएम योगी के मार्गदर्शन में सड़क परिवहन ढांचे का किया जा रहा है आधुनिकीकरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

❖ यह दिवस देश की रक्षा में शहीद हुए वीर जवानों और उनके परिवारों के कल्याण और सम्मान के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता को दर्शाता है

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार ने सड़क सुरक्षा, आधुनिक परिवहन ढांचे और तकनीकी सुदृढ़ीकरण को गति देने के लिए कई जरूरी कदम उठाए हैं। यूपी परिवहन विभाग और यातायात निदेशालय ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए की कई महत्त्वपूर्ण पूंजीगत एवं राजस्व योजनाओं के प्रस्ताव को मुख्य सचिव की बैठक में स्वीकृति मिली है। इन योजनाओं के तहत अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंफोर्समेंट डिवाइसेस, सीसीटीवी नेटवर्क का विस्तार, बीटीटीई इकाइयों के लिए उपकरण, के-इन-मोशन सेंसर, इंटरसेप्टर वाहनों की खरीद और यातायात जागरूकता को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया गया है।

यूपी परिवहन विभाग और यातायात निदेशालय की ओर से सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से वर्ष 2025-26 के लिए मुख्य सचिव की बैठक में जरूरी प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई है।

इसके तहत राजधानी, लखनऊ के प्रमुख चौराहों पर सीसीटीवी कैमरों की स्थापना के लिए 4.96 करोड़ रुपये की राशि को स्वीकृति दी गई है। साथ ही मुरादाबाद और बलिया जनपद में प्रमुख चौराहों पर इंटीग्रेटेड सीसीटीवी इंस्टालेशन के लिए लगभग 3.10 करोड़ रुपये की राशि को स्वीकृत की गई है। इसके साथ ही बीटीटीई ईकाइयों के लिए ट्रक सिमुलेटर और अन्य तकनीकी उपकरणों की खरीद के लिए 1.28 करोड़ रुपये स्वीकृत किये गये हैं।

ढाबे के पास मिला युवक का शव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मोहनलालगंज कस्बे के बनी रोड पर स्थित गुप्ता ढाबे के पास सड़क किनारे बीते शनिवार की देर रात एक अज्ञात युवक सदिंग्ध परिस्थितियों में मृत अवस्था में पड़ा मिला। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस युवक के शव को कब्जे में लेकर आस-पास के लोगों को मौके पर बुलाकर शिनाख्त कराने के प्रयास किये लेकिन नाकाम रही। जिसके बाद पुलिस ने शिनाख्त के लिये मृतक के शव को मर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस को मृतक के पास से एक मोबाइल फोन मिला है,जिसमें मिले नंबरों पर पुलिस ने सम्पर्क किया तो मृतक का नाम राजकुमार बताया गया और ढाबो में तंदूर लगाने का काम करने की बात कही गयी।

शराब माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ।

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने अवैध शराब और मादक द्रव्यों के खिलाफ अपना अब तक का सबसे सबसे व्यापक और असरदार अभियान चलाकर शराब माफियाओं को सख्त संदेश दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि अवैध शराब माफिया के लिए प्रदेश में न तो जगह है और न ही कोई ढिलाई। सख्त नीति, संयुक्त प्रवर्तन तंत्र और लगातार निगरानी ने प्रदेश में कानून व्यवस्था को और मजबूत करते हुए जनसुरक्षा को केंद्र में रखा है।

आबकारी विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में अक्टूबर 2025 तक शराब तस्करों के खिलाफ कुल 70,017 मामले दर्ज किए और 18.5 लाख लीटर अवैध शराब बरामद की। अवैध शराब की बिक्री से जुड़े 13,243 लोगों को पकड़ा गया और 2,464 आरोपियों को जेल भेजा गया।

आबकारी विभाग का अभियान इस बात का प्रमाण है कि योगी सरकार इस पूरे नेटवर्क को उखाड़ फेंकने की दिशा में कड़ाई बरत रही है। नवंबर 2025 में भी अवैध शराब कारोबार के विरुद्ध सरकार का अभियान जारी रहा और सिर्फ एक माह में 10,002 अभियोग दर्ज करने के साथ 2.35 लाख लीटर अवैध शराब की बरामदगी की गई। त्योहारों और विशेष अवसरों पर अवैध शराब की मांग बढ़ने की आशंका को देखते हुए सरकार ने वर्ष 2025-26 में अक्टूबर तक 5 विशेष छापेमारी अभियान चलाए। अभियान का छठा चरण 17 नवंबर से आरंभ हुआ है जो 16 दिसंबर तक जारी रहेगा। इन अभियानों के दौरान 20,590 मामले दर्ज किए गए और 5.2 लाख लीटर अवैध शराब की बरामदगी की गईं। अभियान के दौरान 3,976 गिरफ्तारियां और 657 आरोपियों को जेल भेजा गया। आबकारी विभाग की टीम ने 23 तस्करी वाहन भी जब्त किए। इस अवधि में सोनभद्र में 18,491 लीटर, मथुरा में 9,913 लीटर, लखनऊ में 7,247 लीटर, बलिया में 6,152 लीटर, और आजमगढ़ में 4,958 लीटर अवैध शराब बरामद की गई। बरामदगी की मात्रा और अभियोगों की गंभीरता साफ दर्शाती है कि अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय गिरोहों पर इस बार की कार्रवाई सबसे प्रभावी रही।

डाले ने खड़े कंटेनर में मारी टक्कर चालक गंभीर

लखनऊ। दुबग्गा कोतवाली क्षेत्र के किसान पथ आउटर रिंग रोड पर रविवार देर शाम अमेठिया सलेमपुर गांव की कट के पास बड़ा हादसा हो गया। यहां सड़क के किनारे पहले से खराब खड़े कंटेनर में तेज रफ्तार हाफ डाला अनियंत्रित होकर पीछे से जा भिड़ा। टक्कर इतनी भीषण थी कि डाले का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक स्टेरिंग में ही करीब एक घंटे तक फंसा रहा। राहगीरों ने पुलिस की मदद से काफी मशक्कत के बाद चालक धर्मेंद्र पाल, निवासी बाबा का पुरवा, जिला प्रतापगढ़, को बाहर निकाला। उन्हें गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति नाजुक बताई जा रही है।

भारत की पहली व्यापक वीडीए हैंडबुक हुई लांच

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

❖ कॉयनस्विच ने पुलिस एवं कानून प्रवर्तन एजेंसी के लिए हुई जारी

भारत के सबसे बड़े क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म कॉयनस्विच ने वर्चुअल डिजिटल असेट्स डीकोडेड के लॉन्च की घोषणा की है। यह देश की पहली व्यापक हैंडबुक है, जिसे कानून प्रवर्तन एजेंसियों, साइबरक्राइम युनिट्स एवं नीति निमार्ताओं को तेजी से बदलते वीडीए सिस्टम को समझने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। देश भर में क्रिप्टो का अडॉप्शन तेजी से बढ़ रहा है, ऐसे में पुलिस और साइबरक्राइम युनिट्स को डिजिटल असेट्स से जुड़े मुश्किल मामलों का सामना करना पड़ रहा है। इस हैंडबुक को देश भर में मुख्य पुलिस स्टेशनों और साइबरसिक्योरिटी युनिट्स को वितरित किया जाएगा, ताकि फ्रंटलाईन अधिकारियों को जरूरी टूल्स एवं रूझान सुलभ हो सकें, जिनकी उन्हें जरूरत है। लॉन्च के अवसर पर आशीष सिंघल, सह-संस्थापक एवं सीईओ, कॉयनस्विच ने कहा, भारत बुनियादी स्तर पर क्रिप्टो अडॉप्शन के ग्लोबल लीडर के रूप में उभरा है, और 2025 में लगातार तीसरे साल ग्लोबल क्रिप्टो अडॉप्शन इंडैक्स में पहले स्थान पर रहा है।

समाजसेवियों और अधिवक्ताओं का विशेष समागम

पायनियर समाचार सेवा। सरोजनीनगर

सामाजिक सहयोग और न्याय व्यवस्था को आम लोगों तक सरल रूप में पहुंचाने के उद्देश्य से रविवार को सरोजनीनगर के बिजनौर रोड स्थित अमर मिलन लॉन में समाजसेवियों और अधिवक्ताओं का एक विशेष समागम आयोजित किया गया। इस समागम का मुख्य उद्देश्य सामाजिक संस्था मदद के गठन को अंतिम रूप देना तथा उसके कार्यक्षेत्र और जिम्मेदारियों पर मंथन करना था।

इस मौके पर प्रदेश सरकार के पूर्व राज्यमंत्री एवं अधिवक्ता वीरेंद्र तिवारी ने कहा कि जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए समाजसेवी व अधिवक्ताओं द्वारा मदद नामक संस्था का गठन किया जाना बहुत ही सराहनीय कार्य है। श्री तिवारी ने अपील करते हुए कहा कि कार्यक्रम में मौजूद सभी समाजसेवी व अधिवक्तागण आने वाले वर्ष में समाज के सभी वर्गो की मदद करने का संकल्प लेकर जाए। अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए श्री तिवारी ने कहा कि अधिवक्ता केवल अदालत में मुवक्किल का पक्ष रखने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह लोकतंत्र का एक मजबूत स्तंभ और समाज का सजग प्रहरी होता है। उन्होने कहा कि न्याय व्यवस्था तभी प्रभावी और मजबूत बन सकती है, जब अधिवक्ता अपने कर्तव्यों के प्रति ईमानदार, संवेदनशील और जिम्मेदार हों। अधिवक्ताओं को न केवल कानून का ज्ञान होता है, बल्कि वे समाज की समस्याओं, अधिकारों और अन्याय के खिलाफ लड़ने की क्षमता भी रखते हैं। कार्यक्रम को वरिष्ठ समाजसेवी शिवशंकर अवस्थी, पूर्व विधान परिषद सदस्य अरविन्द त्रिपाठी उर्फ गुड्डु, लखनऊ बार एसोसिएशन के पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश तिवारी, वरिष्ठ अधिवक्ता अवधेश शुक्ला, वीरेन्द्र कुमार तिवारी, नगर पंचायत प्रतिनिधि रंजीत रावत, सपा नेता हरिशंकर यादव, नीरज त्रिपाठी, अनुराग उत्तम, प्रेस क्लब सरोजनीनगर के संरक्षक शिव कुमार तिवारी एवं कार्यक्रम आयोजक समाजसेवी अमर सिंह यादव ने भी संबोधित किया।

बुंदेलखंड के 6 कृषि विज्ञान केंद्रों में तैयार कराए मिलेट्स प्रोसेसिंग प्लांट

पायनियर समाचार सेवा । लखनऊ

उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के अंतर्गत बुन्देलखंड के 6 जिलों में कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से मिलेट्स प्रसंस्करण, पैकेजिंग सह विपणन केंद्रों के निर्माण का काम फरवरी पूरा कर लिया गया है।प्रोसेसिंग प्लांट के लिए मशीनों की खरीद और इंस्टालेशन का काम जल्द शुरू होगा।

विभागीय अफसरों का कहना है कि अगले वर्ष ये सभी प्रोसेसिंग प्लांट शुरू हो जाएंगे, जिससे किसानों को इसका लाभ मिल सकेगा। झांसी, बांदा, ललितपुर, महोबा, जालौन और हमीरपुर जिलों में कृषि विभाग ने प्रोसेसिंग प्लांट के निर्माण के लिए आर्थिक मदद प्रदान की है। योगी सरकार ने प्रत्येक मिलेट्स प्रसंस्करण, पैकेजिंग सह विपणन केंद्र की स्थापना के लिए 95 लाख रुपये प्रदान किए हैं।

इन मिलेट्स प्रसंस्करण, पैकेजिंग सह विपणन केंद्रों की स्थापना का उद्देश्य श्री अन्न की खेती को बढ़ावा देना, प्रोसेसिंग करना और किसानों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने में मदद करना है।

सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर प्रोसेसिंग प्लांट के लिए भवन तैयार कर लिया गए है। अब आने वाले समय में इनमें अत्याधुनिक प्रोसेसिंग मशीन को लगाया जाएगा। इनके माध्यम से मोटे अनाज की प्रोसेसिंग और पैकेजिंग हो सकेगी।

टीईटी को लेकर शिक्षकों का 11 को दिल्ली मार्च

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

❖ लाखों की संख्या में होंगे लोग शामिल

सुप्रीम कोर्ट के टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) की अनिवार्यता को लेकर आदेश के खिलाफ शिक्षक संगठनों का आंदोलन तेज हो गया है। पिछले तीन महीनों से शिक्षक कभी जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन दे रहे हैं, तो कभी हस्ताक्षर अभियान चलाकर अपनी आवाज उठा रहे हैं। जिलाधिकारियों के माध्यम से प्रधानमंत्री, केंद्रीय शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री को भेजे गए ज्ञापनों के बीच अब कई सांसदों ने भी संसद में टीईटी अनिवार्यता समाप्त करने की मांग रख दी है। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने इसी कड़ी में रविवार को ऑनलाइन बैठक कर 11 दिसंबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर होने वाले धरने की रणनीति तय की। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बैठक में जिला और ब्लाक स्तर से दिल्ली आने वाले शिक्षकों की तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन अब निर्णायक चरण में है और 11 दिसंबर का धरना ऐतिहासिक होगा। राष्ट्रीय और प्रांतीय पदाधिकारियों ने भी धरने को सफल बनाने की प्रतिबद्धता जताई। संघ ने उन सांसदों का आभार व्यक्त किया। जिन्होंने संसद में टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ आवाज उठाई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि यदि टीईटी की शर्त समाप्त होती है तो उत्तर प्रदेश के दो लाख शिक्षक और देशभर के करीब 20 लाख शिक्षकों की सेवा सुरक्षा सुनिश्चित होगी। उन्होंने पदाधिकारियों से अपील की कि वे अन्य सांसदों से भी संपर्क बढ़ाएं और इस मुद्दे को संसद में उठाने का आग्रह करें, ताकि शिक्षकों को इस अव्यावहारिक आदेश से राहत मिल सके।

अमेजन करेगी भारत के एआई मिशन में सहयोग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अमेजन ने घोषणा की कि वह 2030 तक भारत के करोड़ों लोगों तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को पहुंचाने की योजना बना रही है, जिससे भारत सरकार के एआई मिशन को सुलभता, उत्पादकता और डिजिटल समावेश बढ़ाने में मदद मिलेगी। कंपनी लोकल क्लाउड और एआई बुनियादी ढांचे में 12.7 अरब डॉलर का निवेश करने की दिशा में अग्रसर है और अपने विभिन्न व्यवसायों के जरिये 1.5 करोड़ से अधिक छोटे व्यवसायों तक एआई के लाभ पहुंचाएगी। अमेजन ने वर्ष 2030 तक सरकारी-विद्यालयों के 40 लाख छात्रों को एआई साक्षरता और करियर जागरूकता प्रदान करने का भी संकल्प लिया है। अमेजन इंडिया के कंट्री मैनेजर, समीर कुमार ने कहा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में भारत में समान अवसर प्रदान करने की क्षमता है। यह भाषा, साक्षरता और पहुंच की कमी जैसी सभी बाधाओं को दूर करता जिनकी वजह से लोग सामाजिक रूप से उपेक्षित रहे। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में, अतिरिक्त सचिव तथा इंडिया एआईमिशन के मुख्य कार्यकारी, अभिषेक सिंह ने कहा, एआई के दौर में शिक्षा केवल नई प्रौद्योगिकी को समझने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसका लक्ष्य हर शिक्षार्थी को सक्षम बनाना भी है।

केस वापस न लेने पर दबंगों ने युवक का पीट कर तोड़ा हाथ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

❖ सीएम व डीजीपी को पत्र भेजने के बाद दर्ज हुई एफआईआर

इंदिरानगर थाना में पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा नही दर्ज हुआ। तहरीर में चेन व मोबाइल छीन लिये जाने की बात हटाए जाने पर ही एफआईआर दर्ज करने की बात कही गयी। जिस पर पीड़ित ने मुख्यमंत्री पोर्टल और डीजीपी को पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की। जिसके बाद पुलिस ने तहरीर लेकर रविवार को एफआईआर दर्ज की है। पीड़ित का आरोप है कि छेड़छाड़ का दर्ज कराये गए एफआईआर को दबंग वापस लेने के लिए दबाव बना रहे थे। वापस न लेने पर उसके भाई को बुरी तरह से पीट-पीट कर लहूलुहान कर दिया था। जिससे उसके हाथ में गंभीर चोट आयी थी। जिसे इलाज के लिए बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां हालत नाजुक होने पर ट्रॉमा सेंटर रिफर कर दिया गया था।

इंदिरानगर के तकरोही की रहने वाले एक युवक ने बताया कि इलाके के ही दबंग रिंकू राजपूत, तरूण राजपूत, चंदन राजपूत, विश्राम राजपूत व अन्य लोगों ने उसकी पत्नी के साथ छेड़छाड़ व मारपीट की थी। जिसमें उसके भाई आकाश गुप्ता के साथ मारपीट कर उसका हाथ तोड़ दिया गया था। जिसके बाद स्थानीय थाना में एफआईआर दर्ज करायी थी। इसी रंजिश को लेकर दबंग आरोपी परिजन पर केस वापस लेने का दबाव बना रहे थे। जिसको लेकर कई बार विवाद हुआ। इसी विवाद को लेकर दबंग उसने रंजिश रखने लगे।

इसी बीच इन लोगों ने धमकाया कि केस वापस नहीं लिया तो ठीक नहीं होगा। पीड़ित के मुताबिक गत 24 नवंबर को उनका भाई आकाश तकरोही जा रहा था। दशरथ लोधी चौराहे पर रिंकू राजपूत, संगीत राजपूत, विश्राम राजपूत और दो अन्य लोगों ने उसे रोक लिया। इसके बाद लोहे की रॉड और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में आकाश की बाएं हाथ की एक उंगली टूट गई, जबकि सिर, पीठ, हाथ-पैर पर गंभीर चोटें आईं। मारपीट के दौरान आरोपित उसकी चेन, मोबाइल और दो हजार रुपए भी लूट ले गए।

भाजपा सरकार में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर: अखिलेश

❖ इंडिगो वालों से भाजपा ने इलेक्टोरल बांड लिए थे

❖ दो करोड़ से तीन करोड़ लोगों का वोट कटेगा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर है। नौकरी, रोजगार नहीं है। थानों में लूट मची है। रूपया लगातार नीचे जा रहा है। रूपया गिरते-गिरते डालर के मुकाबले 90 रूपया पर पहुंच गया। डॉलर की कीमत बढ़ रही है। अर्थव्यवस्था पर बड़ा संकट है। भाजपा की केन्द्र और प्रदेश सरकार हर मामले में फेल है। भाजपा सरकार जनता से सच्चाई छिपाना चाहती है।

सहारनपुर में अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा जनहित में कोई काम नहीं कर रही है। किसान, नौजवान, मजदूर हर वर्ग परेशान है। भाजपा भावनाओं की राजनीति कर सरकार चला रही है। भाजपा सरकार संविधान से नहीं चल रही है। श्री यादव ने कहा कि सरकार को संविधान से चलना चाहिए। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने जो रास्ता दिखाया है जो संविधान बनाया हैं, सरकारों को उसी रास्ते पर चलना चाहिए। इंडिगो की फ्लाइटों के कैंसिल होने से यात्रियों को हो रही परेशानी को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि अगर उद्योगपतियों को ताकतवर बना देंगे तो वे सरकार पर दबाव बनाएंगे।

सरकार के ऊपर जाकर काम करेंगे। इंडिगो पर सरकार का दबाव नहीं है। इंडिगो वालों से भाजपा ने इलेक्टोरल बांड लिए थे। सरकार पर पूंजीवादी हावी हैं। अखिलेश यादव ने एसआईआर को लेकर कहा कि चुनाव आयोग का कार्य ज्यादा से ज्यादा लोगों का वोट बनवाने के लिए होना चाहिए लेकिन इधर देखा जा रहा है कि वोट काटा जा रहा है। भाजपा यूपी में हार गयी है इसीलिए वोट काटा जा रहा है। जो स्थिति है उससे हमारा अनुमान है कि दो करोड़ से तीन करोड़ लोगों का वोट कटेगा। जनता अपने वोट जुड़वाने के लिए कागज ढूंढ रही है। बड़े पैमाने पर लोगों के वोट काटे जा रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि सबके पास आधर कार्ड है। आधार कार्ड पर फिंगरप्रिंट है। आधार में आंख की रेटिना का भी फोटो ले रखा है। सब कुछ जानकारी आधार कार्ड में है। अगर आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है तो लोगों का वोट नहीं कटता। सबका वोट बन जाता। इतना फार्म नहीं भरना पड़ता। इतने कागज नहीं ढूंढ़ने पड़ते। अधिकारियों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। बीएलओ को गली-गली, घर-घर नहीं घूमना पड़ता। बीएलओ की जान भी नहीं जाती लेकिन भाजपा सरकार जानबूझ कर जनता को परेशान कर रही है। इसी तरह से नोटबंदी में जनता को परेशान किया गया था। कोविड में परेशान किया गया।

भाजपा के लोग झूठे हैं। महाकुंभ में बहुत लोगों की जान चली गयी। सरकार ने सही आंकड़ा नहीं बताया। श्री यादव ने कहा कि भाजपा ने जो-जो वादे किये उन्हें पूरे नहीं किये। विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा को हरा देगी।

यूपी में सपा के पक्ष में जनता ऐतिहासिक परिणाम देगी। सहारनपुर की जनता ने लोकसभा चुनाव में गठबंधन की मदद की है। हमें पूरा भरोसा है कि आने वाले समय में भी सहारनपुर की जनता सपा और गठबंधन की मदद करेगी और प्रदेश में सपा की सरकार बनेगी।

यूपी बोर्ड की कॉपियां होगी इस बार पूरी तरह से अलग

पायनियर, लखनऊ। यूपी माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की 10वीं और 12वीं की परीक्षा में इस बार उत्तर पुस्तिकाओं में दो अहम बदलाव किए गए हैं। अभी तक उत्तर पुस्तिका में महज एक कवर पेज होता रहा है जिस पर परीक्षार्थी अपना पूरा विवरण लिखता था। लेकिन पहली बार इस परीक्षा में दो कवर पेज किया जा रहा है। पहला कवर पेज परीक्षार्थियों के लिए होगा तो दूसरा कवर पेज परीक्षकों के लिए होगा। दूसरे कवर पेज पर परीक्षक अंक लिखेंगे कि किस पेज पर कितने अंक परीक्षार्थी को मिले हैं। अभी तक परीक्षक कापियों के मूल्यांकन के समय उसी कवर पेज पर अंक भी लिख देते थे। जिस पर परीक्षार्थी अपना विवरण भरा होता था। इससे कई बार कन्यूजन भी होता था।

CHAUDHARY CHARAN SINGH INTERNATIONAL AIRPORT, LUCKNOW ("AIRPORT")

INVITATION TO PARTICIPATE IN BIDDING PROCESS FOR DEVELOPMENT OF INTEGRATED CARGO TERMINAL AT THE AIRPORT

Interested parties are invited to participate in the competitive e-tendering process for Development of Integrated Cargo Terminal at the Airport.

Interested parties are requested to visit the website, https://airports.abcprocure.com/ and access the Request for Proposal (RFP) document(s).

RFP access shall be available from December 08th 2025, till IST 5:00 pm on December 20th 2025.

उतरौला बाजार में अतिक्रमण का जाल, लोग बेहाल

पायनियर संवाददाता। उतरौला, बलरामपुर

उतरौला बाजार इस समय अतिक्रमण की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। नगर के मुख्य बाजार से लेकर प्रमुख मार्गों तक, हर कोना अतिक्रमणकारियों के कब्जे में है। स्थानीय दुकानदारों से लेकर ठेले-खोमचे वालों तक, सभी ने सार्वजनिक स्थानों और सड़कों को अपनी व्यावसायिक गतिविधियों के लिए घेर रखा है।

इस अतिक्रमण ने न केवल यातायात व्यवस्था को बाधित किया है, बल्कि पैदल चलने वाले राहगीरों के लिए भी कठिनाई उत्पन्न कर दी है। उतरौला का मुख्य बाजार, सब्जी मंडी और श्यामा प्रसाद मुखर्जी चौराहा अतिक्रमण के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। मुख्य बाजार में दुकानदारों ने पटरियों पर कब्जा जमा लिया है, जिससे खरीदारी करने आए लोगों को आवाजाही में दिक्कत हो रही है। वहीं, ठेले-खोमचे वालों ने उतरौला-बलरामपुर, उतरौला-मनकापुर और उतरौला-डुमरियागंज मार्ग पर अतिक्रमण कर यातायात को और भी बाधित कर दिया है। सड़कों पर बढ़ते अतिक्रमण के कारण यातायात का दबाव बढ़ गया है। खासकर श्यामा प्रसाद मुखर्जी चौराहे पर हर 5 से 10 मिनट में जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इस जाम से वाहन चालकों और राहगीरों को भारी असुविधा होती है। पैदल चलने वालों को भी अतिक्रमण के कारण सड़कों पर चलने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ रहा है। अतिक्रमण के साथ-साथ नगर में चलने वाले ऑटो रिक्शा भी यातायात को प्रभावित कर रहे हैं। इन चालकों द्वारा मनमाने तरीके से सड़क पर वाहनों को रोकने और सवारियों को उतारने-बैठाने से जाम की स्थिति और गंभीर हो जाती है।

नगर पालिका परिषद उतरौला ने अतिक्रमण हटाने के लिए कई बार प्रयास किए हैं। ध्वनि विस्तारक यंत्रों के माध्यम से अतिक्रमण हटाने की घोषणाएं की गईं। स्थानीय लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान भी चलाए गए। लेकिन इन प्रयासों का प्रभाव सीमित रहा। दुकानदारों और अन्य अतिक्रमणकारियों द्वारा अतिक्रमण की समस्या जस की तस बनी हुई है। दुकानदारों का कहना है कि पटरियों पर कब्जा उनकी आजीविका का हिस्सा है। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से उनकी आमदनी प्रभावित होती है। उनका यह भी आरोप है कि नगर पालिका की कार्रवाई केवल दुकानदारों तक सीमित रहती है, जबकि ठेले-खोमचे वालों और अन्य अतिक्रमणकारियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। अतिक्रमण की समस्या के समाधान के लिए स्थानीय प्रशासन और नगर पालिका को मिलकर ठोस रणनीति बनानी होगी। सार्वजनिक स्थानों पर व्यापार के लिए वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराना, ठेले-खोमचे वालों के लिए निर्धारित बाजार स्थल का निर्माण, और यातायात नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना जरूरी है।उतरौला बाजार में अतिक्रमण की समस्या न केवल नगर की सूरत बिगाड़ रही है, बल्कि यातायात और आम जनता के जीवन को भी प्रभावित कर रही है। प्रशासन को चाहिए कि इस समस्या का स्थायी समाधान निकाले, ताकि नगर का विकास बाधित न हो और नागरिकों को राहत मिल सके।

रेहरा बाजार में किसानों को मिलेगा नेट हाउस,पंजीकरण शुरू

पायनियर संवाददाता। सादुल्लानगर/बलरामपुर

रेहरा बाजार पानी संस्था द्वारा क्षेत्र के किसानों को आधुनिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नेट हाउस उपलब्ध कराने की योजना शुरू की गई है। संस्था ने बताया कि नेट हाउस के अंदर सब्जियों की खेती करने पर फसलों को जंगली जानवरों और कीड़ों से सुरक्षा मिलती है, जिससे उत्पादन बढ़ता है।

योजना के तहत किसान को नेट हाउस प्राप्त करने के लिए कुछ निर्धारित शर्तें पूरी करनी होंगी। किसान के पास कम से कम 5 विस्सा खेत होना अनिवार्य है। पंजीकरण के लिए किसान को 16000 रुपये जमा करने होंगे। इसके साथ ही किसान को 5 बोरा सीमेंट, 20 फीट मोरंग और 20 फीट गिट्टी उपलब्ध करानी होगी। संस्था ने बताया कि नेट हाउस लगाने के लिए लगने वाले मजदूरों की व्यवस्था कम्पनी की तरफ से निःशुल्क की जाएगी।

अधिकारियों ने बताया कि यह सुविधा रेहरा ब्लॉक के लिए सीमित है और केवल 21 किसानों को ही नेट हाउस उपलब्ध कराया जाएगा।जो किसान भाई नेट हाउस लगवाना चाहते हैं, वे संपर्क कर सकते हैं– मनीष : 9984207572

परिवहन विभाग की लापरवाही से निजी वाहन बन गए टैक्सी

पायनियर संवाददाता। उतरौला(बलरामपुर)

उतरौला में निजी वाहनों का धड़ल्ले से व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा है। निजी कार चौक-चौराहों से सवारियां बैठाकर फरार्टा भरती नजर आ रही है। मनमाने तरीके से संचालित यह वाहन सवारियों की जेब तो ढीली कर ही रहे, परिवहन विभाग को भी राजस्व की चपत लगा रहे हैं।

व्यावसायिक रूप में पंजीकृत वाहनों से हर तीन माह में टैक्स लिया जाता है। जबकि निजी वाहन निजी इस्तेमाल किए जाते हैं। ऐसे में कई निजी वाहन संचालक बगैर टैक्सी परमिट पर ही धड़ल्ले से सवारियां ढो रहे हैं। यह लोग परिवहन विभाग को टैक्स दिए बिना ही वाहन का टैक्सी के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। नियमानुसार इन वाहनों पर कार्रवाई का प्रावधान है। बावजूद जिम्मेदार इन वाहनों पर रोक नहीं लगा पा रहे हैं।

जुमार्ने का है प्रावधान

निजी वाहनों में पंजीकृत वाहनों से किसी तरह का टैक्स नहीं लिया जाता है, जबकि व्यावसायिक पंजीकरण में सात सीट व पांच सीट वाले वाहन मालिकों से हर तीन माह में टैक्स लिया जाता है। वहीं, लोडर व बड़े वाहनों से सालाना टैक्स लिया जाता है। निजी वाहन का टैक्सी के रूप में संचालन करने वाले वाहन चालकों पर 29 हजार रुपये तक जुमार्ना भी है।

लेकिन विभाग की लापरवाही के चलते उतरौला में लगभग आधा दर्जन निजी वाहन धड़ल्ले से टैक्सी में चल रहे हैं। बलरामपुर एआरटीओ ने कहा कि निजी वाहनों का टैक्सी के रूप में संचालन नहीं होने दिया जा रहा है। हर माह चेकिंग अभियान चलाकर इन वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। जल्द फिर से अभियान चलाकर इन्हें बंद कराया जाएगा।

कम्पोजिट विद्यालय सहजौरा में मना भारतीय भाषा उत्सव

पायनियर संवाददाता। सादुल्लानगर/बलरामपुर

पीएम श्री कम्पोजिट विद्यालय सहजौरा में शनिवार को भारतीय भाषा उत्सव 2025 बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। प्रधानाध्यापक अब्दुर्रज्जाक के समुचित व्यवस्थापन और सहायक अध्यापक श्रीराम के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं तथा समस्त स्टाफ ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इस वर्ष उत्सव का थीम ₹मेनी लैंग्वेजेज, वन इमोशन रहा, जिसका उद्देश्य छात्रों में भारतीय भाषाओं व साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना, एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को सशक्त करना, अतिरिक्त भारतीय भाषाओं को सीखने के लिए प्रेरित करना तथा सांस्कृतिक सहानुभूति के माध्यम से राष्ट्रीय एकता को मजबूत बनाना है। कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय भाषाओं पर आधारित भाषा-वृक्ष पोस्टर, कला, कविता व स्लोगन तथा भारतीय त्योहारों पर निबंध जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथमः रुश्दा,द्वितीयः मरियम सिद्दीका,तृतीयः साधना भारतीय त्योहारों पर निबंध प्रतियोगिता में प्रथमः मारिया,द्वितीयः शबाना,तृतीयः सोनी कविता व स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथमः स्नेहा,द्वितीयः रीमा,तृतीयः साधना प्रतियोगिताओं में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक रामकरन, सत्येंद्र प्रताप आर्य, मोहम्मद अफजल, मघई राम, शिवपूजन वर्मा, वीरेंद्र तथा राबिया बसरी सहित अन्य शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।विद्यालय परिवार द्वारा ऐसे आयोजनों को छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु आवश्यक बताया गया।

अत्याधुनिक मशीनों से हुई पत्रकारों के आंखों की जांच

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

- प्रोफेसर डॉ आर पी मौर्य के नेतृत्व में बीएचयू चिकित्सकों ने लगाया शिविर
- पराड़कर स्मृति भवन में पत्रकारों ने नेत्रदान का लिया संकल्प

काशी पत्रकार संघ द्वारा संचालित वाराणसी प्रेस क्लब की ओर से रविवार को पराड़कर स्मृति भवन में नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। बीएचयू के नेत्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ॰ आर पी मौर्य के नेतृत्व में वरिष्ठ चिकित्सकों की टीम ने अत्याधुनिक मशीनों से पत्रकारों एव उनके परिजनों की गहन जांच की। शिविर का शुभारंभ करते हुए डा॰ आर॰ पी॰ मौर्य ने कहा कि समय से आंखों की जांच न होने से कई बार बीमारियां जटिल हो जाती हैं और कभी कभी तो आंख की रोशनी भी चली जाती है।

खासकर मधुमेह से पीड़ित व्यक्ति को विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होने सभी से नेत्रदान महादान अभियान में कार्निया डोनेशन की अपील की। इस दौरान करीब तीन दर्जन लोगों ने नेत्रदान संकल्प पत्र भी भरा। इस शिविर में बीएचयू के डॉ. संजय बसाक, डॉ. आशा, डॉ. शिवांगी सिंह, डॉ. शुभांगी गुप्ता, डॉ. प्रेरणा चौधरी, डॉ. शालिनी रंजन, प्रियंका सिंह, अमितेश चन्द्रा, आशुतोष त्रिपाठी आदि मौजूद थे। काशी पत्रकार संघ के अध्यक्ष अरुण मिश्र, महामंत्री जितेन्द्र श्रीवास्तव, वाराणसी प्रेस क्लब के अध्यक्ष चंदन रूपानी ने चिकित्सकों को अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। संचालन क्लब के मंत्री विनय शंकर सिंह ने किया।

शिविर के संयोजक शंकर चतुर्वेदी रहे। इस दौरान संघ के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप कुमार, योगेश गुप्त, केडीएन राय, बीबी यादव, राजनाथ तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार अखिलेश मिश्र, जयप्रकाश श्रीवास्तव, पंकज त्रिपाठी, हरीश शर्मा, कृष्ण बहादुर रावत, देवकुमार केशरी, रोहित चतुर्वेदी, अभिषेक सिंह, संजय गुप्ता, रवीन्द्र प्रकाश त्रिपाठी, राजेन्द्र यादव, विजय शंकर गुप्ता आदि सहित बड़ी संख्या में पत्रकार बन्धु व उनके परिजन उपस्थित रहे।

सादुल्लानगर थाना का अर्धवार्षिक निरीक्षण, व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश

सादुल्लानगर/बलरामपुर। पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी उतरौला राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने रविवार को थाना सादुल्लानगर का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मालखाना, हवालात, सीसीटीएनएस कार्यालय, मिशन शक्ति केंद्र, साइबर हेल्प डेस्क, आरक्षी बैरक और भोजनालय सहित विभिन्न शाखाओं का गहनता से परीक्षण किया। सीओ ने अपराध रजिस्टर, ग्राम अपराध रजिस्टर, ल्टर निगरानी रजिस्टर, त्यौहार रजिस्टर, आगन्तुक पंजिका सहित सभी महत्वपूर्ण अभिलेखों की जांच की और इन्हें पूरी तरह अद्यतन रखने के निर्देश दिए। उन्होंने परिसर की साफ-सफाई और समुचित व्यवस्था पर विशेष जोर देते हुए संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। क्षेत्राधिकारी ने पुलिस कर्मियों को क्षेत्र में सतर्क दृष्टि बनाए रखने तथा ग्राम प्रहरियों से समन्वय कर सक्रिय अपराधियों एवं छोटी घटनाओं से संबंधित अहम सूचनाएँ जुटाकर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। लंबित विवेचनाओं के गुणवत्तापूर्ण व शीघ्र निस्तारण, वांछित अभियुक्तों-वारंटियों की गिरफ्तारी, आईजीआरएस व अन्य शिकायती प्रार्थना पत्रों के त्वरित निपटान पर भी विशेष बल दिया गया। उन्होंने रात्रिकालीन चेकिंग बढ़ाने, चौराहों/तिराहों पर निगरानी कड़ी करने, अवैध शराब और मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त तत्त्वों पर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। महिला संबंधी अपराधों पर त्वरित व प्रभावी कार्यवाही के लिए स्पष्ट निर्देश जारी किए। सामुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत जनचौपाल, जनसंपर्क, महिला सुरक्षा कार्यक्रम, शिकायत निस्तारण और हेल्पडेस्क की कार्यप्रणाली की समीक्षा भी की गई। उउळठर कार्यों की समीक्षा के दौरान ऋकफ अपलोडिंग, डिजिटल हस्ताक्षर और नेटवर्क सुविधाओं की स्थिति का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी सादुल्लानगर समेत सभी अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

पहाड़ी नकटी नाला सफेद बालू का अवैध खनन जारी, अधिकारी अनजान

पायनियर संवाददाता। तुलसीपुर, बलरामपुर

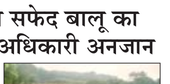

तुलसीपुर नगर से सटा हुआ पहाड़ी नकटी नाला में सफेद बालू माफिया द्वारा रात में खनन करके बाजार बेच रहे हैं स्थानीय अधिकारी जानकर भी अंजान बने हुए हैं। यह नाला चीनी मिल मिल के पूरब स्थित है। ग्राम काशीराम मनकौरा के जाने वाले रास्ते के पास नाला में खनन किया जा रहा है। स्थानीय ग्रामीण अब्बास अली, राकेश कुमार यादव, रमजान और अमित कुमार ने बताया कि सफेद बालू बेचने वाले दिन में पानी से निकाल कर इकट्ठा करते हैं उसके बाद जहां पर बालू गिरने का ऑर्डर होता है वहां पर रात में बैलगाड़ी तथा ट्रैक्टर ट्राली से भरकर लेकर जाते हैं जो बैलगाड़ी 600 तथा ट्रैक्टर ट्राली 3 से 4 हजार रुपए मैं बेचते हैं नाला में दिन में बालू इकट्ठा करते हुए देखा जाता है हल्के पुलिस भी जानते हैं और इन बालू माफिया से सुविधा शुल्क प्राप्त करते हैं। इस नल से कस्बा पुलिस चौकी कुछ दूरी पर ही स्थित है।

नाला में काफी दूरी तक बालू का खनन किया जा रहा है खनन इंस्पेक्टर में सड़कों पर अपनी गाड़ी दौड़ा कर घूम जाते हैं इस नाला तक पहुंच नहीं पाते हैं क्योंकि इसके पहले कब्रिस्तान तथा नगर पंचायत तुलसीपुर द्वारा कूड़ा करकट लाकर किसी और डालते हैं इस कारण किसी अधिकारी का ध्यान नहीं पड़ता जिसके कारण बालू माफिया द्वारा बड़े आसानी से बालू का काम कर रहे हैं। ग्राम काशीराम मनकौरा के निवासियों ने इस पर अंकुश लगाने की मांग की है।

किसानों के साथ मनाया गया मृदा दिवस

पायनियर संवाददाता। तुलसीपुर, बलरामपुर

स्थानीय विकास खंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़गौ में विश्व मृदा दिवस मनाया गया जिसमें पानी संस्थान के ब्लॉक के कार्यकताओं द्वारा किसान गोष्ठी का आयोजन कर विभिन्न गांवों के किसानों के साथ मृदा दिवस पर विशेष चर्चा हेतु कार्यक्रम किया गया।

कार्यक्रम में कृषि विभाग के ब्लॉक स्तरीय कृषि के विषय विशेषज्ञ आलोक कुमार तथा कृषि प्राविधिक सहायक संतोष कुमार के साथ पानी संस्थान से क्षेत्रीय समन्वयक संजय चौरसिया ने मृदा स्वास्थ्य एवं मृदा परीक्षण पर विस्तृत चर्चा कर सोयल हेल्थ कार्ड के बारे में जानकारी दिए, किसानों ने कृषि के अधिकारियों द्वारा बताए गए जानकारी को सावधानीपूर्वक सुना तथा अपनी खेती बाड़ी में आ रही समस्याओं पर भी जानकारी प्राप्त किया। मृदा परीक्षण क्यों उपयोगी होता है और इसको कहां और कैसे कराया जा सकता है, यह कितने दिनों के लिए संस्तुत किया जाता है के बारे में अच्छे से समझा और कृषि में नई नई पद्धतियों के बारे में भी जानकारी प्राप्त कर इसे कैसे अपनाया जाए और इसमें समस्याओं के निदानों के बारे में भी समझे।

सरकार द्वारा खेती में अनुदानित कृषि उपकरणों को कैसे खरीद सकते हैं के बारे में भी सम्पूर्ण जानकारी लिए। कृषि की नई पद्धतियों को अपनाने में पानी संस्थान की ओर कार्बन क्रेडिट कैसे अर्जित कर पाएंगे तथा पानी संस्थान द्वारा चल रही अन्य परियोजनाओं के बारे में कार्यक्रम में उपस्थित ब्लॉक समन्वयकों से जानकारी प्राप्त किए। इस गोष्ठी में मृदा परीक्षण के लिए सैंपल इकट्ठा करने और उसे अच्छे से तैयार करना तथा परीक्षण करने वाले लैब के बारे में जानकारी दिया गया जिससे आगामी फसलों के बुवाई से पहले अपने अपने भूखंड के मृदा परीक्षण करवा सकें, और सोयल हेल्थ कार्ड प्राप्त कर सके। किसानों ने यह शपथ ली कि कम से कम एक बार मृदा परीक्षण करवाएंगे।कार्यक्रम में किसानों को आम के उच्च उपज वाली किस्मों के पौधें भी वितरित किए गए और किसानों को पौधे लगाने तथा उसकी अच्छी देख रेख के उचित तरीके भी बताया गया। चयनित ग्रामपंचायतों में विभिन्न परियोजनाओं के साथ पानी संस्थान द्वारा कार्बन क्रेडिट परियोजना के अंतर्गत एल आर पी किसानों के बीच जाकर उन्हें अच्छी खेती की तरीकों के बारे में जानकारी देते हैं और किसानों के नई पद्धति द्वारा लगे फसलों का भी समय समय पर निरीक्षण कर उन्हें रोगों और कीड़ों के बारे में सही जानकारी देते हैं। किसानों के बीच रहकर उनके खेतों के मृदा परीक्षण हेतु सैंपल भी इकठ्ठा करने में मदद करते हैं। तथा परियोजना से जोड़कर उन्हें कृषि कार्यों में लागत को कमी करके कार्बन क्रेडिट स्वरूप अतिरिक्त लाभ पाने योग्य बनाने में प्रयास करते हैं। कार्यक्रम में किसान विश्राम, प्रदीप, राजाराम के साथ अन्य किसानों ने पौधा प्राप्त किया उनके साथ पानी संस्थान के एरिया कॉर्डिनेटर संजय चौरसिया, ब्लॉक समन्वयक अंकुर, अमित तथा एलआरपी साजन, लईक, वीरबहादुर, मानवेश, शिवराम तथा फील्ड कॉर्डिनेटर शिखा, ब्यूटी तथा कुनिका और सीआरपी मोहिनी सहित किसान सोमनपाल, अजीम तथा अतवारी के साथ अन्य भी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मौर्य होंगे दो राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित

वाराणसी।काशी हिंदू विश्वविद्यालय स्थित क्षेत्रीय नेत्र संस्थान के विभागाध्यक्ष एवं बी०एच०यू० आई बैंक के चेयरमैन प्रोफेसर आर० पी० मौर्य ,लोक प्रिय नेत्र कैंसर सर्जन को ₹विश्व मानवाधिकार दिवस ₹ के दिन दो राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा कपहला पुरस्कार होगा ₹राष्ट्रीय चिकित्सा सेवा विभूषण सम्मान₹ जो की मिनिस्ट्री आफ कॉरपोरेट अफेयर्स द्वारा पंजीकृत नेशनल अवार्ड टाइटल है क यह पुरस्कार डॉक्टर मौर्य को उनके द्वारा नेत्र कैंसर, चोट एवं आकुप्लास्टिक के क्षेत्र में अप्रतिम उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाएगा। दूसरा पुरस्कार ₹ इंडियन डॉक्टर्स प्राइड अवार्ड – 2025₹ जो उनके द्वारा पूर्वांचल में कॉर्नियल ब्लाइंडनेस के उन्मूलन हेतु नेत्रदान व नेत्र प्रत्यारोपण जैसे नेक कार्य के लिए चलाए जा रहे मुहिम के लिए दिया जाएगा। यह पुरस्कार रविवार, दिनांक 10 दिसंबर 2025 को गुरुग्राम के एक पांच सितारा होटल में, मिनिस्ट्री आफ कॉरपोरेट अफेयर्स से सम्बद्ध ₹मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय संगठन (ह्यूमन राइट्स एंड सोशल जस्टिस) द्वारा दिया जाएगा क विदित हो की प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी राष्ट्रीय चिकित्सा सेवा सम्मान के लिए पूरे देश से केवल 30 डॉक्टर्स को चयनित किया गया है, जो मानवता की सेवा में अपना उत्कृष्ट योगदान समाज को दे रहे हैं क इनमें से 20 चिकित्सको को राष्ट्रीय चिकित्सा सेवा श्री , 09 चिकित्सकों को राष्ट्रीय चिकित्सा सेवा भूषण अवम एकमात्र डॉ. मौर्य को राष्ट्रीय चिकित्सा सेवा विभूषण सम्मान मिलेगा क इस परिप्रक्ष्य में डॉक्टर मौर्य की यह उपलब्धि क्षेत्रीय नेत्र संस्थान व चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिंदू विश्वविद्यालय के लिए बहुत गौरव की बात है।

काशी तमिल संगमम चिकित्सा सेवा

वाराणसी। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के श्री शिव प्रसाद गुप्त मंडलीय जिला चिकित्सालय में चिकित्सकों एवं चिकित्सा कर्मियों द्वारा चल रहे काशी तमिल संगमम कार्यक्रम के दौरान आने वाले आगंतुकों के साथ ही बाबा श्री काशीविश्वनाथ जी के दर्शन करने वाले बाहर से आने वाले आगंतुक श्रद्धालुओं का उनकी जरूरत के अनुसार चिकित्सालय में सेवा भावना के साथ उनकी चिकित्सा सेवा की जा रही है।इशू कर्म में तमिलनाडु से आमचा बालन उम्र 36 वर्ष निवासी मुथा राशि कुप्पम जिला बेलूर, तमिलनाडु को उच्च रक्तचाप व पेट दर्द की शिकायत के चलते एसएसपीजी के आईसीयू भर्ती हुए हैं, जो एक दिन की चिकित्सा पश्चात स्वस्थ हो गए और चिकित्सालय के चिकित्सकों व चिकित्साकर्मियों की तथा इस सरकारी चिकित्सालय में उपलब्ध बेहतर चिकित्सा सुविधाओं की पूर्ण संतुष्टि के साथ सराहना की।

आरोग्य स्वास्थ्य मेलों में 1954 मरीजों को मिला उपचार

बलरामपुर।जनपद बलरामपुर में रविवार को सभी 31 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों का सफल आयोजन किया गया। इन मेलों में कुल 1954 मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी विवरण के अनुसार, लाभार्थियों में 795 पुरुष, 670 महिलाएं और 489 बच्चे शामिल रहे। मेलों में आए मरीजों का पंजीकरण कर सामान्य स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप, शुगर, टीबी, कुष्ठ, नेत्र एवं दंत रोगों की जांच की गई। साथ ही गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच, परिवार नियोजन संबंधी परामर्श और बच्चों का टीकाकरण भी किया गया। इसके अतिरिक्त आयुष्मान भारत योजना, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी लोगों को दी गई। दवा वितरण काउंटर के माध्यम से निःशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई गईं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी बलरामपुर डॉ मुकेश कुमार रस्तोगी द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बाघनी और हरिहरगंज का निरीक्षण किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले का उद्देश्य आमजन को निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि वे नियमित रूप से इन मेलों में आकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाएं।

चोरों का धावा 1.8 किलो चांदी व नकदी चोरी

उतरौला (बलरामपुर)। उतरौला तहसील क्षेत्र के गैंड़ास बुजुर्ग थाना क्षेत्र में पल्टनडीह में चोरों ने सराफा व्यवसाई की दुकान के शटर का ताला तोड़कर एक किलो आठ सौ ग्राम चांदी के जेवर व बत्तीस हजार की नकदी पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित आलोक सोनी पुत्र पुजारी लाल ने बताया कि छह दिसंबर की शाम लगभग छह बजे अपनी दुकान बंद कर उतरौला स्थित अपने घर चला आया था। रात में किसी समय चोरों ने शटर के दोनों ताले तोड़ कर दुकान में घुसकर गोदरेज आलमारी में रखे जेवर, पुरानी चांदी व नकदी पर हाथ फेर दिया। सात दिसंबर को सुबह आसपास के लोगों की सूचना के बाद मामले की जानकारी हो पाई। मामले की सूचना के बाद थानाध्यक्ष राजीव मिश्रा ने मौके पर पहुंच कर जांच की। बताया कि चोरों ने जेवरों के खाली डिब्बे दुकान के पीछे सुनसान जगह पर फेंक दिया था। मौके पर पुलिस की फोरेंसिक टीम ने पहुंचकर फिंगर प्रिंट्स समेत अन्य साक्ष्य जुटाए। पीड़ित ने बताया कि लगभग दो लाख रुपयों की चोरी हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उसी रात चोरों ने उसी बाजार में शराब की दुकान समेत चार जगहों पर चोरी का असफल प्रयास किया था। आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से चोरों की पहचान की जा रही है।

पंख कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम आयोजित

उतरौला (बलरामपुर)। राजकीय इंटर कॉलेज दारीचौरा बलरामपुर में समग्र शिक्षा (माध्यमिक शिक्षा) लखनऊ उत्तर प्रदेश, पंख कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम का आयोजन मुख्य अतिथि एमपीपी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री राकेश प्रताप सिंह, बहुभाषीय विद्यालय के प्रधानाचार्य रमाकांत उपाध्याय जी,मास्टर ट्रेनर अंजुम मेहंदी, जीआईसी दारी चौरा के प्रधानाचार्य श्री आशीष कुमार मौर्य जी के द्वारा मां सरस्वती जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए, नोडल श्री शिव वंश वर्मा एवं प्रवक्ता मुस्ताक अली जी के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया,कार्यक्रम के आयोजन में कक्षा 9 से 12 तक के छात्र-छात्राओं ने अपने करियर से संबंधित जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, डॉक्टर मेडिकल ऑफिसर, अध्यापक, सॉफ्टवेयर इंजीनियर,जूनियर सॉफ्टवेयर डेवलपर,डाटा एंट्री ऑपरेटर,नर्स, अधिवक्ता, वैज्ञानिक,सोशल वर्कर से संबंधित स्टॉल लगाकर अपने-अपने प्रेजेंटेशन मुख्य अतिथियों के सम्मुख प्रस्तुत किया कार्यक्रम में प्रधानाचार्य श्री आशीष कुमार मौर्य जी ने कैरियर गाइडेंस संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी बच्चों के बीच साझा करते हुए ढेर सारी शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया।

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को किया जागरूक

सादुल्लाहनगर/बलरामपुर।थाना सादुल्लाहनगर पुलिस द्वारा मिशन शक्ति के पंचम चरण के तहत ग्राम अचलपुर घाट में महिलाओं व किशोरियों के लिए बेटीझ्रबहू सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पुलिस अधीक्षक बलरामपुर श्री विकास कुमार के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक श्री विशाल पांडेय, क्षेत्राधिकारी उतरौला श्री राघवेंद्र प्रताप सिंह के पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार वर्मा के नेतृत्व में किया गया।कार्यक्रम में एंटी रोमियो टीम व मिशन शक्ति टीम ने अविवाहित, तलाकशुदा लड़कियों, आशा बहूओं, ग्राम प्रधान तथा स्थानीय सम्मानित महिलाओं को लड़कियों के भागने से जुड़ी सामाजिक समस्याओं, खतरों और कानूनी पहलुओं के प्रति जागरूक किया।पुलिस टीम ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर–1090, 112, 1930, 1098, 181, 102, 108–के उपयोग और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल मदद पाने के तरीकों के बारे में विस्तार से बताया।महिलाओं ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा जागरूकता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अपनो ने दिया धोखाः मां-बेटी हत्याकांड का खुलासा

❖ परिवार के ही युवक ने लूट की नीयत से दी दोहरी मौत नशे में कर हथौड़े से वार

पायनियर संवाददाता। गोरखपुर

शाहपुर थाना क्षेत्र के घोसीपुरवा में मांझबेटी की हुई सनसनीखेज हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है।पुलिस लाइन स्थित वाइट हाउस सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में एसपी नगर अभिनव त्यागी ने बताया कि यह वारदात किसी बाहरी अपराधी की नहीं, बल्कि परिवार के ही करीबी युवक की करतूत है। आरोपी रितेश रंजन उर्फ रजत (21), रेलवे कर्मचारी का बेटा और बीए अंतिम वर्ष का छात्र है, जिसने लूट की नीयत से यह जघन्य अपराध किया।प्रेस वार्ता में एसपी अपराध सुधीर जयसवाल और सीओ गोरखनाथ रवि सिंह भी मौजूद रहे। घटना 23 नवंबर की रात आरोपी रजत मृतका शांति जायसवाल (75) और उनकी बेटी विमला (50) के घर पहुंचा। दोनों को विश्वास में लेते हुए उसने शराब पिलाई। जब वे नशे में हो गईं, तभी उसने हथौड़े से हमला कर उनकी हत्या कर दी। इसके बाद घर में रखे लगभग 4.50 लाख रुपये नकद और सोने का ब्रेसलेट लेकर फरार हो गया।लूट के पैसों से आरोपी ने अपनी गर्लफ्रेंड को मोबाइल फोन खरीदा और अपने पिता का कर्ज चुकाया।एसपी नगर ने बताया कि जांच शुरू से चुनौतीपूर्ण रही। घर का दरवाज़ा टूटा नहीं था और न ही जबरन प्रवेश के निशान थे। हथौड़ा कपड़े में लिपटा होने के कारण फिंगरप्रिंट भी नहीं मिले।पुलिस ने तकनीकी जांच में 800 से अधिक सीसीटीवी फुटेज, 200 मोबाइल नंबरों का विश्लेषण किया और स्थानीय लोगों से पूछताछ की। आरोपी की संदिग्ध लोकेशन असामान्य खर्च और मोबाइल पैटर्न सामने आने पर उससे पूछताछ की गई। दबाव में आकर उसने जुर्म स्वीकार कर लिया।पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर 16.94 ग्राम सोने की चेन,गलवाया हुआ 17.94 ग्राम सोना व अंगूठी,50 हजार रुपये नकद,मोबाइल फोन,घटना में प्रयुक्त हथौड़ा,वारदात में इस्तेमाल दोपहिया वाहन बरामद किए।पुलिस के अनुसार आरोपी मृतका विमला और उनकी मां से काफी परिचित था और अक्सर घर आताझजाता रहता था। घर में मौजूद आभूषणों और नकदी को देखकर उसने लूट की योजना बनाई और उसी भरोसे का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम दिया।मुकदमे में 103(1) बीएनएस के साथ अब 305, 315 और 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है।

पुलिस का दावाः 13 दिन में हुआ खुलासा : एसपी नगर अभिनव त्यागी ने कहा कि तकनीकी और सर्विलांस टीम की मेहनत से पुलिस ने 13 दिन में इस जघन्य हत्याकांड का खुलासा कर दिया। उन्होंने बताया कि यह घटना भरोसे के कत्ल की मिसाल है, जहां परिवार के ही युवक ने लालच और नशे में आकर दोहरी हत्या कर दी।

एकला बंधे पर चला वृहद श्रमदान व वृक्षारोपण अभियान

❖ महापौर व नगर आयुक्त के नेतृत्व में निगम कर्मियों ने लगाए 2000 पौधे

पायनियर संवाददाता। गोरखपुर

नगर निगम गोरखपुर में स्वच्छता और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार को एकला बंधे पर बृहद श्रमदान एवं वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव एवं नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने की। इस दौरान निगम के लगभग 500 कर्मचारियों ने सामूहिक प्रयास से कुल 2000 पौधों का रोपण किया। एकला बांध क्षेत्र लंबे समय तक कूड़े के ढेर के रूप में बदनाम रहा। नगर आयुक्त के निर्देश पर यहां पिछले दिनों व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। कचरे का पूर्ण निस्तारण कर क्षेत्र को व्यवस्थित किया गया और अब इसे हरित क्षेत्र के रूप में विकसित करने की दिशा में वृक्षारोपण अभियान प्रारंभ किया गया है। कार्यक्रम में नगर निगम के सभी अपर नगर आयुक्त, विभागाध्यक्ष, जोनल अधिकारी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी,सफाई निरीक्षक सहित बड़ी संख्या में सफाईकर्मी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर गड्ढे खोदे, पौधे लगाए और संरक्षण कार्य भी किया।महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने कहा कि शहर को स्वच्छ और हरित बनाना केवल निगम की नहीं बल्कि सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है। उन्होंने निगम कर्मियों के प्रयासों की सराहना की। नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने बताया कि एकला बंधे को मॉडल हरित क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा रहा है और आने वाले दिनों में यहां और पौधे लगाए जाएंगे।नगर निगम का यह अभियान न केवल क्षेत्र की छवि बदलने में सहायक है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी सार्थक कदम है। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत किया और निगम की टीम का उत्साह बढ़ाया।

मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा बैठक संपन्न

आजमगढ़। भारतीय जनता पार्टी लालगंज द्वारा मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के संबंध में जिले पर एक बृहद बैठक आयोजित की गयी । बैठक में मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री भाजपा उत्तर प्रदेश शिव भूषण सिंह उपस्थित रहे । बैठक में जिला प्रभारी, जिला प्रवासी, जिलाध्यक्ष, पूर्व एवं निवर्तमान जिलाध्यक्ष जिला पदाधिकारी, सभी मोर्चो के जिलाध्यक्ष मंडल अध्यक्षगण एवं मंडल प्रभारी उपस्थित रहे । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा रक्फ़ अभियान के माध्यम से हम मतदाताओं से मिलकर उनका फॉर्म जमा करा रहे हैं, 2027 के चुनाव नतीजे अगर हमारे पक्ष में करना है, तो हमें कमर अभी से कसनी पड़ेगी, ये अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण है । जिसमें जिम्मेदार और पार्टी के महत्वपूर्ण पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को लगना होगा । मुख्य अतिथि ने जिले में चल रहे रक्फ़ अभियान की समीक्षा की ।

सुभासपा ने निकाली एसआईआर अभियान जागरूकता रैली

पायनियर संवाददाता। आजमगढ़

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेतृत्व में रविवार को विशेष पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के संबंध में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए दो दर्जन से ज्यादा ई रिक्शा वाहनों के काफिले के साथ रैली निकाली गई। जिसे युवा मंच के प्रदेश मीडिया प्रभारी दीपक सिंह ने अहरौला थाने के सामने से पार्टी का झंडा दिखा कर रवाना किया।

11 सितम्बर तक ये रैलीअतरौलिया विधानसभा के गांव व कस्बों में घूम घूम कर एसआईआर फॉर्म भरने और अपने बीएलओ के यहां फॉर्म जमा करने के लिए मतदाताओं को जागरूक और प्रेरित करेंगे। जिससे भारतीय लोकतंत्र की ताकत और मजबूत हो सके। पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी दीपक सिंह ने बताया की पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर यह जागरूकता अभियान जगह-जगह चलाया जा रहा है और मतदाताओं को एसआईआर फॉर्म भरने के लिए जागरूक भी किया जा रहा है। मतदाताओं को विरोधी पार्टियों के द्वारा डर पैदा किया जा रहा हैं भड़काया जा रहा है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता अरुण राजभर का कहना है कि जिस तरह से देश में एक निशान एक विधान एक संविधान लागू है इस तरह से देश में एक मतदाता अपने मत का एक जगह प्रयोग करें जिससे भारत के सबसे बडे लोकतंत्र की खूबसूरती व मजबूती बनी रहे जब हमारे देश का लोकतंत्र मजबूत होगा तो देश भी और मजबूत होगा। फिर एसआईआर फॉर्म भरने के पीछे कुछ विरोधी पार्टी के नेता मतदाताओं को डरा रहे हैं, लेकिन विगत 20 सालों से तमाम ऐसे लोग जिनकी मृत्यु हो चुकी है जो गांव छोड़कर कहीं दूर जाकर बस चुके हैं या एक मतदाता अन्य जगहों पर भी मतदान कर रहा है।

कैडेट्स को दिये जाते हैं प्रशिक्षण व अनुशासनः प्रीति

पायनियर संवाददाता। सिसवा बाजार, महराजगंज।

क्षेत्र के गुरली स्थित परमहंस पाल पीजी कॉलेज मे एनसीसी के 102 यूपी बटालियन द्वारा आयोजित दस दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के सातवें दिन कैरियर काउंसिल द्वारा इमोशनल इंटेलिजेंट कार्यशाला आयोजित किया गया। साथ ही सामाजिक कुरीतियों पर संदेशात्मक और प्रेरक प्रसंग प्रस्तुत किये गये।काउंसलर प्रीति त्रिपाठी ने कहा कि कैडेट्स के अंदर असीम ऊर्जा क्षमता है। सैन्य योद्धा की तरह कैडेट्स का अनुशासन है।

इमोशनल इंटेलिजेंस आधुनिक कार्य-संस्कृति, नेतृत्व, शिक्षा और व्यक्तिगत जीवन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण कौशल है।इमोशनल इंटेलिजेंस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य व्यक्ति के अंदरआत्म-जागरूकता, आत्म-नियंत्रण, सहानुभूति, सामाजिक कौशल और प्रेरणा जैसे गुणों का विकास करना होता है। जीवन में लक्ष्य प्राप्ति के लिए संकल्प, व्याकुलता, और नियंत्रण होना आवश्यक है । लक्ष्य प्राप्ति के लिए आध्यात्म के साथ संकल्प सेवा का भाव होना चाहिए। नियमित रूप से आदतों में सुधार करके भी जीवन के लक्ष्य को प्राप्त करने का मूल मंत्र है । सांस्कृतिक कार्यक्रम में आपरेशन सिंदूर,एसिड अटैक , सांस्कृतिक धरोहर विषयों पर नृत्य , गायन , नाट्य और नुक्कड़ प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया।एएनओ लेफ्टिनेंट हेमंत कुमार यादव, लेफ्टिनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव, लेफ्टिनेंट डॉ.अनुपम सहाय, थर्ड अफसर राकेश कुमार साहनी ,टीओ वैभव दुबे,आशीष सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

देवर पर दुष्कर्म के प्रयास का आरोप, मुकदमा दर्ज

पायनियर संवाददाता। गोरखपुर

❖ गोरखनाथ थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस जांच में जुटी

गोरखनाथ थाना क्षेत्र में एक 30 वर्षीय महिला ने अपने देवर पर घर में अकेला पाकर दुष्कर्म का प्रयास करने, कपड़े फाड़ने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता की तहरीर पर गोरखनाथ थाने में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।पीड़िता ने बताया कि उसका पति नौकरी के सिलसिले में अक्सर बाहर रहता है। इस दौरान देवर कई बार गलत नीयत से करीब आने की कोशिश करता रहा, लेकिन परिवार की प्रतिष्ठा के कारण वह चुप रही। महिला के अनुसार 5 दिसंबर की दोपहर जब वह घर पर अकेली थी, तभी देवर अचानक पहुंचा और यह सुनिश्चित करने के बाद कि घर में कोई नहीं है, उसने अनुचित हरकतें शुरू कर दीं।महिला ने आरोप लगाया कि देवर ने जबरन पकड़कर गलत संबंध बनाने का दबाव बनाया। विरोध और चीख-पुकार के बावजूद आरोपी नहीं रुका। भागने की कोशिश के दौरान उसने महिला को कमरे की ओर खींचा, कपड़े फाड़ दिए और मारपीट की। महिला के अनुसार आरोपी ने धमकी दी कि यदि घटना किसी को बताई तो वह जान से मार देगा।सूचना पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन आरोपी फरार हो चुका था। गोरखनाथ थाना प्रभारी शशिभूषण राय ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच निरीक्षक संदीप कुमार को सौंपी गई है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है और बयान एवं साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बच्चों के विवाद में बीच बचाव करने गए बुजुर्ग की धक्का लगने से मौत

पायनियर संवाददाता। महराजगंज

छोटे बच्चों के बीच हो रहे विवाद में झगड़ा छुड़ाने गए वृद्ध की धक्का लगने से मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची बृजमनगंज पुलिस ने बुजुर्ग को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बृजमनगंज भेजवाया। जहां पर चिकित्सकों ने बुजुर्ग को मृत घोषित कर दिया। घटना थाना क्षेत्र बृजमनगंज के ग्राम सभा गोपालपुर के टोला कोटिया शुक्ल की है ।जहां रविवार की शाम को दो पट्टीदारों कैलाश व बबलू के छोटे बच्चे आपस में मामूली बात को लेकर विवाद कर रहे थे। कुछ देर बाद खेल- खेल को लेकर हुए बच्चों के विवाद ने विकराल रूप ले लिया। इसी दौरान कैलाश के पिता कम्मल यादव उम्र करीब 71 वर्ष विवाद में बीच बचाव करने गए। उन्होंने ने बच्चों को अलग किया। वह सीढ़ी के पास जा कर बैठ गए। इसी दौरान बच्चों के स्वजन वहां आकर धक्का मुक्की करने लगे।इसी समय कम्मल यादव को किसी ने धक्का दे दिया। जिससे वह सीढ़ी से नीचे गिर पड़े और अचेत हो गए। इस मामले में थानाध्यक्ष बृजमनगंज सत्य प्रकाश सिंह ने बताया कि बुजुर्ग कम्मल यादव को अचेतावस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बृजमनगंज ले जाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल महराजगंज भेजा गया है। तहरीर मिलने के बाद मुकद्दमा दर्ज किया जाएगा।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर अनियंत्रित बाइक पलटी, एक की मौत

माहुल (आजमगढ़)। अहरौला कस्बे के रहने वाले हरिश्चंद्र सोनकर की बहन की पुत्री की शादी शनिवार को आजमगढ़ में थी जिसमें पूरा परिवार गया हुआ था और इन्हीं लोगों के साथ में कस्बे के मुस्लिम बस्ती निवासी कमालुद्दीन अहमद का तीसरे नंबर का पुत्र मोहम्मद आतिफ उम्र 23 वर्ष रविवार को सुबह 9:30 बजे बाइक से ऋषभ पुत्र घनश्याम 20 वर्ष प्रियांशु पुत्र हरिश्चंद्र 21 वर्ष के साथ बाइक चलाकर अहरौला के लिए पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से आ रहे थे कि दिन के करीब 10:30 बजे 212 पर पहुँचे ही थे कि अचानक बाईक अनियंत्रित हो गई और लोहे के डिवाइडर से टकरा गई जिसमें तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए मौके पर ही मोहम्मद आतिफ की मौत हो गई।

विधान सभा क्षेत्रों में गणना प्रपत्रों के एसआईआर का कार्य पूर्ण

पायनियर संवाददाता। आजमगढ़

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन (र.कफ) कार्य शत्-प्रतिशत पूर्ण करने वाले समस्त विधानसभा क्षेत्रों के सभी कार्मिकों को बधाई दी है । बता दें कि र.कफ को लेकर जिलाधिकारी स्वयं मैदान में उतरे थे । जिसके कारण कमजोर बूथ के औचक भ्रमण से र.कफ कार्य में तेज़ी आई थी, जिसके कारण समय से (र.कफ) कार्य शत्-प्रतिशत पूर्ण हुआ है । जिलाधिकारी के निर्देश पर जनपद में समय से पूर्व शत प्रतिशत कार्य पूरा करने वाले ब्लाक लेवल अधिकारियों (बी0एल0ओ0) को सम्मानित किया गया था । जिलाधिकारी ने जनपद में र.कफ कार्य हेतु विधान सभा वार नोडल अधिकारी लगाये थे । बता दें कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अहर्ता तिथि 01 जनवरी, 2026 के आधार पर प्रदेश में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (र.कफ) कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद आजमगढ़ में दिनांक 02 नवम्बर 2025 को गणना प्रपत्रों के वितरण के साथ-साथ डिजिटाइजेशन का कार्य शत प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। र.कफ को लेकर जिलाधिकारी द्वारा स्वयं विधानसभा क्षेत्रों के अन्तर्गत कम प्रगति वाले बूथों का औचक निरीक्षण किया गया तथा कार्य में रूचि न लेने वाले बी0एल0ओ0, सुपरवाइजर व अएफ्ह'२ के विरूद्ध अनुशासनिक/विभागीय कार्यवाही की गयी, जिसके कारण र.कफ कार्य में तेजी आयी व ससमय अपेक्षित प्रगति प्राप्त हुई। बता दें कि जिलाधिकारी द्वारा सुनियोजित योजनाबद्ध तरीके से अपने आवास से प्रातः 7.00 बजे निकल कर दोपहर तक कम प्रगति वाले बूथों का भ्रमण किया गया तथा वापस आकर कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई व विभागीय बैठकें भी की गयीं।

जिलाधिकारी के अथक प्रयासों का परिणाम रहा कि र.कफ कार्य में अपेक्षित प्रगति ससमय हुईं। र.कफ कार्य में ससमय अपेक्षित प्रगति के लिए विधान सभावार नोडल अधिकारी के रूप में- मुख्य विकास अधिकारी, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), मुख्य राजस्व अधिकारी, उप जिलाधिकारी (न्यायिक) लालगंज, जिला विकास अधिकारी, उपायुक्त मनरेगा, जिला पंचायत राज अधिकारी की ड्यूटी लगाकर 27 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक अभियान चलाकर कम प्रगति वाले बूथों का निरीक्षण कराया गया था । बता दें कि ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन से पूर्व हर पोलिंग बूथ पर बीएलओ और राजनैतिक दलों द्वारा तैनात बूथ लेवल एजेंट की बैठक की जाएगी, जिसमें ड्राफ्ट मतदाता सूची में जिन मतदाताओं का नाम किन्हीं कारणों से नहीं आया है, उसकी सूची बीएलओ द्वारा बीएलए को उपलब्ध कराई जाएगी तथा उनके सहयोग से शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य निर्धारित अवधि में पूर्ण किया जाएगा।

यदि किसी मतदाता को विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (र.कफ) के सम्बन्ध मे किसी भी प्रकार की कोई समस्या हो तो वे जनपद स्तर पर कलेक्ट्रेट भवन के कक्ष संख्या-66 में स्थापित कंट्रोल रूम के दूरभाष संख्या 05462-246398 एवं टोल फ्री नंबर 1950 पर संपर्क कर सकते है।

माइनरों की सफाई आधी-अधूरी, ग्रामीणों में आक्रोश

❖ नहरों की पटरियों पर रखे जा रहे बेतरतीब सिल्ट ने बढ़ाई किसानों की चिंता, जिम्मेदार मौन

पायनियर संवाददाता। महराजगंज

सदर ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले सोनरा माइनर की सिल्ट सफाई कार्य को लेकर बड़ा खेल सामने आया है। यहां सिर्फ सफाई के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है, जिससे ग्रामीणों में असंतोष लगातार बढ़ता जा रहा है। माइनरों की आधी अधूरी सफाई कर छोड़ दिया जा रहा है। यहां बता दें कि जिला मुख्यालय से महज 2 किलोमीटर दूरी पर स्थित सोनरा माइनर की सफाई का कार्य शुरू तो किया गया, लेकिन ठेकेदार द्वारा इसे अधूरा छोड़ दिया गया।ग्रामीणों का आरोप है कि सफाई कार्य केवल दिखावे के लिए किया गया है। नहर की पटरी के दोनों ओर मिट्टी निकालकर छोड़ दी गई है। लेकिन उसे समतल नहीं किया गया। इससे नहर की पटरी पर आवागमन बाधित हो रहा है और सफाई का वास्तविक लाभ भी नहीं मिल पा रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदार ने कुछ दूरी तक सफाई करने के बाद कार्य को बीच में ही रोक दिया और मशीनें हटाकर चला गया। ग्रामीण शिवम पटेल,सहद अली और बबलु ने बताया कि सफाई कार्य में भारी लापरवाही बरती जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि ठेकेदार ने खानापूर्ति कर कार्य को अधूरा छोड़ दिया है।

ग्रामीणों ने इस मामले की जांच की मांग की है ताकि जिम्मेदारों पर कार्रवाई हो सके।ग्रामीणों का कहना है कि अधूरी सफाई से नहर की स्थिति पहले जैसी ही बनी हुई है। मिट्टी के ढेर और असमतल पटरी से उन्हें खेती करने में परेशानी होगी ।खेतों तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था बाधित है, जिससे सिंचाई प्रभावित होगी।इस संबंध में जेई ने सफाई कार्य रुकने का कारण बताते हुए कहा कि जिस स्थान पर सफाई होनी है वहां अत्यधिक कीचड़ है। कीचड़ के कारण जेसीबी मशीन से कार्य करना संभव नहीं हो पा रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जैसे ही परिस्थितियां अनुकूल होंगी, सफाई कार्य को पुनः शुरू किया जाएगा।ग्रामीणों का कहना है कि यह सफाई कार्य केवल कागजों पर पूरा दिखाया जा रहा है। वास्तविकता में नहर की हालत जस की तस बनी हुई है।

किसानों को उम्मीद थी कि सफाई के बाद पानी की आपूर्ति सुचारु होगी, लेकिन अधूरी सफाई ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषी ठेकेदार पर कार्रवाई की जाए। साथ ही सफाई कार्य को जल्द से जल्द पूरा कराया जाए ताकि किसानों को राहत मिल सके।

सोनरा माइनर सफाई कार्य अभी प्रारंभ हुआ है।अगर तय तिथि में ठिकेदार सफाई पूरा नहीं करता है,तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

घनश्याम गुप्ता
सहायक अभियंता,
सिंचाई विभाग

कांग्रेस के महारैली में शामिल होने के लिए कार्यकर्ताओं ने बनाई रणनीति

पायनियर संवाददाता। सिसवा बाजार. महराजगंज

बीजेपी सरकार के विरोध मे कांग्रेस पार्टी द्वारा दिल्ली के रामलीला मैदान मे आयोजित वोट चोर गद्दी छोड़ महा रैली मे शामिल होने के लिये कार्यकर्ताओ ने बैठक कर रणनीति बनाई।

विधि प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अमित सिंह एडवोकेट के आवास पर जिला कांग्रेस कमेटी महराजगंज के अध्यक्ष विजय सिंह एडवोकेट की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई जिसमे 14 दिसंबर को नई दिल्ली के राम लीला मैदान में वोट चोर गद्दी छोड़ नारे के साथ होने वाले महा रैली में प्रतिभाग करने के विषय में ज्यादा से ज्यादा लोगों को पहुंचने की रणनीति बनाई गई विजय सिंह एडवोकेट ने कार्यकर्ताओं मे जोश भरते हुए कहा कि महराजगंज ने हमेशा कांग्रेस के सभी कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में भाग लिया है इस बार भी इतिहास दोहराया जाएगा। वरिष्ठ कार्यकर्ता प्रमोद पांडेय, उपाध्यक्ष विनोद सिंह कोषाध्यक्ष कपिल देव शुक्ला ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम में लोगों को राहुल गांधी जी के मिशन संविधान बचाओ मुहिम के तहत होने वाली महा रैली में भाग लेने की अपील की गई। उन्होंने ने बताया कि कार्यकर्ता वाहन और ट्रेन से रवाना होंगे।कार्यक्रम का संचालन शिक्षक विभाग के जिला अध्यक्ष अनिल चतुर्वेदी द्वारा किया गया।इस दौरान जिला उपाध्यक्ष राजन शुक्ला, ब्लॉक अध्यक्ष आनन्द कन्नौजिया, सचिव अभय मणि त्रिपाठी,जयप्रकाश लाल, विनोद कुमार, अमित रावत, आनंद यादव, सहित कई लोग शामिल रहे।

मसल्स मेनिया में पूर्वांचल का दबदबा

पायनियर संवाददाता। गोरखपुर

राजधानी दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित मसल्स मेनिया चैंपियनशिप में पूर्वांचल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर क्षेत्र का परचम लहराया। खलीलाबाद के शुएब और महराजगंज के सनी गुप्ता ने अपनी-अपनी कैटेगरी में स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाकर टीम माज़ खान और पूर्वांचल को बड़ी उपलब्धि दिलाई।

दो कैटेगरी में चमके शुएब, सनी ने भी दिलाया स्वर्ण : जानकारी के अनुसार टीम माज़ खान के एथलीट शुएब ने शानदार फार्म जारी रखते हुए दो कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता। मजबूत बॉडी, बेहतरीन पोज़गिं और प्रभावशाली मंच प्रदर्शन के दम पर उन्होंने निर्णायकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। वहीं महाराजगंज के सनी गुप्ता ने भी अपने दमदार प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीतकर टीम के मेडल कलेक्शन में एक और चमकदार उपलब्धि जोड़ दी।

टीम माज़ खान लगातार सुर्खियों में : टीम माज़ खान के खिलाड़ी पिछले दिनों भी सुर्खियों में रहे हैं, जब टीम के दो एथलीटों ने थाईलैंड के बैंकॉक में आयोजित अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में भारत का झंडा फहराया था। अब शुएब और सनी की जीत ने फिर साबित कर दिया कि पूर्वांचल के युवा एथलीट राष्ट्रीय मंच पर अपनी मजबूत उपस्थिति बना चुके हैं।

शुएब बोले – 'माज सर सिर्फ कोच नहीं, अभिभावक हैं

अपनी जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए शुएब ने कहा– ''मैं मध्यम परिवार से हूँ। शुरुआत से गोलू भाई के साथ जिम करता रहा हूँ। उन्होंने परिवार की तरह हर कदम पर मेरा साथ दिया। माज़ सर से जुड़ने के बाद असली ट्रेनिंग समझ में आई। सर हमें पूरी नॉलेज और अनुशासन के साथ तैयार करते हैं। वे सिर्फ कोच नहीं, एक अभिभावक की तरह हमेशा हमारे साथ खड़े रहते हैं।'

सनी ने बताया संघर्ष– 'गरीब था, लेकिन माज़ सर ने सपने पूरे करवाए'

महाराजगंज के मिठौरा ब्लॉक निवासी सनी ने कहा– ''मैं गरीब परिवार से हूँ। कई कोचों के पास गया, लेकिन पैसों के कारण कोई मदद नहीं करता था। बाद में माज़ सर से मिला और उनकी टीम जॉइन की। फिर मिस्टर पूर्वांचल, मिस्टर गोरखपुर, मिस्टर महाराजगंज और अब मसल्स मेनिया तक पहुँचा। यह सब माज़ सर की वजह से संभव हुआ है। अभी बहुत बड़ी उपलब्धियाँ आनी बाकी हैं–यह तो सिर्फ शुरुआत है।'

पूर्वांचल के एथलीटों ने फिर दिखाया दम : मसल्स मेनिया में शुएब और सनी की दमदार जीत ने यह साबित कर दिया कि मेहनत, अनुशासन और सही मार्गदर्शन के साथ पूर्वांचल के खिलाड़ी किसी भी मंच पर इतिहास लिखने की क्षमता रखते हैं।

सरकार का उद्देश्य अधिकतम लोगों को राहत देना: शर्मा

पायनियर संवाददाता। जौनपुर

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने विद्युत बिल राहत योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को एक और बड़ी राहत प्रदान करते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। पहले 31 मार्च 2025 के बाद आंशिक भुगतान कर चुके उपभोक्ताओं को इस योजना के दायरे से बाहर रखा गया था, जिससे अनेक उपभोक्ता योजना का लाभ नहीं ले पा रहे थे। विभिन्न जनपदों के दौरे और विद्युत बिल राहत शिविरों के निरीक्षण के दौरान कई उपभोक्ताओं ने मंत्री श्री शर्मा से आग्रह किया कि अप्रैल, मई, जून आदि महीनों में उन्होंने कुछ न कुछ भुगतान अवश्य किया है, किंतु फिर भी उनका काफी बकाया शेष है, इसलिए उन्हें भी योजना का लाभ दिया जाए।

विभाग के जिम्मेदारों ने प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री एक शर्मा को इस बात को नहीं अवगत कराया की इस योजना का लाभ उन घरेलू कनेक्शन उपभोक्ताओं को नहीं मिल रहा है , जिन्होंने विभाग के नियमों का पालन करते हुए 3 किलो वाट विद्युत कनेक्शन ले रखा है , विभाग उन तमाम सम्मानित उपभोक्ताओं को सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के लाभ से वंचित कर दिया है, सरकारके इस दोहरे मापदंड से ऐसे उपभोक्ताओं में सरकार के प्रति आक्रोश व्याप्त है, विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को चाहिए कि प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री को आम उपभोक्ताओं की समस्याओं को अवगत करा कर

उपभोक्ताओं की इस पीड़ा की वास्तविक स्थिति को अवगत कराए। जनपद के प्रबुद्ध जनों ने प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री से मांग की है कि ऐसे सभी उपभोक्ताओं को योजना के लाभ से वंचित नही किया जाए जिन्होंने 3 किलोवाट का विद्युत घरेलू कनेक्शन ले रखा है, जिससे शासन सत्ता के प्रति के जनता में एक अच्छा संदेश जाए। । उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार का उद्देश्य अधिकतम लोगों को राहत देना है, इसलिए भुगतान कर चुके किन्तु अब भी बकायेदार उपभोक्ताओं को योजना का लाभ मिलना चाहिए।ऊर्जा मंत्री के निर्देशों के क्रम में अब 30 नवंबर 2025 तक भुगतान करने वाले ऐसे सभी उपभोक्ताओं को भी विद्युत बिल राहत योजना में शामिल कर लिया गया है। इस निर्णय से बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी आर्थिक बोझ में बड़ी कमी आएगी।जनहित में लिए गए इस महत्वपूर्ण फैसले से प्रदेशभर के उपभोक्ताओं ने ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने वास्तव में जनता की परेशानी को समझा और राहत प्रदान करने का सार्थक प्रयास किया है। सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम उपभोक्ता हित और संवेदनशील प्रशासन की स्पष्ट मिसाल है।

सीता देवी हत्याकांड में पुलिस ने बेटे को बनाया आरोपी

❖ गायब जेवर बरामद न होने से उठे सवाल

पायनियर संवाददाता। टांडा, अम्बेडकर नगर

टांडा कोतवाली क्षेत्र में 52 वर्षीय सीता देवी की हत्या और कथित लूट के मामले में पुलिस ने मृतका के पुत्र राहुल को ही हत्यारा बताते हुए न्यायालय चालान कर दिया है। हालांकि, घटना के वक्त मृतका के शरीर पर पहने गए मंगलसूत्र, कान की बाली और मीना समेत अन्य जेवर आज तक बरामद नहीं हो सके हैं। पुलिस ने तालाब में गोताखोरों की मदद से तलाश भी कराई, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली, जिससे मामले पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, आरोपी राहुल ने अपने बयान में स्वीकार किया है कि वह नशे का आदी है और दुकान की आमदनी पर मां के नियंत्रण से नाराज़ था। उसने बयान दिया कि मां उसे अलग दुकान चलाने नहीं दे रही थीं और भाई राजू को अधिक महत्व देती थीं। इसी रंजिश में उसने 2 दिसंबर की रात घर लौट रही मां को शारदा पब्लिक स्कूल के पास गिराकर गला दबाकर मार डाला। पुलिस ने इसी स्वीकारोक्ति के आधार पर राहुल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। हालांकि, पुलिस की प्रेस विज्ञप्ति में मृतका के शरीर पर मौजूद जेवरों के गायब होने का कोई संतोषजनक कारण नहीं बताया गया है। पुलिस दो दिन से लापता जेवरों की तलाश कर रही है, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। आश्चर्यजनक यह भी है कि मुकदमे में लूट की धारा नहीं बढ़ाई गई और मात्र हत्या की धारा में ही कार्रवाई की गई। गौरतलब है कि 3 दिसंबर को सीता देवी का शव एनएच-233 के किनारे खेत में पाया गया था।

अनीता केयर एंड हॉस्पिटैलिटी में निःशुल्क चिकित्सा शिविर में ग्रामीणों ने उठाया लाभ

पायनियर संवाददाता। जफराबाद जौनपुर

क्षेत्र के अहमदपुर गांव में रविवार को आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर में पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं एवं बच्चों की संख्या अधिक रही, जिन्होंने विभिन्न रोगों के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लेकर दवाएं प्राप्त कीं। ग्राम निवासी रिंकू पंडित के नेतृत्व में आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर ने ग्रामीणों के स्वास्थ्य हित में प्रभावी कदम रखते हुए क्षेत्र के लिए एक सराहनीय पहल साबित की। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी को देखते हुए इस शिविर ने लोगों को राहत प्रदान की और आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

शिविर में ख्यातिलब्ध सर्जन डॉ. अभिषेक रावत, डायरेक्टर अनीता केयर एंड हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड जौनपुर,फिजिशियन डॉ. विकास उपाध्याय, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश कुमार गौतम, महिला एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. आकांक्षा वर्मा तथा फिजिशियन आलोक वर्मा सहित अन्य चिकित्सा विशेषज्ञों ने मरीजों की जांच की। डॉक्टरों ने श्वास रोग, खांसी-जुकाम, बुखार, कमर दर्द, गठिया, उदर विकार, बच्चों से जुड़े रोगों सहित कई सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं का परीक्षण किया। कई मरीजों को मौके पर ही आवश्यक दवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं, वहीं गंभीर मरीजों को आगे उपचार हेतु उचित परामर्श भी दिया गया।

शिविर में विशेष रूप से महिलाओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। प्रसूति एवं स्त्री रोग संबंधी समस्याओं को लेकर अनेक महिलाओं ने चिकित्सकों से परामर्श लिया। विशेषज्ञ डॉक्टरों ने उन्हें स्वच्छता, पोषण एवं नियमित स्वास्थ्य जांच की महत्ता बताई। बच्चों में देखे गए खांसी, बुखार और पोषण की कमी के मामलों पर बाल रोग विशेषज्ञों ने अभिभावकों को जागरूक किया एवं समझाया कि मौसम परिवर्तन और खान-पान पर विशेष ध्यान आवश्यक है। शिविर के सफल आयोजन में संयोजक रिंकू पंडित के साथ राजेश सिंह, संस्कार सिंह, संतोष कुमार, प्रकाश चंद्र शुक्ला (संपादक), ऋतिक पांडेय (एचआर), अनीश यादव, राकेश यादव, महेंद्र चौधरी, पंकज शुक्ला, सुमित शुक्ला, छोटे लाल, महेंद्र प्रजापति सहित कई स्वयंसेवकों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। सभी ने मिलकर मरीजों की पंजीकरण प्रक्रिया, दवा वितरण एवं व्यवस्था संचालन में योगदान दिया। कार्यक्रम के दौरान आयोजकों द्वारा अंग वस्त्र भेंट कर और माल्यार्पण कर सभी चिकित्सकों का सम्मान किया गया।

तालीम से ही देश का उज्ज्वल भविष्य तय होगा : हसन

पायनियर संवाददाता। हजपुरा, अम्बेडकर नगर

जलालपुर तहसील क्षेत्र के रसूलपुर बाकरगंज गांव में रविवार को दिवंगत ख्वाजा हादी हसन के इसाले सवाब की मजलिस अकीदतमंदी के साथ आयोजित हुई। मजलिस की शुरुआत तिलावत-ए-कलाम पाक से हुई। इस मौके पर मौलाना सैयद नूरुल हसन ने बच्चों की तालीम और उनके बेहतर संस्कारों को समय की सबसे बड़ी जरूरत बताया। उन्होंने कहा कि बेहतर शिक्षा और अच्छे संस्कार मिलकर ही एक सफल जिंदगी व मजबूत समाज की नींव रखते हैं। लखनऊ से आए मौलाना सैयद यूसुफ अहमद मशहदी ने कहा कि इस्लाम का पैगाम हमेशा से इंसानियत, अमन और भाईचारे का रहा है। उन्होंने पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के नवासों, हजरत इमाम हसन और हजरत इमाम हुसैन अ.स की कुर्बानियों का जिक्र करते हुए कहा कि इस्लाम आज दुनिया भर में कायम है तो यह अहले-बैत की शहादतों की बदौलत है। मौलाना ने बताया कि हजरत अली से लेकर इमाम हसन व हुसैन अ.स तक, अहले-बैत ने दीने इस्लाम की हिफाजत के लिए अपनी जानों तक की कुर्बानी देने में परहेज नहीं किया।

युवती की सड़क हादसे में मौत

हजपुरा,अंबेडकरनगर। थाना अतरौलिया क्षेत्र के पलईया करौदी गांव की 18 वर्षीय युवती विभा वर्मा की रविवार को हुए भीषण सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसके पिता रामधनी वर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए। अचानक हुए इस हादसे ने पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैला दी है। विभा अपने पिता के साथ किसी कार्य से घर लौट रही थी। जैसे ही उनकी बाइक सुरूहुरपुर बाजार के नजदीक पहुँची, तभी तेज रफ्तार से आ रहा एक अज्ञात ट्रक बाइक को रौंदता हुआ निकल गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि विभा वर्मा ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। उनके पिता गम्भीर रूप से घायल होकर सड़क पर तड़पते रहे, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल अस्पताल पहुँचाया गया। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष मालीपुर स्वतंत्र मौर्य पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष के अनुसार वाहन चालक और खलासी दोनों वाहन सहित फरार हैं।

चार दिन से नलों में नहीं आ रहा पानी, ग्रामीण परेशान

भीटी, अंबेडकरनगर। भीटी तहसील के अढ़नपुर गांव में जल शक्ति मिशन की वास्तविक स्थिति सरकार की अपेक्षाओं के विपरीत दिखाई दे रही है। गांव में लगाए गए नलों में पिछले चार दिनों से पानी न आने से ग्रामीणों की परेशानियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। कई घरों में तो टोंटी से आज तक पानी की एक बूंद भी नहीं निकली, जबकि कुछ घरों में शुरू में जो पानी आया भी था, वह अब पूरी तरह बंद हो चुका है।

ग्रामीणों का कहना है कि जल शक्ति मिशन जैसी महत्वपूर्ण परियोजना में घटिया सामग्री के उपयोग और निर्माण कार्य में लापरवाही की वजह से गांव को नियमित पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ठेकेदारों द्वारा मानक विहीन सामग्री इस्तेमाल की गई, जिससे नलों और पाइपलाइन में बार-बार खराबी आ रही है। उनका कहना है कि सरकारी धन का दुरुपयोग कर परियोजना को जल्दीबाज़ी में पूरा कर सिर्फ कागज़ों में दिखा दिया गया, लेकिन जमीनी हकीकत बिल्कुल विपरीत है। गांव में बनी पानी की टंकियां तो खड़ी हैं, लेकिन उनके चालू होने के कोई आसार नहीं दिख रहे हैं। ग्रामीण कई-कई बार नल खोलकर उम्मीद करते हैं कि शायद आज पानी आ जाए, मगर हर बार उन्हें निराशा ही हाथ लगती है। गांव में बढ़ रही पेयजल समस्या से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की दिक्कतें और भी बढ़ गई हैं। ग्रामीणों ने अंबेडकरनगर जिलाधिकारी तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इस गंभीर समस्या पर संज्ञान लेने, संबंधित विभाग व ठेकेदारों की जांच कराने तथा गांव में जल्द से जल्द सुचारू पेयजल आपूर्ति बहाल कराने की मांग की है। ग्रामीणों की आवाज साफ है–ऽटंकी खड़ी है, लेकिन पानी नहींङ्क आखिर कब मिलेगी राहत?

प्रांतीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का भव्य उद्घाटन

❖ मुरादाबाद ने सुल्तानपुर को दी शिकस्त

अंबेडकर नगर। खजावा स्थित हरिनारायण सिंह प्रांतीय वॉलीबॉल मैदान में प्रांतीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ शुक्रवार को धूमधाम से हुआ। उद्घाटन समारोह में विधान परिषद सदस्य डॉ. हरिओम पांडे एवं कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता के मुख्य आयोजक डॉ. अंजनेय व डॉ. आशुतोष सिंह ने बताया कि उद्घाटन मैच मुरादाबाद और सुल्तानपुर की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें शानदार प्रदर्शन करते हुए मुरादाबाद ने सुल्तानपुर को सीधे सेटों में 25-20 एवं 25-19 से पराजित किया। आज का अंतिम मैच रेलवे गोरखपुर एवं सुल्तानपुर के मध्य खेला जाना निर्धारित है, जबकि कल सुबह 9:00 बजे से पूल-वी के मैच खेले जाएंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में एडी बेसिक शैलेश कुमार तथा शंखलाल मांझी उपस्थित रहे। संस्थागत समिति के अध्यक्ष करण सिंह, अशोक सिंह, श्रीपाल सिंह एवं अमर बहादुर ने खिलाड़ियों का स्वागत कर उन्हें प्रोत्साहित किया। टूर्नामेंट में बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

घर के अंदर फंदे से लटका मिला युवक का शव

हजपुरा, अम्बेडकरनगर। संदिग्ध परिस्थितियों में घर के अंदर युवक का शव फांसी के फंदे से लटका मिला है। युवक ने आत्महत्या क्यों की स्वजन भी कुछ समझ नहीं पा रहे हैं। मौत से परिवार में कोहराम मचा है। सम्मनपुर क्षेत्र के मझियारी अठवारा गांव में दोपहर बाद घर के अंदर 35 वर्षीय युवक मुन्ना वर्मा का शव फांसी के फंदे से लटका मिलने से गांव में हड़कंप मच गया। अचानक आत्महत्या से युवक के स्वजन सदमें है। युवक ने आत्महत्या जैसा कदम क्यों उठाया इसकी किसी को जानकारी नहीं है। हर कोई घटना से स्तब्ध है। फंदे से शव लटकने की जानकारी होने पर पीड़ित के घर पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव फंदे से उतार कर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवक का विवाह हो चुका था। मौत से पत्नी व अन्य स्वजनो का रो-रोकर बुरा हाल है। थाना अध्यक्ष दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मौत के कारणों की जानकारी की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

संक्षिप्त समाचार

सौर कृषि पंप स्थापित कर बनाया रिकॉर्ड

जौनपुर। भारत का सबसे तेज़ी से सौर कृषि प्रणालियाँ लागू करने वाला राज्य बनाती है तथा एक ही प्रशासनिक क्षेत्र द्वारा सौर पंप स्थापना के पैमाने और गति के मामले में विश्व स्तर पर चीन के बाद दूसरा स्थान दिलाती है। महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने मात्र तीस दिनों में पैतालीस हजार नव सौ ईगारह ऑफ-ग्रिड सौर कृषि पंपों की सफल स्थापना कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। माननीय मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में और उनके परिवर्तनकारी पीएम-कुसुम पहल के तहत, महाराष्ट्र ने स्वच्छ और किसान-केंद्रित सिंचाई की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए हैं। यह उपलब्धि सिंचाई सुरक्षा सुनिश्चित करती है, उत्पादन और किसानों की आय बढ़ाती है और पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करती है।

शिवम सिंह का रोबोट सिस्टम में कीर्तिमान

जौनपुर। उत्तर प्रदेश ने वैश्विक कौशल मंच पर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। एक प्रतिभाशाली युवा प्रतियोगी शिवम सिंह ने प्रतिष्ठित वर्ल्डस्किल्स एशिया प्रतियोगिता दो हजार पच्चीस में रोबोट्स सिस्टम इंटीग्रेशन में कांस्य पदक जीता है। उनकी उपलब्धि एडवांस्ड ऑटोमेशन और रोबोटिक्स में भारत की मजबूत क्षमताओं को और अधिक सशक्त करती है, साथ ही तेजी से बदलते इंडस्ट्री चार दशमलव जीरो सेक्टर्स के लिए अत्याधुनिक तकनीकी प्रतिभा के निर्माण में उत्तर प्रदेश के बढ़ते नेतृत्व को सामने लाती है। पदक विजेता को बधाई देते हुए, भारत सरकार के माननीय कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री श्री जयन्त चौधरी ने कहा, ऽताइपे में आयोजित वर्ल्डस्किल्स एशिया दो हजार पच्चीस में भारत के युवा प्रतियोगियों ने पहली बार अपने शानादर प्रदर्शन से देश को गौरवान्वित किया है। उनका हुनर, अनुशासन और लगन हमारे बढ़ते कौशल मूवमेंट की सबसे अच्छी झलक दिखाते हैं।

अम्बेडकर के विचार आज भी दिशा देते है

जौनपुर। बाबासाहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर बाजितपुर स्थित सिद्धार्थ हॉस्पिटल में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई।हॉस्पिटल के सभी कर्मचारियों ने अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके संघर्षों और योगदान को नमन किया। इस मौके पर वरिष्ठ सर्जन व बसपा नेता डॉ लाल बहादुर सिद्धार्थ ने कहा कि बाबासाहब का संविधान समता, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व की सर्वोत्तम जीवनदृष्टि देता है और सभी लोगों को अंबेडकर के विचार आज भी दिशा देते हैं। इस दौरान डॉ राजेंद्र सिद्धार्थ, डॉ. विनोद कुमार यादव, डॉ. ओ पी यादव, धर्मेंद्र यादव, पोरस, मुन्ना सिद्धार्थ, नीरज गुप्ता अजय सोनकर, सतीश पांडे व सौरभ श्रीवास्तव सहित सभी स्टाफ गण मौजूद रहे।

सनातन में उत्तम रंग है भगवा: ब्रह्माश्रम

प्रयागराज। इस बार माघ मेले का पूरी तरह से भगवाकरण भी किया जा रहा है। माघ मेले में बनाए जा रहे पांटून ब्रिजों को भगवा रंग में रंगा जा रहा है जिसको लेकर साधु, संत भी उत्साहित हैं। अखिल भारतीय दण्डी सन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम महाराज ने बताया कि भगवा सिर्फ सनातन का ही नहीं बल्कि भगवान भास्कर का उदयित रंग भी है। इसे सनातन में उत्तम रंग माना गया है। उन्होंने कहा कि जब माघ मेले में सूर्य का योग बन रहा है तो प्रशासन ने भी पांटून ब्रिजों को भगवा रंग का करने का जो फैसला लिया है यह सर्वोत्तम है। उन्होंने साधु, संतों से अपील की है कि साधु, संत भी इस मेले में अपने शिविरों की बाउंड्री को भगवा रंग से सजाएंगे।

हिन्दू सम्मेलन में किया 'पंच परिवर्तन' का आह्वान

❖ प्रयाग दक्षिण के देवप्रयागम नगर में विराट हिन्दू सम्मेलन आयोजित

पायनियर संवाददाता। प्रयागराज

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रयाग दक्षिण के देवप्रयागम नगर में विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन रविवार को किया गया। जिसका शुभारंभ भारत माता एवं गौ माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर तथा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। जगद्गुरु स्वामी राजकुमार आनंद महाराज, ब्रह्म कुमारीज बहन श्वेता, गायत्री परिवार के रामाश्रय यादव, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र बौद्धिक प्रमुख मिथिलेश और आर्य समाज के चैतन्यानंद सहित कई लोग उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता ने कहा कि हम बदलेंगे, युग बदलेगा। सम्मेलन में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक मिथिलेश ने संघ के शताब्दी वर्ष के संदर्भ में राष्ट्र निर्माण के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उन्होंने जोर दिया कि भारत को पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित करने के लिए प्रत्येक नागरिक को व्यक्तिगत स्तर पर बदलाव लाना होगा। मिथिलेश ने सनातन और हिंदू पहचान की पर्यायवाची बताते हुए हिंदू समाज को संगठित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सनातन परंपराओं और भारत में जन्मे सभी दर्शनों का सम्मान करने वाला व्यक्ति हिंदू है। उन्होंने जोर दिया कि संघ का लक्ष्य केवल एकता और संगठन है, न कि शब्दों के चयन पर बहस करना। उन्होंने सामाजिक समरसता को हिंदू समाज के अस्तित्व के लिए अनिवार्य शर्त बताया। उन्होंने जाति आधारित भेदभाव और छुआछूत की कड़ी निंदा करते हुए इसे एक नारकीय प्रथा कहा।

सुरक्षा के पीछे सैनिकों का है त्याग: इन्द्रजीत

❖ सरस्वती शिशु मंदिर में मनाया गया सशस्त्र सेना झंडा दिवस

पायनियर संवाददाता। प्रयागराज

ज्वाला देवी सरस्वती शिशु मंदिर, सिविल लाइन्स में 'सशस्त्र सेना झंडा दिवस' उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां भारती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

छात्रों ने देशभक्ति कविताओं की प्रस्तुति की, जिससे वातावरण देश प्रेम के रंग में रंग गया। प्रधानाचार्य इन्द्रजीत त्रिपाठी ने कहा कि ऽसशस्त्र सेना झंडा दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हमारी सुरक्षा के पीछे सैनिकों का बहुत बड़ा त्याग है। यह दिन उन वीर सैनिकों को याद करने का है जो विषम परिस्थितियों में भी देश की रक्षा के लिए डटे रहते हैं। शिशु वाटिका प्रमुख कंचन लता व समस्त आचार्य ने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और 'भारत माता की जय' के उद्घोष के साथ हुआ। बच्चों ने संकल्प लिया कि हम देश की सेवा व देश के सैनिकों का सम्मान करेंगे।

ज्ञान, विज्ञान और प्रज्ञान की त्रिवेणी है भारत: प्रो कपिल

❖ सप्त दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम भारतीय ज्ञान परम्परा का समापन

पायनियर संवाददाता। प्रयागराज

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम भारतीय ज्ञान परम्परा का समापन रविवार को हुआ। समापन सत्र के विशिष्ट मुख्य वक्ता प्रो कपिल देव मिश्र कुलपति, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर ने भारतीय ज्ञान परम्परा का वैश्विक परिप्रेक्ष्य एवं समकालीन शिक्षा में उसकी उपयोगिता विषय पर अत्यंत विद्वतापूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि सनातन काल से ही भारत ज्ञान का उपासक रहा है। भारत अर्थात जो ज्ञान रूपी प्रकाश से रत है। इस ज्ञान का उल्लेख संस्कृत साहित्य में विद्या और अविद्या या परा और अपरा के रूप में मिलता है। प्राचीन काल में भारत का समाज केवल ज्ञान प्रधान नहीं अपितु आचरण और चरित्र प्रधान भी था। इसीलिए आचरण और चरित्र के कारण राम पूजनीय हैं। भारतीय ज्ञान व्यक्ति के चरित्र का निर्माण करता है। एक शिक्षक चाणक्य ने सामान्य बालक को भी राजा बना दिया, नरेंद्र को स्वामी विवेकानंद बना दिया यह उस ज्ञान का ही प्रभाव है। भारतीय शिक्षा नीति का उद्देश्य भी यही है। समाज में संतुलन बनाने का आधार भी भारतीय ज्ञान ही है। हमें वर्त्तमान स्थितियों को देखते हुए केवल वक्तृत्व से नहीं अपितु कर्तृत्व से भी परिवर्तन करना होगा। आज के समय में भारतीय ज्ञान प्रणाली को पुनः मुख्य धारा में लाना शिक्षा संस्थानों की प्राथमिक आवश्यकता है। प्रो प्रकाश जोशी निदेशक मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने कार्यक्रम से पूर्व अपना आशीर्वाद और शुभकामनाएं प्रेषित की। भारतीय ज्ञान परम्परा सप्त दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम के समन्वयक डॉ विकास शर्मा सहायक आचार्य, संस्कृत विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने समापन सत्र का सम्यक संचालन किया। उन्होंने सप्त दिवसीय कार्यक्रम का वृत्तविवरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि संकाय विकास कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परम्परा, दर्शन, भाषाशास्त्र, कला, आयुर्वेद, विज्ञान एवं सांस्कृतिक विरासत से जुड़े मूलभूत सिद्धांतों को आधुनिक संदर्भों में समझाना एवं उच्च शिक्षण संस्थानों में भारतीय दृष्टिकोण आधारित शिक्षण को प्रोत्साहित करना था।

प्रयागराज मण्डल में चलाया जा रहा सघन चेकिंग अभियान

पायनियर संवाददाता। प्रयागराज

❖ वर्ष 2025-26 में चेकिंग अभियानों में करीब 7.96 लाख से अधिक यात्री किए गए प्रभारित

प्रयागराज मंडल के मण्डल रेल प्रबन्धक रजनीश अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक कोचिंग हरिमोहन के नेतृत्व में रेल यात्रियों को सुरक्षित, सुखद और आरामदायक यात्रा के साथ बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रयागराज मण्डल ने बिना टिकट अनियमित टिकट, अनबुक लगेज एवं गंदगी फैलाने वालों पर अंकुश लगाने के लिए चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्टेशनों एवं ट्रेनों में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। प्रयागराज मण्डल ने चेकिंग अभियान के साथ साथ यात्रियों को जागरूक करने के लिए स्टेशनों पर स्टीकर, पोस्टर एवं एनाउंस के माध्यम से यात्रियों को उचित और वैध रेलवे टिकट के साथ यात्रा करने के लिए निरंतर जागरूक करता रहता है। प्रयागराज मण्डल में चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के अप्रैल से नवंबर माह तक चलाए गए चेकिंग अभियानों में बिना टिकट, अनियमित टिकट, अनबुक लगेज एवं गंदगी फैलाते हुए कुल 7.96 लाख यात्रियों को प्रभारित कर 54.67 करोड़ रुपए जुर्माने स्वरूप वसूल किए। इनमें से 3,78,154 यात्रियों को बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़ा गया। जिनसे 32,73,27,546 रुपए जुर्माने स्वरूप वसूल किया गया। 3,96,133 यात्रियों को अनियमित टिकट पर यात्रा करते हुए पकड़ा गया। जिनसे 21,60,78,389 रुपए जुर्माना वसूल किया गया। 22,566 यात्रियों के बिना बुक किए गए सामान एवं गंदगी फैलाने वालों से 33,14,124 रुपए जुर्माना वसूल किया गया।

बच्चों की प्रस्तुति पर बजती रही तालियां, जीते मेडल

पायनियर संवाददाता। प्रयागराज

पतंजलि नर्सरी स्कूल का महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर के प्रांगण में थीम स्पिरिंट एण्ड स्माइल के तहत वार्षिक खेल समारोह उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। जिसमें अभिभावकों को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ पतंजलि नर्सरी स्कूल की प्रधानाचार्या विभा श्रीवास्तव के स्वागत संबोधन एवं खेल दिवस की घोषणा से हुआ। उद्घाटन के बाद केजी के बच्चों ने सूर्य नमस्कार की सामूहिक प्रस्तुति देते हुए लचीलापन और अनुशासन का सुंदर प्रदर्शन किया। प्रेप वर्ग ने चंद्र नमस्कार प्रस्तुत किया। जिसमें बच्चों की सधी ताल और आकर्षक मुद्राएँ विशेष रूप से सराही गईं। केजी वर्ग की ड्रिल प्रस्तुत की गई। जिसने समारोह के वातावरण में ऊर्जा और उत्साह भर दिया। प्रेप वर्ग की रिले बैटन रेस आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने जोश के साथ भाग लिया और प्रतियोगिता में विजयी विद्यार्थियों को पदक प्रदान किए गए। केजी और प्रेप दोनों वर्गों ने संयुक्त रूप से मार्शल आर्ट्स प्रस्तुति दी, जिसने दर्शकों को प्रभावित किया। केजी वर्ग की जुम्बा प्रस्तुति ने प्रांगण में उपस्थित लोगों को झूमने पर विवश कर दिया। प्रेप वर्ग की ट्विन पार्टनर रेस आयोजित की गई। जिसमें बच्चों ने बेहतरीन तालमेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के उपरांत विजेता बच्चों को पदक देकर सम्मानित किया गया। प्रेप वर्ग की तितली आधारित 'बटरफ्लाई ड्रिल' प्रस्तुत की गई, जिसके रंगों और सजीवता ने दर्शकों को आकर्षित किया। केजी वर्ग की फ्लैट रेस आयोजित हुई, जिसमें बच्चों ने अपनी गति और फुर्ती का शानदार प्रदर्शन किया। इस रेस के विजयी बच्चों को पदक प्रदान किए गए। विद्यालय निदेशिका रेखा वैद गुप्ता ने सभी बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए खेलों के महत्व और समग्र व्यक्तित्व विकास में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। प्रेप वर्ग के विद्यार्थियों ने 'जूनियर जिम्नास्ट' कार्यक्रम के माध्यम से संतुलन, लचीलापन और नियंत्रण का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इसके बाद केजी वर्ग की 'बनी रेस' और 'हनी बी' रेस आयोजित हुई। जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और रेस के विजेताओं को पदक प्रदान किए गए। देशभक्ति पर आधारित प्रस्तुति खेलेगा इंडिया तो बढ़ेगा इंडिया ने पूरे वातावरण को भावपूर्ण और प्रेरणादायक बना दिया। संगीत विभाग के बच्चों एवं शिक्षकों ने समापन गीत प्रस्तुत किया धन्यवाद ज्ञापन के साथ राष्ट्रीय गान हुआ।

सशस्त्र बल झंडा दिवस

राष्ट्र का सम्मान और कृतज्ञता

सात दिसम्बर का दिन भारत के लिए केवल एक औपचारिकता भर नहीं बल्कि कृतज्ञता का ज्वार है। यह वह अवसर है जब पूरा राष्ट्र अपने उन वीरों को याद करता है जिनकी बदौलत हम अपनी धरती पर सुरक्षित और स्वतंत्र सांस ले पाते हैं। सशस्त्र बल झंडा दिवस देश के शौर्य, समर्पण और पराक्रम की स्मृति को सहेजने का दिन है। यह हमारे राष्ट्रीय चरित्र का वह उजला पहलू है जो बताता है कि भारत अपने सिपाहियों के प्रति सम्मान, संवेदनशीलता और आभार प्रकट करने में कभी पीछे नहीं हटता। झंडा दिवस का इतिहास भले ही 1949 में सरकार द्वारा लिए गए निर्णय से शुरू हुआ हो, पर इसकी भावना अनादिकाल से भारतीय समाज में जीवित रही है। यह भावना हर उस परिवार के साथ खड़ी रहती है जिसका कोई सदस्य सीमा पर राष्ट्र की रक्षा में तैनात है। भारत के जवान जब बर्फीली चोटियों पर, मरुस्थल की तपती रेत में, समुद्र की गहराइयों में या आसमान की ऊंचाइयों पर डटे रहते हैं, तब 7 दिसम्बर का यह दिन उनकी ताकत बनकर सामने आता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि सैनिक केवल बॉर्डर पर नहीं लड़ता, बल्कि उसका परिवार भी हर दिन त्याग और धैर्य का दायित्व निभाता है। सरकार इस दिन के आयोजन को केवल औपचारिकता नहीं मानती, बल्कि इसे एक ऐसी राष्ट्रीय जिम्मेदारी समझती है जो सैनिकों के प्रति उसके संकल्प को मजबूती देती है। झंडा दिवस के माध्यम से जो निधि एकत्र की जाती है, उसका उपयोग घायल सैनिकों के उपचार, पुनर्वास, विकलांग सैनिकों की सहायता, वीर नारियों की आर्थिक सुरक्षा और शहीदों के बच्चों की शिक्षा के लिए किया जाता है। यह सहायता केवल आर्थिक नहीं बल्कि भावनात्मक भी होती है। इससे जवानों को यह भरोसा मिलता है कि उनकी कुर्बानी देश कभी नहीं भूलता और उनका परिवार राष्ट्र की सामूहिक जिम्मेदारी है। आज के समय में जब सुरक्षा की चुनौतियां बहुआयामी हो चुकी हैं, तब झंडा दिवस का महत्व और बढ़ जाता है। यह वह क्षण है जब सरकार और जनता दोनों एकजुट होकर सेना के साथ खड़े होते हैं। सरकार जवानों की आवश्यकताओं को समझते हुए आधुनिक हथियारों, उन्नत तकनीकों और बेहतर सुविधाओं की व्यवस्था करती है, वहीं समाज इस दिन के माध्यम से यह दिखाता है कि वह केवल सुरक्षा का लाभ नहीं उठाता बल्कि उसकी कीमत को भी समझता है। झंडा दिवस का संदेश यही है कि देश की सुरक्षा केवल फौजी चौकियों से नहीं बल्कि नागरिकों की भावनाओं, समर्थन और सहभागिता से भी मजबूत होती है। सेना के तीनों अंग इस दिन देशवासियों तक पहुंचते हैं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों और जनसंपर्क अभियानों के माध्यम से लोगों को अपने कार्यों और चुनौतियों से अवगत कराते हैं। यह केवल फौजी ताकत का प्रदर्शन नहीं होता बल्कि यह जनता और सेना के बीच भावनात्मक पुल को और मजबूत बनाता है। स्कूलों में, दफ्तरों में और सार्वजनिक स्थलों पर जो छोटे-छोटे झंडे लगाए जाते हैं, वे केवल प्रतीक भर नहीं, बल्कि अपने जवानों के प्रति सर्वोच्च सम्मान की अभिव्यक्ति हैं। झंडा दिवस समाज में सेवा और सहयोग की संस्कृति को भी बढ़ावा देता है। यह हमें याद दिलाता है कि राष्ट्रनिर्माण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि नागरिकों की भी समान भूमिका है। जब हम झंडा दिवस को मनाते हैं, तब हम उस मूल भावना को स्वीकार करते हैं कि देश पहले है और उसके रक्षक सर्वोपरि हैं। उनकी हर जरूरत, हर तकलीफ और हर संघर्ष हमसे जुड़ा है। सैनिकों के लिए एकत्र किया गया धन उस विश्वास का संबल है कि जब जवान हमारी सुरक्षा के लिए खड़ा है, तो हम उसके परिवार की सुरक्षा के लिए खड़े हैं।

जल स्वशासन को नई मजबूती

डॉ. संजय सिंह
जल वैज्ञानिक
जल जोड़ो अभियान के राष्ट्रीय संयोजक

भारत फिलहाल जल-संकट के सबसे चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है। केंद्रीय भूजल बोर्ड (उऋइ) की राष्ट्रीय भूजल आकलन रिपोर्ट 2023 के अनुसार देश में 193 जिले ऐसे हैं, जहाँ भूजल की स्थिति संकटपूर्ण बनी हुई है। इनमें से 102 जिले गंभीर और 22 जिले अतिझगंभीर श्रेणी में आते हैं। यह स्थिति लगातार खराब हो रही है—2024 के डेटा के अनुसार भारत की कुल भूजल निकासी 62% तक पहुँच गई है और 87% भूजल कृषि में उपयोग हो रहा है। (उळ्ए रिपोर्ट 2024)

ऐसे समय में भारत सरकार का हालिया निर्णय—कि अत्यधिक जल-संकटग्रस्त जिलों में मनरेगा की 65% राशि केवल जल संरक्षण और पुनर्भरण के कार्यों पर खर्च की जाएगी—ग्रामीण भारत के भविष्य के लिए एक निर्णायक कदम साबित हो सकता है। सेमी-क्रिटिकल जिलों के लिए यह सीमा 40% तय की गई है।

भारत के ग्रामीण इलाकों में जल संकट किसी एक कारण का परिणाम नहीं है; यह अनेक संरचनात्मक, भौगोलिक और प्रशासनिक चुनौतियों का सम्मिश्रण है। बदलती वर्षा-पद्धति, बढ़ते तापमान, अनियमित मानसून और भूमिगत जल का अत्यधिक दोहन इस समस्या को और जटिल बनाते हैं। क्टऊकी 2024 रिपोर्ट बताती है कि पिछले तीन दशकों में भारत में औसत वर्षा में 8झ10% की कमी आई है, जबकि बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में यह कमी 12झ14% तक दर्ज की गई है। 1990 की तुलना में भारत में ल्र्ीं३६५ी ि८२ 125% बढ़े हैं। पिछले दो दशकों में देश के कई इलाके बुंदेलखंड, बीजापुर, कर्नाटक, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब में भूमिगत जल स्तर निरंतर गिरा है। ऐसे में मनरेगा की धनराशि को जल संरक्षण में प्राथमिकता देना न केवल नीति-आधारित निर्णय है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की जल सुरक्षा से जुड़ा कदम भी है।

दुनिया के उन देशों ने, जहाँ पानी की उपलब्धता सीमित है—जैसे इज़राइल, ऑस्ट्रेलिया और स्पेन—ने जल संरक्षण की सफलता का राज तीन प्रमुख सिद्धांतों में पाया है: रनऑफ को अधिकतम रोकना, भूजल पुनर्भरण को बढ़ाना, और समुदाय की सक्रिय भागीदारी। भारत में भी जहाँ इन सिद्धांतों पर कार्य हुआ, वहाँ उल्लेखनीय सफलता मिली है। महाराष्ट्र के 'जलयुक्त शिवार' अभियान में 2015 से 2019 के बीच लगभग 27,000 गाँवों में भूजल स्तर में 0.5झ2 मीटर तक की वृद्धि दर्ज हुई। राजस्थान के अलवर में सामुदायिक जोहड़ों और तालाबों ने 12 सूखी नदियों को पुनर्जीवित किया। मध्यप्रदेश के देवासझखंडवा मॉडल में वाटरशेड आधारित कार्यों से सिंचाई क्षमता 30झ40% तक बढ़ी। ये उदाहरण बताते हैं कि जब वैज्ञानिक भू-आकृति विज्ञान, जल-बजट और वाटरशेड सिद्धांतों के साथ काम होता है, तो परिदृश्य बदल सकता है।

मनरेगा भारत का सबसे बड़ा ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम है, जिसका ढांचा सामुदायिक भागीदारी और श्रम आधारित निर्माण पर आधारित है। 2023झ24 में मनरेगा के तहत 18 लाख से अधिक जल-संरक्षण संरचनाएँ बनाई गईं—जिनमें 4.2 लाख चेकडैम, 6.1 लाख खेत-तालाब, 2.5 लाख कंटूर-बंडिंग, और 1.8 लाख गली-प्लग शामिल हैं। लेकिन इन संरचनाओं की गुणवत्ता और वैज्ञानिकता हमेशा एक जैसी नहीं होती। यदि सरकार के नए निर्णय को सही दिशा और तकनीकी आधार दिया जाए, तो इससे सूखे क्षेत्रों में भूजल पुनर्भरण बढ़ेगा, छोटे-छोटे तालाब और पहाड़ी नालों की पकड़ क्षमता बेहतर होगी, कृषि उत्पादन और पशुधन पर पड़ने वाला दबाव कम होगा, और अनेक स्थानों पर छोटी नदियाँ और झरने पुनर्जीवित हो सकते हैं। विशेष रूप से बुंदेलखंड, जहाँ पिछले दो दशकों में वर्षा में लगातार गिरावट और तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है, वहाँ जल-संरक्षण कार्य ही भविष्य की जीवनरेखा बन सकते हैं।

योजनाएँ चाहे कितनी भी मजबूत क्यों न हों, यदि ग्राम पंचायतें सक्रिय न हों तो संरचनाएँ केवल कागज़ पर ही सीमित रह जाती हैं। जीपीडीपी स्तर की योजनाओं में जल संरक्षण को प्राथमिकता तो दी गई है, लेकिन योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार नहीं, कई पंचायत प्रतिनिधियों में उदासीनता, ग्राम सभा जैसी इकाई की निष्क्रियता, और समितियों—जैसे पेयजल समिति व जल-सुरक्षा समिति—की कमजोर भूमिका सबसे बड़ी रुकावट हैं। अटल भूजल योजना, जो नौ राज्यों की 6,000 से अधिक पंचायतों में लागू की गई थी, इसका उदाहरण है। नीति उत्कृष्ट थी, लेकिन पंचायतों की वास्तविक क्षमता और तकनीकी समझ कमजोर होने के कारण अपेक्षित परिणाम नहीं मिले।

जहाँ-जहाँ महिलाओं को जल प्रबंधन में नेतृत्व मिला है, वहाँ परिणाम अधिक सकारात्मक देखे गए हैं। बुंदेलखंड की जल-सहेलियाँ इसका सशक्त उदाहरण हैं। इनके नेतृत्व में गाँवों में जल-संरक्षण की नियमित निगरानी, संरचनाओं का रखरखाव, और जल बजट का व्यावहारिक उपयोग संभव हो सका है। यदि ऐसे मॉडलों को पूरे देश में अपनाया जाए तो पंचायत स्तर पर जल-कैडर तैयार हो सकता है, जो योजनाओं को स्थायी बना सके।

आने वाले वर्षों में जल-संकट केवल बढ़ेगा। उहउ और नीति आयोग के 2024झ25 अनुमानों के अनुसार 2030 तक भारत की 40% आबादी पानी की कमी झेल सकती है। 2050 तक पानी की मांग 20% बढ़ जाएगी, जबकि उपलब्धता और भी घटती जाएगी। ही३ 'ल्रि और तालाबों की हालत भी चिंता का विषय है—2024 के आँकड़ों के अनुसार भारत के 65% से अधिक ¢ी३ 'ल्रि खतरे में हैं, और देश के लगभग 10 लाख पारंपरिक तालाब/झीलें अस्तित्व खोने की कगार पर हैं। ऐसे में केवल धनराशि खर्च करना समाधान नहीं है। इसके लिए जरूरी है वैज्ञानिक जल-शासन (हंड्डी१ ॠ्रङ्मी१ल्लंल्ली), भू-आकृति आधारित योजना, जल-उपयोग दक्षता, वर्षा-पानी का वैज्ञानिक संग्रह, और मजबूत निगरानी तंत्र।

मनरेगा से मिलने वाली 65% राशि तभी प्रभावी होगी जब निर्माण गुणवत्ता, निगरानी और सामुदायिक साझेदारी साथ-साथ हों। सरकार का यह निर्णय भारत के भविष्य की जल-सुरक्षा का खाका भी है। यदि मनरेगा की धनराशि को सही दिशा दी जाए, पंचायतों की क्षमता विकसित हो, महिलाओं का नेतृत्व बढ़े, और वैज्ञानिक मानकों पर आधारित संरचनाएँ बनें, तो भारत के सूखे क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन संभव है। यह निर्णय गाँवों को जल-संपन्न बनाने, नदियों और तालाबों को पुनर्जीवित करने, हरियाली और जैव-विविधता को बढ़ाने, और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की क्षमता रखता है। भारत का जल-संकट गंभीर है, लेकिन समाधान असंभव नहीं। यदि नीति, समुदाय और विज्ञान—ये तीनों साथ आएँ तो भारत सचमुच पानीदार गाँवों वाला देश बन सकता है।

मनरेगा के 65 फीसद फंड को जल-संरक्षण में लगाने का महत्त्वपूर्ण निर्णय
सरकार के इस निर्णय से देश में बन सकते हैं जल संपन्न गाँव
जल संचयन जन भागेदारी से जल संरक्षण के सफल होंगे प्रयास

आयोग का विशेष क्षेत्राधिकार और चुनाव सुधार

वर्तमान में जारी एसआईआर प्रक्रिया पहला अवसर नहीं है, जब चुनाव आयोग एक व्यापक मतदाता सूची तैयार कर रहा है। हालांकि इस बड़े पैमाने के कार्यक्रम के लिए कोई निश्चित समय सारिणी, जैसे हर 10 साल में एक बार या ऐसी कोई अन्य अवधि, निर्धारित नहीं है, लेकिन यह माना जाता है कि जब तक यह आवधिक पुनरीक्षण नहीं किया जाएगा, चुनाव परिणाम जनभावना को सही ढंग से प्रतिबिंबित नहीं करेंगे।

स्वपन दासगुप्ता

पचास साल से भी अधिक समय पहले, भारतीय राजनीति के एक प्रतिष्ठित ब्रिटिश विद्वान ने व्यंग्यपूर्वक टिप्पणी की थी कि चुनाव उन चीज़ों में से एक हैं जिन्हें भारतीय बहुत अच्छे से संपन्न करते हैं।₹ भारतीय लोकतंत्र के स्थायी रूप से स्थगित हो जाने या 'निर्देशित' हो जाने की आशंका (जो पूरी तरह से गलत नहीं थी) की पृष्ठभूमि में, चुनावी प्रक्रिया की पवित्रता को सार्वजनिक जीवन की एक उद्धारक विशेषता के रूप में देखा जाता था। लोकतंत्र के इस प्राथमिक स्तंभ की अंतिम पुष्टि 1977 में तब हुई, जब आपातकाल की छाया के बावजूद, भारत के मतदाताओं ने एक अधिनायकवादी शासन को वोट के जरिये सत्ता से बाहर कर दिया।

चुनाव आयोग (ईसीआई) की यह सुनिश्चित करने की क्षमता कि जनमानस की इच्छा विधायिकाओं में परिलक्षित हो, स्वतंत्रता प्राप्ति के पिछले सात दशकों में बार-बार परखी गई है। हालाँकि, मार्ग से विचलित होने के उदाहरण मौजूद हैं—इनमें 1972 का पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव और 1987 का जम्मू-कश्मीर चुनाव, दो उल्लेखनीय उदाहरण हैं— लेकिन, भारत का चुनावी अनुभव आमतौर पर राजनीतिक प्रणाली की वैधता बनाए रखने में सहायक रहा है।

जैसा कि सर्वाधिक मत से जीत की प्रणाली (फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट) में होता है, जो विधायी बहुमत को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाती है, ऐसे उदाहरण भी हैं, जब हारने वाले लोग हैरानी में रह गए जिनके चुनावी अभियान के अनुभव परिणाम से मेल नहीं खाते थे। 1971 में, एक पराजित पक्ष ने जोर देकर कहा कि सोवियत-निर्मित 'अदृश्य स्याही' के उपयोग ने इंदिरा गांधी को शानदार जीत हासिल करने में मदद की। उपग्रह द्वारा ईवीएम के हेरफेर के ऐसे ही अविश्वसनीय दावे 2009 के आम चुनाव के बाद भी सुने गए थे। जो कभी साजिश सिद्धांतकारों का विशेषाधिकार हुआ करता था, वह पिछले वर्ष अब हाशिए का मुद्दा नहीं रहा है। अपनी पार्टी के संख्या-विश्लेषकों से प्रोत्साहित होकर, जिनकी भविष्यवाणियाँ परिणाम से भिन्न थीं, विपक्ष के नेता ने मतदाता सूचियों की सत्यता को चुनौती दी है। जोरदार दावे किए गए हैं कि चुनाव आयोग विशेष गहन पुनरीक्षण का उपयोग कर अल्पसंख्यक मतदाताओं को इस आधार पर बाहर करने पर विचार कर रहा है कि वे भारतीय नहीं भी हो सकते हैं। यह विवाद पश्चिम बंगाल के राजनीतिक दलों के बीच खींचतान का विषय बन चुका है और यह असम तथा अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में भी फैल सकता है।

चूंकि संविधान का अनुच्छेद 321 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम चुनाव आयोग को चुनाव के संचालन के संबंध में 'विशेष क्षेत्राधिकार' देता है, इसलिए चुनावी प्रक्रिया को राजनीतिक हस्तक्षेप से दूर रखा गया है। दशकों से चुनाव आयोग ने चुनावों की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए कई नवाचार पेश किए हैं। सबसे महत्वपूर्ण उपायों में आदर्श आचार संहिता शामिल है, जो अप्रिय राजनीतिक व्यवहार पर अंकुश लगाती है और ईवीएम ने वोटों में हेरफेर को और अधिक कठिन बना दिया है, हालांकि यह असंभव नहीं है। अब मतदान केंद्रों पर पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती के लिए नियम मौजूद हैं। इसके अतिरिक्त, प्रौद्योगिकी के प्रसार के साथ, चुनाव आयोग मतदान केंद्रों में सीसीटीवी कैमरों पर जोर दे रहा है, ताकि मर्यादा बनी रहे तथा मतदान अधिकारियों और मतदाताओं को डराया-धमकाया न जा सके।

निश्चित रूप से, यह सच है कि इन नवाचारों में से कोई भी पूरी तरह से दोषरहित नहीं है। मतगणना केंद्रों सहित स्थानीय स्तर पर अक्सर बाहुबल का प्रभाव रहता है और इसके संभावित रूप से विकृत परिणाम हो सकते हैं। मतदान अधिकारियों द्वारा हेरफेर के अनुभवजन्य प्रमाणों को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। जब संसद में शीतकालीन सत्र के दौरान चुनाव सुधारों पर चर्चा होगी, तो संभव है कि देश को आदर्श लोकतांत्रिक आचरण के अन्य विचलनों के बारे में सुनने को मिले, जिनका चुनाव आयोग द्वारा समाधान किये जाने की आवश्यकता है।लोकतांत्रिक परियोजना में एक महत्वपूर्ण हितधारक के रूप में, संसद को आम जनता के लिए अपने व्यापक चुनाव अनुभव को संकलित करने की आवश्यकता है। हालांकि, अच्छी राजनीति के बड़े लक्ष्य की प्राप्ति नहीं होगी यदि राजनीतिक कार्यपालिका चुनाव आयोग के खिलाफ आम धमकियों, जिसमें शारीरिक नुकसान भी शामिल है, का इशारा करती है और सरकारी अधिकारियों—जिनके शालीन आचरण पर पूरी प्रणाली निर्भर करती है—को अपने संवैधानिक कर्तव्यों का पालन करने से रोकती है। पश्चिम बंगाल में चल रहे एसआईआर के दौरान सत्तारूढ़ दल का आचरण शर्मनाक है। कहने की जरूरत नहीं है कि सटीक मतदाता सूची का अस्तित्व लोकतंत्र की मूल शर्त है। यदि वंचित समुदायों के सदस्य मतदान केंद्रों से दूर रहने के लिए मजबूर किए जाते हैं, तो इसका विरोध होना स्वाभाविक है। दुर्भाग्यवश, इस बात का विरोध काफी कम होता है, जब बड़ी संख्या में लोगों को मतदाता सूची में शामिल नहीं किया जाता है या दोहरी और तिहरी प्रविष्टियाँ होती हैं, जो परिणाम को प्रभावित कर सकती है। चुनाव आयोग ने मतदाता पहचान पत्र और तस्वीरों के माध्यम से धोखाधड़ी की समस्या को सुलझाने की कोशिश की है। हालांकि, धोखेबाजों ने मृत या स्थायी रूप से स्थानांतरित लोगों के नाम पर वोट देकर चुनाव प्रणाली को चकमा देने के तरीके भी निकाल लिए हैं। पूर्वी भारत में अतिरिक्त समस्या यह है कि मतदाता सूचियों में उन व्यक्तियों को जोड़ दिया गया है, जो भारतीय चुनावों में वोट देने के लिए अयोग्य हैं। वर्तमान में जारी एसआईआर प्रक्रिया पहला अवसर नहीं है, जब चुनाव आयोग एक व्यापक मतदाता सूची तैयार कर रहा है। हालांकि इस बड़े पैमाने के कार्यक्रम के लिए कोई निश्चित समय सारिणी, जैसे हर 10 साल में एक बार या ऐसी कोई अन्य अवधि, निर्धारित नहीं है, लेकिन यह माना जाता है कि जब तक यह आवधिक पुनरीक्षण नहीं किया जाएगा, चुनाव परिणाम जनभावना को सही ढंग से प्रतिबिंबित नहीं करेंगे।

20वीं सदी के शुरुआती दशकों में आयरलैंड के संदर्भ में कहा जाता था कि लोगों को 'जल्द वोट दें और अक्सर वोट दें' की सलाह दी जाती थी। एक उत्साही शोधकर्ता के लिए यह दस्तावेज बनाने लायक हो सकता है कि भारत के कुछ हिस्सों में किस प्रकार की अभिनव प्रथाएँ प्रचलित हैं, जैसे मृत व्यक्तियों द्वारा मतदान या एक उम्मीदवार के मतों का उसके प्रतिद्वंद्वी के खाते में सहजता से स्थानांतरित हो जाना। एसआईआर रचनात्मक राजनीति के इन सभी उदाहरणों को इतिहास में नहीं बदल देगा, लेकिन यह वैश्विक भरोसे में थोड़ी और दृढ़ता जोड़ेगा कि भारत अपनी चुनाव प्रक्रियाओं को अच्छे से संचालित करता है। आशा यह है कि आने वाले दशकों में किसी भी राज्य या क्षेत्र के बारे में यह नहीं कहा जाएगा कि वहाँ चुनाव नहीं होते, बल्कि उन्हें 'प्रबंधित' किया जाता है।

आप की बात

गोवा अग्निकांड: सुरक्षा इंतजामों में लापरवाही का नतीजा

महोदय, गोवा के अरपोरा स्थित बर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब में लगी विनाशकारी आग ने एक बार फिर साबित कर दिया कि देश में सुरक्षा इंतजामों पर चल रही लापरवाही कितनी घातक हो सकती है। किचन में गैस सिलेंडर फटते ही धुएं का घना बादल पलभर में पूरे क्लब में फैल गया और सौ से अधिक लोगों की मौजूदगी वाले इस भीड़भरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सबसे अधिक मौतें दम घुटने से हुईं, जो यह बताती हैं कि न तो आपातकालीन निकास सही थे, न ही धुएं को बाहर निकालने की कोई आधुनिक व्यवस्था मौजूद थी। तीन झारखंडी युवकों सहित 25 लोगों की मौत ने कई परिवारों को तबाह कर दिया, जबकि क्लब मालिक और प्रबंधन पर लापरवाही का मामला दर्ज हो चुका है, लेकिन सवाल यह नहीं कि किस पर मामला दर्ज हुआ,सवाल यह है कि ऐसी घटनाएं बार-बार क्यों दोहराई जाती हैं। दरअसल देश में सुरक्षा निरीक्षण का पूरा ढांचा ही एक तरह से रस्मी औपचारिकता बनकर रह गया है। जिन अधिकारियों पर अग्निशमन मानकों की जांच का दायित्व है, वे नियमित निरीक्षण की जगह महज़ उपस्थिति दर्ज कराने, अनियमित वसूली करने और कागजी खानापूर्ति करने में लगे रहते हैं। नतीजा यह कि क्लब, होटल, बस, फैक्ट्री या स्कूल,हर जगह सुरक्षा उपकरण या तो खराब मिलते हैं, या मौजूद ही नहीं होते; हाल ही में स्कूलों की जांच में यह बात साफ सामने भी आ चुकी है। कोई भी बड़ा हादसा कुछ दिनों तक हलचल पैदा करता है, मगर कुछ हफ्ते गुजरते ही सब कुछ भूलकर व्यवस्था उसी ढर्रे पर लौट आती है और मौतें फिर किसी अग्निकांड या औद्योगिक दुर्घटना के रूप में सामने आ जाती हैं। अब वक्त आ गया है कि सरकार निरीक्षण करने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के लिए कड़े कानून बनाए, जिनमें लापरवाही साबित होते ही तत्काल निलंबन, सेवा से बर्खास्तगी और दंडात्मक कार्रवाई को अनिवार्य किया जाए। सबसे बड़ा सुधार यह होगा कि जिनकी लापरवाही से लोगों की जान जाती है, उनके वेतन, पेंशन और संपत्ति से ही मृतकों के परिवारों को मुआवजा दिलाया जाए, ताकि जिम्मेदारी का वास्तविक दबाव पैदा हो। जब तक नियमों को केवल कागज़ पर पूरा करने की संस्कृति खत्म नहीं होगी और निरीक्षण को भ्रष्टाचार से मुक्त नहीं किया जाएगा, तब तक इस तरह की मौतें रोकी नहीं जा सकेंगी। सुरक्षा कोई विकल्प नहीं बल्कि मूल अधिकार है, और जब व्यवस्था इसे सुनिश्चित करने में विफल होती है तो यह सिर्फ हादसा नहीं, बल्कि प्रबंधकीय अपराध बन जाता है,जिसका समाधान कठोर जवाबदेही, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के वास्तविक डर से ही संभव है।

सुभाष बुड़ावन वाला,रतलाम.मप्र

विमान यात्रियों का आर्थिक मुंडन रोकें

यह पत्र रजनीश कपूर के लेख, ''अब हवाई यात्रा भी बन गई आफत'' के संदर्भ में है अंतरराष्ट्रीय मानकों के तहत बनाए गए नियमों का इंडिगो ने उल्लंघन किया है इंडिगो की उड़ानें रद्द होने से अन्य एयरलाइनों ने हवाई किराये में मौके की नजाकत देखकत बढ़ोतरी कर दीं आनन-फानन में कुछ विमान यात्री तत्काल प्रीमियम बुकिंग देकर अपने गंतव्य तक पहुंच सके डीजीसीए और इंडिगो की लापरवाही के कारण लोगों के कीमती समय , ऊर्जा एवं और धन की बर्बादी का हर्जाना मिलना एवं जुर्माना लगना समय की कानूनी आवश्यकता है डीजीसीए एक नियामक संस्था के रूप में अपना कर्तव्य का निर्वहन करने में विफल दृष्टिगोचर हुई है एवं साख पर बट्टा लगता दिख रहा है नौकरी के नियम शर्तों में वर्णित समय सीमा से ज्यादा समय तक विमान उड़ाने से पायलटों को भौतिक मनोवैज्ञानिक थकान होती है, तो दुर्घटना का अंदेशा भी बढ़ता है विमानों के बढ़ते रखरखाव खर्च एवं प्रतियोगिता के चलते विमान यात्रियों का आर्थिक मुंडन रोकने के लिए डीजीसीए नियमों में कोताही ना बरते लापरवाही के मामलों को माननीय न्यायपालिका स्वत संज्ञान में लेने की कृपा करें

युगल किशोर शर्मा, फ़रीदाबाद

ऑनलाइन उपस्थिति—सबके लिए क्यों नहीं ?

प्रदेश के शिक्षक वर्ग का सरकार की किसी भी सुधारात्मक व्यवस्था का विरोधी कभी नहीं रहा है । शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने वाली हर पहल का शिक्षकों ने स्वागत किया है और भविष्य में भी करते रहेंगे। मगर प्रश्न यह है कि ऑनलाइन उपस्थिति जैसी व्यवस्था केवल शिक्षकों तक ही सीमित क्यों है ? यदि यह व्यवस्था प्रशासनिक अनुशासन और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए अनिवार्य है, तो फिर वल्लभ भवन से लेकर तहसील,जनपद, पंचायत तक सभी विभागों के अधिकारीझकर्मचारी इस दायरे में क्यों न आएँ ? कोई भी नियम यदि 'समानता' और 'जवाबदेही' के आधार पर लागू किया जाए, तभी वह प्रभावी सिद्ध होता है । पिछले एक दशक के बोर्ड परीक्षा परिणाम गवाह हैं कि प्रदेश के सरकारी शिक्षकों ने सीमित संसाधनों के बावजूद निजी विद्यालयों को पीछे छोड़ते हुए श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है । यह उपलब्धियाँ शिक्षकों की प्रतिबद्धता और परिश्रम का प्रमाण हैं । ऐसे में केवल शिक्षकों पर कठोर निगरानी और बाकी विभागों को स्वतः मुक्त रखना सवाल खड़े करता है । चिंता का दूसरा बिंदु यह है कि शिक्षकों की निगरानी हेतु पहले से ही ब्लॉक, जिला एवं संकुल स्तर पर अनेक अधिकारी तैनात हैं। यदि ऑनलाइन उपस्थिति ही अंतिम समाधान है, तो फिर इतना विशाल निगरानी तंत्र किस उद्देश्य से बना हुआ है? क्या यह स्वीकार किया जाए कि वर्षों से खड़ा यह तंत्र निष्प्रभावी रहा है? यदि ऐसा है, तो उसकी समीक्षा एवं पुनर्विनियोजन होना चाहिए। प्रदेश में शिक्षकों की भारी कमी है। ऐसे में निगरानी में लगे कार्मिकों को शिक्षण कार्य में लगाया जाए तो विद्यालयों में वास्तविक सुधार अधिक तेज़ी से संभव है । सच यह है कि शिक्षक समय का पालन करते हैं क्योंकि उनका समय सीधे बच्चे के भविष्य को प्रभावित करता है। पर क्या शेष विभागों का समय जनता के जीवन को प्रभावित नहीं करता? क्या आम नागरिक कार्यालयों के बाहर घंटों प्रतीक्षा नहीं करते? यदि शिक्षकों के लिए समय पालन अनिवार्य है, तो वही कठोरता हर विभाग पर लागू क्यों नहीं ? हमारी विनम्र परंतु ठोस अपेक्षा है कि राज्य सरकार ऑनलाइन उपस्थिति को 'एक विभाग' का नहीं, बल्कि 'पूरे प्रशासन' का नियम बनाए। तभी पारदर्शिता का वास्तविक अर्थ सामने आएगा और जनता का भरोसा बढ़ेगा।

अरविंद रावल 51, गोपाल कॉलोनी, झाबुआ (म.प्र.)

डीएम का सख्त निरीक्षण: घटिया इंटरलाकिंग उखाड़ने के आदेश, कई विभागों को फटकार

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर ने रविवार को महमूदाबाद नगर में विभिन्न निर्माण कार्यों और सरकारी व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने स्पष्ट कहा गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जो भी लापरवाही मिलेगी, उस पर सख्त कार्रवाई तय है। सुबह करीब 11 बजे डीएम नगर पालिका परिषद महमूदाबाद पहुंचे, जहां उन्होंने दफ्तर के विभिन्न पटलों की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। तालाब पट्टों के रिकॉर्ड पर संतोषजनक जवाब न मिलने पर संबंधित बाबू को फटकार लगाई। डीएम ने निर्देश दिया कि ''नए जुड़े गांवों के तालाब जल्द अधिग्रहीत किए जाएं और सौंदर्यीकरण का बजट सही कार्यों में लगाया जाए।'' स्टोर कक्ष में अव्यवस्था मिलने पर भी उन्होंने सख्त चेतावनी दी। इसके बाद डीएम मां संकटा देवी धाम पहुंचे, जहां वंदन योजना के तहत किए गए विकास कार्यों का उन्होंने बारीकी से निरीक्षण किया। इंटरलाकिंग सड़क बैठी हुई दिखने पर डीएम ने मौके पर खुदाई करवाई। गिट्टी न मिलने पर वे भड़क उठे और कड़े शब्दों में ईओ को निर्देश दिया– ''पूरी इंटरलाकिंग तत्काल उखड़वाएं, यह कार्यक्षमता की घोर लापरवाही है। डीएम ने रामकुंड चौराहे से बीआरसी होते हुए शहजानी मार्ग तथा नहर कालोनी रोड की गुणवत्ता जांचने के लिए भी खुदाई कर नमूना भरवाया।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि ''हर सड़क की गुणवत्ता जांच प्रयोगशाला में कराई जाएगी, खराब निर्माण किसी भी हालत में स्वीकार नहीं। निरीक्षण के दौरान ईओ नीलम चौधरी सहित कई कर्मचारी मौजूद रहे।

महमूदाबाद चीनी मिल में गन्ना तौल की शुद्धता और किसानों की सुविधाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश

सीतापुर। जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर ने रविवार को अपने भ्रमण कार्यक्रम के क्रम मे किसान सहकारी समिति चीनी मिल महमूदाबाद का भी आकस्मिक निरीक्षण किया और मिल की समग्र व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यप्रक्रिया, मशीनरी की कार्यक्षमता, सुरक्षा मानकों तथा उत्पादन की गुणवत्ता के बारे में विस्तार से जानकारी ली। डीएम ने मिल परिसर में मौजूद किसानों से बातचीत कर गन्ना पर्ची वितरण की स्थिति जानी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ''गन्ना तौल पूरी शुद्धता और मानकों के अनुसार हो, किसी भी किसान को असुविधा न हो।'' साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि तौल केंद्रों पर आने वाले किसानों को सभी मूलभूत सुविधाएं–बैठने की व्यवस्था, पेयजल और आवश्यक सहयोग–समय पर उपलब्ध कराया जाए। जिलाधिकारी ने मिल प्रशासन को हिदायत दी कि गन्ना तौल में पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिला गन्ना अधिकारी रत्नेश्वर त्रिपाठी सहित मिल प्रबंधन के अधिकारी मौजूद रहे।

अज्ञात जानवर के हमले से व्यक्ति गंभीर रूप से घायल, लखनऊ रेफर

सीतापुर । लहरपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गनेशपुर नेवादा में शनिवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 45 वर्षीय जहीर पुत्र अयूब खान पर नर्सरी में काम करते समय अज्ञात जानवर ने अचानक हमला कर दिया। पेड़ों की देखभाल कर रहे जहीर पर हुए इस हमले से वह बुरी तरह घायल हो गए.हमले के दौरान जहीर के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर दौड़ पड़े। भीड़ देखकर अज्ञात जानवर मौके से फरार हो गया। परिजन गंभीर रूप से घायल जहीर को तुरंत स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। जिला अस्पताल से भी स्थिति गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने जहीर को लखनऊ रेफर कर दिया, जहां उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कर रविवार को ऑपरेशन किया गया। घटना की जानकारी मिलने पर वन क्षेत्राधिकारी अभिषेक सिंह ने बताया कि टीम को मौके पर भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। गांव में इस घटना के बाद दहशत का माहौल है और ग्रामीणों में अज्ञात जानवर को लेकर डर बना हुआ है।

प्रधानमंत्री आवास योजना की दूसरी किस्त के लिए भटक रहा लाभार्थी

सीतापुर। विकास खंड बेहटा की ग्राम पंचायत पुरवा आचार्य के मजरा दुबियन पुरवा निवासी रामस्वरूप पुत्र महादेव पिछले दो वर्षों से प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना की दूसरी किस्त के लिए अधिकारियों के चक्कर लगा रहा है। लेकिन आज तक उसका भुगतान नहीं हो सका है। रामस्वरूप को वर्ष 2023 में प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुआ था। योजना के तहत मिली पहली किस्त 40,000 रुपये उसके इंडियन बैंक, शाखा बेहटा पकौरी स्थित खाते में भेजी गई थी, लेकिन उस खाते में किसान क्रेडिट कार्ड का बकाया होने के कारण पूरी राशि कट गई। इसके बाद ब्लॉक के अधिकारियों ने उससे दूसरी बैंक का खाता देने को कहा। निर्देश के अनुसार रामस्वरूप ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, शाखा सिगनापुर का खाता नंबर उपलब्ध करा दिया। लेकिन दो साल बीत जाने के बाद भी आवास की दूसरी किस्त उसके खाते में नहीं भेजी गई। पीड़ित रामस्वरूप का कहना है कि ग्राम सचिव और प्रधान उससे ठीक से बात तक नहीं करते, जबकि ब्लॉक अधिकारी केवल ''पैसा आ जाएगा'' कहकर टाल देते हैं। आवास अधूरा होने की वजह से वह अपने परिवार के साथ भीषण ठंड में खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है। थकहारकर रामस्वरूप ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर जल्द से जल्द दूसरी किस्त जारी कराने की मांग की है।

ओवरब्रिज और चीनी मिल परिसर में दो हादसे, परिवार में कोहराम

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

रविवार को जिले में दो अलग-अलग स्थानों पर हुए दर्दनाक हादसों ने लोगों को स्तब्ध कर दिया। सुबह खैराबाद ओवरब्रिज पर तेज रफ्तार बाइक हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि थाना रामकोट क्षेत्र स्थित जवाहरपुर चीनी मिल के बाहर गन्ना उतरवाते समय एक किसान की दबकर मृत्यु हो गई।

खैराबाद ओवरब्रिज हादसा: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुर्गेश शुक्ला (गोला, जनपद लखीमपुर खीरी) एक तेज रफ्तार बाइक पर सवार थे। अचानक बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक दूर जाकर सड़क पर गिरा और बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पीआरवी पुलिस ने घायल युवक को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने गंभीर चोटों के चलते उसे मृत घोषित कर दिया। परिजन हादसे की खबर सुनकर कोहराम मचा गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि ओवरब्रिज पर तेज रफ्तार के कारण आए दिन हादसे होते हैं, लेकिन सुरक्षा इंतज़ाम पर्याप्त नहीं हैं।

जवाहरपुर चीनी मिल हादसा: रामकोट थाना क्षेत्र में गन्ना लेकर पहुंचे किसान हेमराज मीरनगर (कोतवाली देहात) निवासी, चीनी मिल परिसर में दो ट्रैक्टरों के बीच रस्सी खोलते समय दब गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। उनके साथ आए ट्रैक्टर चालक मुकेश पर परिवार ने लापरवाही का आरोप लगाया। मिल परिसर में अफरा-तफरी मच गई और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

दोनों घटनाओं ने जिले में सड़क सुरक्षा और मिल परिसर में सुरक्षा प्रबंधन की गंभीरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने दोनों मामलों की जांच शुरू कर दी है।

शराब की दुकान में नकब लगाकर लाखों की चोरी

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

बिसवां कोतवाली क्षेत्र की सांडा पुलिस चौकी से कुछ ही कदमों की दूरी पर स्थित कम्पोजिट अंग्रेजी व बीयर की दुकान पर बीती रात चोरों ने बड़े स्तर पर सेंधमारी कर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी। चोरों ने दुकान की पीछे की दीवार में नकब लगाकर दुकान में प्रवेश किया और 48 हजार रुपये नकद तथा 29 बोतल अंग्रेजी शराब (कीमत लगभग 7140 रुपये) पर हाथ साफ कर दिया। हैरानी की बात यह रही कि चोरों ने वारदात से पहले सीसीटीवी कैमरे तोड़ डाले और फुटेज सुरक्षित करने वाला डीवीआर भी उठा ले गए, जिससे जांच और चुनौतीपूर्ण हो गई है। दुकान मालिक आशा सिंह ने घटना की तहरीर पुलिस को सौंप दी है। पुलिस चौकी के बिल्कुल नजदीक हुई चोरी से कस्बे के लोगों में दहशत और आक्रोश है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब चौकी के पास ही ऐसी वारदात हो सकती है, तो दूर-दराज इलाकों में सुरक्षा की क्या उम्मीद की जाए? चौकी प्रभारी अरुण उपाध्याय ने बताया कि तहरीर मिल गई है, और मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। चौकी से कुछ ही कदमों की दूरी पर हुई यह बड़ी चोरी पुलिस गश्त और सुरक्षा दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

प्रतिनिधिमंडल दिल्ली में सांसदों से मिला और प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

उत्तर प्रदेश में 29 जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त प्राथमिक शिक्षकों को सेवारत रहने और पदोन्नति में टीईटी की अनिवार्यता से मुक्त रखने की मांग को लेकर प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं सीतापुर के जिला अध्यक्ष रवींद्र दीक्षित के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली में सांसदों से मिला और प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। सांसद राकेश राठौर और सांसद आनंद भदौरिया के दिल्ली में अनुपस्थित होने के कारण, सांसद राकेश राठौर के प्रतिनिधि बॉबी राठौर और सांसद आनंद भदौरिया के प्रतिनिधि तपन सिंह ने ज्ञापन ग्रहण किया। जिला अध्यक्ष रवींद्र दीक्षित ने बताया कि वर्तमान में शिक्षकों में मानसिक तनाव की स्थिति है। उन्होंने कहा कि 29 जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से छूट दी जानी चाहिए, क्योंकि उनकी नियुक्ति उस समय सरकार द्वारा निर्धारित योग्यताओं के आधार पर ही हुई थी। प्रतिनिधिमंडल में नवीन श्रीवास्तव, ज्ञान, राजेश गुप्ता, प्रदीप वर्मा, विनोद वर्मा, शिवसागर वर्मा, शिवेंद्र, श्रीपाल, धीरज शुक्ला, विनय गिहार, प्रदीप मिश्रा, विवेक पंडित, शिवेंद्र सहित कई शिक्षक मौजूद रहे।

अतिक्रमण अभियान बना मज़ाक रसूखदारों को मिली खुली छूट

❖ छोटे दुकानदारों पर टूटा प्रशासन का जोर

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

जिलाधिकारी के सख्त निर्देशों के बावजूद रविवार को जीआईसी चौराहे से बस स्टॉप तक चला अतिक्रमण हटाओ अभियान जमीन पर पूरी तरह पस्त नज़र आया। एसडीएम सदर और नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी वैभव त्रिपाठी की मौजूदगी में हुआ यह अभियान औपचारिकता और पक्षपात की मिसाल बनकर रह गया। अभियान शुरू होते ही बड़े-बड़े प्रतिष्ठानों, बहुमंज़िला इमारतों और प्रभावशाली व्यापारियों द्वारा सड़क तक फैलाए गए अतिक्रमण को प्रशासन ने देखकर भी अनदेखा कर दिया। वहीं रोज़मर्रा की रोजी-रोटी चलाने वाले गरीब और छोटे दुकानदारों की टीनशेड, फुटपाथी दुकानें और अस्थायी ठेलों पर बुलडोजर और हथौड़े बेरहमी से चलाए गए। स्थानीय व्यापारियों ने प्रशासन पर चयनित कार्रवाई का गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह पूरा ऑपरेशन केवल फोटो खिंचवाओ और रिपोर्ट भेजो वाली खानापूर्ति साबित हुआ। छोटे दुकानदारों के सामने लगे टीनशेड उखाड़कर जब्त कर लिए गए, जबकि सड़क पर खुलेआम कब्जा जमाए रसूखदारों को हाथ तक नहीं लगाया गया। व्यापारियों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है अगर अतिक्रमण हटाना था, तो सबके खिलाफ समान कार्रवाई क्यों नहीं? क्या प्रशासन के नियम केवल गरीबों के लिए हैं? अभियान की कार्यवाही पर उठे सवालों ने नगर पालिका और प्रशासन दोनों की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। आमजन का कहना है कि अगर आदेशों का पालन ऐसा ही होना है, तो अतिक्रमण हटाओ अभियान सिर्फ दिखावा बनकर रह जाएगा और सड़कें कब्जों से मुक्त होने की उम्मीद करना बेमानी है।

मोनिका आनंद अवध प्रांत अध्यक्ष (महिला शाखा) पद पर नियुक्त

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

जिले के लिए गर्व का अवसर आया है। सीतापुर की मोनिका आनंद, निवासी गदियाना, को नरेंद्र मोदी विचार मंच में अवध प्रांत अध्यक्ष (महिला शाखा) के महत्वपूर्ण दायित्व पर नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति का आदेश 5 दिसंबर 2025 से प्रभावी रहेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष (महिला शाखा) डॉ. ज्योति श्रीवास्तवा द्वारा जारी नियुक्ति पत्र में कहा गया है कि संगठन को मोनिका आनंद से पूर्ण विश्वास है कि वे तन, मन और प्राण से राष्ट्रसेवा तथा संगठन की प्रगति के लिए समर्पित रहकर कार्य करेंगी। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि उनके प्रयास संगठन को नए आयाम प्रदान करेंगे और महिलाओं में राष्ट्र एवं समाज सेवा की भावना को और अधिक मजबूती मिलेगी।

नियुक्ति पत्र में मोनिका आनंद का हार्दिक स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई है। इस संबंध में जानकारी संगठन के मुख्य राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय प्रमुख महामंत्री संगठन तथा राष्ट्रीय प्रभारी महिला शाखा को भी भेजी गई है। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के मिलने से न केवल मोनिका आनंद का सम्मान बढ़ा है, बल्कि सीतापुर जिले का नाम भी गौरवान्वित हुआ है।

एसआर पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव धूमधाम से संपन्न

❖ छात्रों की शानदार प्रस्तुतियों ने जीता सभी का दिल

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

लहरपुर नगर के एस.आर. पब्लिक स्कूल में रविवार को आयोजित वार्षिकोत्सव कार्यक्रम अपार उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। समारोह का शुभारंभ पूर्व विधान परिषद सदस्य भरत त्रिपाठी ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम में बच्चों ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, लोकगीत, अभिनय गीत, देशभक्ति से भरी शानदार प्रस्तुतियाँ, शिक्षा की अनिवार्यता और आधुनिक समय में 'मोबाइल के बढ़ते उपयोग' पर आधारित कार्यक्रम पेश किए। शिव तांडव नृत्य की प्रस्तुति ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और सभागार तालियों से गूंज उठा। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष हाजी जावेद अहमद, डीएवी कॉलेज के प्रोफेसर रजत कुमार, तथा बीएनएनडी डिग्री कॉलेज उन्नाव के प्रोफेसर पी.के. शुक्ला विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। मुख्य अतिथि भरत त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विद्यार्थी जीवन के पाँच लक्षणों पर विस्तार से प्रकाश डाला और संयमित जीवन जीने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे आरएमपी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के गणित विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. आर.एस. मिश्रा ने गुरु-शिष्य संबंधों की महत्ता समझाई। नगर पालिका अध्यक्ष जावेद अहमद, प्रोफेसर रजत और प्रोफेसर पी.के. शुक्ला ने भी बच्चों को प्रेरणादायी संदेश दिए। विद्यालय के प्रबंधक प्रमोद कुमार मिश्रा और कोषाध्यक्ष रानी रमा मिश्रा ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और शिक्षकों के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप कश्यप ने सुचारू रूप से किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य अनुपम श्रीवास्तव, इंजीनियर मयंक मिश्रा, पुत्तन कपूर, नवल मिश्रा, हसीन अंसारी, मोहम्मद हसन, संजय शुक्ला, प्रमोद बाजपेई एडवोकेट, रामें बाजपेई, पंकज शुक्ला, अरुण सिंह आचार्य, गिरीश बाजपेई, आशीष मिश्रा, बृजेंद्र सिंह, सभासद मनीष शुक्ला, सोनू रस्तोगी, उमाशंकर शुक्ल, महाजन लाल शुक्ला, प्रेमनाथ शुक्ला, प्रदीप कुमार मिश्रा सहित बड़ी संख्या में अभिभावक, शिक्षक व छात्र मौजूद रहे।

ऐलिया गांव में वर्षों बाद दिखे गिद्ध दुर्लभ पक्षी को देखने उमड़े ग्रामीण

पायनियर संवाददाता। इमलिया सुल्तानपुर/सीतापुर

प्राकृतिक विरासत और पर्यावरण संरक्षण के लिए खुशखबरी लेकर आई एक अनोखी घटना में रविवार को सीतापुर क्षेत्र के ऐलिया गांव में कई वर्षों बाद गिद्धों का झुंड दिखाई दिया। लंबे समय से क्षेत्र में गिद्धों की संख्या लगातार घट रही थी, ऐसे में अचानक इन दुर्लभ पक्षियों का दिखाई देना ग्रामीणों में उत्सुकता और रोमांच का विषय बन गया।

गांव के लोगों ने बताया कि सुबह खेतों की तरफ जाते समय कुछ ग्रामीणों ने पहले दो गिद्ध देखे, इसके बाद थोड़ी ही देर में आसपास पेड़ों और खेतों में कई अन्य गिद्ध भी मंडराते नजर आए। सूचना फैलते ही गांव के लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई वर्षों बाद इस दुर्लभ पक्षी को देख कर उत्साहित दिखा। गिद्ध आमतौर पर स्वच्छता चक्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन खानपान में बदलाव, रासायनिक दवाओं के उपयोग और पर्यावरणीय असंतुलन के कारण इनकी संख्या में भारी गिरावट आई है। ऐसे में ऐलिया गांव में इनका दिखना क्षेत्र के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

स्थानीय वन विभाग को भी ग्रामीणों ने इसकी सूचना दे दी है। वन कर्मियों ने बताया कि यदि गिद्ध यहां दिखाई दे रहे हैं तो संभव है कि आसपास के वातावरण में सुधार या भोजन की उपलब्धता बढ़ी हो। वे जल्द ही क्षेत्र का सर्वे कर गिद्धों की संख्या और उनकी गतिविधियों पर रिपोर्ट तैयार करेंगे। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने बचपन में गिद्धों को बहुत देखा था, लेकिन पिछले कई वर्षों से ये पक्षी लगभग गायब हो चुके थे। आज का दृश्य देखकर उन्हें पुराने दिन याद आ गए। ऐलिया गांव में गिद्धों का दिखना न केवल पर्यावरण प्रेमियों के लिए उत्साह का विषय है, बल्कि यह भी संकेत है कि प्रकृति अभी भी खुद को पुनर्जीवित करने की क्षमता रखती है–बस जरूरत है संरक्षण और संवेदनशीलता की।

सेठ देवेश्वर दयाल मांटेसरी स्कूल में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

पायनियर संवाददाता। बिसवां (सीतापुर)

सेठ देवेश्वर दयाल मांटेसरी स्कूल में रविवार को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बिसवां विधायक निर्मल वर्मा शामिल हुए, जबकि अध्यक्षता सेठ जय दयाल इंटर कॉलेज व सेठ देवेश्वर दयाल मांटेसरी स्कूल के प्रबंधक एवं वरिष्ठ राजनीतिज्ञ महेश चंद्र मेहरोत्रा 'बबुआ जी' ने की। मंच पर सेठ जय दयाल इंटर कॉलेज के सहप्रबंधक एडवोकेट अशोक कुमार गुप्ता और भाजपा मंडल अध्यक्ष पंकज गुप्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सहप्रबंधक आनंद कुमार खत्री ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत माता सरस्वती के पूजन तथा विद्यालय के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय सिद्धार्थ मेहरोत्रा के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। खेलकूद प्रतियोगिता के शुभारंभ से पहले मेधावी छात्रों द्वारा मशाल रेस निकाली गई। इसके बाद शांति के प्रतीक कबूतर उड़ाकर कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया गया। विद्यालय की तीन वाहिनियोंमहारानी लक्ष्मीबाई, ए.पी.जे. अब्दुल कलाम और सुभाष चंद्र बोस–की सलामी मुख्य अतिथि ने ग्रहण की। मुख्य अतिथि विधायक निर्मल वर्मा ने कहा कि खेल बच्चे के शारीरिक ही नहीं बल्कि मानसिक विकास के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। अध्यक्ष महेश चंद्र मेहरोत्रा ने कहा कि ''स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क रहता है, इसलिए बच्चों को पढ़ाई के साथ खेल-कूद में भी सक्रिय रहना चाहिए। प्रधानाचार्य विवेक सिन्हा ने विद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम में उपप्रधानाचार्य शीबा खान, अजरा खान, जी.पी. श्रीवास्तव, रामकुमार कश्यप, शैलेन्द्र बाजपेयी, मीना श्रीवास्तव, रीतू मिश्रा, तूबा, अंजनी शुक्ला, यश, पृथ्वीपाल, रविंद्र वर्मा, सफीउद्दीन समेत बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रतियोगिताओं के परिणाम

हिंदी माध्यम

मेढक दौड़: नर्सरी-दिव्यांश, केजी -जाकिर

जलेबी दौड़: कक्षा 1-उमम, कक्षा 2-सरताज

कुर्सी दौड़: कक्षा 3-आमना अफरोज

तीन टांग दौड़: कक्षा 4-अथर्व, जैदान

100 मीटर दौड़ (कक्षा 6-8): लड़के-कृष्णा, ऐमान नूर लड़कियाँ-पुष्पा, नुजहत

अंग्रेजी माध्यम

मेढक दौड़ (नर्सरी, एलकेजी, यूकेजी): सर्वर, रुजेन, फरहान

जलेबी दौड़ (कक्षा 1-2): विराट, कृष्णा

तीन टांग दौड़ (कक्षा 3): अल्तमस, अब्दुल्ला

100 मीटर दौड़ (कक्षा 6-8): लड़के-नुमान, युवराज लड़कियाँ-काजल यादव, सिदरा

पुलिस ने चलाया शराब बिक्री और खुले में पीने के खिलाफ अभियान

सीतापुर। एएसपी आलोक सिह की अगुवाई में रविवार देर शाम को शहर में शराब बिक्री और खुले में शराब पीने के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान सीओ सिटी विनायक और शहर कोतवाल अनूप शुक्ला अपने दल बल के साथ विभिन्न इलाकों में सक्रिय रहे। अभियान के तहत पुलिस ने शहर की देशी और विदेशी शराब की दुकानों पर छापेमारी की। दुकानों पर रखी अवैध शराब और नियमों का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं को चेतावनी दी गई। इसके अलावा, खुले में शराब पी रहे लोगों को भी मौके पर ही समझाया और कानूनी चेतावनी दी गई। पुलिस ने यह सुनिश्चित किया कि अभियान के दौरान किसी प्रकार की अशांति न फैले और कानून का पालन हर स्तर पर हो। एएसपी आलोक सिह ने कहा कि इस प्रकार के अभियान से न केवल कानून व्यवस्था में सुधार होगा, बल्कि युवाओं को शराब से दूर रखने में भी मदद मिलेगी।

डॉ. सुधाकर प्रकाश वर्मा को अंतर्राष्ट्रीय 'ह्यूमन एक्सीलेंस गोल्डन अवॉर्ड-2025', जनपद के लिए गौरव का क्षण

❖ वैश्विक शांति और समाज सेवा में असाधारण योगदान के लिए अमेरिकन यूनिवर्सिटी, यूएसए ने किया सम्मानित

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

जनपद के मझिगवां, बिसवां निवासी डॉ. सुधाकर प्रकाश वर्मा ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 06 दिसंबर 2025 को लखनऊ स्थित ख्वाजा मुईनुद्दीन चिस्ती भाषा विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह में उन्हें अमेरिकन यूनिवर्सिटी, यूएसए (अवऋद्ध वरअ) की ओर से ''ह्यूमन एक्सीलेंस गोल्डन अवॉर्डझ2025'' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें वैश्विक शांति, मानवता और समाज उत्थान के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए प्रदान किया गया। विश्व के 120 देशों के गवर्नर्स एवं सीनेट सदस्यों की अनुशंसा पर दिए जाने वाले इस प्रतिष्ठित पुरस्कार ने डॉ. वर्मा की कार्यशीलता और वैश्विक दृष्टिकोण को एक बार फिर विश्व के सामने स्थापित किया। समारोह में उनके द्वारा विकसित ''पीस लविंग झ पीस प्रैक्टिसिंग'' मॉडल की विशेष सराहना की गई। यह मॉडल समाज में आपसी संवाद, सह-अस्तित्व और शांति आधारित सोच को बढ़ावा देने का एक प्रभावशाली प्रयास है।अमेरिकन यूनिवर्सिटी ने स्पष्ट किया कि डॉ. वर्मा का चिंतन और कर्म सीमाओं से परे जाकर मानवता को जोड़ता है और समाज को सकारात्मक दिशा देता है। यह सम्मान उनके निरंतर सेवा-भाव, नैतिक प्रतिबद्धता और वैश्विक शांति स्थापना के प्रति समर्पण का प्रतीक है। यह डॉ. वर्मा को प्राप्त पाँचवाँ अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय सम्मान है। इस उपलब्धि की खबर मिलते ही मझिगवां, बिसवां और पूरे सीतापुर में हर्ष और गर्व की लहर दौड़ गई। समाजसेवक, शिक्षाविद और युवाओं ने इसे जनपद के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया। डॉ. वर्मा की यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत साधना और सेवा का प्रतिफल है, बल्कि यह सीतापुर की बौद्धिक, सामाजिक और मानवीय पहचान को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित करती है। उनका जीवन संदेश देता है कि अहिंसा, शांति और मानवता के मूल्यों के साथ किया गया कार्य कभी व्यर्थ नहीं जाता।

एसआईआर भविष्य सुरक्षित करने वाला दस्तावेज : संजय

- बीजेपी प्रदेश महामंत्री ने बैठक कर एसआईआर को लेकर की बिंदुवार समीक्षा

पायनियर संवाददाता। सुलतानपुर

विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के अन्तिम चरण को सफल बनाने के लिए रविवार को प्रदेश महामंत्री संजय राय ने भाजपा जिला कार्यालय पर जिला पदाधिकारी, मण्डल अध्यक्ष व अभियान से जुड़े हुए पदाधिकारियों की बैठक ली। भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उन्होंने एसआईआर को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर सिलसिलेवार समीक्षा की। उन्होंने कहा हम सब 11 दिसम्बर तक सभी कार्य स्थगित कर अभियान में पूरी ऊर्जा व ताकत से जुटे। उन्होंने कहा एसआईआर केवल मतदाता सूची का काम नही है।यह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने वाला महत्वपूर्ण दस्तावेज हैं। उन्होंने कहा पार्टी का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे तथा बोगस मतदाताओं को सूची से बाहर किया जाए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा राष्ट्र की सुरक्षा व लोकतंत्र की मजबूती के लिए एसआईआर जरुरी है।पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा आगामी शिक्षक व स्नातक एमएलसी चुनाव समेत 2027 यूपी विधानसभा चुनाव में भाजपा को एक बार फिर ऐतिहासिक व बंपर जीत मिलेगी।उन्होंने कहा 11 दिसम्बर के बाद जब ड्राफ्ट प्रकाशित होगा उसके बाद छूटे व 18 साल पूरा करने वाले मतदाताओं को जुड़वाने व बोगस मतदाताओं को सूची से बाहर करने का मंडल ए भी चलाना होगा।जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत व आभार व्यक्त करते हुए कहा बूथ विजय के लिए मतदाता सूची का शुद्धिकरण आवश्यक है।

भाजपा मीडिया प्रमुख विजय सिंह रघुवंशी ने जानकारी दी कि आनन्द द्विवेदी के संचालन में आयोजित बैठक में प्रमुख रूप से नगर पालिकाध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल, सहकारी बैंक अध्यक्ष योगेंद्र प्रताप सिंह, जिला महामंत्री विजय त्रिपाठी,संदीप सिंह,डॉ प्रीति प्रकाश, विजय रघुवंशी,आलोक आर्या, विवेक सिंह, सुनील वर्मा,जगदीश चौरसिया,मनोज मौर्य, राजेश सिंह,राजित राम,अरूण जायसवाल, संजय सोमवंशी,चन्दन नारायन सिंह, डॉ रामजी गुप्ता, रेखा निषाद, सुमन राव कोरी,रामेन्द्र प्रताप सिंह,इन्द्रदेव मिश्रा, रीना जायसवाल, विजय लक्ष्मी शुक्ला, प्रदीप शर्मा, राहुल भान मिश्रा,राम अभिलाष सिंह, राजेश चतुर्वेदी रोहित यादव आदि मौजूद रहे।

हृदय रोगी आशा संगिनी से कराई बीएलओ ड्यूटी

- प्रताड़ना का आरोप, केजीएमसी में चल रहा इलाज

पायनियर संवाददाता। सुलतानपुर

भदैया ब्लॉक में तैनात एक आशा संगिनी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भदैया के अधीक्षक पर प्रताड़ना और अवकाश न देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। आशा संगिनी राजमती सिंह, निवासी बभनगवा कोतवाली देहात ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर बताया कि वह जुलाई माह से हृदय रोग से पीड़ित हैं और केजीएमसी लखनऊ में उनका इलाज चल रहा है।

राजमती सिंह ने बताया कि सीने में तेज दर्द की शिकायत पर उन्होंने पहले सुल्तानपुर मेडिकल कॉलेज में दिखाया, जहाँ डॉक्टरों ने ब्लड टेस्ट ,ईसीजी और 2डी इको कराने के बाद उन्हें लखनऊ रेफर किया। उन्होंने अपनी बीमारी से संबंधित सभी जांच रिपोर्टें अधीक्षक और एसडीएम को दिखाकर अवकाश मांगने के लिए आवेदन दिया था, लेकिन अधीक्षक द्वारा साफ कह दिया गया कि चाहे कुछ भी हो, छुट्टी नहीं मिलेगी।

आशा संगिनी का कहना है कि उनके पुत्र कुलदीप सिंह का तिलक 25 नवंबर तथा विवाह 29 नवंबर को था। बीमारी और पारिवारिक कार्यक्रम के कारण उन्होंने बीएलओ ड्यूटी से असमर्थता जताई थी, लेकिन फिर भी उन्हें छुट्टी नहीं दी गई। उनका आरोप है कि एमओआईसी से लेकर एसडीएम तक सभी अधिकारियों से संपर्क करने के बावजूद किसी ने उनकी बात नहीं सुनी और उन्हें यह कहकर लौटा दिया गया कि काम ठीक नहीं कर रही हो।

संक्षिप्त समाचार

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में 1200 परीक्षार्थी शामिल

लंभुआ-सुलतानपुर। यहां सक्रिय अविरल फाउंडेशन की तरफ से सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन रविवार को किया गया। फाउंडेशन के अध्यक्ष भानुकर तिवारी ने बताया कि प्रतियोगिता में जिले के 60 विद्यालयों से 1200 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। बच्चों की सुविधा के लिए दो परीक्षा केंद्र बनाए गए थे । पहला केंद्र स्वामी विवेकानंद इण्टर कॉलेज गोपालपुर मधैया लंभुआ और दूसरा केंद्र यूनिक राजकरन सुखदेव मेमोरियल इण्टर कॉलेज घूरीपुर शोभीपुर लंभुआ को बनाया गया था। दो स्तर पर आयोजित प्रश्नपत्र में कक्षा चार व पांच के एक प्रश्नपत्र थे तो कक्षा छः से आठ तक के बच्चों के लिए दूसरा प्रश्नपत्र तैयार किया गया था। परीक्षा केन्द्र पर जेपी पाण्डेय , दीपक पांडेय, केडी जायसवाल , आदित्य शुक्ला , प्रवेश सिंह , सूरज यादव , अवधेश तिवारी उपस्थित रहे ।

रंजिश में मारपीट, दोनों पक्षों से कई घायल

कादीपुर - सुलतानपुर। पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट में दो लोगों को काफी चोट आई। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर क्रॉस केस दर्ज कर लिया है। कोतवाली के गोपालपुर नमाज गढ़ गांव के अशोक कुमार यादव एवं रोशन गुप्ता के बीच पुरानी रंजिश चल रही है। अशोक यादव का आरोप है कि शनिवार को सुबह नौ बजे विपक्षी रंजिश बस उनके घर के सामने आकर गाली गलौज करने लगे। मना करने पर लाठी डंडों से मारा पीटा । जिससे उन्हें काफी चोट आई । उधर विपक्षी रोशन गुप्ता का आरोप है कि शनिवार को सुबह नौ बजे उनके पिता ईश्वर देव सामान लेने के लिए कादीपुर जा रहे थे । वह जैसे ही गांव के बाहर सड़क पर पहुंचे । तभी विपक्षी गाली गलौज देने लगे। मना करने पर लाठी डंडे से मारा पीटा। जिससे उन्हें काफी चोट आई। प्रभारी निरीक्षक श्याम सुंदर ने बताया कि पीड़ित अशोक कुमार यादव की तहरीर पर गांव के ही ईश्वर देव गुप्ता, रोशन गुप्ता, राजू गुप्ता एवं जवाहर के विरुद्ध तथा रोशन गुप्ता की तहरीर पर गांव के ही अशोक कुमार यादव एवं उनके परिवारीजन के विरुद्ध केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पॉक्सो एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

कादीपुर - सुलतानपुर। कोतवाली पुलिस ने पास्को एक्ट के एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। प्रभारी निरीक्षक श्याम सुंदर ने बताया कि कोतवाली क्षेत्र के नरायन पारा गांव के जैकी उर्फ आनंद कोतवाली का पास्को एक्ट के मामले में आरोपी था। पुलिस ने रविवार को उसे कादीपुर सुल्तानपुर मार्ग पर बरवारीपुर के मोड़ के पास गिरफ्तार किया। आरोपी को पुलिस ने न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

युवती ने फांसी लगाकर दी जान, कोहराम

सुलतानपुर। धनपतगंज थाना क्षेत्र के माधवपुर आचार्य गांव में रविवार दोपहर एक 28 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय घर पर कोई मौजूद नहीं था। परिजनों के वापस लौटने पर युवती को फंदे से लटका पाया गया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। युवती की पहचान दीपिका के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंचनामा सहित आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र मिश्रा ने बताया कि आत्महत्या के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इस मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सिविल डिफेंस का स्थापना दिवस मना

गोंडा। सिविल डिफेंस के स्थापना दिवस श्री गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज में मनाया गया। इस मौके पर चीफ वार्डन गोंडा डॉक्टर राजेश श्रीवास्तव ने स्थापना दिवस के बारे में सभी को विस्तृत जानकारी प्रदान किया। वहीं घटना नियंत्रक अधिकारी दीपक श्रीवास्तव ने सिविल डिफेंस में सभी की सहभागिता पर जोर दिया। उप चीफ वार्डन गोंडा सरदार जसपाल सिंह सलूजा ने सिविल डिफेंस को जनमानस में सिंपल डिफेंस के कार्य एवं दायित्व को तथा मानवता के कल्याण पर सिविल डिफेंस का की जरूरत पर बल दिया। इस दौरान सिविल डिफेंस के पदाधिकारियों और विद्यालय के शिक्षकों व छात्रों ने विद्यालय प्रांगण में सफाई अभियान चलाया गया। अंत में डॉ. राजेश श्रीवास्तव में चीफ वार्डन ने सभी गुरुजनों एवं छात्र-छात्राओं का धन्यवाद ज्ञापन किया।

शैक्षिक भ्रमण में बच्चों ने जानी कृषि की बारीकिया

गोंडा। उच्च प्राथमिक विद्यालय बेलवा नोहर शिक्षा क्षेत्र परसपुर के बच्चों ने लाल बहादुर शास्त्री कृषि विज्ञान केंद्र का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के कृषि वैज्ञानिक ने बच्चों को कृषि से संबंधित गूढ़ बातें बताई। यह जानकारी देते हुए शिक्षक मनोज कुमार चैबे ने बताया कि भ्रमण के दौरान बच्चों ने विभिन्न कृषि उपकरण, विभिन्न नस्लों की गाय, बकरी व भैंस आदि के बारे में जानकारी प्राप्त किया। वहीं वैज्ञानिकों ने वर्मी कंपोस्ट की खेती के बारे में भी अवगत कराया। उन्होंने उन्नत किस्म के बीजों की खेती के बारे में भी बच्चों को विस्तृत जानकारी दी। बता दें कि नो बैग डे पर बच्चों को शनिवार को शैक्षिक भ्रमण के रूप में कृषि विज्ञान केंद्र का भ्रमण करवाया गया। जहां बच्चों ने कृषि के भौतिक परिवेश के बारे में अवलोकन कर कृषि की बारीकियों को जाना। साथ ही साथ मौसम के पूर्वानुमान के यंत्रों के बारे में विस्तृत जानकारी हासिल की। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्रवण कुमार सिंह, महेश कुमार, अखिलेश कुमार उपस्थित रहे।

ट्रक-डीसीएम की चपेट में आए बाइक दंपत्ति

अमेठी। जिले के पीपरपुर थाना क्षेत्र के घोरहा पावर हाउस के पास रविवार को तेज रफ्तार ट्रक और डीसीएम की आमनेझसामने भीषण टक्कर हो गई। हादसा इतना जोरदार था कि पास से गुजर रहा एक बाइक सवार दंपती इसकी चपेट में आ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक और पिकअप की टक्कर के दौरान बाइक सवार युवक दिनेश गुप्ता (35) पुत्र छेदीलाल गुप्ता और उनकी पत्नी सुषमा (35) निवासी चंदौकी, लोहारन का पुरवा गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफराझतफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल सीएचसी ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक और पिकअप दोनों के आगे के हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वाहनों को हटवाकर यातायात सामान्य कराया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

सीएमओ ने किया स्वास्थ्य मेले का निरीक्षण

अमेठी। रविवार को जनपद के विभिन्न स्वास्थ्य केदो पर आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का निरीक्षण मुख्य चिकित्सा अधिकारी अंशुमान सिंह ने किया उन्होंने आरोग्य मेला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दखिनवारा का निरीक्षण किया सभी स्टाफ उपस्थित मिले 1गर्भवती को डिलीवरी हुई 24 मरीज़ देखे गए 8 लोंगो की जांच हुई , मुख्य मंत्री आरोग्य मेला भटगवा का निरीक्षण किया 73 मरीज़ देखे गए 8 जांच हुई सभी स्टाफ उपस्थित मिले आरोग्य मेला सैठा का निरीक्षण किया 26 मरीज़ देखे गए 6 जांच हुई सभी स्टाफ उपस्थित मिले। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि आरोग्य मेले से खास तौर से ग्रामीण क्षेत्रों को मिलने वाले लाभ के लिए स्वास्थ्य विभाग के स्टाफ जिम्मेदारी से मिलकर कार्य करें । उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद के केंटो पर आयोजित मेले में हमारे चिकित्सक पूरे मनोरियों के साथ काम कर रहे हैं।

सड़क हादसे में तीन की मौत

पायनियर संवाददाता। गोंडा

जिले के थाना वजीरगंज क्षेत्र अंतर्गत रविवार सुबह लगभग सात बजे एक ब्रेजा कार और तेज रफ्तार उत्तराखंड परिवहन निगम की बस की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में इलाज के दौरान एक महिला और दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो घायल लखनऊ मेडिकल कॉलेज रेफर किए गए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक और घायल सभी गोंडा के आवास विकास कॉलोनी के रहने वाले हैं और बंगलौर में रहते हैं। वे शादी समारोह में शामिल होने गोंडा आए थे और रविवार सुबह ब्रेजा कार से अयोध्या एयरपोर्ट होकर बंगलौर लौट रहे थे कि तभी अनभुला मोड़ पर सामने से आ रही तेज रफ्तार उत्तराखंड रोडवेज बस ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे की सूचना पर वजीरगंज पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को कार से निकालकर अस्पताल भेजवाया। दुर्घटना में छह वर्षीय एक बच्ची को मामूली चोटें आईं, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए। जिन्हें इलाज हेतु मेडिकल कॉलेज गोंडा भेजा गया, जहां उपचार के दौरान नीता अग्रवाल (40), अक्षत (22) और आशु (22) की मौत हो गई। वहीं नेहा अग्रवाल और नितिन अग्रवाल की हालत गंभीर होने पर लखनऊ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी राधेश्याम राय ने बताया कि सभी लोग रिश्तेदारी में आयोजित मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे और हवाई जहाज से बंगलौर लौटने के लिए अयोध्या एयरपोर्ट जा रहे थे। तभी सामने से आ रही बस से कार की टक्कर हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। वहीं पीड़ित परिवारों में कोहराम मचा हुआ है।

एसडीएम ने सरकारी जमीन से हटवाया अवैध कब्जा

करनैलगंज, गोंडा। तहसील क्षेत्र के ग्राम सोनवार में सरकारी जमीन पर वर्षों से कब्जा जमाए लोगों को बार बार नोटिस देने के बावजूद कब्जा न खाली करने पर एसडीएम नेहा मिश्रा ने बड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने राजस्व व पुलिस टीम भेजकर जेसीबी से अवैध अतिक्रमण को हटवाया। एसडीएम सुश्री मिश्रा ने बताया कि जिस स्थल पर अवैध कब्जा था, वह जमीन मंदिर विस्तार के लिए चिन्हित की गई है। जिसे पर्यटन विभाग द्वारा सौंदर्यीकरण कराया जाना है। जिसे 3 अवैध कब्जेदारों ने कच्चा, पक्का निर्माण कर जमीन पर कई वर्षों से कब्जा किया गया था। जिसमें बेदखली की कार्रवाई भी की जा चुकी है।

राजस्व निरीक्षक की नोटिस के बाद भी कब्जे को नहीं हटाया जा रहा था। जिसपर रविवार को नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, लेखपाल के साथ पुलिस की टीम मौके पर भेजी गई। टीम के कहने के बावजूद कब्जेदार द्वारा कब्जा नहीं हटाया गया।

युवक का अपहरण कर निर्मम हत्या शव गोमती नदी से बरामद, दो गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता। चांदा-सुलतानपुर

चांदा क्षेत्र में शनिवार देर रात उस वक्त सनसनी फैल गई जब लखनऊ से घर लौट रहे चचेरे भाई को चांदा बस स्टाप से रिसीव करने जा रहे युवक अमन यादव (24) का पड़ोसी गांव के बदमाशों ने अपहरण कर लिया और बेरहमी से पीट-पीटकर मार डाला। इसके बाद शव को गोमती नदी में फेंक दिया। पुलिस ने रविवार सुबह दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जिनकी निशानदेही पर प्रतापगढ़ जिले के आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र स्थित इब्राहिमपुर घाट से शव बरामद कर लिया गया।

पुलिस के अनुसार, साढ़ेपुर गांव निवासी अमन यादव पुत्र रमाशंकर यादव उर्फ मोटू शनिवार रात अपनी बाइक से चांदा कादीपुर मार्ग स्थित ईशीपुर अराजी के पास से गुजर रहा था। तभी सफीपुर नरैनी गांव के बदमाशों ने एर्टिगा कार से उसका रास्ता रोका और जबरदस्ती कार में बैठाकर अपहरण कर लिया।

मृतक अमन यादव की फाइल फोटो

आरोपियों ने पहले अमन को एक निजी स्कूल के मैदान में ले जाकर दौड़ाया और लाठी-डंडों व लात-घूंसों से बुरी तरह पीटा। मैदान में जगह-जगह खून के छींटे पाए गए हैं। जब अमन की मौत हो गई तो आरोपियों ने शव को एर्टिगा कार में डालकर गोमती नदी में फेंक दिया।

परिजनों की सूचना पर चांदा सहित आसपास के कई थानों की पुलिस रात भर छापेमारी करती रही। रविवार सुबह चांदा पुलिस ने मुख्य आरोपियों में शामिल मयंक यादव व शिवम यादव पुत्र राम नयन यादव दोनों निवासी नरैनी सफीपुर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की निशानदेही पर प्रतापगढ़ के इब्राहिमपुर घाट से अमन का शव बरामद किया गया।

आरोपियों की एर्टिगा कार दुर्गेश यादव के नाम दर्ज है। चांदा कोतवाल दीपेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि दोनों गिरफ्त अभियुक्तों को जेल भेजा जा रहा है तथा फरार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। शीघ्र ही बाकी आरोपियों को भी पकड़ लिया जाएगा। घटना से पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश है। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है।

हादसे के शिकार महाराष्ट्र के श्रद्धालुओं को भेजा घर

- लोकाधिकार समिति अध्यक्ष ने बाटे कंबल

पायनियर संवाददाता। सुलतानपुर

शनिवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना में प्रयागराज से अयोध्या जा रही एक टूरिस्ट बस अनियंत्रित ट्रेलर से टकराकर पलट गई। यह घटना कूरेभार कस्बे में हुई। बस में सवार लगभग 44 श्रद्धालुओं में से एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 15 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से आठ श्रद्धालुओं की हालत नाजुक होने के कारण उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रविवार को जिला प्रशासन के अधिकारियों ने मृतक महिला के शव को विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद उनके पैतृक स्थान जलगांव, महाराष्ट्र भेज दिया। शेष 15 घायलों को चिकित्सीय उपचार प्रदान किया गया। इसके बाद उन्हें सुलतानपुर बारात घर में ठहराने की व्यवस्था की गई और फिर एक निजी बस के माध्यम से लखनऊ के लिए रवाना किया गया। दुर्घटना में कम घायल हुए या सुरक्षित बचे लगभग 39 श्रद्धालुओं के लिए जिला प्रशासन ने रेलवे का रिजर्वेशन करवाया। नायब तहसीलदार धर्मेंद्र यादव के नेतृत्व में इन सभी श्रद्धालुओं को उनके गंतव्य स्थानों के लिए रवाना किया गया। इस दौरान लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभाकर चंद्र शेखर शुक्ला उर्फ रिंकू ने घायलों और अन्य श्रद्धालुओं से उनकी भाषा में बात कर उनका दुख बांटा। उन्होंने सभी को कंबल और संकल्प पत्रिका भी भेंट की। शुक्ला ने कहा कि उत्तर प्रदेश उनकी मातृभूमि है और महाराष्ट्र को मौसी का स्थान माना जाता है, इसलिए वह महाराष्ट्र के श्रद्धालुओं के प्रति विशेष प्रेम और संवेदना रखते हैं। उन्होंने घटना को दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। नगर पालिकाध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल ने भी घटना पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि दुर्घटना की जानकारी मिलते ही नगर पालिका के कर्मचारियों और सहयोगियों ने श्रद्धालुओं की मदद के लिए तुरंत कार्य किया। अग्रवाल ने मृतक महिला के प्रति शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

पांडेय स्पोर्ट भैरवपुरवा के कब्जे में ट्राफी

पायनियर संवाददाता। करनैलगंज, गोंडा

करनैलगंज-हुजूरपुर मार्ग स्थित बैकुंठनाथ क्रिकेट कप टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला रविवार को सुदईपुरवा क्रिकेट टीम और पाण्डेय स्पोर्ट भैरवपुरवा के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पाण्डेय स्पोर्ट ने पहले बल्लेबाजी की और निर्धारित 12 ओवर में 168 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में सुदईपुरवा की टीम 12 ओवर में 130 रन ही बना सकी और 38 रन से हार गई।

पाण्डेय स्पोर्ट टीम के साहिल को शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच, जबकि राम सिंह को बेहतरीन खेल के लिए मैन ऑफ द सीरीज चुना गया।

दोनों खिलाड़ियों ने दमदार बल्लेबाजी कर टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सहबान और अनुपम तिवारी ने उम्दा गेंदबाजी की, वहीं मयंकर मिश्रा, महेश पाण्डेय, आसिफ, बब्लू आदि बल्लेबाजों ने आकर्षक शॉट खेलकर दर्शकों की वाहवाही लूटी।

नर नारी का संतुलित समन्वय ही मानव जाति का भविष्य करेगा उज्जवल : डॉ सुधाकर सिंह

पायनियर संवाददाता। अमेठी

नर नारी का संतुलित समन्वय ही मानव जाति का भविष्य उज्जवल करेगा,असंतुलन दूर होना ही चाहिए। पिछड़ता हुआ पुरुष भी आज नहीं तो कल आत्मग्लानि अनुभव करेगा और कुमार्ग गामिता छोड़कर वह रीति -नीति अपनाएगा जिसके आधार पर नर नारी दोनों ही भगवान की दाई- बाई भुजा के रूप में पारस्परिक सहयोग और सद्भाव का परिचय देते हुए सुखी समाज का सृजन कर सकें। उक्त उक्त बातें नारी जागरण की गायत्री शक्तिपीठ अमेठी पर आयोजित नारी जागरण जनपदीय कार्यकर्ता बैठक में बताते हुए सुल्तानपुर के बाल चिकित्सक जिला समन्वयक डॉक्टर सुधाकर सिंह ने नारी शक्ति को आगे बढ़कर स्वयं दूसरों के लिए अपना उदाहरण प्रस्तुत करने का निवेदन किया। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में रविवार को गायत्री शक्तिपीठ अमेठी में नारी जागरण जनपदीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दूर दराज से आई नारी शक्तियों ने गायत्री परिवार के साथ समाज में आगे बढ़कर विकास की नई आधारशिला रखने के लिए उत्साहित हुई। कार्यक्रम में युवा प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश प्रतिनिधि प्रभाकर सक्सेना ने कहा कि न्याय,औचित्य और स्वतंत्रता का समर्थन करने वाले मानवी आदर्श को मान्यता देने वाले उन्नत लोगों की पंक्ति में हमें खड़ा होना चाहिए और इस बात का प्रयत्न करना चाहिए कि नारी घर के उत्तरदायित्व को संभाले पर उतने ही क्षेत्र में न रहे। समाज की बिगड़ी दशा को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सके।

जिला समन्वयक डा त्रिवेणी सिंह ने कहा कि मानव जाति की आधी शक्ति की मूर्छित आत्मा को जागने का पाठ परम पूज्य गुरुदेव व वन्दनीया माता जी ने प्रशस्त किया है। समूची मानव जाति को इस प्रगतिशील कदम का लाभ मिलेगा प्रगतिशील, शिक्षित, प्रबुद्ध नारियां आगे आएं और समाज की बिगड़ी दशा को सुधारने में अपना योगदान दें। साथ ही उपस्थित बहिनों को पूर्व डी एच ओ डा चन्द्रा वती सिंह व डा विजय लक्ष्मी सिंह तथा सरिता सिंह ने परम पूज्य गुरुदेव का साहित्य और मंत्र पट्टिका से सम्मानित किया। कार्यक्रम में परिव्राजक इंद्रदेव शर्मा ने युग निर्माण के गीत प्रस्तुत कर लोगों को प्रेरित किया तथा अपने घर पर देवस्थान निर्धारण बलिवैश्व यज्ञ संस्कार परंपरा संचालन पर विशेष उद्बोधन दिया।

नौसेना दिवस पर पूर्व नौसैनिकों ने आयोजित किया कार्यक्रम

पायनियर संवाददाता। रायबरेली

नौसेना दिवस के पावन अवसर पर जनपद के पूर्व नौसैनिकों ने एक यादगार और भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। शहर के एक होटल में आयोजित इस समारोह में दर्जनों पूर्व नौसैनिकों ने एकत्र होकर अपनी पुरानी यादों को ताजा किया और नई पीढ़ी को देशसेवा की प्रेरणा दी। कार्यक्रम की शुरुआत भारतीय नौसेना की परंपरा के अनुसार केक काटकर की गई। इसके बाद पूर्व सैनिकों ने मंच पर आकर अपने-अपने अनुभव साझा किए। इस दौरान भावुक पल भी आए। जब कई सैनिकों ने समुद्र में बिताए खतरनाक दिनों और देश की रक्षा में दिए योगदान की कहानियां सुनाईं। ऑनरेरी लेफ्टिनेंट उमा शंकर ने कहा, जब हम नौसेना में थे तब जहाजों में सुविधाएं सीमित थीं। लेकिन आज की नौसेना अत्याधुनिक तकनीक से लैस है। जहाज, हथियार, रहन-सहन सब कुछ बेहतर हो गया है। फिर भी

सैनिक का जज्बा और देशभक्ति आज भी वैसी ही है जैसी पहले थी। कार्यक्रम में वरिष्ठ नेवल वेटरन धीरेंद्र सिंह, एसजेएस पब्लिक स्कूल के पीआरओ मनोज शर्मा, आरबी सिंह, श्याम भवन सिंह, आबकारी निरीक्षक कुलदीप बहादुर सिंह, बैंक ऑफ बड़ौदा में कार्यरत राजेंद्र सिंह, प्रदीप कुमार, आरपी सिंह, पंजाब नेशनल बैंक के विप्लव श्रीवास्तव, दीपक कुमार मिश्रा, शैलेंद्र दीक्षित, दिलीप कुमार, सत्येंद्र सिंह सहित कई अन्य पूर्व नौसैनिकों ने अपने नौसेना जीवन और रिटायरमेंट के बाद की जिंदगी के रोचक किस्से सुनाए। कई सैनिकों ने बताया कि नौसेना ने उन्हें अनुशासन, टीमवर्क और मुश्किल हालात में भी हार न मानने की सीख दी। जो आज उनके सिविल जीवन में भी काम आ रही है।

पतंग उड़ाते समय छत से गिरा बालक, घायल

चंदापुर,रायबरेली। थाना क्षेत्र के कटरा मजरे मऊ गांव में पतंग उड़ाते समय एक 10 वर्षीय बालक के छत से गिर जाने की दुर्घटना प्रकाश में आई है। पारिवारीजनों द्वारा आनन-खानन अपने निजी वाहन से उसे सीएचसी महराजगंज ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। दुर्घटना रविवार दोपहर की है। गांव निवासी श्रीकृष्ण का 10 वर्षीय बेटा राजन अपने घर की छत पर पतंगबाजी कर रहा था और पतंग उड़ाते-उड़ाते वह बीचो-बीच छत से किनारे पहुंच गया। तभी उसका पैर फिसल गया और वह छत से नीचे आ गिरा। चीख पुकार सुनकर घर वाले दौड़े, उसे बेहोशी की अवस्था में उच्चीकृत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महराजगंज ले गये।

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा बैठक

पायनियर संवाददाता। गौरीगंज, अमेठी

आज जिला भाजपा कार्यालय गौरीगंज में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (रक्क्र) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने की। बैठक के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संजय राय रहे। जिलाध्यक्ष ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया तथा अपने स्वागत उद्बोधन में जनपद की वर्तमान स्थिति एवं रक्क्र अभियान के अंतर्गत कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

प्रदेश महामंत्री संजय राय ने समीक्षा एवं संबोधन के दौरान कहा कि भाजपा का संकल्प है कि पात्र मतदाता का नाम कटने न पाए और अपात्र का नाम जुड़ने न पाए। उन्होंने बताया कि पूर्व में मतदाता सूची में अनेक प्रकार की विकृतियाँ देखी जाती थीं।एक व्यक्ति का कई स्थानों पर नाम होना, विस्थापित अथवा विलोपित व्यक्तियों के नामों का सूची में बने रहना आदि। इस कारण मतदाता सूची प्रभावित होती थी और मतदान प्रतिशत पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता था।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकतंत्र को मजबूत करता है, किंतु विपक्ष इस अभियान को लेकर जनता में अनावश्यक भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहा है।

अपने संबोधन में प्रदेश महामंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सदैव राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखकर कार्य करती है। विपक्ष पर विदेश-प्रभावित विचारधाराओं से देश को अस्थिर करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय सहयोग करें तथा सभी पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने में पूर्ण सहायता प्रदान करें।

उधार न देने पर दुकान में तोड़फोड़

गोली चलाने का आरोप, सीसीटीवी में हथियार ले जाते कैद हुए आरोपी

पायनियर संवाददाता। शाहजहांपुर

शाहजहांपुर में कपड़े उधार न देने पर कुछ युवकों ने एक दुकान में तोड़फोड़ की। पीड़ित दुकानदार ने युवकों पर गोली चलाने का भी आरोप लगाया है। यह घटना चौक कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला सिंजई में 5 दिसंबर की शाम करीब चार बजे हुई।

आरोपी दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए हैं। सीसीटीवी फुटेज शनिवार की रात सामने आए हैं। मोहल्ला बंगश निवासी गुलजार की मोहल्ला सिंजई में 'बादशाह गारमेंट जीके डबलू' नाम से दुकान है।

5 दिसंबर की शाम जब गुलजार दुकान पर थे, तभी मोहल्ला वर्कजई का एक युवक अपने कई साथियों के साथ कपड़े खरीदने आया। कपड़े दिखाने के बाद युवकों ने उन्हें उधार देने को कहा, जिस पर दुकानदार गुलजार ने मना कर दिया उधार देने से इनकार करने पर युवकों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। जब गुलजार ने इसका विरोध किया, तो आरोप है कि वर्कजई निवासी युवक ने गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली गुलजार को नहीं लगी और निशाना चूक गया। इसके बाद उसके साथ आए अन्य युवकों ने दुकान में तोड़फोड़ शुरू कर दी, जिसमें दुकान के शीशे तोड़ दिए गए और कपड़े फेंक दिए गए।पीड़ित के शोर मचाने पर आरोपियों ने धमकी दी कि अगर दुकान चलानी है तो उन्हें 'हफ्ता' देना होगा।

गुलजार ने आरोप लगाया कि तोड़फोड़ करने वाले युवक गुंडा किस्म के हैं और उन्हें हिस्ट्रीशीटरों का संरक्षण प्राप्त है। पीड़ित आरोपियों की धमकियों से भयभीत है। इस मामले में कोतवाली प्रभारी ने बताया कि उन्हें तहरीर मिल गई है और घटना की जानकारी है। उन्होंने पुष्टि की कि तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज की जा रही है।

अज्ञान के अंधकार से शिष्यों को प्रकाश की ओर ले जाते हैं गुरु : भारद्वाज

पायनियर संवाददाता। सिरौली गौसपुर बाराबंकी

टिकैतनगर में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया। वृंदावन से पधारे कथा व्यास अतुल कृष्ण भारद्वाज जी महाराज ने कथा का शुभारंभ करते हुए गुरु एवं नाम महिमा पर सुंदर व्याख्या की। महाराज श्री ने गुरु के महत्व को समझाते हुए कहा कि गुरु शिष्य को अज्ञान के अंधकार से निकालकर प्रकाश की ओर बढ़ने का मार्ग दिखाते हैं।

उन्होंने भगवान शिव को संपूर्ण विश्व का गुरु बताया। भगवान शिव ने माता पार्वती के आग्रह पर रामचरितमानस जैसी ज्ञानरूपी गंगा की कथा सुनाई, जो संपूर्ण विश्व का कल्याण कर सकती है। उन्होंने कहा कि गंगा तो गंगोत्री से गंगासागर तक सीमित है, लेकिन रामचरितमानस रूपी गंगा हर व्यक्ति तक स्वयं पहुंचती है। गुरु वही है जो मनुष्य को परमात्मा से जोड़ दे।कथा व्यास ने संत तुलसीदास का उदाहरण दिया, जो गुरु नरहरिदास की कृपा से एक साधारण बालक से श्रीरामचरितमानस के रचयिता बन गए। उन्होंने बताया कि बचपन में भूखे रहने वाले तुलसीदास की रचना के बाद बड़े-बड़े राजा उनके चरण धोते थे, यह केवल गुरु कृपा का फल था। अतुल कृष्ण भारद्वाज ने कलियुग में नाम की महिमा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राम-नाम भगवत एक ऐसा साधन है जो मानव समाज को भवसागर से पार उतार देता है।भक्त प्रहलाद, बालक ध्रुव, भक्त मीराबाई, संत रविदास, संत कबीर, संत रहीम, सदन कसाई और अजामिल जैसे अनेक

भक्तों ने नाम का स्मरण कर देवलोक प्राप्त किया। चैतन्य महाप्रभु ने भी राम-नाम के रस में डूबकर लाखों लोगों को वैष्णव बनाया।

कथा व्यास ने बताया कि विश्व प्रसिद्ध फिल्म निर्माता स्टीफन स्पील वर्ग, हॉलीवुड अभिनेत्री जूलिया रॉबर्ट्स और लंदन के उद्योगपति मिस्टर फोर्ड राम-नाम की महिमा के कारण आज वैष्णव हो गए हैं। लाखों ईसाई भी हिंदू धर्म स्वीकार कर वृंदावन और देश के अन्य धार्मिक स्थलों पर भगवत नाम का गुणगान करते हुए माला जप रहे हैं, साथ ही मांसाहार, मदिरा और लहसुन का त्याग कर रहे हैं।आज इन्हीं भक्तों के सहयोग से वृन्दावन में भव्य मन्दिर चन्द्रोदय मन्दिर बनना शुरू हो गया, जिसका भूमि पूजन भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी के कर कमलों से हुआ।

स्टेट पावर लिफ्टिंग में शाहजहांपुर का दबदबा

चैंपियनशिप में गोल्ड-सिल्वर जीतकर लौटे खिलाड़ी

पायनियर संवाददाता। शाहजहांपुर

शाहजहांपुर के खिलाड़ियों ने लखनऊ में आयोजित स्टेट पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। 5 और 6 दिसंबर को चौक स्टेडियम में हुई इस प्रतियोगिता में अनमोल यादव और युवराज सिंह ने पदक जीते। खालसा हेल्थ क्लब के अनमोल यादव ने सब जूनियर वर्ग की 74 किलोग्राम बॉडी वेट कैटेगरी में सिल्वर मेडल हासिल किया।

वहीं, युवराज सिंह ने 120 किलोग्राम बॉडी वेट वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीतकर जिले का नाम रोशन किया। दोनों खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर उनके कोच मोहित तिवारी और राष्ट्रीय खिलाड़ी कमलजीत ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि यह सफलता खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और अनुशासन का परिणाम है। कोच और खिलाड़ी कमलजीत ने आगे बताया कि उनका लक्ष्य राष्ट्रीय स्तर पर भी बेहतर प्रदर्शन करना है। इन पदकों की प्राप्ति से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

खोए हुए फोन वापस पाकर मोबाइल स्वामियों के चेहरों पर आयी मुस्कान, पुलिस टीम की सराहना

सर्विलांस सेल व थाना स्तर की संयुक्त टीमों ने बरामद किए 30 लाख कीमत के मोबाइल फोन

पायनियर संवाददाता। बाराबंकी

सोमवार को 160 मोबाइल स्वामियों के चेहरे उस वक्त खिल गये जब गायब हुए मोबाइल फोन उन्हें बरामद हो गए तब उन्होंने पुलिस टीम की सराहना की ।

ज्ञातव्य हो कि यह करवाई सर्विलांस सेल व थाना स्तर की संयुक्त टीमों द्वारा सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से किया गया। बरामद मोबाइल की कीमत करीब 30 लाख रुपये बतायी जाती है । रविवार को पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने प्रेस वार्ता आयोजित कर यह जानकारी दी । एसपी ने बताया कि आमजनता के मोबाइल फोन गुम होने की प्राप्त शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु सर्विलांस सेल व समस्त थानों को निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में सर्विलांस सेल व थाना स्तर की संयुक्त टीमों ने प्राप्त शिकायतों के आधार पर एक विशेष अभियान के

तहत, सीईआईआर पोर्टल (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) का उपयोग करके तकनीकी विश्लेषण और ट्रैकिंग के माध्यम से गायब हुए 160 मोबाइल फोन को सफलतापूर्वक बरामद किया। इन बरामद फोनों की कुल अनुमानित कीमत लगभग 30 लाख रुपये है। पुलिस लाइन स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक द्वारा बरामद मोबाइलों के वास्तविक स्वामियों को उनके मोबाइल फोन सौंपे गए।

बगैर नंबर की स्कूटी सवार ने बैग छीना, मोबाइल-रुपये भी थे

शाहजहांपुर । शाहजहांपुर में छिनैती की वारदातें बढ़ रही हैं। देर रात सदर बाजार थाना क्षेत्र में मोहन नर्सिंग होम के पास सड़क पर एक महिला से बैग छीन लिया गया। बगैर नंबर की स्कूटी पर सवार बदमाशों ने इस घटना को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार, देर रात दो महिलाएं पैदल जा रही थीं। इसी दौरान एक स्कूटी पर सवार युवक उनके पास आए और एक महिला का बैग छीनकर तेज रफ्तार से भाग निकले। महिला के शोर मचाने पर जब तक लोग कुछ समझ पाते, बदमाश आंखों से ओझल हो चुके थे।छीने गए बैग में महिला का मोबाइल फोन और कुछ नकदी होने की बात सामने आई है।

संक्षिप्त खबरें

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की संदिग्ध मौत

हैदरगढ़ बाराबंकी। कोतवाली क्षेत्र के गुलालपुर गांव निवासी आशीष सिंह शनिवार की रात बाइक से हैदरगढ़ भिटरिया मार्ग पर जा रहे थे नैपुरा के पास अज्ञात वाहन ने उन्हे जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रुप से घायल हो गए थे। परिजनो ने बताया घायलावस्था मे वह मोटरसाइकिल चला कर घर आये नाक से खून बह रहा था। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरगढ ले जाने पर डाक्टरों रेफर कर दिया रास्ते मे मौत हो गई। हैदरगढ पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनो को सौंप दिया है। गुलालपुर मे अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

जालसाजी कर दोस्त के फोन से ट्रांसफर किए दो लाख रुपए, केस दर्ज

हैदरगढ़ बाराबंकी। लोनी कटरा थाना क्षेत्र के ललई खेडा निवासी दुर्गेश कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मंगलपुर निवासी करन वर्मा ने उसका फोन लेकर बैंक खाते से दो लाख रुपए गोसाईगंज स्थित वर्मा इंटरप्राइजेज को ट्रांसफर कर दिए और फोन तोड दिया। बैंक मैनेजर द्वारा जानकारी देने पर धोखाधडी की जानकारी हुई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस केस दर्ज जांच कर रही है।

सड़क हादसे में एक की हुई मौत दो गंभीर

त्रिवेदीगंज बाराबंकी। लखनऊ सुल्तानपुर हाइवे पर रविवार शाम करीब छह बजे लोनीकटरा थाना क्षेत्र के दहिला डेयरी के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो ब्यक्ति घायल हो गए , जबकि एक की मौत हो गई। कोठी थाना क्षेत्र के अचकामऊ निवासी कल्लू (27) गांव के ही रिंकू(42)व विजय (40)के साथ बाइक से लखनऊ की ओर से आ रहे थे। अज्ञात वाहन की टक्कर से तीनों घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को सीएचसी त्रिवेदीगंज पहुंचाया। जहां डाक्टर ने विजय को मृत घोषित कर दिया। वहीं रिंकू व कल्लू को जिला अस्पताल रेफ़र किया गया है।

हादसे में बाइक सवार बाबा और पोते की हुई मौत

बाराबंकी। देवा चिनहट रोड पर बरेठी गांव के पास रविवार शाम हुए दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार बाबा और पोते की मौत हो गई। तेज रफ्तार डीसीएम ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल 108 एंबुलेंस पर कॉल किया, पर एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची। लोगों ने एक पिकअप वाहन की मदद से घायलों को जिला अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान लखनऊ के विभूति खंड निवासी रामस्वरूप (55) और उनके पोते आयुष यादव (20) के रूप में हुई है। आयुष बाराबंकी के बेलहरा के पास स्थित एक कॉलेज में स्नातक द्वितीय वर्ष के छात्र थे। रविवार को रामस्वरूप उसे परीक्षा दिलाने बाराबंकी लेकर आए थे और वापस लखनऊ लौटते समय हादसा हुआ। परिजनों का आरोप है कि एंबुलेंस समय पर न पहुंचने और जिला अस्पताल में इलाज में देर होने के कारण दोनों की जान नहीं बच सकी। जिला अस्पताल में परिजनों ने हंगामा किया। सूचना पर सीओ सिटी संगम कुमार समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को शांत कराया। हादसे के बाद डीसीएम चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने डीसीएम को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

संदिग्ध परिस्थितियों में लापता व्यक्ति का कुआं में मिला शव

टिकैतनगर बाराबंकी। कोतवाली क्षेत्र के चॉदामऊ गांव में कुआं में तैरता हुआ एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला रविवार की भोर सुबह ग्रामीणों को कुआं में तैरता हुआ 32 वर्षीय व्यक्ति का शव दिखा जिसके बाद स्थानीय लोगों ने इलाकाई पुलिस को सूचना दिया मौके पर पहुंची सुखीपुर पुलिस ने शव को बाहर निकलवा कर मृतक की पहचान करवाया। मृतक लाल बहादुर पुत्र सतगुरु वर्मा की पहचान बादशाहनगर नगर निवासी के रूप में हुई मृतक चॉदामऊ गांव में बने गौशाला में काम करता था गौशाला में पशुओं की देखभाल के साथ चारा पानी देने का काम करता है ! मृतक लाल बहादुर वर्मा 5 दिनों से लापता थे। सुखीपुर चौकी प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि मृतक के परिजनों की और से कोई आरोप प्रत्यारोप नहीं है शव पंचनामा करवाकर पीएम के लिए भेजा गया है पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा

पत्नी लापता पति ने थाने में दी तहरीर

निंदूरा बाराबंकी। ग्राम पिपरसण्ड कोठी निवासी सुनील कुमार ने अपनी पत्नी माया देवी के लापता होने की सूचना बड्डूपुर थाने में दी है। सुनील कुमार के अनुसार उनकी पत्नी माया देवी (32) वर्ष, जो कि एक लड़का और एक लड़की की मां हैं, बीते 5 दिसंबर 2025 को दोपहर करीब 2 बजे बिना बताए घर से कहीं चली गईं।परिजनों द्वारा काफी खोजबीन के बाद भी महिला का कोई सुराग नहीं लग सका।प्रार्थी ने पुलिस से अनुरोध किया है कि प्रार्थना-पत्र की जांच कर उचित कार्रवाई की जाए। पुलिस तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर रही है वीडियो बनाने से रोका, मारपीट की और जान से मारने की धमकी–महिला ने दी तहरीरकोडरी गोपालपुर निवासी रूही ने विपक्षी आहत पुत्र शुभानली के विरुद्ध मारपीट और धमकी देने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है।

शाहजहांपुर में शिक्षकों ने सांसद को सौंपा ज्ञापन

पायनियर संवाददाता। शाहजहांपुर

शाहजहांपुर में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने रविवार को भाजपा सांसद अरुण सागर को ज्ञापन सौंपा। उनकी मुख्य मांग 27 जुलाई 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों को अध्यापक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता से मुक्त रखना है। शिक्षकों ने सांसद से अपनी बात प्रधानमंत्री तक पहुंचाने का आग्रह किया, जिस पर सांसद ने आश्वासन दिया।

यह ज्ञापन उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष मुनीश कुमार मिश्रा और जिला मंत्री देवेश कुमार वाजपेयी के नेतृत्व में साउथ सिटी स्थित सांसद अरुण सागर के आवास पर दिया गया। ज्ञापन में 27 जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्यता का विरोध

किया गया। पदाधिकारियों ने बताया कि उच्चतम न्यायालय ने 1 सितंबर 2025 को एक निर्णय दिया था। इस निर्णय के अनुसार, 27 जुलाई 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों को सेवा में बने रहने या पदोन्नति के लिए दो वर्ष के भीतर टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। अन्यथा उन्हें अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे दी जाएगी। शिक्षकों ने इस प्रावधान को न्यायोचित नहीं बताया। उनकी मांग है कि भारत सरकार के अधीन 25 अगस्त 2010 और उत्तर प्रदेश सरकार के अधीन 27 जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को सेवारत रहने या पदोन्नति हेतु टीईटी उत्तीर्ण करने की अनिवार्यता से मुक्त रखा जाए। सांसद अरुण सागर ने शिक्षकों को आश्वासन दिया कि वह उनकी मांग को प्रधानमंत्री तक पहुंचाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वे इन मांगों को पूरा कराने के लिए प्रयास करेंगे और शाहजहांपुर के लोगों के साथ हैं। सांसद ने दोहराया कि वह लगातार लोकसभा में शाहजहांपुर की समस्याओं, चाहे वह रेलवे से संबंधित हों या विकास कार्यों की मांग, को उठाते रहे हैं।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर धनराशि देकर करे सहयोग : डीएम

पायनियर संवाददाता। श्रावस्ती

भिनगा- सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर कैंप कार्यालय स्थित जिलाधिकारी कक्ष में सैनिक एवं पुनर्वास कल्याण अधिकारी कर्नल अरुण सूर्यवंशी के द्वारा जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय को झंडा लगाकर सशस्त्र सेना झण्डा दिवस मनाया गया ।

इस अवसर पर अपना आर्थिक सहयोग प्रदान करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि सैनिक देश की ढाल होते हैं जो देश को हर खतरे से बचाते हैं सैनिक देश का वो गौरव हैं जो हमेशा देश का अभिमान बनके देश की रक्षा और मान बढ़ाते हैं वे अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दे देते हैं और देश की सुरक्षा के लिए हमारे वीर सेनानी हमेशा तैयार रहते हैं। उन्हीं की देखभाल को सुनिश्चित करने और उनके प्रति अपना

सम्मान व्यक्त करने के लिए हर साल 07 दिसंबर को भारतीय सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया जाता है। उन्होने कहा कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस के माध्यम से एकत्र की गई धनराशि सैनिकों एवं उनके परिवार के कल्याण के लिए खर्च की जाती है इस धनराशि के माध्यम से भूतपूर्व सैनिक तथा उनके परिवार के सदस्यों के पुनर्वास की व्यवस्था की जाती है। देश की सुरक्षा में सैनिकों का महत्वपूर्ण योगदान है। ऐसे में हम सभी नागरिकों का यह कर्तव्य है कि उनके परिवार के पुनर्वास के लिए अपना अधिक से अधिक योगदान करें तथा उनका मनोबल बढ़ाएं। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि सशस्त्र झंडा दिवस के अवसर पर सैनिक पुनर्वास कल्याण विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए झंडा के सापेक्ष अधिक से अधिक आर्थिक सहयोग शीघ्र सैनिक पुनर्वास कल्याण कार्यालय को उपलब्ध करा दें। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों, शहीदों की वीर नारियों, तथा उनके बच्चों को सशस्त्र सेना झंडा दिवस की बधाई दी और उनके सुखद भविष्य की कामना की।

चौथा निवेशक शिविर हुआ आयोजित

श्रावस्ती। निवेशकों व शेयरधारकों को बकाया लाभांश और बिना दावा किए गए शेयर्स की वापसी को आसान बनाने के लिए सिक्योरिटीज़ एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) और मिनिस्ट्री ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स के तहत इन्वेस्टर एजुकेशन एंड प्रोटेक्शन फंड अथॉरिटी (आईईपीएफए) ने मिलकर 6 दिसंबर को राजस्थान के जयपुर में चौथा निवेशक शिविर आयोजित किया। इस इन्वेस्टर आउटरीच पहल का उद्देश्य शेयरधारकों को बकाया लाभांश और बिना दावा किए गए शेयर्स की वापसी में मदद करना और इस तरह सिस्टम में बिना दावे वाली निवेशक परिसंपत्तियों की संख्या को कम करना है।

परिवार परामर्श केंद्र की पहल से 25 दंपति हुए एकजुट

पायनियर संवाददाता। उन्नाव

परिवार परामर्श केंद्र एवं महिला हेल्पडेस्क के प्रयासों से पति-पत्नी के 25 विवादित जोड़ों में सुलह कराते हुए उन्हें साथ रहने के लिए राजी कराया गया है। लगातार परामर्श और काउंसलिंग के बाद ये जोड़े आपसी मतभेद भूलकर पुनः साथ रहने को तैयार हुए।रिजर्व पुलिस लाइन स्थित परिवार परामर्श केंद्र एवं जिले के विभिन्न थानों की महिला हेल्पडेस्क पर अलग-अलग चरणों में काउंसलिंग आयोजित किए गए।

काउंसलिंग के बाद महिला थाना से 8, परिवार परामर्श केंद्र और थाना सफीपुर से 4झ4, थाना कोतवाली सदर, गंगाघाट और फतेहपुर चौरासी

से 2झ2 तथा औरास, बांगरमऊ और सोहरामऊ से 1झ1 जोड़े को सौहार्दपूर्ण माहौल में विदा किया गया। इस पुनर्मिलन प्रक्रिया में श्रीमती शिल्पी श्रीवास्तव, प्रभारी परिवार परामर्श समिति एवं सलाहकारों में डा. आशीष श्रीवास्तव, संजय चौरसिया, राजेन्द्र सिंह सेंगर, डॉ. एस.के. पाण्डेय, शशि रंजना अग्निहोत्री, डॉ. मनीष सिंह सेंगर, डॉ. अबसार अली, डॉ. सगीर अहमद–का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसके अलावा पुलिस टीम में महिला हेल्पडेस्क प्रभारी प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमारी सिंह, महिला थाना प्रभारी रेखा सिंह, उपनिरीक्षक मधु श्रीवास्तव, मिथलेश वर्मा तथा महिला आरक्षी टीम ने अहम भूमिका निभाई।

शाहजहांपुर में महिला से 10.50 लाख की धोखाधड़ी

दिल्ली की कंपनी पर फ्रेंचाइजी देने के नाम पर केस दर्ज

पायनियर संवाददाता। शाहजहांपुर

शाहजहांपुर में एक महिला ने दिल्ली की एक कंपनी पर फ्रेंचाइजी देने के नाम पर 10 लाख 50 हजार रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना सदर बाजार क्षेत्र के कटिया टोला निवासी उत्कृषा शुक्ला ने सदर थाने में यह एफआईआर दर्ज कराई है। उत्कृषा शशि ट्रेडर्स की प्रोपराइटर हैं। उन्होंने नई दिल्ली मुख्यालय वाली डलास ई काम इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी के खिलाफ शिकायत की है। पीड़िता उत्कृषा के अनुसार, उन्होंने कंपनी के साथ जोनल वेयर हाउस के लिए एक पंजीकृत समझौता किया था। समझौते की शर्तों के तहत, उत्कृषा ने अलग-अलग तिथियों पर कंपनी के खाते में ऑनलाइन 10 लाख 50 हजार रुपये हस्तांतरित किए थे।

कंपनी ने समझौते की प्रति मंगवाकर उस पर निदेशक के हस्ताक्षर कराकर वापस भेज दी थी। कंपनी ने उत्कृषा को आश्वासन दिया था कि उन्हें फ्रेंचाइजी मिल गई है और जल्द ही काम शुरू हो जाएगा। हालांकि, उन्हें फ्रेंचाइजी के तहत कोई काम नहीं मिला। पीड़िता का आरोप है कि कंपनी ने धोखाधड़ी कर उनका पैसा हड़प लिया। उत्कृषा शुक्ला ने पुलिस से इस मामले में उचित कार्रवाई की मांग की है।

सड़क हादसे में पूर्व डाक कर्मचारी की मौत, अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

पायनियर संवाददाता। उन्नाव

लखनऊ-कानपुर हाइवे पर रविवार सुबह एक भीषण सड़क दुर्घटना में 61 वर्षीय पूर्व डाक कर्मचारी राजेंद्र यादव की मौत हो गई। एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मारी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।प्राप्त विवरण के अनुसार हादसा जी स्कूल के पास हुआ। राजेंद्र यादव बाइक से किसी निजी काम के लिए निकले थे, तभी पीछे से आए अज्ञात वाहन ने तेज गति में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी

जबरदस्त थी कि वे सड़क पर दूर तक जा गिरे। शिनाख्त उम्मीद खेड़ा निवासी स्व. दरबारी लाल के पुत्र राजेंद्र यादव के रूप में हुई। वह इलाहाबाद डाक विभाग में डाक बाबू के पद पर कार्यरत थे और लगभग एक वर्ष पूर्व ही सेवानिवृत्त हुए थे। सेवानिवृत्ति के बाद वे गांव में रहकर खेती और पारिवारिक कार्यों में समय व्यतीत कर रहे थे। परिवार में तीन बेटियां और एक बेटा है। बेटे ने बताया कि सुबह पिता कुछ काम से घर से निकले थे और कुछ समय बाद हादसे की सूचना मिली। हादसे के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामला दर्ज किया।

उन्नाव पुलिस ने बरामद किए 101 मोबाइल, मालिकों को सौंपे

पायनियर संवाददाता। उन्नाव

ऑपरेशन मुस्कान के तहत पुलिस ने पोर्टल की मदद से 101 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनकी कीमत लगभग 20 लाख रुपये बताई जा रही है। बरामद मोबाइलों को उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिया गया।

पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह के निर्देश पर जिले के सभी थानों में उएक्फ़ पोर्टल पर दर्ज मोबाइल गुमशुदगी की शिकायतों पर कार्रवाई की गई। रविवार को एएसपी उत्तरी अखिलेश सिंह और एएसपी दक्षिणी प्रेमचंद के पर्यवेक्षण में सर्विलांस सेल और थानों की संयुक्त टीम ने यह सफलता हासिल की। मोबाइल प्राप्त करने वालों ने पुलिस की इस पहल की सराहना की और आभार व्यक्त किया। पुलिस ने बताया कि आगे भी इसी अभियान के तहत मोबाइल बरामदगी का कार्य जारी रहेगा।

राम मूर्ति कालेज में छात्रा के साथ कथित बैडटच पर हंगामा

पुलिस पर मारपीट और मामले को दबाने के आरोप

पायनियर संवाददाता। उन्नाव

सोहरामऊ थाना क्षेत्र स्थित श्रीराम मूर्ति स्मारक अस्पताल परिसर में संचालित कॉलेज की एक छात्रा के साथ कथित बैडटच का मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में तनाव बढ़ गया।

घटना के विरोध में छात्राओं और परिजनों ने परिसर में धरना दिया। इसी दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प होने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।परिजनों का आरोप है कि आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने में पुलिस ने देरी की और विरोध करने पर पीड़ित छात्रा के चाचा के साथ मारपीट की गई। वायरल वीडियो में पुलिसकर्मियों को हाथापाई करते हुए देखा जा सकता है। वहीं, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और स्थिति नियंत्रण में है। घटना को लेकर आम आदमी पार्टी ने राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी के जिलाध्यक्ष कुलदीप यादव ने कहा कि पुलिस ने संवेदनहीन रवैया अपनाया और पीड़ित परिवार के साथ गलत व्यवहार

किया। उन्होंने कहाकि यह चिंताजनक है कि छात्रा की शिकायत के बाद भी पुलिस ने समय पर कार्रवाई नहीं की। विरोध करने पर परिजनों और छात्राओं के साथ बल प्रयोग करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। पार्टी ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई और मामले की न्यायिक जांच की मांग की है।घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है। छात्र संगठनों ने आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है। जिला प्रशासन मामले पर नजर बनाए हुए है।पुलिस ने कहा कि मामले की जांच निष्पक्ष तरीके से की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

नागरिक सुरक्षा संगठन के स्थापना दिवस पर डीएम ने वार्डनों को दिलाई शपथ

पायनियर संवाददाता। बरेली

जिलाधिकारी नियंत्रक अविनाश सिंह की अध्यक्षता में आज नागरिक सुरक्षा स्थापना की 63वीं वर्षगांठ के अवसर पर नागरिक सुरक्षा कार्यालय पर विभागीय ध्वजातोलन किया। तदोपरान्त सामूहिक राष्ट्रीयगान व उपस्थित वार्डनों को शपथ भी दिलायी गयी।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने समस्त पदाधिकारीगणों को नागरिक सुरक्षा दिवस की 63वीं वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ आभार व्यक्त करते हुये नागरिक सुरक्षा टीम द्वारा विभिन्न अवसरों पर निस्वार्थ भाव से किये जा रह कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की, जिसमें चाहें बरेली जनपद में कुछ समय पूर्व असामान्य स्थिति के दृष्टिगत शांति व्यवस्था में सहयोग, रामगंगा मेला, एस0आई0आर0 में सहयोग, व विभिन्न स्तरों पर नागरिक सुरक्षा विभाग द्वारा दिये जा रह अतुलनीय सहयोग की भी सरहाना की। इसी प्रकार भविष्य में भी राष्ट्रभावना के दृष्टिगत शासन, प्रशासन द्वारा सौंपे गये कार्यों को समयान्तराल करने तथा उत्तरोत्तर नागरिक सुरक्षा को गति प्रदान करने में सहयोग करने की अपील की गयी। साथ ही नागरिक सुरक्षा विभाग को नगर स्तर से ग्रामीण स्तर तक विस्तार करने की बात कहते हुये सभी को पुनः नागरिक सुरक्षा की बधाई दी गयी। जिलाधिकारी द्वारा कलेक्ट्रेट प्रांगण से निकलने वाली नागरिक सुरक्षा मोटर साइकिल रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा राकेश कुमार मिश्र द्वारा नागरिक सुरक्षा की स्थापना पर प्रकाश डालते हुये नागरिक सुरक्षा विभाग द्वारा वर्ष भर जनवरी-2025 से नवम्बर-2025 तक किये गये कार्यों के सम्बंध में अवगत कराया गया। उक्त के अतिरिक्त वर्ष-2025 में वर्ष भर विभिन्न स्तरों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर फर्स्ट रिस्पांडर तैयार करना, सी0पी0आर0 प्रशिक्षण, दिनांक 07.05.2025 को आई0वी0आर0आई0, में आयोजित ब्लैक आउट मॉकड्रिल अभ्यास प्रदर्शन, जून-2025 में वृहद स्तर पर किये रक्तदान कार्यक्रम व विभिन्न स्तरों पर आयोजित परीक्षा डियूटी के साथ-साथ वर्ष भर विभिन्न त्योहारों एवं पर्वों पर पुलिस व प्रशासन के साथ शांति व्यवस्था ड्यूटी जैसे कार्यों की प्रगति से अवगत कराया गया।कार्यक्रम में डिप्टी चीफ वार्डन रंजीत वशिष्ठ, सहायक उप नियंत्रक (व0वे0) पंकज कुदेशिया व प्रमोद कुमार डागर, वार्डन सेवा के डिवीजनल वार्डन अन्जय अग्रवाल, संजय पाठक, दिनेश यादव, शिवलेश पाण्डेय, डिप्टी डिवीजनल वार्डन कलीम हैदर सैफी, अनिल शर्मा, कवलजीत सिंह, स्टाफ आफीसर डा0 अनवर हुसैन, गीता शर्मा, श्याम कृष्ण, आई0सी0ओ0 कमलेश वर्मा व सुनील यादव एवं बड़ी संख्या में वार्डन सेवा के अन्य अवैतनिक स्वयं सेवक उपस्थित रहे।

रोहिंग्या-बांग्लादेशियों घुसपैठियों पर कसा शिकंजा

- बरेली में डीएम-एसएसपी खुद उतरे मैदान में, शुरू हुआ वेरिफिकेशन का अभियान

पायनियर संवाददाता। बरेली

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पुलिस और नगर निकाय की टीमों ने प्रदेश में अवैध रूप से मौजूद बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को चिन्हित करने के लिए घर-घर सर्वे अभियान शुरू कर दिया है। इसके तहत संदिग्ध लोगों को पहचान कर डिटेंशन सेंटर भेजने की तैयारी है।

इसी क्रम में शनिवार को बरेली प्रशासन एक्शन मोड में नजर आया और बारादरी थाना क्षेत्र में तड़के से ही बड़े स्तर पर तलाशी अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई की सबसे बड़ी बात यह रही कि किसी अधीनस्थ अधिकारी के बजाय स्वयं जिलाधिकारी अविनाश सिंह व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य और एसपी सिटी मानुष पारीक ने मोर्चा संभाला। अफसरों का काफिला पीलीभीत बाईपास किनारे बनी झुग्गी-बस्तियों, अस्थायी ठिकानों, दुकानों और निर्माण स्थलों पर पहुंचा। इंटेलिजेंस, एटीएस और पुलिस की कई यूनिटें मौके पर मौजूद रहकर छानबीन कर रहीं हैं। वहां रहने वाले लोगों के पहचान पत्र, आधार कार्ड, स्थायी निवास प्रमाणपत्रों की जांच की जा रही है।अभियान के दौरान राहगीरों, मजदूरों, बाहरी और संदिग्ध लोगों से गहन पूछताछ की जा रही है। डीएम अविनाश सिंह ने मौके पर अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले भर में अवैध रूप से रहने वालों पर किसी तरह की ढिलाई न बरती जाए। एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि शहर में संदिग्ध लोगों की पहचान कर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करना ही सरकार का लक्ष्य है। एसपी सिटी मानुष पारीक लगातार बस्तियों में टीमों के साथ जांच में जुटे रहे। अचानक शनिवार सुबह से चले इस अभियान से लोगों की जांच पड़ताल से कौतूहल हो गया। लेकिन स्थानीय लोगों ने इसे स्वागत योग्य बताया। उनका कहना था कि कड़ी जांच से अपराध और सुरक्षा दोनों पर नियंत्रण मिलेगा। घुसपैठियों को जिले, प्रदेश और देश से बाहर खदेड़ पायेंगे। डीएम ने बताया कि यह सिर्फ शुरुआत है, आगे भी चरणबद्ध तरीके से वेरिफिकेशन अभियान चलाया जाएगा और संदिग्ध गतिविधि मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

मा0 धर्मपाल सिंह ने खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र व मेडल दिया

पायनियर संवाददाता। बरेली

मा0 मंत्री पशुधन एवं दुग्ध विकास धर्मपाल सिंह मुख्य अतिथि की अध्यक्षता में आज आंवला विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सुभाष इंटर कॉलेज में युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग के तहत 'विधायक खेल स्पर्धा' कार्यक्रम का आयोजन हुआ।इस अवसर पर मा0 मंत्री जी ने सम्मिलित खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए प्रमाण पत्र व मेडल प्रदान कर उनका मनोबल बढ़ाया।उन्होंने कहा कि खेल शरीर को स्वस्थ बनाने के साथ में अनुशासन, टीमवर्क और श्रेष्ठता की भावना भी विकसित करता है तथा आंवला तहसील के युवा खेलों में निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। मैं सभी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देता हूं।

किसान का बेटा अमर सिंह बना अग्निवीर,भव्य स्वागत

बाराबंकी। मसौली क्षेत्र स्थित हबीबपुर गांव के निवासी अमर सिंह गौतम ने अग्निवीर परीक्षा उत्तीर्ण कर आठ महीने का सैन्य प्रशिक्षण पूरा कर लिया है। एक साधारण किसान के बेटे अमर सिंह के घर लौटने पर पूरे गांव ने उनका भव्य स्वागत किया। किसान चुन्नीलाल गौतम के पुत्र अमर सिंह ने अग्निवीर बनकर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे गांव और मसौली क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनके गांव लौटने पर ढोल-नगाड़ों की थाप, फूल-मालाओं और 'भारत माता की जय' के नारों के साथ उनका जोरदार अभिनंदन किया गया। अमर सिंह ने बताया कि बचपन से ही उनका सपना देश सेवा करना था। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने पिता के संघर्ष, मां की तपस्या और भाइयों के निरंतर सहयोग को दिया। उन्होंने भावुक होकर कहा, ₹मेरी उपलब्धि मेरे परिवार और गांव की है, मैं सिर्फ वह हाथ हूं जिसने यह तिलक लगाया। अमर के पिता चुन्नीलाल गौतम ने गर्व से बताया कि सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने बच्चों की शिक्षा में कोई बाधा नहीं ।

कानपुर उर्सला में कॉक्लियर इम्पलांट की मिली मंजूरी, जनवरी में छह बच्चों का होगा इम्प्लांट

पायनियर संवाददाता। घाटमपुर

शहर के हजारों श्रवण-बाधित बच्चों के लिए एक ऐतिहासिक कदम। केंद्र सरकार से स्वीकृति मिलते ही उर्सला अस्पताल में कॉक्लियर इम्प्लांट सुविधा शुरू करने की तैयारी अंतिम चरण में पहुँच गई है। यह सुविधा देने वाला उर्सला उत्तर प्रदेश का पहला जिला अस्पताल बनने जा रहा है।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की पहल पर यह स्वीकृति तेज़ी से संभव हुई है। डीएम द्वारा किए गए प्रयासों के बाद प्रस्ताव को मंजूरी मिली और अस्पताल को कॉक्लियर इम्प्लांट के लिए अधिकृत किया गया।अब तक कानपुर के सरकारी अस्पतालों में यह सुविधा उपलब्ध नहीं थी। मरीजों को बाहर या निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता था।जिलाधिकारी ने इस उपलब्धि के लिए उर्सला के ईएनटी विशेषज्ञ डॉ प्रवीण सक्सेना एवं उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि डॉ सक्सेना के अथक प्रयास का परिणाम है।निजी अस्पतालों में 4-5 लाख का खर्च, गरीब परिवार इलाज से वंचित; सरकारी अस्पताल से मिलेगा बड़ा लाभउर्सला के ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण सक्सेना बताते हैं कि इस सुविधा के शुरू होने से जिले में श्रवण-पुनर्वास प्रणाली में बड़ा बदलाव आएगा। अभी तक कानपुर में इम्प्लांट केवल निजी अस्पतालों में उपलब्ध था जहां सर्जरी का खर्च 4 से 5 लाख रुपये तक पहुँच जाता था।ऐसे में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे इलाज से वंचित हो जाते थे। कई बच्चों में सुनने की क्षमता न होने के कारण भाषा विकास रुक जाता है और स्कूल शिक्षा भी प्रभावित होती है।भारत में हर 1,000 बच्चों में लगभग 3झ्4 बच्चे किसी न किसी स्तर की श्रवण समस्या से पीड़ित पाए जाते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि पहचान और उपचार में देरी के कारण हजारों बच्चे बोलने और सुनने की क्षमता विकसित नहीं कर पाते।विशेषज्ञों का कहना है कि कॉक्लियर इम्प्लांट 1 से 5 वर्ष की आयु में सबसे कारगर होता है। इस उम्र में मस्तिष्क की श्रवण क्षमता तेजी से विकसित होती है, जिससे सर्जरी के बाद बच्चे बेहतर प्रतिक्रिया देते हैं।इम्प्लांट के बाद स्पीच थेरेपी अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। नियमित थेरेपी के बाद बच्चे सामान्य बच्चों की तरह भाषा सीख सकते हैं और स्कूल शिक्षा में भी आसानी से शामिल हो पाते हैं।

संक्षिप्त खबरें

कामकाजी बच्चों की जिंदगी बदल रही योगी सरकार, बरेली में 500 बच्चे हुये लाभान्वित

बरेली । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मुख्यमंत्री बाल श्रमिक विद्या योजना के तहत कामकाजी बच्चों को आर्थिक सहयोग और शिक्षा से जोड़ने के लिए श्रम विभाग ने स्पष्ट श्रेणीवार प्राथमिकता तय कर दी है। ऐसे बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है, जो परिवार की मजबूरी में ढाबों, होटलों, फैक्टरियों या अन्य प्रतिष्ठानों पर काम करते हैं। योजना के पहले चरण में प्रदेश के 20 जिलों जिसमें बरेली भी शामिल है- को चुना गया है। प्रत्येक जिले में 100 बच्चों को लाभ देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सहायक श्रमायुक्त बाल गोविंद ने बताया कि बरेली में अब तक इस योजना से 500 बच्चों को लाभान्वित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि योजना का मुख्य उद्देश्य है कि किसी भी बच्चे को मजबूरी में मजदूरी न करनी पड़े और उसे शिक्षा व सुरक्षा दोनों मिल सके।

नाबालिक बालिका को बहला फुसलाकर दुष्कर्म करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

कानपुर देहात। महिला सम्बन्धी अपराधों की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में द 06 दिसम्बर को वादी की नाबालिक पुत्री को बहला फुसलाकर ले जाने के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 383/2025 धारा 87/137(2) बीएनएस बनाम विपिन यादव पुत्र धर्मेन्द्र यादव निवासी ग्राम ह्रदयपुर थाना बिधनू जनपद कानपुर नगर के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया ।थाना स्थानीय पुलिस टीम द्वारा वादी मुकदमा की मौजूदगी में कस्बा शिवली में शिवली कल्याणपुर मार्ग पर स्थित गुरू कृपा पैलेस ओयो होटल से पीड़िता को सकुशल बरामद करते हुए अभियुक्त विपिन यादव पुत्र धर्मेन्द्र यादव निवासी ग्राम ह्रदयपुर थाना बिधनू कानपुर नगर व अपराध में सहअभियुक्त होटल के रिसेप्शन पर मौजूद कर्मचारी आयुष कटियार पुत्र प्रवेश कटियार निवासी ग्राम कासामऊ थाना शिवराजपुर जनपद कानपुर नगर को गिरफ्तार किया गया । मौके पर फील्ड यूनिट द्वारा साक्ष्य संकलन की कार्यवाही की गयी । मुकदमा उपरोक्त में पीड़िता के अभिकथनों व अन्य साक्ष्य संकलन के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 65(1)/142/61(2) बीएनएस व 3/4 पॉक्सो एक्ट एवं 16/17 पॉक्सो एक्ट की बढोत्तरी करते हुए, गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण को नियमानुसार सम्बन्धित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है ।

महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण के लिए चलाया गया जागरूकता अभियान

कानपुर देहात। महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए पुलिस अधीक्षक महोदया श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय के निर्देशन में कानपुर देहात पुलिस द्वारा ₹मिशन शक्ति 5.0₹ अभियान के तहत जागरुकता अभियान चलाया गया ।इस अभियान के अंतर्गत जनपदीय थाना पुलिस द्वारा विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें सैकड़ों महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा योजनाओं, हेल्पलाइन नंबर्स, कानूनी अधिकारों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा साइबर अपराधों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग करना तथा अपराधों से बचाव के उपायों से अवगत कराना है, इस दौरान महिलाओं को 181 (महिला हेल्पलाइन), 1090 (महिला शक्ति लाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 112 (इमरजेंसी हेल्पलाइन) एवं 1076 (पुलिस कंट्रोल रूम) जैसे महत्वपूर्ण नंबरों की जानकारी दी गई । साथ ही, वढउडढ ऐप के माध्यम से पुलिस सेवाओं का लाभ उठाने तथा सोशल मीडिया पर साइबर अपराधों (जैसे फिशिंग, साइबर स्टॉकिंग एवं फर्जी खातों से बचाव) से सावधान रहने के टिप्स साझा किए गए। कानूनी अधिकारों के अंतर्गत महिलाओं को ढडउरड एक्ट, दहेज निषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा अधिनियम तथा साइबर क्राइम से संबंधित आईटी एक्ट की जानकारी दी गई।

नेत्र शिविर में 295 नेत्र रोगियों का पंजीकरण मोतियाबिंद के 195 रेफर

पायनियर संवाददाता। पुखरायां, कानपुर देहात

श्री ओमर वैश्य सेवा समिति पुखरायॉ की ओर से रविवार को 127वां निःशुल्क नेत्र शिविर आयोजित किया गया। जिसमें शंकरा आई हॉस्पिटल चैबेपुर कानपुर के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने 295 मरीजों की आंखों की जांच की। जिनमें 195 नेत्र रोगी मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए रेफर किये गए।

शिविर में शंकरा आई हास्पिटल चैबेपुर कानपुर से पहुंचे चिकित्सक डॉ0 रजी सर सहयोगी अमरजीत, गोल्डी पाल, अभय, गायत्री, जायेश द्वारा सभी मरीजों का शुगर, ब्लड प्रेशर की जांच की। 295 मरीजों में से 195 नेत्र रोगी मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए उपयुक्त पाये गए। सभी मरीजों को ऑपरेशन के लिए चैबेपुर कानपुर स्थित शंकरा आई हॉस्पिटल निजी बस द्वारा ले जाया गया। शेष 100 मरीजों को जांच के बाद निःशुल्क दवा दी गई। आयोजकों ने डाक्टर टीम को भोजन एवं जलपान की व्यवस्था करायी। मरीजों को चाय की व्यवस्था करायी गई। समाजसेवी हरी कृष्ण ओमर, गौरी शंकर ओमर किरन ओमर, दिनेश ओमर, राम जी ओमर आदि ने शिविर की सभी व्यवस्थाएं देखीं। आयोजकों ने बताया कि अगला नेत्र शिविर 04 जनवरी 2026 को प्रातः 9बजे स दोपहर 1 बजे तक सुआ बाबा मन्दिर परिसर पुखरायॉ कानपुर देहात में होगा। मरीजों की सहुलियत के लिए मोबाइल नंबर 8953652679 का वितरण भी किया गया।

बाबा साहेब का सम्पूर्ण जीवन समावेशी समाज के निर्माण के लिए रहा समर्पित

पायनियर संवाददाता। बरेली

मा0 मंत्री पशुधन एवं दुग्ध विकास धर्मपाल सिंह ने आज जनपद बरेली की तहसील आंवला स्थित अपने कैम्प कार्यालय पर भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया।इस अवसर पर उपस्थित क्षेत्रीय नागरिकों को संबोधित करते हुए मा0 मंत्री ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर का सम्पूर्ण जीवन सामाजिक न्याय, समानता और समावेशी समाज के निर्माण के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने दलितों, शोषितों एवं वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए आजीवन संघर्ष किया।मा0 मंत्री ने कहा कि लोकतांत्रिक चेतना से ओतप्रोत बाबा साहेब का विचार और व्यक्तित्व देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने सभी से बाबा साहेब के आदर्शों को आत्मसात कर सामाजिक समरसता एवं समानता को मजबूत करने का आ''ान किया।

प्रोजेक्ट नई किरण में आये 33 मामले

कानपुर देहात। महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण की दिशा में चल रहे अभियान ₹मिशन शक्ति 5.0₹ के अंतर्गत रिजर्व पुलिस लाइन कानपुर देहात स्थित सभागार कक्ष में प्रोजेक्ट नई किरण की शुरुआत पुलिस अधीक्षक महोदया श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय के निर्देशन में की गई। नई किरण में 33 मामले आये, जिनमें नई किरण के सभी सदस्यों द्वारा समझाने के बाद 03 परिवारों में आपसी सहमति के आधार पर समझौता कराया गया। पति-पत्नी खुशी-खुशी साथ रहने को तैयार हो गये, शेष प्रार्थना पत्रों में आगे की तिथि दी गयी। प्रोजेक्ट नई किरण के तहत बिखरे परिवारों को एक सूत्र में बांधने का प्रयास है। इस कार्यक्रम में थानाध्यक्ष श्रीमती सुषमा, म0उ0नि0 ज्योतिराज, म0हे0का0 54 जयमाला, म0का0 1149 शालू देवी, म0का0 1284 रीनू, म0का0 849 जानकी देवी व म0का0 345 रागिनी (महिला सहायता प्रकोष्ठ) तथा प्रोजेक्ट नई किरण के सदस्यगण श्री राम प्रकाश व श्री जिआऊल हक आदि का विशेष सहयोग रहा।

घाटमपुर क्रिकेट अकादमी ने ब्लू स्टार एकेडमी को 134 रन से हराया

पायनियर संवाददाता। घाटमपुर

जनता महाविद्यालय के ग्राउंड में शुरू हुई सीरीज में आज घाटमपुर ने पहले खेलते हुए निर्धारित 30 ओवर में 241 रन बनाए घाटमपुर की तरफ से अनिकेत शर्मा ने 53 रन सुयश ने 35 सोहम ने 23 रन और आर्यन ने 23 रन का योगदान दिया।

ब्लू स्टार की तरफ से तनिष्क ने 3 विकेट और ऋषभ ने 3 विकेट तनुज ने 2 विकेट लिए जबकि लक्ष्य का पीछा करने उतरी ब्लू स्टार एकेडमी सभी विकेट खोकर 107 बना सकी ब्लू स्टार की तरफ ऋषभ ने 35 रन और तनिष्क ने 17 रन बनाए जबकि घाटमपुर की तरफ से ऋषि ने 3 विकेट आरुष ने 2 विकेट और सक्षम ने 2 विकेट लिए बेस्ट बैट्समैन का अवॉर्ड अनिकेत शर्मा बेस्ट बोलर तनिष्क तिवारी मैन ऑफ द मैच सक्षम को शीलू भाई और आशीष मास्टर के द्वारा दिया गया मैच के दौरान ब्लू स्टार के कोच राका और घाटमपुर क्रिकेट अकादमी के कोच भूप किशोर विश्वकर्मा उपस्थित रहे ।

जरूरतमंद बच्चों को ठंड से बचाने की नेकद्वार सेवा समिति की अनूठी पहल

पायनियर संवाददाता। पुखरायां, कानपुर देहात

नेकद्वार सेवा समिति ने बच्चों को कड़ाके की ठंड से बचाने के लिए एक अनूठी शुरूआत की है। 'एक बच्चा, एक कपड़ा' तहत रविवार को केंद्रीय विद्यालय माती से अभियान का शुभारंभ किया गया। विद्यार्थियों ने समाजसेवा और मानवीय मूल्यों का शानदार उदाहरण प्रस्तुत किया। जिसमें विद्यालय के बच्चों ने उत्साहपूर्वक करीब 200 कपड़े दान किए। अब नेकद्वार सेवा समिति इन वस्त्रों को जरूरतमंद एवं वंचित परिवारों तक पहुँचाएंगी।

समिति के अध्यक्ष संदीप बंसल ने बताया कि नेकद्वार सेवा समिति का उद्देश्य लोगों को सहयोग, करुणा और साझा जिम्मेदारी की भावना से जोड़ना है और बच्चों का यह योगदान उस दिशा में एक सशक्त संदेश देता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि आज की युवा पीढ़ी यदि छोटी-छोटी सामाजिक पहलों में सक्रिय होगी, तो कल का समाज और अधिक संवेदनशील और समर्थ बनेगा। इसी उद्देश्य से केंद्रीय विद्यालय माती के प्राचार्य असरार हुसैन अंसारी एवं शिक्षक श्री अनिल कुशवाहा सहित अन्य सभी शिक्षकों के सहयोग से विद्यार्थियों की इस भागीदारी करायी गई। जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कहा कि विद्यालय सदैव बच्चों में नैतिक मूल्यों, सेवा-भाव और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने का प्रयास करता है और यह अभियान उन प्रयासों का सार्थक परिणाम है। विद्यालय के शिक्षक इस पहल को बच्चों के समग्र विकास के लिए अत्यंत उपयोगी मानते हैं, क्योंकि ऐसे कार्यक्रम छात्रों को वास्तविक जीवन से जोड़ते हैं और उन्हें समझाते हैं कि करुणा और दान केवल शब्द नहीं, बल्कि व्यवहार में अपनाए जाने वाले संस्कार हैं। अभियान के दौरान बच्चों में उत्साह देखते ही बनता था। छोटी-छोटी कक्षाओं से लेकर वरिष्ठ छात्रों तक, सभी ने अपनी क्षमता के अनुसार वस्त्र एकत्र किए और गर्व के साथ उन्हें समिति के प्रतिनिधियों को सौंपा। कई विद्यार्थियों ने यह भी साझा किया कि यह उनके लिए पहली बार था जब उन्होंने किसी सामाजिक अभियान में प्रत्यक्ष भागीदारी की, और इससे उन्हें जरूरतमंद लोगों की परिस्थितियों को समझने का अवसर मिला।

स्कूल में बच्चों के नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन

पायनियर संवाददाता। बरेली

रोटरी क्लब बरेली फ्रेगरेंस के द्वारा श्री साईं नाथ शिशु मंदिर संजय नगर मे विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टर अक्षय गुप्ता तथा उनकी टीम ने बच्चों की आँखों की जाँच कर आवश्यक परामर्श दिया।कार्यक्रम के दौरान बच्चों की दृष्टि संबंधी समस्याओं की पहचान की गई तथा जिन विद्यार्थियों को चश्मे की आवश्यकता पाई गई,उन्हें चश्मे दिए गए। अन्य समस्याओं के लिए उन्हें आगे उपचार हेतु सुझाव भी प्रदान किए गए।क्लब अध्यक्ष सुधा गुप्ता ने बताया कि इस प्रकार के शिविरों का उद्देश्य बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समय रहते नेत्र रोगों की पहचान करना है। उन्होंने डॉक्टरों की टीम और स्कूल का आभार व्यक्त किया।शिविर मे 120 विद्यार्थियों ने भाग लेकर नेत्र परीक्षण का लाभ उठाया ।शिविर में सचिव मुक्ता अग्रवाल, उषा कुमार, मुनिता रेकीवाल, अंजू अदलखा, , सीमा सिंघल, शालू मित्तल, आकांक्षा सक्सेना, साक्षी अग्रवाल, मनीषा मेहरा, सीमा अग्रवाल, सविता अग्रवाल, ज्योति खुराना, गीता जुनेजा आदि ने सक्रिय सहयोग दिया। स्कूल मैनेजर सुषमा सक्सेना तथा प्रधानाचार्य शालिनी सक्सेना ने इस पहल के लिए क्लब का आभार व्यक्त किया।

दबंग मिट्टी माफियाओं के आगे घुटने टेक रहे जिम्मेदार अधिकारी

पायनियर संवाददाता। उरई (जालौन)

जिला मुख्यालय उरई में मिट्टी माफियाओं का खौफ आम आदमी के सिर चढ़कर बोल रहा है जिसे देखकर लगता है कि मिट्टी माफियाओं के आगे जिम्मेदार अधिकारियों ने मानो घुटने ही टेक दिये हो। मिट्टी भरे ट्रैक्टरों की फर्राटा रेस देखकर आम राहगीर का भी दिल सहम जाता है। यही कारण है कि कई गांवों के ग्रामीणों ने अपने बच्चों को साइकिल से विद्यालय तक भेजना बंद कर दिया है।

चुर्खी रोड और उससे निकले बनफरा रोड पर चल पाना लोगों के बस की बात नहीं है इन सड़कों पर सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए जाने वाले लोग दहशत में है कि न जाने कब तेज रफ्तार निकलने वाला मिट्टी से लदा ओवरलोड ट्रैक्टर उन्हें टक्कर न मार दे बनफरा रोड की तो हालत और भी खराब है 2 दिसंबर को चुर्खी रोड उरई विकास प्राधिकरण के बगल से निकले चिरौंजी लाल चैराहे तक जाने वाले बनफरा रोड पर ओवरलोड मिट्टी ट्रैक्टरों की धमा चैकड़ी ने ग्राम बनफरा से पढ़ने उरई आने वाले बच्चों के अभिभावकों के मन में दहशत भर दी है क्योंकि साइकिल से पढ़ने जाने वाले बच्चों को तेज रफ्तार ओवरलोड ट्रैक्टरों का सामना करना पड़ता है और अगर जरा सा चूके तो फिर ऊपर वाला ही मालिक है। ट्रैक्टरों की धमा चैकड़ी से परेशान ग्राम बनफरा के ग्रामीणों का गुस्सा तब और फूट पड़ा जब मिट्टी से भरा ओवरलोड ट्रैक्टर रोड पर फंस गया और फिर नए बने रोड को निकालने के चक्कर में उधेड़ने लगा आक्रोषित ग्रामीणों ने डायल 112 बुलाकर शिकायत भी दर्ज कराई लेकिन उसका कुछ भी परिणाम नहीं निकला क्योंकि रात के समय ओवरलोड मिट्टी ट्रैक्टरों की धमा चैकड़ी फिर से शुरू हो गई। अब लाखों की लागत से बने बनफरा रोड को मिट्टी माफिया कब तक सलामत रहने देंगे यह तो समय बताएगा लेकिन ओवरलोड ट्रैक्टरों की रफ्तार ने मॉर्निंग बाक के लिए निकलने वाले सीनियर सिटीजन को घर में कैद रहने के लिए मजबूर कर दिया है कमोबेश यही हाल चुर्खी रोड का भी है चक जगदेवपुर, अमगुवा, गुढ़ा आदि आसपास के गांव में दिन रात जेसीबी धरती का सीना चीर रही है जिसकी आवाज जिम्मेदारों को सुनाई नहीं दे रही है अब ऐसा भी नहीं है कि जिम्मेदारों को मिट्टी माफियाओं के बारे में जानकारी ना हो लेकिन जिस तरह से मिट्टी माफियाओं को संरक्षण दिया जा रहा है वह जिम्मेदारों की नियत में खोट को उजागर कर रहा है ।

फिलहाल तो हर रोज मॉर्निंग वॉक के लिए निकलने वाले संभरान्त जनों ने जिम्मेदारों का ध्यान आकर्षित करते हुए मांग की है कि भले ही मिट्टी माफियाओं से साठ गांठ बनी रहे और मिट्टी का अवैध खनन होता रहे लेकिन सड़कों पर फर्राटा भरने वाले ओवरलोड ट्रैक्टरों की रफ्तार को जरूर धीमा करवा दिया जाए जिससे राह चलने वाले मॉर्निंग वॉक को निकालने वाले लोगों को ट्रैक्टरों से कुचलकर मरने का खतरा महसूस ना हो और ग्राम बनफरा के लोग फिर से अपने बच्चों को स्कूल भेजने में हिचक महसूस न करें।

सड़क हादसे में महिला ने तोड़ा दम, एक घायल

पायनियर संवाददाता। कोंच (जालौन)।

नगर में बीते 29 नवंबर 2025 को हुए भीषण सड़क हादसे में एक और मौत हो गई है। ज्ञात हो कि पिकअप और ई-रिक्शा की आपस में हुई जोरदार भिड़ंत में कुल छह लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे।

हादसे के कुछ दिन बाद एक महिला की मृत्यु हो चुकी थी, वहीं आज उसी हादसे में गंभीर रूप से घायल एक अन्य महिला ने भी उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

मृतका की पहचान राजकुमारी उर्फ मुटरो पत्नी सत्यप्रकाश द्विवेदी उर्फ सद्दू महाराज, उम्र लगभग 55 वर्ष, निवासी पटेल नगर, सागर तालाब के पास, पुराना अस्पताल कोंच, जालौन के रूप में हुई है। दुर्घटना में उन्हें गंभीर चोटें आई थीं, जिसके बाद से उनका लगातार इलाज चल रहा था, लेकिन हालत में सुधार न होने के कारण आज उन्होंने अंतिम सांस ली। परिवार और क्षेत्र में इस खबर से शोक की लहर है। स्थानीय लोगों के अनुसार दुर्घटना के दिन ई-रिक्शा सवारों को भारी चोटें आई थीं, जिनमें ज्यादातर को उरई और कानपुर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया था। यह हादसा क्षेत्र में सड़क सुरक्षा और लापरवाही से वाहन चलाने को लेकर कई सवाल भी खड़े करता है। हादसे में अब तक दो लोगों की जान जा चुकी है, जबकि अन्य घायलों का इलाज जारी है।

बाइक -स्विफ्ट कार की टक्कर, किशोर घायल

रामपुरा (जालौन)। रविवार दोपहर करीब 3 बजे नगर में इंडियन बैंक के पास बाइक और स्विफ्ट कार के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्विफ्ट मारुति सुजुकी (यूपी 71 एयू 6361) से विवेक सिंह निवासी खकसीस अपने परिवार के साथ भैरव जी मंदिर दर्शन करने जा रहे थे। इसी दौरान रामपुरा से माधौगढ़ की ओर जा रही पल्सर 135 सीसी बाइक अचानक कार से टकरा गई। टक्कर में मोटर साइकिल सवार पवन कुमार (17 वर्ष) पुत्र श्याम सुंदर निवासी गोपालपुरा को शरीर के विभिन्न हिस्सों में चोटें आई हैं। बताया गया कि पवन अपने ननिहाल पूरनपुरा में शादी समारोह में शामिल होने आया था। घटना के बाद राहगीरों से स्थानीय पुलिस को सूचना देकर घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया। जहां घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक रजत कुमार सिंह ने कहा कि नगर में एक दुर्घटना की सूचना प्राप्त हुई थी।

मेडिकल कॉलेज में सात आवासों से लाखों की ज्वैलरी, नकदी पार

- पुलिस खंगाल रही सीसीटीवी फुटेज, कर्मियों में दिखा आक्रोश

पायनियर संवाददाता। उरई (जालौन)

राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई परिसर में शनिवार रात एक सनसनीखेज चोरी की वारदात ने पूरे क्षेत्र को हिलाकर रख दिया। मेडिकल कॉलेज के अंदर बने सात सरकारी आवासों में चोरों ने धावा बोलकर करोड़ों रुपए की ज्वैलरी और नगदी पर हाथ साफ कर दिया।

वारदात को बेहद शातिर तरीके से अंजाम दिया गया जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। वारदात उस समय हुई जब नर्सिंग स्टाफ अपनी ड्यूटी पर गया हुआ था। स्टाफ के घरों में किसी के न होने का फायदा उठाते हुए चोरों ने एक-एक कर कई आवासों के ताले तोड़ दिए। जब सुबह ड्यूटी से लौटे कर्मचारियों ने जब अपने घरों का दृश्य देखा तो स्तब्ध रह गए दरवाजे टूटे हुए मिले अलमारियों का सामान बिखरा पड़ा था और कीमती गहने,नकदी गायब थे। घटना की जानकारी मिलते ही मेडिकल कॉलेज परिसर में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में कर्मचारी मौके पर इकट्ठा हो गए। सूचना मिलने पर कोतवाली उरई पुलिस तुरंत मौके पर पहुँची और जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है जिससे चोरों की गतिविधियों के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिलने की उम्मीद है। साथ ही फोरेंसिक टीम ने मौके से फिंगरप्रिंट, फुटप्रिंट और अन्य वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्रित किए जो जांच में अहम भूमिका निभाएंगे। इस घटना ने मेडिकल कॉलेज की सुरक्षा प्रणाली की पोल खोलकर रख दी है। कॉलेज परिसर में बड़ी संख्या में सुरक्षा कर्मी तैनात होने के बाबजूद इतनी बड़ी चोरी कैसे हो गई यह सबसे बड़ा सवाल बनकर उभर रहा है।

सुरक्षा में बड़ी लापरवाही कौन लेगा जिम्मेदारी

बड़ी संख्या में सिक्योरिटी गार्ड तैनात होने के बावजूद सुरक्षा में इतनी बड़ी चूक कैसे हुई? यह प्रश्न अब कॉलेज प्रशासन एवं सुरक्षा एजेंसी सभी पर गंभीर रूप से उत्तरदायित्व तय करता है कि जब मेडिकल कॉलेज के अंदर बड़ी संख्या में सिक्योरिटी गार्डों की मौजूदगी है फिर इतनी बड़ी चूक कैसे वहीं नर्सिंग स्टाफ और अन्य कर्मचारियों में इस घटना को लेकर भय और आक्रोश जैसा माहौल देखने को मिला। सभी ने मेडिकल कॉलेज प्रशासन से सख्त सुरक्षा व्यवस्था और घटना के जल्द खुलासे की मांग उठाई है।

मेडिकल कॉलेज के सिक्योरिटी गार्डों की भूमिका पर खड़े हुए सवाल

खड़े राजकीय मेडिकल कालेज उरई में सुरक्षा के नाम पर लाखों रुपयों का बजट खर्च किया जाता है। ताकि मेडिकल कालेज परिसर में किसी भी प्रकार से स्वास्थ्य कर्मियों में असुरक्षा की भावना न रहे। आखिरकार जब इतनी बड़ी संख्या में गार्डों की मौजूदगी है तो चोरी के समय कहां थे सुरक्षा कर्मी या फिर सुरक्षा कर्मियों को मरीजों के तीमारदारों से अभद्रता करना व उनके साथ मारपीट करना आता है। आखिर कहां से पहुंचे आवास पर चोर, कहां थे सुरक्षा गार्ड जहां आम पब्लिक का जाना रहता प्रतिबंध वहां आखिर कैसे पहुंचे चोर।

खड़े ट्रैक्टर ट्रॉली से टकराई बाइक अधेड़ हुआ घायल

पायनियर संवाददाता। कोंच (जालौन)

ग्राम पनयारा के पास शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें बाइक सवार अधेड़ व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, रात करीब 9 बजे सीताराम अहिरवार (60 वर्ष), पुत्र ग्यासी अहिरवार, निवासी बरोदा (हाल निवासी आशीर्वाद होटल के पीछे, कोंच), अपनी बाइक से उरई से कोंच लौट रहे थे। जैसे ही वह ग्राम पनयारा के पास पहुंचे, सड़क किनारे खड़े एक ट्रैक्टर ट्रॉली से उनकी बाइक सीधी जा टकराई।

टक्कर इतनी तेज थी कि सीताराम अहिरवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों और ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना एम्बुलेंस को दी। मौके पर पहुंची एम्बुलेंस ने घायल को सीएची कोंच अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हालत

गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल उरई के लिए रेफर कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रैक्टर ट्रॉली सड़क पर बिना किसी संकेतक और लाइट के खड़ी थी, जिससे यह हादसा हुआ। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर कई बार बिना लाइट और बिना रिफ्लेक्टर के वाहन खड़े रहने के कारण दुर्घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन इसके बावजूद इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा तफरी का माहौल बन गया। पुलिस को भी घटना की सूचना दी गई है।

संक्षिप्त खबरें

इंस्पेक्टर मौत मामले में महिला सिपाही को भेजा जेल

उरई (जालौन)। पांच दिसंबर को कुठौंद थाने में इंस्पेक्टर अजय राय की मौत मामले में नामजद महिला सिपाही मीनाक्षी को पुलिस को पकड़कर जेल भेज दिया। तो वहीं पुलिस टीमे उसके पास से मिले तीन मोबाइलों का डाटा खंगाल रहा है। यदि पुलिस को जांच के दौरान नये तथ्य मिले तो और भी लोग इसके लपेटे में आने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। जबकि वैज्ञानिक एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही प्रचलित है। उक्त जानकारी सीओ जालौन द्वारा मीडिया से बातचीत के दौरान बतायी।

रेप के बाद युवक कुछ घंटे बाद ही फांसी लगाकर जान दी, सनसनी फैली

हमीरपुर। जिले में रविवार को बिवार क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के बाद युवक कुछ घंटे बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक क्षेत्र के गांव में शनिवार को देर रात पडोसी के यहा तेली भोज का कार्यक्रम था,पडोसी महिला अपनी दस साल की बच्ची के साथ गयी थी उसी भोज कार्यक्रम में गांव का युवक आलोक प्रजापति गया था देर रात उसने बच्ची को फुसलाकर अपने घर ले गया और जानवर बांधने वाले कच्चे मकान में नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया जब देर रात बच्ची घर नही पहुची तो परिवारीजनों ने पुलिस को सूचना दी,पुलिस की खोजबीन में बच्ची गांव के बाहर दो किलोमीटर बंबी पुलिया के पास रोती मिली। बच्ची ने बताया कि आलोक ने उसके साथ गंदा काम किया है। शोर मचाने पर मुंह में कपडा ठूस कर उसे यहा छोड गया है। गांव के लोग व पुलिस उसकी खोजबीन में लग गयी रविवार को गांव से दो किलोमीटर दूर तडके बंबी पुलिया के पास ही आलोक का शव फांसी से लटका पाया गया पुलिस का मानना है कि युवक ने चार घंटे बाद ही फांसी लगाकर जान दी है, फोरेंसिंक टीम मौके पर जाकर जांच पडताल की, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है।

चार पहिया वाहन ने मारी टक्कर दो घायल

राठ(हमीरपुर)। मुर्गा का मीट खरीद कर जा रहे बाइक सवार दो युवकों को चार पहिया कार ने सामने से टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार दोनों युवक घायल हो गए। जहां चिकित्सक ने बाइक चालक को मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया है। कोतवाली के गोहानी गांव निवासी अरविंद अपने साथी पथनौड़ी गांव निवासी अभिषेक राजपूत के साथ बाइक से राठ मुर्गा का मीट खरीदने आया था। शाम को वह वापस बाइक से गांव लौट रहा था। तभी चरखारी रोड पेट्रोल पंप के पास सामने से आ रहे तेज ईको वैन ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे दोनों लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पीआरपी पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है। जहा दोनो को उरई रिफर कर दिया गया है।

पैसे देने के बाद भी नहीं दिया वाहन

राठ(हमीरपुर)। कस्बे के रामनगर मोहल्ला निवासी अंजलि पत्नी भरत कुमार ने पुलिस को बताया कि फरसौलियाना मोहल्ला निवासी एक युवक से 4 लाख 50 हजार रुपये लिए थे। उसने अपनी जमीन व चार पहिया वाहन गिरवी रखा था। हिसाब चुकता करने के बाद बाद वह वाहन नहीं दे रहा है। पांच माह हो गए हैं। लेकिन वाहन उसके नाम नहीं कराया। 13 नवंबर की सुबह उक्त व्यक्ति उसके घर आया और किसी खास काम से बाहर जाने के लिए एक दिन को गाड़ी ले गया। वाहन ले जाने के बाद उक्त व्यक्ति वाहन देने नहीं आया। आरोप लगाया कि वह अब 1 लाख 10 हजार रुपये की मांग कर रहा है। कह रहा कि यह रुपये दो जब तुम्हारी गाड़ी दूंगा।

प्रदेश अध्यक्ष का गर्मजोशी से स्वागत

मौदहा-हमीरपुर। मौदहा कस्बा के बड़ा चैराहा में रविवार दोपहर बाद स्थानीय कांग्रेसियों ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का फूल मालाओं से स्वागत किया है। प्रदेश अध्यक्ष किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पड़ोसी जिले महोबा की ओर जा रहे थे।

नेत्र शिविर में जांच में 15 मरीज मोतियाबिंद के पाये गये

पायनियर संवाददाता। हमीरपुर

रविवार को कुरारा ब्लाक के सिकरोढी गांव में निशुल्क विशाल नेत्र शिविर का आयोजन किया गया यह नेत्र शिविर श्री मती संध्या वर्मा एडवोकेट जिला उपाध्यक्ष अनु मोर्चा भाजपा हमीरपुर द्वारा आयोजित कराया गया जिसमें डा सुरेश कुमार कोरी जिला अस्पताल हमीरपुर द्वारा नेत्र परीक्षण किया गया मरीजो का रजिस्ट्रेशन सूर्य कुमार ने किया जिसमें 95 मरीजो की आखों की जांच की गई जिसमें 15 मरीज मोतिया विन्द से ग्रसित पाये गये तीन मरीज नाखूना के मिले नौ मरीज सबलबाई के मिले शेष मरींजों के चश्मे की जाँच की गई सभी मरीजो को दवा व चश्मा निःशुल्क दिया गया मोतिया विन्द के मरीजो को कल जिला अस्पताल के लिये रिफर किया गया सुगर की जांच की जायेगी उसके बाद ऑपरेशन होगा और संध्या वर्मा जिला उपाध्यक्ष भाजपा अनु मोर्चा पत्नी डा सुरेश कुमार ने सभी मरीजो को आँख को सुरक्षित कैसे रखा जाये व सावधानी बताई और कहा कि आँखो को साफ पानी से धोये और हरी सब्जियों का उपयोग करे और समय समय पर आखो की जांच करते रहना चाहिए शिविर में अशोक सागर रामधनी अनिल अनुरागी आदि लोग उपस्थित रहे।

दबंगों ने युवक को लात घूसो से किया बेदम

हमीरपुर। स्थानीय एसपी कार्यालय के सामने रविवार को उस समय भगदड़ मच गयी जब सवारी भरने को लेकर डग्गामार वाहन चालको ने एक युवक को जमकर लात घूसों से मारपीट कर बेहाल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस सक्रिय हुई है। जानकारी के मुताबिक एसपी कार्यालय के सामने प्रायवेट रिक्शा आटो स्टैंड है यहा पर हर रोज चालक एक दूसरे व सवारियों के साथ मारपीट करते नजर आते है। सवारियों का कहना है कि वाहन चालको का आलम यह है कि सवारियों से ज्यादा किराया जबरन वसूलते है यदि किसी ने मनमानी किराया देने से मना किया तो उसकी जमकर धुलायी की जाती है। आज भी इसी मामले को लेकर दो चालको में विवाद हो गया करीब चार लोगो ने एक युवक को पहले लात घूसो से मारापीटा इसके बाद उसको लोहे के राड से मारपीट कर जख्मी कर दिया। जब कि यहा पर स्थानीय पुलिस की गश्त रहती है मगर पुलिस कभी भी यहा पर नही रुकती है।

उत्तर प्रदेश की सफाई मजदूर संघ शाखा मौदहा का चुनाव संपन्न

पायनियर संवाददाता। मौदहा, हमीरपुर

उत्तर प्रदेश की सफाई मजदूर संघ की मौदहा शाखा का आज चुनाव संपन्न हुआ, जिसमें बैठक की अध्यक्षता दिलावर प्रसाद आजाद ने की ।

इस मौके पर सर्वसम्मत से कामता प्रसाद राव को अध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा रामविलास खोटे को महामंत्री सम्राट बाल्मीकि को उपाध्यक्ष महिला मोर्चा की अध्यक्ष श्रीमती आशा देवी और उपाध्यक्ष अनसुइया को चुना गया कोषाध्यक्ष पद पर विजय मधुपिया को चुना गया उप कोषाध्यक्ष रवि कुमार दीपक कुमार को उपमंत्री रतिराम बाघमारे व ब्रजकिशोर को प्रचार मंत्रीए संगठन मंत्री के पद पर मुकेश कुमार व बादल का मनोनयन किया गया। विकास मधुपिया व संदीप कुमार को मीडिया प्रभारी बनाया गया सुरेश कुमार को ऑडिटर के रूप में चुना गया। संगठन के अध्यक्ष कामता प्रसाद राव ने कहा कि मैं अपने संगठन का दायित्व पूरी निष्ठा के साथ निभाऊंगा।

छह किलोग्राम गांजा के साथ पुलिस ने महिला को बंदी बना भेजा जेल

मौदहा, हमीरपुर। इस समय क्षेत्र में छत्तीसगढ़ के रास्ते गांजा की तस्करी चल रही है रविवार सुबह पुलिस ने एक महिला को छः किलो सौ ग्राम से अधिक गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक पुलिस रविवार सुवह तलाशी अभियान चला रही थी तभी पुलिस को सूचना मिली कि अरतरा रोड पर रेलवे क्रांसिंग के पास महिला से पूछतांछ की गयी जिसे वह घबरा गयी तलाशी के दौरान उसके पास से छह किलोग्राम से अधिक गांजा बरामद किया गया पूछताछ में महिला ने बताया कि उसका नाम माया निषाद है वह हमीरपुर जिले की रहने वाली है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर महिला को जेल भेज दिया है। क्षेत्र में उडीसा से छत्तीसगढ़ के रास्ते गांजा की तस्करी की जाती है और तस्करी के इस काम को महिलाओं द्वारा अधिक अंजाम दिया जा रहा है हालांकि पुलिस अक्सर गांजा तस्करों पर नकेल कसती रहती है लेकिन उनके द्वारा गांजा तस्करी का काम लगातार जारी है।

खेलों से होता है सर्वांगीण विकास : आलोक मिश्रा

पायनियर संवाददाता। लखीमपुर-खीरी

पलिया क्रिकेट टूर्नामेंट कमेटी द्वारा छोटी पलिया रोड पर आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता के आज के मैच का शुभारम्भ उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ।

आयोजन की बागडोर कमेटी के सम्माननीय अध्यक्ष मनोज गुप्ता (सभासद, नगर पालिका परिषद पलिया कलॉ) तथा सहयोगी सदस्यों शिवांग पाण्डेय, सोनू पाल और हर कमल के निर्देशन में बखूबी संभाली गई। आज के मुकाबले में मुख्य अतिथि के रूप में आलोक मिश्रा (भइया) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में दीपक पांडेय (एडवोकेट) उपस्थित रहे। कमेटी अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों द्वारा अतिथिगण का बैज लगाकर व माल्यार्पण कर हार्दिक स्वागत एवं सम्मान किया गया।

आज का रोमांचक मैच पलिया कलॉ और ऐठपुर की टीमों के बीच खेला गया। मुख्य अतिथि आलोक मिश्रा (भइया) ने खिलाड़ियों से भेंट कर उनका उत्साहवर्धन करते हुये कहा कि खेलों से व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है, यदि भविष्य में पलिया की जनता ने हमें सेवा का अवसर दिया, तो युवाओं की खेल प्रतिभा को उड़ान देने हेतु पलिया में आधुनिक खेल मैदान/स्टेडियम का निर्माण हर सम्भव कराया जायेगा, जिससे हमारे क्षेत्र के खिलाड़ी बड़े मंचों तक पहुँच सकें। क्रिकेट प्रतियोगिता में संजय शर्मा, रविन्द्र गुप्ता (एडवोकेट), अरविंद पाल, शबान सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, युवा वर्ग और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम में उत्साह, खेलभावना और भाईचारे का अद्भुत संगम देखने को मिला।

बाइक-ई-रिक्शा की टक्कर में राजगीर की मौत, ई-रिक्शा चालक फरार

पायनियर संवाददाता। गोला गोकर्णनाथ-खीरी

हैदराबाद थाना की अजान चौकी क्षेत्र के ग्राम इमलिया मोड़ के पास रविवार की सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें एक राजगीर की मौत हो गई। मृतक की पहचान नफीस अली (45) पुत्र नसरुल्लाह निवासी ग्राम परसेहरा थाना हैदराबाद के रूप में हुई है।

जानकारी के मुताबिक, नफीस अली राजगिरी का काम करता था जो अपनी बाइक पर सवार होकर रोजाना की तरह रविवार की सुबह गोला काम करने जा रहा था। जैसे ही उनकी बाइक इमलिया गांव के मोड़ के पास पहुंची, तभी एक ई-रिक्शा से उनकी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि नफीस अली उछलकर सड़क पर जा गिरे और उनके सिर में गंभीर चोट आ गई। घटना के बाद चालक ई-रिक्शा सहित फरार हो गया।

राहगीरों ने घायल नफीस को निजी वाहन से इलाज के लिए गोला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला मुख्यालय भेज दिया है।परिजनों ने बताया कि नफीस अली अपने तीन भाइयों में दूसरे नंबर के थे और वे मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। वे अपने पीछे तीन लड़के, तीन लड़कियां और अपनी बीवी को छोड़ गए हैं।

बोर्ड बैठक में विकास कार्यों सहित विवादित लिपिक नियुक्ति स्टे पर प्रस्ताव मंजूर

पायनियर संवाददाता। लखीमपुर-खीरी

नगर पालिका परिषद पलिया कलां (खीरी) की बोर्ड बैठक पालिका के अधिशासी अधिकारी की उपस्थिति में पालिकाध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी देवी गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमे पालिका पालिका सीमान्तर्गत कराये जाने वाले विकास कार्यो के साथ साथ सभासदों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों पर विचार विमर्श करके उन्हें स्वीकृति प्रदान की गई।

बोर्ड बैठक में गन्ना सोसाइटी के बाहर पार्क का निर्माण, सभी वार्ड में डिज़ाइनर लाइट का अधिष्ठापन, पुराने बस स्टैंड पर क्लॉक टॉवर का निर्माण, सभी वार्ड में वार्ड संकेतक बोर्ड लगवाये जाने, लिपिक विजेंद्र कुमार की नियुक्ति सबंधी स्टे पर कार्यवाही किये जाने आदि प्रस्ताव पारित हुये। वरिष्ठ सभासद पवित्र प्रकाश गुप्ता नें बताया कि लिपिक

बिजेंद्र कुमार की नियुक्ति फर्जी ढंग से करवाई जाने एवं स्टे के आधार पर नौकरी करने वाले बाबू की नियुक्ति प्रक्रिया एवं न्यायालय स्थगन आदेश पर पैरवी के संबंध में बोर्ड बैठक में प्रस्ताव स्वीकृत करते कार्यवाही रजिस्टर में अंकित किया गया, जिसपर नगर पालिका की तरफ से विधिक पैरवी करते हुये धोखाधडी व अनियमित ढंग से नौकरी पाने, वेतन आहरित करने सहित नगर पालिका परिषद बलिया एवं शासन से प्राप्त की गयी समस्त धनराशि की वसूली संबंधित आरोपियों से करवाई जायेगी ।बैठक में समस्त सभासद गण उपस्थित रहे।

पायनियर
लखनऊ, सोमवार, 8 दिसंबर 2025

राजनाथ ने 125 बीआरओ परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित कीं

भाषा। लेह

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को लेह से सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की हाल में पूर्ण हुई 125 परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया और इन्हें भारत के सीमावर्ती बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का एक 'प्रभावी उदाहरण' बताया।

रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इन परियोजनाओं का निर्माण 5,000 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है और ये परियोजनाएं लद्दाख और जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेशों तथा अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मिजोरम सहित सात राज्यों में फैली हुई हैं। इनमें 28 सड़कें, 93 पुल और चार अन्य परियोजनाएं शामिल हैं।

यह आयोजन सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के इतिहास में एक ही दिन में किए गए सबसे बड़े और सर्वाधिक मूल्य वाले उद्घाटन का प्रतीक बना। लद्दाख के उपराज्यपाल कवींद्र गुप्ता ने लेह पहुंचने पर रक्षा मंत्री का स्वागत किया और उद्घाटन समारोह में उनके साथ शामिल हुए। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि हमारे सैनिकों का शौर्य और पराक्रम अपने आप में हमारे लिए प्रेरणा है। ये बुनियादी ढांचा परियोजनाएं उन वीरों को राष्ट्र की श्रद्धांजलि हैं, जिन्होंने राष्ट्र की सेवा में अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती सड़कें राष्ट्रीय सुरक्षा की जीवन रेखाएं हैं और बेहतर संपर्क का परिचालन तत्परता पर सीधा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि उन्नत सड़क नेटवर्क, वास्तविक समय संचार प्रणाली और उपग्रह आधारित निगरानी अब भारतीय सैनिकों को अग्रिम क्षेत्रों में अधिक गति और सटीकता के साथ काम करने में सक्षम बना रही है।

सिंह ने परियोजनाओं को लगातार समय से पहले पूरा करने और सरकार के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप नयी तकनीकों को अपनाने के लिए बीआरओ की प्रशंसा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मजबूत सीमा संपर्क ना केवल सुरक्षा को मजबूत करता है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को भी स्थिर करता है, आपदा प्रतिक्रिया को बढ़ाता है - जैसा कि जम्मू कश्मीर के चासोई में बादल फटने के बाद बचाव कार्यों के दौरान देखा गया। उन्होंने कहा कि साथ ही यह और दूरदराज के क्षेत्रों में शासन में लोगों का विश्वास मजबूत करता है। सिंह ने कहा कि हमारे सशस्त्र बल, बीआरओ कर्मी और सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिक मिलकर राष्ट्रीय सुरक्षा का सामूहिक कवच बनाते हैं। उन्होंने आग्रह किया कि उनके बीच का यह बंधन निरंतर बढ़ता रहे। रक्षा मंत्री ने रेखांकित किया कि लद्दाख में दारबुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी रोड पर निर्मित 920 मीटर लंबी श्योक सुरंग एक इंजीनियरिंग चमत्कार है, जो दुनिया के सबसे दुर्गम सैन्य इलाकों में से एक को हर मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि यह सुरंग विशेष रूप से भारी बर्फबारी और हिमस्खलन से प्रभावित कठोर सर्दियों के दौरान गतिशीलता, रसद वितरण और त्वरित तैनाती क्षमता को तेजी से बढ़ाएगी।

इंडिगो के बोर्ड ने संकट प्रबंधन समूह का किया गठन

❖ हालात की नियमित निगरानी जारी: एयरलाइन

भाषा। मुंबई

> एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि एयरलाइन की उड़ान बाधाओं के मामले में प्राधिकरण जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई करेंगे।

इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के बोर्ड ने एक संकट प्रबंधन समूह (सीएमजी) का गठन किया है, जो हालात की निगरानी के लिए नियमित रूप से बैठक कर रहा है। एयरलाइन ने रविवार को एक बयान में यह जानकारी दी।

इसमें कहा गया कि कंपनी का निदेशक मंडल ग्राहकों को हो रही परेशानियों का समाधान करने और यात्रियों को रिफंड सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। एक दिन पहले इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स और सीओओ इसिड्रो पोरकेरस को नागर विमानन विभाग (डीसीए) ने नोटिस जारी कर बड़े पैमाने पर उड़ान बाधाओं को लेकर 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण मांगा था। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने शनिवार को कहा कि एयरलाइन की उड़ान बाधाओं के मामले में प्राधिकरण जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई करेंगे। इंडिगो ने एक बयान में कहा कि इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड (इंडिगो) के निदेशक मंडल की बैठक उसी दिन हुई, जिस दिन रद्दीकरण और विलंबित उड़ानों की समस्या सामने आई। सदस्यों को प्रबंधन की ओर से संकट की प्रकृति और दायरे पर विस्तृत जानकारी दी गई। इस बैठक के बाद बोर्ड ने संकट प्रबंधन समूह (सीएमजी) गठित करने का निर्णय लिया गया, जिसमें चेयरमैन विक्रम सिंह मेहता, निदेशक मंडल के सदस्य ग्रेग सारेट्स्की, माइक व्हिटेकर और अमिताभ कांत, तथा सीईओ पीटर एल्बर्स सहित अन्य अधिकारी शामिल हैं।

अगवा किए गए व्यवसायी को केरल के पलक्कड़ में एक खाली घर से छुड़ाया गया

भाषा। पलक्कड़ (केरल)

बंदूक का भय दिखाकर कथित तौर पर अगवा किए गए एक व्यापारी को रविवार को यहां एक खाली घर में पाया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, मोहम्मद अली को शनिवार रात एक अज्ञात समूह ने उस समय अगवा कर लिया, जब वह अपनी लग्जरी कार में सवार होकर मलप्पुरम के वंदूर से कोच्चि हवाई अड्डे के लिए जा रहे थे।

चालिस्सेरी पुलिस में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, चार नकाबपोश बदमाशों ने शोरानूर के पास दुबीर रोड पर अली की कार को रोक लिया।

उपराज्यपाल ने बीआरओ की 22 परियोजनाओं को जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा, विकास के लिए अहम बताया

भाषा। जम्मू

जम्मू-कश्मीर में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 22 परियोजनाओं के उद्घाटन को लेकर रविवार को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया और इन परियोजनाओं को क्षेत्र की सुरक्षा एवं विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

ये 22 परियोजनाएं देश के विभिन्न हिस्सों में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा पूरी की गई 125 परियोजनाओं में शामिल हैं। रक्षा मंत्री ने लद्दाख के लेह जिले की अपनी यात्रा के दौरान इन परियोजनाओं का उद्घाटन किया। सिन्हा, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े, मिजोरम के राज्यपाल जनरल (डॉ) विजय कुमार सिंह, मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा, केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू और जितेंद्र सिंह तथा सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी डिजिटल माध्यम से इस कार्यक्रम में शामिल हुए। लद्दाख के उपराज्यपाल कवींद्र गुप्ता, सेना की उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा, बीआरओ के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल रघु श्रीनिवासन और 14वीं कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल हितेश भल्ला, अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा बीआरओ के कर्मी भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

उद्घाटन की गई परियोजनाएं जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मिजोरम में हैं, जिनमें 28 सड़कें, 93 पुल और लद्दाख में दारबुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी रोड पर श्योक सुरंग शामिल हैं।

चीनी सैन्य विमान ने जापानी लड़ाकू विमानों पर अपना 'रडार लॉक' किया

एपी। तोक्यो

चीनी विमानवाहक पोत लियाओनिंग से उड़ान भरने वाले एक सैन्य विमान ने जापान के ओकिनावा के पास जापानी लड़ाकू विमानों पर अपना 'रडार लॉक' कर दिया जिसे लेकर जापान ने चीन के समक्ष विरोध दर्ज कराया है।

'रडार लॉक' का मतलब होता है- किसी सैन्य विमान का अपने रडार को दूसरे विमान या लक्ष्य पर इस तरह केंद्रित करना कि वह उसकी सटीक स्थिति, गति और दिशा पर लगातार नजर रख सके। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि चीन के सैन्य विमान जे-15 ने शनिवार को दो बार अलग-अलग समय में जापानी एफ-15 लड़ाकू विमानों पर अपना रडार लॉक किया। मंत्रालय ने कहा कि एक बार दोपहर में लगभग तीन मिनट के लिए और फिर शाम को लगभग 30 मिनट के लिए ऐसा किया गया।

मंत्रालय के अनुसार, चीनी विमान से उन जापानी लड़ाकू विमानों पर 'रडार लॉक' किया जिन्होंने चीन की ओर से हवाई क्षेत्र के संभावित उल्लंघन के खिलाफ प्रतिक्रिया दी थी। मंत्रालय ने कहा कि जापानी हवाई क्षेत्र का कोई उल्लंघन नहीं हुआ और इस घटना से कोई नुकसान होने की भी सूचना नहीं मिली। यह स्पष्ट नहीं है कि 'रडार लॉक' करने की घटना में दोनों बार वही चीनी जे-15 विमान शामिल था या नहीं।

इंडिगो: भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन लड़खड़ा गई

भाषा। नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने अपने अब तक के सबसे बड़े परिचालन संकट के कारण सैकड़ों उड़ानों को रद्द कर दिया। नए नियमों के तहत पायलटों की ड्यूटी समय सीमा में बदलाव और इंडिगो के 'लीन-स्टाफिंग' मॉडल ने मिलकर संकट को जन्म दिया।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने उड़ान ड्यूटी समय-सीमा (एफडीटीएल) नियमों में बदलाव किए। नए नियमों के तहत पायलटों का साप्ताहिक आराम 36 घंटे से बढ़ाकर 48 घंटे किया गया, रात में उड़ानों की संख्या सीमित की गई, और लगातार रात की ड्यूटी को केवल दो तक सीमित किया गया। इससे प्रत्येक पायलट द्वारा संचालित उड़ानों की संख्या में काफी कमी आई। इंडिगो ने अपने एयरबस ए320 बेड़े के लिए 2,422 कप्तानों की आवश्यकता बताई थी, लेकिन केवल 2,357 कप्तान उपलब्ध थे और 'फर्स्ट ऑफिसर्स' में भी कमी थी। इसके साथ ही एयरलाइन का उच्च विमान उपयोग और रात की उड़ानों पर निर्भरता वाला मॉडल काम नहीं आया, जिसके कारण दो दिसंबर से बड़े पैमाने पर उड़ान रद्द होने लगीं। रविवार को 2,300 में 650 उड़ानें रद्द की गईं। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे प्रमुख हवाई अड्डों पर यात्रियों की लंबी कतारें, खोया हुआ सामान और परेशान यात्री देखने को मिले। कई यात्रियों की महत्वपूर्ण बैठकें, साक्षात्कार और शादी समारोह छूट गए। इंडिगो ने तीन दिसंबर को समस्याओं की पुष्टि की और इसके लिए तकनीकी गड़बड़ी, मौसम, सर्दियों का शेड्यूल और नए क्रू नियमों को जिम्मेदार ठहराया। एयरलाइन ने यात्रियों को पूरा रिफंड, शुल्क माफ करने और वैकल्पिक व्यवस्था की पेशकश की।

इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने पांच दिसंबर को माफी मांगी और 10-15 दिसंबर तक पूर्ण परिचालन बहाल करने का वादा किया। डीजीसीए ने पांच दिसंबर को इंडिगो के ए320 बेड़े को रात की उड़ानों और लैंडिंग में अस्थायी छूट दी, जबकि औपचारिक जांच भी शुरू की। डीजीसीए ने एयरलाइन को पायलट ड्यूटी और कर्मचारी व्यवस्थापन में सुधार पर रिपोर्ट देने को कहा। संकट के कारण घरेलू हवाई किराए में वृद्धि हुई। उदाहरण के लिए, दिल्ली-बेंगलुरु उड़ान के लिए सबसे सस्ता किराया 40,000 रुपये से ऊपर चला गया। सरकार ने छह दिसंबर को सभी एयरलाइन के लिए किराए की सीमा तय कर दी।

जलवायु दबाव बढ़ने के कारण कोर्टेवा ने भारत में जैविक गतिविधियों को तेज किया

❖ किसानों को सबसे ज्यादा जरूरत जैव-नियंत्रण की है। अभी तक किसी ने भी इसे बड़े पैमाने पर हल नहीं किया है: कनिंघम

भाषा। हैदराबाद

अमेरिका की कृषि क्षेत्र की दिग्गज कंपनी कोर्टेवा एग्रीसाइंस भारत में अपने जैविक उत्पादों के विस्तार में तेजी ला रही है और जैव-नियंत्रण तथा जैव-उत्तेजक पर विशेष ध्यान दे रही है। कंपनी की एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। बढ़ते जलवायु दबाव और कीट-प्रतिरोध की चुनौतियों के बीच प्राकृतिक फसल-सुरक्षा समाधान तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। कोर्टेवा की एशिया-प्रशांत अध्यक्ष ब्रूक कनिंघम ने अपनी भारत यात्रा के दौरान 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि प्राकृतिक खेती और जीन-संपादन प्रौद्योगिकियों को मिल रहे सरकार के समर्थन के कारण कंपनी भारत को जैविक उत्पादों के लिए बेहद महत्वपूर्ण बाजार मानती है।

कनिंघम ने कहा कि किसानों को सबसे ज्यादा जरूरत जैव-नियंत्रण की है। अभी तक किसी ने भी इसे बड़े पैमाने पर हल नहीं किया है। उन्होंने बताया कि कंपनी सूक्ष्मजीवीय समाधानों में भारी निवेश कर रही है, जो या तो कीटों पर सीधा हमला करते हैं या पौधों की रक्षा-क्षमता को बढ़ाते हैं। जैविक उत्पादों की ओर बदलाव जलवायु परिवर्तन के कारण और तेज हो रहा है, क्योंकि इससे कीटों का फैलाव तेज हो रहा है तथा सूखा, बाढ़ और गर्मी से पौधों पर तनाव बढ़ रहा है। जैव-उत्तेजक अब भारतीय किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण उपकरण बनकर उभर रहे हैं। कनिंघम ने कहा कि यह रसायनों का विकल्प नहीं, बल्कि एकीकृत कीट प्रबंधन है। उन्होंने बताया कि रासायनिक समाधान अभी भी फलों में 80 प्रतिशत और सब्जियों में 50 प्रतिशत नुकसान रोकते हैं। कंपनी जैविक उत्पादों को पारंपरिक फसल सुरक्षा का पूरक मानती है, जो कीट-प्रतिरोध और पर्यावरणीय स्थिरता की दोहरी चुनौतियों का समाधान करते हैं।

भारत में, जहां किसान वैश्विक कृषि भूमि के केवल 2.4 प्रतिशत हिस्से पर 1.4 अरब लोगों को भोजन उपलब्ध कराते हैं, जैविक उत्पाद खाद्य सुरक्षा और निर्यात लक्ष्यों को हासिल करने के लिए आवश्यक माने जा रहे हैं। हालांकि ब्राजील अभी कीटों के भारी दबाव के कारण जैविक उत्पाद अपनाने में सबसे आगे है, लेकिन भारत में अनूठे अवसर मौजूद हैं। सरकार का प्राकृतिक खेती को बढ़ावा और जीन-संपादन तकनीकों का समर्थन देश को बीज, फसल संरक्षण तथा जैविक उत्पादों में अत्याधुनिक नवाचार लागू करने की स्थिति में ला रहा है। कनिंघम ने कहा कि भारत उस निर्णायक मोड़ पर खड़ा है जहां से वह दुनिया को भोजन और ईंधन दोनों मुहैया करा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि देश के 15 करोड़ छोटे किसान, जिनमें अधिकांश के पास दो हेक्टेयर से कम जमीन है, जैविक समाधानों से काफी लाभ उठा सकते हैं।

इन समाधानों से 0.3 हेक्टेयर वाले किसानों की उपज औसतन 15-20 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। भारत कोर्टेवा का एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे बड़ा बीज बाजार है और यह क्षेत्र कंपनी के वैश्विक राजस्व का लगभग 10 प्रतिशत योगदान देता है। अनुसंधान एवं विकास तथा साझेदारियों के बारे में कनिंघम ने कहा कि कोर्टेवा अपनी आय का आठ प्रतिशत फसल संरक्षण और बीज क्षेत्र में अनुसंधान पर पुनः निवेश करती है, जो सालाना लगभग 1.4 अरब डॉलर है। कंपनी नई जैविक तकनीकों को तेजी से और कम लागत में विकसित करने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) का उपयोग कर रही है। कनिंघम ने कहा कि हमारे पास एक अरब डॉलर से अधिक का अनुसंधान बजट होने के बावजूद हम अकेले नवाचार नहीं कर सकते। इसलिए हम स्थानीय नवप्रवर्तकों के साथ साझेदारी कर रहे हैं।

रोजगारपरक व नवाचार उन्मुख शिक्षा को जनांदोलन का रूप देने की आवश्यकता: शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान

भाषा। भोपाल

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मध्यप्रदेश को वैज्ञानिक, मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक शिक्षा का 'सदियों पुराना केंद्र' करार देते हुए रविवार को कहा कि अब समय है कि भारत की प्राचीन शिक्षा प्रणाली को कृत्रिम मेधा (एआई) से जोड़कर विश्व के सामने पेश किया जाए ताकि यहां की समृद्ध संस्कृति और ज्ञान-विज्ञान को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिले।

प्रधान मध्यप्रदेश में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 क्रियान्वयन, चुनौतियां और संभावनाएं' विषय पर आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल मंगू भाई पटेल और मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी कार्यशाला को संबोधित किया। केंद्रीय मंत्री ने मैकाले द्वारा स्थापित शिक्षा व्यवस्था में भारतीयता को स्थापित करने को राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य बताया और रोजगारपरक व नवाचार उन्मुख शिक्षा को जनांदोलन का रूप देने की आवश्यकता पर बल दिया।

शिक्षा को प्राथमिकता का विषय बनाने के लिए राज्य शासन का आभार जताते हुए उन्होंने कहा, ɤमध्यप्रदेश ने संस्कृति, धर्म और ज्ञान परंपरा की निरंतरता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वैज्ञानिकता, दार्शनिक स्पष्टता और अध्यात्मिकता का पुट भारतीय शिक्षा व्यवस्था का आधार रहा है।

उन्होंने प्रदेश के शैक्षणिक संस्थानों में 'न्यू ऐज स्किल' जैसे क्वान्टम कम्प्यूटिंग और एआई के विस्तार की भी आवश्यकता बताई। प्रधान ने विद्यार्थियों के निरंतर अध्ययनरत रहने, शोध को स्थानीय आवश्यकताओं से जोड़ने, शैक्षणिक संस्थाओं के प्रबंधन में समाज की भागीदारी बढ़ाने और शैक्षणिक संस्थाओं के प्रबंधन को समाज के प्रति उत्तरदायी बनाने पर भी जोर दिया।

एनसीआरटीसी ने नमो भारत कॉरिडोर पर एस्केलेटर के सुरक्षित उपयोग के लिए अभियान शुरू किया

भाषा। नई दिल्ली

तीव्र गति नमो भारत कॉरिडोर पर यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने अपने स्टेशनों पर स्वचालित सीढ़ियों (एस्केलेटर) के सुरक्षित उपयोग पर एक विशेष जागरूकता अभियान शुरू किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

इस पहल के तहत एनसीआरटीसी और इसके संचालन तथा रखरखाव साझेदार, डीबी आरआरटीएस इंडिया की टीम ने कई नमो भारत स्टेशनों पर और ट्रेन में सवार यात्रियों के साथ बातचीत की, ताकि बुनियादी एस्केलेटर सुरक्षा नियमों और जिम्मेदार यात्रा व्यवहार के बारे में जागरूकता फैलाई जा सके। एक बयान के अनुसार पहले चरण में इस अभियान की अधिकतम पहुंच के लिए आनंद विहार, गाजियाबाद और मेरठ दक्षिण समेत अधिक भीड़भाड़ वाले स्टेशनों को शामिल किया गया। बातचीत के दौरान यात्रियों को परामर्श दिया गया कि वे एस्केलेटर का उपयोग करते समय रेलिंग को पकड़ें, जल्दबाजी से बचें, मोबाइल फोन का उपयोग न करें तथा भारी सामान ले जाते समय लिफ्ट का इस्तेमाल करें।

इसमें कहा गया है कि उन्हें आपातकालीन स्टॉप बटन के स्थान और उनके उचित उपयोग के बारे में भी बताया गया। स्टेशन परिसर में प्रमुख सुरक्षा संदेशों वाले बैनर और पोस्टर प्रमुखता से प्रदर्शित किये गये। बयान के अनुसार बच्चों की सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया तथा कर्मचारियों ने बच्चों के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों को आवश्यक सावधानियों के बारे में जागरूक किया, जैसे कि बच्चों के हाथों को मजबूती से पकड़ना, उन्हें किनारों से दूर रखना तथा उन्हें एस्केलेटर पर दौड़ने या खेलने से रोकना।

एनसीआरटीसी ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस तरह के जागरूकता अभियान सुरक्षित यात्रा की संस्कृति को मजबूत करने और सभी नमो भारत उपयोगकर्ताओं के लिए सुरक्षित और विश्वसनीय अनुभव सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसने कहा कि सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए, सभी नमो भारत स्टेशनों और रेलगाड़ियों को चौबीसों घंटे सीसीटीवी निगरानी से सुसज्जित किया गया है, जिसकी निगरानी एक केंद्रीय सुरक्षा नियंत्रण केंद्र से की जाती है।

इसके अनुसार प्रत्येक स्टेशन में स्थानीय प्राधिकारियों के साथ त्वरित समन्वय के लिए एक समर्पित पुलिस कक्ष भी है, जबकि प्रवेश बिंदुओं पर यात्रियों की जांच 'मल्टी-जोन डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर' (डीएफएमडी) के माध्यम से की जाती है। बयान में कहा गया है कि वर्तमान में, 82 किलोमीटर लंबे दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर का न्यू अशोक नगर और मेरठ साउथ के बीच 55 किलोमीटर लंबा हिस्सा, जिसमें 11 स्टेशन शामिल हैं, संचालित है। इसमें कहा गया है कि शेष खंड को जल्द ही जनता के लिए खोल दिए जाने की उम्मीद है।

पंजाब में सीमा पार हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़: डीजीपी

भाषा। चंडीगढ़

पंजाब पुलिस ने रविवार को कहा कि उसने पाकिस्तान से जुड़े सीमा पार हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति के पास से पांच पिस्तौल बरामद की गई हैं। यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी अपने वांछित सहयोगी सैफली सिंह के साथ मिलकर पाकिस्तान स्थित एक आका के निर्देश पर हथियारों की खेप प्राप्त कर रहा था और पंजाब में अपराधियों और गैंगस्टर को इनकी आपूर्ति कर रहा था।

अमृतसर में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। डीजीपी ने कहा कि पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए जांच जारी है।

हरियाणा बास्केटबॉल कोर्ट हादसा

मृत खिलाड़ी के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की

भाषा। चंडीगढ़

फाइल फोटो

हरियाणा पुलिस ने पिछले महीने रोहतक जिले में अभ्यास के दौरान बास्केटबॉल 'हूप' का लोहे का खंभा गिरने से जान गंवाने वाले नाबालिग बास्केटबॉल खिलाड़ी के परिवार की शिकायत के आधार पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

रोहतक के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सब-जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग लेने वाले हार्दिक राठी के परिवार ने शनिवार को शिकायत दर्ज कराई। लाखनमाजरा के एसएचओ समरजीत सिंह ने कहा कि उसके (पीड़ित के) पिता ने शनिवार को शिकायत दर्ज कराई और उसके आधार पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 106 (लापरवाही से मौत) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि शिकायत में उन सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है जिनकी लापरवाही के कारण यह घटना हुई। पिछले महीने हरियाणा में हार्दिक और एक अन्य नाबालिग खिलाड़ी की इसी तरह की दुर्घटना में मौत हो गई थी, जब अभ्यास के दौरान कोर्ट पर 'हूप' का लोहे का खंभा टूट गया था। रोहतक और झज्जर जिलों में हुई दोहरी घटनाओं ने राज्य के खेल बुनियादी ढांचे को जांच के दायरे में ला दिया है। रोहतक में 16 वर्षीय हार्दिक की मौत हो गई, जबकि बहादुरगढ़ में घायल 15 वर्षीय अमन ने पीजीआईएमएस रोहतक में इलाज के दौरान अंतिम सांस ली। हार्दिक के पिता संदीप राठी ने हाल में रोहतक में संवाददाताओं से कहा कि हमने अपने गांव के खेल के मैदान की हालत के बारे में बार-बार शिकायत की, लेकिन प्रशासन ने इस बारे में कुछ नहीं किया। अगर उन्होंने समय रहते कार्रवाई की होती, तो मेरे बच्चे की जान नहीं जाती।

श्रीनगर में मादक पदार्थ तस्कर का मकान कुर्क

भाषा। श्रीनगर

पुलिस ने रविवार को शहर के नटिपोरा इलाके में मादक पदार्थों के एक तस्कर का मकान कुर्क कर दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। कुर्क किया गया यह मकान जाविद अहमद गनी के नाम पर पंजीकृत है।

पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस ने मादक पदार्थ पर रोकथाम से संबंधित 'एनडीपीएस' कानून के प्रावधानों के तहत लगभग एक करोड़ रुपये मूल्य का दो मंजिला आवासीय मकान कुर्क किया है। उन्होंने बताया कि आरोपी मादक पदार्थ की तस्करी के कई मामलों में पहले भी संलिप्त रहा है। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान, यह निर्णायक रूप से स्थापित हो गया कि संपत्ति अवैध नशीले पदार्थों के व्यापार से अर्जित की गई थी।

प्रवक्ता ने बताया कि जांच के आधार पर, सक्षम प्राधिकारी ने एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68-एफ के तहत मकान को कुर्क करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि चानापोरा के मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में, उचित कानूनी अनुपालन सुनिश्चित करते हुए कुर्की की कार्रवाई की गई।

मंधाना और पलाश ने खत्म किया रिश्ता...बोले-निजी जीवन का सम्मान करें

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने रविवार को घोषणा की कि उनकी शादी रद्द कर दी गई है तथा उन्होंने प्रशंसकों और मीडिया से अटकलों पर विराम लगाने का आग्रह किया, जबकि संगीतकार पलाश मुछाल ने पुष्टि की कि उन्होंने रिश्ते से आगे बढ़ने का फैसला किया है। मुछाल ने अपमानजनक अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी चेतावनी दी।

भारत की सबसे प्रमुख महिला क्रिकेटरों में से एक मंधाना ने पिछले महीने अपनी निजी जिंदगी को लेकर अफवाहें तेज होने के बाद सोशल मीडिया पर अपना पहला सार्वजनिक बयान जारी किया। मंधाना ने लिखा, मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि शादी रद्द कर दी गई है। मैं इस मामले को यहीं समाप्त करना चाहती हूं और आप सभी से भी ऐसा करने का अनुरोध करती हूं। मंधाना की 23 नवंबर को मुछाल से शादी होने वाली थी, लेकिन इस स्टार क्रिकेटर के पिता श्रीनिवास को दिल से जुड़ी बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था जिसके कारण शादी स्थगित कर दी गई थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कहा, पिछले कुछ सप्ताह से मेरी निजी जिंदगी को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं और मुझे लगता है कि इस समय मेरे लिए खुलकर अपनी बात रखना महत्वपूर्ण है। खुद को एक बेहद निजी इंसान करार देते हुए मंधाना ने कहा कि चीजों को स्पष्ट करने की जरूरत के कारण उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने प्रशंसकों और जनता से अनुरोध किया कि वे दोनों परिवारों की निजता का सम्मान करें और उन्हें इससे निपटने और आगे बढ़ने के लिए जगह दें।भारत के आगामी अंतरराष्ट्रीय सत्र की तैयारी कर रही मंधाना ने कहा कि उनका ध्यान पूरी तरह से क्रिकेट पर है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि हम सभी के जीवन में एक बड़ा उद्देश्य होता है और मेरे लिए वह उद्देश्य हमेशा अपने देश का सर्वोच्च स्तर पर प्रतिनिधित्व करना रहा है। मुझे उम्मीद है कि मैं यथासंभव लंबे समय तक भारत के लिए खेलती रहूंगी और ट्राफियां जीतती रहूंगी। मंधाना की पोस्ट के तुरंत बाद पलाश मुछाल ने भी बयान जारी किया, जिसमें पुष्टि की गई कि उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रही चर्चा को आधारहीन करार देते हुए इस पर दुख भी व्यक्त किया।मुछाल ने कहा,मैंने अपने जीवन में आगे बढ़ने का फैसला किया है। मेरे लिए यह देखना बहुत मुश्किल रहा है कि जो चीज मेरे लिए सबसे पवित्र है उसको लेकर लोग निराधार अफवाहों पर इतनी सहजता से प्रतिक्रिया दे रहे हैं।उन्होंने लिखा,यह मेरे जीवन का सबसे मुश्किल दौर है और मैं अपने विश्वास पर कायम रहते हुए इसका सामना करूंगा। मुछाल ने लोगों से आग्रह किया कि वे असत्यापित दावों को बढ़ावा देने से पहले विचार करें। उन्होंने कहा,मैं वास्तव में उम्मीद कर रहा हूं कि एक समाज के तौर पर हम बिना पुष्टि की गई बिना किसी स्रोत वाली अफवाहों के आधार पर किसी के बारे में राय बनाने से पहले रुकना सीखेंगे। हमारे शब्द हमें ऐसे ज़ख्म दे सकते हैं जिन्हें हम कभी समझ ही नहीं पाएंगे। मुछाल ने यह भी कहा कि उनकी टीम अपमानजनक सामग्री फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा, मेरी टीम झूठी और अपमानजनक सामग्री फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करेगी। मुछाल ने इस दौरान उनका समर्थन करने वाले लोगों का भी आभार व्यक्त किया।पलाश की बहन और गायिका पलक ने कुछ दिन पहले इस मुद्दे पर बात की थी जिसके बाद अब मंधाना का बयान सामने आया है।उन्होंने कहा,मुझे लगता है कि दोनों परिवारों ने बहुत मुश्किल समय का सामना किया है। जैसा आपने अभी कहा, मैं बस यही दोहराना चाहती हूं कि हम इस समय सकारात्मक होकर आगे बढ़ना चाहते हैं।हम जितना हो सके उतना सकारात्मक बने रहना चाहते हैं। हम मजबूत बने रहने की भी कोशिश कर रहे हैं। यह दोनों बयान इस विषय को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं और और असत्यापित रिपोर्टों की पृष्ठभूमि में आए हैं। यही वजह थी कि उन्हें अटकलों पर विराम लगाने के लिए आगे आना पड़ा है। पिछले लगभग एक दशक से भारतीय महिला क्रिकेट टीम की मुख्य सदस्य रही 28 वर्षीय मंधाना बेहतरीन बल्लेबाज हैं और खेल के प्रत्येक प्रारूप में उनकी बल्लेबाजी काफी मायने रखती है। भारतीय महिला टीम का 2026 का कार्यक्रम काफी व्यस्त है और बाएं हाथ की इस खिलाड़ी ने दोहराया कि उनकी पेशेवर प्रतिबद्धताएं उनके लिए प्राथमिकता बनी रहेंगी।

> पिछले कुछ हफ्तों से मेरी जिंदगी को लेकर कई तरह की बातें कही जा रही हैं। मैं बहुत निजी स्वभाव की हूं और अपनी प्राइवेट लाइफ को निजी ही रखना चाहती हूं, लेकिन अब यह बताना जरूरी है कि शादी अब रद्द हो चुकी ह। मैं चाहती हूं कि यह मामला यहीं खत्म हो जाए। आप सभी से निवेदन है कि दोनों परिवारों की प्राइवेसी का सम्मान करें और हमें समय दें, ताकि हम इस परिस्थिति से निकल सकें और आगे बढ़ सकें।
>
> **स्मृति मंधाना, महिला क्रिकेटर**

> मैंने अपनी जिंदगी में आगे बढ़ने और अपने निजी रिश्ते से पीछे हटने का फैसला किया है। लोगों को बिना वजह और बिना किसी आधार वाली अफवाहों पर इतनी जल्दी प्रतिक्रिया देते हुए देखना मेरे लिए बहुत तकलीफदेह रहा है, खासकर तब, जब यह मामला मेरे लिए बेहद निजी और अहम रहा। यह मेरे जीवन का सबसे कठिन दौर है, लेकिन मैं अपनी मान्यताओं के साथ मजबूती से इसे पार करूंगा। इस मुश्किल समय में जो भी लोग मेरे साथ खड़े रहे और मुझे दयालुता दिखाई, मैं उनका शुक्रिया अदा करता हूं।
>
> **पलाश मुच्छल,म्यूजिक कंपोजर**

संक्षिप्त समाचार

पुरुष युगल में मेहर-शैलेंद्र व अंडर 12 में अन्वेशा व तेजस बने चैंपियन

लखनऊ,पायनियर। मेहर व शैलेंद्र ने द्वितीय डा.केएल गर्ग स्कालरशिप टेनिस टूनार्मेंट में कोर्ट पर बेहतरीन जुगलबंदी की बदौलत पुरुष युगल खिताब अपने नाम कर लिया। दूसरी ओर अंडर-12 में अन्वेशा व तेजस, अंडर-14 बालक में कृष्णा सिंह व अंडर-10 बालक में सार्थक शुक्ला चैंपियन बने। पुरुष एकल सेमीफाइनल में जीत से अनुरुद्ध व अनुज ने खिताबी भिड़ंत तय की। एसडीएस टेनिस अकादमी द्वारा लामार्टिनियर कॉलेज स्थित लामार्टिनियर लॉन टेनिस फैसिलिटी में आयोजित टूनार्मेंट के दूसरे दिन पुरुष युगल फाइनल में शैलेंद्र व मेहर ने अनुज व अनुरुद्ध को 7-5 से हराया।अन्य फाइनल मुकाबलों में बालिका अंडर-12 में अन्वेशा ने सिया को 8-6 (4-3) से हराया जबकि बालक अंडर-12 में तेजस ने अभय पाल को 4-0 से हराया। बालक अंडर-14 में कृष्णा सिंह ने अर्णव श्रीवास्तव को 6-3 से, बालक अंडर-10 में सार्थक शुक्ला ने अधिराज सिंह को 4-0 से हराकर विजेता ट्रॉफी जीती।पुरुष एकल सेमीफाइनल में अनुरुद्ध ने यश को 7-5 से और अनुज ने राहुल को 7-4 से हराया। बालक अंडर-18 सेमीफाइनल में अनुरुद्ध कुमार ने अथर्व गोयल को 7-1 से व अनुज कुमार ने रोहिन राज को 7-2 से पराजित किया। बालक अंडर-16 सेमीफाइनल में रोहिन ने मोहम्मद आरिज को 7-5 से एवं अर्णव चौहान ने शौर्य सिंह को 7-4 से हराया। टूनामेंट का समापन व पुरस्कार वितरण समारोह सोमवार आठ दिसंबर को शाम 5 बजे आयोजित होगा। समारोह के मुख्य अतिथि एफिल ग्रुप के चेयरमैन एसके गर्ग होंगे।

केएसीसी की सात विकेट से जीत

लखनऊ,पायनियर। धारदार गेंदबाजी के बाद मैन ऑफ द मैच जीशान अजहर (62) के अर्धशतक से केएसीसी ने चतुर्थ अधीर दुबे (पूर्व एमएलसी) मेमोरियल टी-20 क्रिकेट टूनार्मेंट में स्मैश क्रिकेट क्लब को सात विकेट से शिकस्त दी। एनईआर स्टेडियम पर स्मैश क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.2 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 142 रन बनाए। टीम से निचले क्रम में नरिंदर ने 29 गेंदों पर सर्वाधिक 44 रन बनाए जबकि दुष्यंत ने 29 रन का योगदान किया। केएसीसी से एसपी यादव को 3 और संदीप व वरुण को 2-2 विकेट की सफलता मिली। जवाब में केएसीसी ने 16.2 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 143 रन बनाकर मैच जीत लिया। जीशान अजहर ने 29 गेंदों पर 11 चौके व एक छक्के से 62 रन की आतिशी अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं योगेंद्र सेठ ने नाबाद 22, कैद जौहर ने 17 व रिजवान अली ने 13 रन का योगदान किया। स्मैश क्रिकेट क्लब से मनोज कुमार पाण्डेय को दो विकेट की सफलता मिली।

ईएमएस योद्धाज पांच विकेट से जीता

लखनऊ,पायनियर। ईएमएस योद्धाज ने एलाइट विंटर सीरीज के लीग मुकाबले में नोवा क्लब को 5 विकेट से हराया। सजे ग्राउंड पर खेले गए पहले बल्लेबाजी करते हुएउ नोवा क्लब की टीम निर्धारित 20 ओवर भी नहीं खेल सकी और 19.4 ओवर में 128 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।टीम की ओर से सबसे बड़ी पारी अंकित तलवार ने खेली, जिन्होंने 52 गेंदों पर 68 रन ठोके। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज टिककर नहीं खेल सका।ईएमएस योद्धाज की ओर से अभिषेक पाठक ने 5 विकेट, जबकि रतन पी. सिंह ने 3 विकेट चटकाए। जवाब में ईएमएस योद्धाज ने 19 ओवर में 5 विकेट खोकर 131 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया।टीम की जीत में अभिषेक पाठक का अहम योगदान रहा, जिन्होंने 30 गेंदों पर 42 रन की तेज पारी खेली। शानदार गेंदबाजी (3 विकेट) और दमदार बल्लेबाजी (42 रन) के लिए अभिषेक पाठक को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

जूनियर हॉकी विश्व कप : जर्मन दीवार को नहीं भेद सकी भारतीय टीम

चेन्नई । लचर डिफेंस और पहले ही हाफ में तीन गोल गंवाने का खामियाजा भारत को भुगतना पड़ा जब सात बार की चैम्पियन जर्मनी ने जूनियर हॉकी विश्व कप के सेमीफाइनल में रविवार को मेजबान को 5-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब भारतीय टीम 10 दिसंबर को कांस्य पदक के मुकाबले में अर्जेंटीना से खेलेगी जिसे स्पेन ने दूसरे सेमीफाइनल में 2-1 से हराया। जर्मनी के लिये लुकास कोसेल (14 वां और 30 वां मिनट) ने दो, वेक्स टाइटस (15वां), जोनास वोन गरसम (40 वां) और बेन हासबाश (49वां) ने गोल दागे जबकि भारत के लिये एकमात्र गोल अनमोल इक्का ने 51वें मिनट में किया। दो बार की चैम्पियन भारतीय टीम और जर्मनी के प्रदर्शन में जमीन आसमान का अंतर था जो मैच के हर क्षण में नजर आया। मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम पर भारी तादाद में भारत की हौसलाअफजाई करने आये दर्शकों को इस प्रदर्शन से भारी निराशा हाथ लगी। बेल्जियम को कड़े क्वार्टर फाइनल में शूट आउट में हराने वाली भारतीय टीम पर पहले ही क्वार्टर में ही जर्मनी ने दो गोल करके दबाव बना दिया । जर्मनी को 14वें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे बाद में पेनल्टी स्ट्रोक में तब्दील किया गया जिस पर लुकास ने आसान गोल दागा । पहला क्वार्टर खत्म होने में सात सेकंड बाकी थे तब भारतीय डिफेंडरों की सुस्ती का फायदा उठाकर कोच जोहानेस शिमत्ज की जर्मन टीम में बढत दुगुनी कर ली ।

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 8 विकेट से हराया, सीरीज में 2-0 की बढ़त

दूसरा एशेज टेस्ट

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को यहां दूसरे टेस्ट के चौथे दिन जीत के लिए 65 रन का लक्ष्य महज 10 ओवर में हासिल करते हुए इंग्लैंड को आठ विकेट से हराकर एशेज श्रृंखला में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली। चौथा दिन दोनों टीम के कप्तान के इर्द गिर्द रहा। इंग्लैंड ने जहां बेन स्टोक्स (50 रन) के अर्धशतक से दूसरी पारी में 241 रन बनाए। वहीं ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ ने एक शानदार कैच लेकर मैच का रुख बदला और फिर विजयी रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को श्रृंखला में आगे किया।

ऑस्ट्रेलिया ने 10 ओवर में दो विकेट पर 69 रन बनाकर जीत दर्ज की जिसमें स्मिथ ने जोफ्रा आर्चर के एक बाउंसर से बचने के बाद उन्हें और तेज गेंदबाजी करने को कहा। फिर उन्होंने बाउंड्री लगाकर अगली गेंद पर छक्का जड़ा और गाबा में 1,000 टेस्ट रन पूरे किए। ऑस्ट्रेलियाई टीम तब दो विकेट पर 63 रन पर थी और जीतने के लिए सिर्फ दो रन चाहिए थे तो स्मिथ ने छक्का लगाकर मैच खत्म किया। वह नौ गेंद पर 23 रन बनाकर नाबाद रहे। जेक वेदरल्ड 17 रन बनाकर नाबाद रहे।गस एटकिंसन ने ट्रेविस हेड (22) और मार्नस लाबुशेन (3) के विकेट लिए। इंग्लैंड की हार के लिए कुछ रणनीतिक मुद्दे जिम्मेदार रहे जिसमें गेंदबाजी आक्रमण की लगातार सही लेंथ पर गेंदबाजी करने में विफलता, कैच छोड़ने तथा फिर से तेजी से खेलते हुए रन बनाने की कोशिश में विकेट गंवाने के लिए टीम की काफी आलोचना हुई है। स्टोक्स ने हालांकि संयम से खेलते हुए इंग्लैंड को बढ़त दिलाई लेकिन यह बहुत कम थी। इंग्लैंड के कप्तान ने 'बैजबॉल' की आक्रामक प्रवृत्ति पर अंकुश लगाते हुए टीम की एशेज संभावनाओं को फिर से जीवित करने की कोशिश की। इंग्लैंड ने सुबह छह विकेट पर 134 रन से आगे खेलना शुरू किया। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने कसी लाइन एवं लेंथ में गेंदबाजी की ताकि इंग्लैंड के बल्लेबाजों को शॉट खेलने के लिए उकसाया जा सके।स्टोक्स और विल जैक्स (41) ने पहले सत्र में कोई विकेट नहीं गिरने दिया। यह इंग्लैंड की हमेशा हर कीमत पर आक्रामक खेलने वाली मानसिकता से बिल्कुल अलग तरीका था क्योंकि इसकी पहले काफी आलोचना हुई थी। सातवें विकेट की जोड़ी ने 96 रन की भागीदारी करके इंग्लैंड को अगले सत्र के करीब पहुंचा दिया। यही लय बदलने वाला पल था। इसके बाद विकेट जल्दी-जल्दी गिरने लगे। इंग्लैंड ने 17 रन पर चार विकेट गंवा दिए और दूसरी पारी में 241 रन पर ऑल आउट हो गई। माइकल नेसर ने पांच विकेट लिए। स्टोक्स ने 148 गेंद में अपने 50 रन पूरे किए जो उनके करियर का दूसरा सबसे धीमा अर्धशतक था।

यूपी पुरुष टीम की बिहार पर 41-37 की रोमांचक जीत

पायनियर संवाददाता। लखनऊ

❖ 37वीं फेडरेशन कप हैंडबॉल (पुरुष व महिला) चैंपियनशिप

महिला टीम के बाद मेजबान उत्तर प्रदेश की पुरुष टीम ने 37वीं फेडरेशन कप हैंडबॉल (पुरुष व महिला) चैंपियनशिप में जीत दर्ज करते हुए दमदार उपस्थिति दर्ज कराई। चैंपियनशिप के दूसरे दिन उत्तर प्रदेश ने बिहार को रोमांचक मैच में 41-37 से हराया। हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन द्वारा केडी सिंह बाबू स्टेडियम स्थित भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी बहुउद्देश्यीय हाल में आयोजित चैंपियनशिप का सीधा प्रसारण डीडी स्पोर्ट्स पर किया जा रहा है।

पुरुष वर्ग में उत्तर प्रदेश की जीत में अविनाश ने सर्वाधिक 11 गोल दागने में सफलता हासिल की। उनका साथ देते हुए मनकेश ने 9, विक्रांत ने 8, प्रदीप व रजनीश ने 4-4 और यशवंत ने 3 गोल करते हुए टीम को मजबूती दी। बिहार की ओर से शुभम व मुकेश ने 10-10 गोल दागे, रिधम ने आठ, तौसीफ ने 5 व रोशन ने 3 गोल किए लेकिन टीम मैच पलट नहीं सकी। इस मैच में मध्यांतर तक दोनों ही टीमें 19-19 से बराबरी पर थी। पुरुष वर्ग में ही पंजाब ने रोमांचक मैच में सीआईएसएफ के खिलाफ 37-35 से रोमांचक जीत दर्ज की। पंजाब से गुरिंदर ने सर्वाधिक 11 गोल किए। वहीं गौरव ने 7, जशमीत ने 4 व संजू और जगमीत ने 3-3 गोल करने में सफलता हासिल की। सीआईएसएफ से संदीप ने 7, आमिर ने 6 और अमित ने 4 गोल किए। एक अन्य मैच में सीआईएसएफ ने दमदार वापसी करते हुए जम्मू-कश्मीर को 42-33 से हराया। विजेता टीम की ओर से ब्रिटन व आमिर ने सर्वाधिक 10-10 गोल दागे। उनका साथ देते हुए संदीप ने 8 व अमित ने 6 गोल किए। जम्मू-कश्मीर से नीरज व दलीप 9-9 गोल के साथ शीर्ष स्कोरर रहे। पुरुष वर्ग में दिल्ली ने गुजरात को रोमांचक मैच में 35-34 से हराया। एक अन्य मैच में सीआरपीएफ ने दिल्ली को 21-19 से मात दी। दूसरी ओर राजस्थान ने बीएसएफ को 40-37 से और महाराष्ट्र ने जम्मू-कश्मीर को 35-31 से हराया। महिला वर्ग में राजस्थान ने पंजाब को 21-16 से हराया। राजस्थान से रूकमणि ने 8 व पूजा कंवर ने 6 गोल किए। पंजाब से अर्शपीत कौर ने सर्वाधिक आठ गोल किए।

कोहली व वाशिंगटन ने विशाखापत्तनम के सिंहाचलम मंदिर में पूजा-अर्चना की

विशाखापत्तनम। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, उनके परिवार के सदस्यों और ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर ने रविवार को यहां श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। भारतीय टीम ने शनिवार को यहां तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से हराकर श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की। मंदिर के अधिकारियों ने कोहली और उनके परिवार का स्वागत किया और उन्हें दर्शन के लिए ले गए। दर्शन करने से पहले उन्होंने पारंपरिक कप्पस्थम्भम अलिंगनम (पवित्र स्तंभ को गले लगाना) अनुष्ठान में भाग लिया। सूत्रों के अनुसार कोहली अपने परिवार के सदस्यों और भारतीय टीम के अपने कुछ साथियों के साथ मंदिर में दर्शन करने के लिए आए थे। उन्होंने बताया कि दर्शन के बाद पुजारियों ने नादस्वरम की ध्वनि के साथ वेद आशीर्वाद का पाठ किया। पुजारियों ने खिलाड़ियों को मंदिर का पवित्र वस्त्र दिया और देवस्थानम की ओर से उन्हें भगवान का चित्र और प्रसाद भेंट किया।

सारस्वत ने पहला सुपर 100 खिताब जीता

गुवाहाटी मास्टर्स

गुवाहाटी। राजस्थान के संस्कार सारस्वत ने रविवार को यहां गुवाहाटी मास्टर्स के पुरुष एकल फाइनल में मिथुन मंजूनाथ को तीन गेम में हराकर अपना पहला सुपर 100 खिताब जीता। जोधपुर के 19 वर्षीय खिलाड़ी ने स्मैश की बौछार करके पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन मंजूनाथ को 21-11, 17-21, 21-13 से हराया। भारतीय खिलाड़ियों के बीच यह फाइनल 50 मिनट तक चला।

तन्वी शर्मा को रजत पदक : विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा को महिला एकल फाइनल में चीनी ताइपे की तुंग सिउ-टोंग से 18-21 18-21 से हार का सामना करना पड़ा जिससे वह उप विजेता रहीं। पंजाब की 16 साल की खिलाड़ी पिछले हफ्ते सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 के सेमीफाइनल में पहुंची थीं। वह पिछले साल ओडिशा मास्टर्स के फाइनल में पहुंची थीं जबकि इस साल के अमेरिकी ओपन सुपर 300 और विश्व जूनियर चैंपियनशिप में भी उप विजेता रही थीं। भारतीय पुरुष युगल जोड़ी पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय और साई प्रतीक भी एकतरफा फाइनल में मलेशिया के कांग खाई जिंग और आरोन ताई की छठी वरीय जोड़ी से 13-21 18-21 से हारने के बाद दूसरे स्थान पर रहे। सारस्वत ने पिछले साल बेंगलुरु में अर्श मोहम्मद के साथ अपना पहला सीनियर राष्ट्रीय युगल खिताब जीता था और इससे पहले जूनियर एकल का खिताब भी जीता था। यह जोड़ी पिछले साल सितंबर में 31वें स्मिट कृष्णा खेतान मेमोरियल बैडमिंटन टूर्नामेंट में अंडर-19 इवेंट में उपविजेता भी रही थी। अपने दाहिने पैर पर टेप लगाकर खेलते हुए सारस्वत पहले गेम के शुरू में बढ़त बनाए थे। लेकिन मंजूनाथ ने 7-7 की बराबरी हासिल की। दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे की गलतियों का फायदा उठाया। सारस्वत ने ब्रेक तक 11-9 की मामूली बढ़त बनाई हुई थी लेकिन आक्रामक शॉट्स लगाकर इसे 14-10 तक बढ़ा दिया। मंजूनाथ अपने प्रतिद्वंद्वी के क्रॉस-कोर्ट और डाउन-द-लाइन स्मैश को समझने में संघर्ष कर रहे थे जिससे सारस्वत नौ गेम प्वाइंट तक पहुंच गए और आसानी से पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में सारस्वत ने आक्रामक खेल जारी रखा और अपने तेज स्मैश से 8-2 की बढ़त बना ली जिससे मंजूनाथ दबाव में आ गए। हालांकि कर्नाटक के शटलर ने जोरदार वापसी की और लगातार पांच अंक जीतकर बराबरी की और ब्रेक तक 11-10 से आगे हो गए। मंजूनाथ ने हालांकि लय हासिल करते हुए पिछड़ने के बाद 18-16 की बढ़त हासिल कर ली। फिर सारस्वत की गलतियों ने उन्हें तीन गेम प्वाइंट दिए जिससे उन्हें निर्णायक गेम तक पहुंचने में मदद मिली। तीसरे गेम में सारस्वत आक्रामक इरादे से उतरे और 7-0 की बढ़त बना ली। मंजूनाथ कुछ समय के लिए अंतर कम करने में कामयाब रहे, लेकिन सारस्वत ने नियंत्रण बनाए रखा और ब्रेक तक 11-5 की बढ़त बना ली। फिर उन्होंने बढ़त को 14-6 तक बढ़ाया और आठ मैच प्वाइंट हासिल किए। सारस्वत ने अपने दूसरे मौके पर एक डीप रिटर्न के साथ मैच जीत लिया। सारस्वत अपने पिता राज की वजह से इस खेल में आए जो खुद एक राष्ट्रीय स्तर के एकल और युगल खिलाड़ी रह चुके हैं।

राजस्थान के संस्कार सारस्वत

एमएलएस कप फुटबॉल

मुलर पर भारी पड़े मेस्सी, वैंकूवर वाइटकैप्स को 3-1 से हराया

इंटर मियामी पहली बार बना एमएलएस चैंपियन

एजेंसी। फोर्ट लॉडरडेल

थॉमस मुलर ने लियोनेल मेस्सी के साथ लंबे समय से चली आ रही अपनी प्रतिद्वंद्विता में अक्सर बाजी मारी है लेकिन मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) कप फुटबॉल प्रतियोगिता के शनिवार को खेले गए फाइनल में अर्जेंटीना की स्टार की तूती बोली। मुलर और मेस्सी के बीच हुए 10 मुकाबलों में से जर्मनी के स्टार ने सात में जीत हासिल की है। मुलर की मौजूदगी में जर्मन टीम ने विश्व कप में दो बार मेस्सी और अर्जेंटीना को बाहर किया है। लेकिन शनिवार को अर्जेन्टीना के सुपर स्टार ने इंटर मियामी को एमएलएस कप फाइनल में मुलर की वैंकूवर व्हाइटकैप्स पर 3-1 से जीत दिलाई। इस तरह से मेस्सी ने अपने करियर की 47वीं ट्रॉफी के साथ अपने तीसरे मेजर लीग सॉकर सत्र का समापन किया।

मेस्सी ने मैच के बाद कहा,तीन साल पहले मैंने एमएलएस में आने का फैसला किया और आज हम एमएलएस चैंपियन हैं। पिछले साल हम लीग में जल्दी बाहर हो गए थे लेकिन इस साल एमएलएस जीतना हमारा मुख्य लक्ष्य था। मेस्सी ने 72वें मिनट में रोड्रिगो डी पॉल को गेंद देकर गोल करने में मदद की। इसके बाद उन्होंने स्टॉपेज टाइम में एक और गोल करने में योगदान देकर इंटर मियामी को फ्रैंचाइजी इतिहास में पहली बार चैंपियनशिप दिलाई।

इंटर मियामी के कप्तान लियोनेल मेस्सी ट्रॉफी हाथ में लिए अपने साथी खिलाड़ियों के साथ जश्न मनाते हुए।

मेसी और मुलर दोनों ही विश्व कप और चैंपियंस लीग विजेता हैं। दोनों क्लब विश्व कप विजेता भी हैं।

बेकहम ने की मेस्सी की तारीफ : इंटर मियामी के को.ओनर डेविड बेकहम टीम की जीत के बाद मैदान पर जश्न मनाते दिखे। उन्होंने कहाए वैंकूवर ने बेहतरीन खेल दिखाया और कई मौकों पर मियामी पर दबाव भी बनाया। बराबरी का गोल करने के बाद वे मैच में हावी होते दिख रहे थे। बेकहम ने मेस्सी की तारीफ करते हुए कहा कि जब भी गेंद मेसी के पास जाती हैए वह कुछ ना कुछ कमाल कर ही देते हैं और मौके बना देते हैं। उन्होंने कहा कि टीम पूरे साल एकजुट रही और इसी का नतीजा है कि वे चैंपियन बने। बेकहम इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेकहम ने इस खिताब तक के सफर के बारे में भी बात की। बेकहम ने कहा कि कई रातें चिंता में बीतींए लेकिन उन्हें हमेशा मियामी और इस क्लब की सफलता पर भरोसा था। हम शुरू से ही अपने फैंस से वादा करते आए हैं कि हम उन्हें बेहतरीन खिलाड़ी और अच्छे नतीजे देंगे। उन्होंने कहा कि अगला साल नई शुरूआत होगीए लेकिन आज की रात टीम और फैंस पूरी तरह जश्न मनाएंगे।

अपने गैजट्स को बनाइए बेहतर

आप अपने पास मौजूद कई गैजट्स (स्मार्टफोन, टैबलट, वाई-फाई राउटर, कैमरे) में ऐसे फीचर्स जोड़ सकते हैं, जिनकी सुविधा कंपनी ने नहीं दी है। इसके लिए बस आपको थोड़ा सा दिमाग लगाने की जरूरत होती है। बाकी हितेश राज भगत और करण बजाज बता देते हैं कि इसे आप कैसे कर सकते हैं, आगे क्लिक करते जाइए और जानिए...

आपका मल्टिफंक्शनल स्मार्टफोनः- क्या आपके लैपटॉप में वेबकैम नहीं है? तो आपको फिक्र करने की कोई जरूरत नहीं है। फ्री ऐंड्रॉयड ऐप ड्रॉइडकैम के जरिए आप फोन के कैमरे और माइक्रोफोन का इस्तेमाल कर स्काइप, गूगल हैंगआउट और बाकी प्लैटफॉर्म पर दोस्तों से बात कर सकते हैं। इसके लिए फ्री ऐप और फ्री विंडोज, लाइनक्स सर्वर सॉफ्टवेयर चाहिए। इसके बारे में आपको विस्तार से जानकारी 'डब्लूडब्लूडब्लू डॉट डीईवी7एप्प्स डॉट कॉम' पर मिल सकती है।

वाई-फाई रेंज दुगनी-तिगुनी करिएः- वाई-फाई एक अजीब साइंस है। आप ठीक-ठीक नहीं पता लगा सकते कि आपका वाई-फाई कहीं पर क्यों कमजोर होता है, लेकिन आप कुछ गाइडलाइंस के मुताबिक काम करके वाई-फाई की रेंज बढ़ा सकते हैं। बेहतर कवरेज के लिए राउटर को घर के बीचो-बीच रखिए और इसे 6 फीट या इससे ज्यादा की ऊंचाई पर रखिए। ऐसा इस वजह से क्योंकि वाई-फाई सिग्नल ओमनी-डायरेक्शनल होते हैं और वे ऊपर जाने की जगह नीचे की तरफ आते हैं। अगर आपके पास दो ऐंटेना वाला राउटर है, तो एक को वर्टिकल रखिए, दूसरे को हॉरिजनटल। अगर आप ये न कर सकें या इन तरीकों से फायदा न हो, तो रेंज बढ़ाने के लिए पुराने राउटर्स को वाई-फाई सिग्नल रिपीटर्स के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं या आप किसी इलेक्ट्रिकल आउटलेट में सीधे लगाने के लिए डीलिंक और नेटगियर जैसे ब्रैंड्स के छोटे रिपीटर्स (कीमत करीब 1500 रुपए) खरीद सकते हैं। रिपीटर अपने नेटवर्क की सीमा पर लगाएं, जिससे वह वहां से सिग्नल को आगे भेज सके। इसे लगाना बहुत आसान होता है। इसमें रिपीटर मोड चुनिए, अपने वाई-फाई नाम और पासवर्ड को डालिए, बस हो गया। आप दुगना या तिगुना या आउटडोर तक सिग्नल पहुंचाने के लिए और रिपीटर्स का इस्तेमाल कर सकते हैं।

अपने कैमरे की क्षमता बढ़ाइएः- किसी कैमरे से आरएडब्लू फॉर्मेट की इमेज उस तस्वीर का डिजिटल नेगेटिव होता है। सही सॉफ्टवेयर की मदद से आप आरएडब्लू इमेज को बेहतर प्रोसेस कर सकते हैं, ताकि आपको अच्छी तस्वीर मिल सके। आम तौर पर डीएसएलआर कैमरों में आरएडब्लू का ऑप्शन होता है। कई मिड-रेंज और एंट्री लेवल कैमरों में यह नहीं होता, जबकि कई बार उनका हार्डवेयर इसे सपॉर्ट करता है। आप एक टेंपररी फर्मवेयर (एक तरह का सॉफ्टवेयर) की मदद से आप अपने कैमरे को ऐसा ऐसा बना सकते हैं कि वह आरएडब्लू इमेज ले सके और आपको कुछ अतिरिक्त सेटिंग्स दे सके। कैनन के कैमरे रखने वाले लोग ले सकते हैं। आप अपने कैमरा मॉडल को सर्च करिए और सही फर्मवेयर डाउनलोड कर लीजिए। इसमें स्टेप-बाई-स्टेप बताया गया है कि कैमरे में फर्मवेयर कैसे लोड करें। एक बार फर्मवेयर अपडेट होने के बाद आप आरएडब्लू ऑप्शन के अलावा कई और सेटिंग्स देख सकेंगे। इससे लाइव हिस्टोग्राम, फोकस पीकिंग, स्पॉटमीटर, एचडीआर विडियो, अनकम्प्रेस्ड रॉ विडियो सपॉर्ट, मोशन डिटेक्शन जैसे कई फीचर मिलेंगे. सपोर्टेड डीएसएलआर कैमरों की लिस्ट के लिए डबलूडबलूडबलू डॉट मैजिकक्लैंटर्न डॉट एफएम पर जा सकते हैं।

टीवी का वायरलेस विडियो सिग्नलः- अगर आपको अपने स्टाइलिश एलईडी-एलसीडी टीवी के केबल के कारण आने वाली खड़खड़ाहट पसंद नहीं है, तो आप अपने टीवी को वायरलेस बना सकते हैं। आपको अपनी मौजूदा डिवाइसेज (मसलन केबल सेट टॉप बॉक्स, डीवीडी प्लेयर और गेम कंसोल) के लिए वायरलेस एडीएमआई अडॉप्टर खरीदना होगा। इसके बाद टीवी के एचडीएमआई पोर्ट में रिसीवर और बाकी डिवाइस में ट्रांसमीटर लगाना होगा। वायरलेस एवी ट्रांसमीटर और रिसीवर की कॉस्ट 4, 000 लेकर 65, 000 रुपए तक बैठती है। कॉन्टेंट (फोटो, म्यूजिक, विडियो) की स्ट्रीमिंग के लिए मौजूदा वाई-फाई कनेक्शन का इस्तेमाल करते हुए स्मार्टफोन या टैबलट जैसी डिवाइस से टीवी को जोड़ने के लिए डीएलएनए टेक्नॉलजी का इस्तेमाल किया जा सकता है।

आईपैड को बनाइए दूसरा डिस्प्लेः- आईपैड का डिस्प्ले काफी शानदार है। चाहे आप आईपैड 2 इस्तेमाल करें या फर्स्ट जेनरेशन आईपैड मिनी, डिस्प्ले की क्वॉलिटी काफी बेहतरीन है। इस वजह से आपको इसे अपने कंप्यूटर के लिए दूसरे डिस्प्ले की तरह इस्तेमाल करना चाहिए। यह ट्रिक विंडोज और मैक दोनों पर काम करती है। इसके लिए सबसे पहले यह पक्का करें कि कंप्यूटर और आईपैड दोनों एक ही वाई-फाई नेटवर्क से जुड़े हों। साथ ही, एयर डिस्प्ले 2 (9.99 डॉलर) या डिस्प्लेपैड (2.99 डॉलर) और कंप्यूटर के लिए संबंधित सर्वर ऐप लेना होगा।

वायरलेस हार्ड ड्राइव और प्रिंटर

वाई-फाई शेयर करने का शानदार जरिया है। लिहाजा आपके पास मौजूदा प्रिंटर (नॉन-वायरलेस) या एक्सटर्नल हार्ड ड्राइव है, तो आपको इन बिल्ट यूएसबी पोर्ट और प्रिंट सर्वर से लैस राउटर लेना चाहिए। मिसाल के तौर पर बेल्किन का प्लेमैक्स एन 600 (8, 000 रुपए) वाई-फाई एन सर्टिफाइड राउटर है और ड्यूल यूएसबी पोर्ट भी है। साथ ही, इसे परंपरागत वायरलेस राउटर की तरह भी इस्तेमाल किया जा सकता है। आप इसमें एक साथ यूएसबी हार्ड ड्राइवर और यूएसबी प्रिंटर कनेक्ट कर सकते हैं। इसका मतलब यह हुआ कि इस नेटवर्क पर कोई भी कंप्यूटर घर में किसी जगह से प्रिंट करने में सक्षम होगा। साथ ही, हार्ड ड्राइव में मौजूद कॉन्टेंट का भी ऐक्सेस मुमकिन होगा।

मिनटों में लगाएं अपने चोरी हुए फोन का पता

मौजूदा समय में हमारे ज्यादातर काम स्मार्टफोन पर होते हैं फिर चाहे वो ऑफिशियल काम हो या फिर पर्सनल काम। स्मार्टफोन पर हमारी निजी जानकारी जैसे फोटोज, वीडियोज, सोशल मीडिया अकाउंट और बेंकिग जैसी जानकारियां मौजूद रहती हैं। ऐसे में फोन का खो जाना या फिर चोरी हो जाना किसी भी यूजर के लिए बूरे सपने से कम नहीं है। फोन के चोरी होने या फिर खो जाने पर गूगल का एक फीचर आपके काम आ सकता है।

दरअसल एप्पल के फाइंड माय फोन फीचर की तरह एंड्रॉयड स्मार्टफोन्स में यूजर्स को फाइंड माय फोन फंक्शन मिलता है। फाइंड माय फोन फंक्शन की मदद से आप अपने फोन की पुरानी लोकेशन से लेकर मौजूदा लोकेशन तक की जानकारी पा सकते हैं। गूगल मैप्स की मदद से आप अपने खोए हुए फोन को मिनटों में ढूंढ सकते हैं। तो जानते हैं इन स्टेप्स के बारे में जो आपके काम आ सकते हैं।

स्टेप 1: अपने स्मार्टफोन या फिर पीसी पर ब्राउजर को ओपेन करें और डब्लूडब्लूडब्लू डॉट मैप्स डॉट गूगल डॉट को डॉट इन पर जाएं।

स्टेप 2: अपने उस गूगल अकाउंट से लॉग-इन करें जिससे खोया या फिर चोरी हुआ फोन लिंक था।

स्टेप 3: ऊपर दाई ओर बने तीन डॉट्स पर क्लिक करें।

स्टेप 4: इसके बाद योर टाइमलाइन ऑप्शन पर क्लिक करें।

स्टेप 5: यहां उस साल, महीना या फिर दिन की जानकारी इंटर करें जब से आप अपने खोए हुए फोन की लोकेशन का पता लगाना चाहते हैं। उदाहरण के लिए अगर आपका फोन 14 अगस्त को चोरी हुआ है या फिर खोया है, तो टाइम लाइन में 14 अगस्त 2018 इंटर करें।

स्टेप 6: मैप आपको फोन की पुरानी लोकेशन से लेकर मौजूदा लोकेशन तक की पूरी जानकारी देगा।

(नोट- यह प्रक्रिया तभी काम करेगी जब आपका स्मार्टफोन और लोकेशन सर्विस दोनों ही ऑन हो।)

नया पीवीसी पेन कार्ड बनवाने का आसान तरीका

कभी-कभी हम ऐसी सिचुएशन में आ जाते हैं जहां हमारा पेन कार्ड खो जाता है, चोरी हो जाता है या इतना पुराना हो जाता है कि उसकी कंडीशन इतनी खराब हो जाती है कि वह इस्तेमाल करने लायक नहीं रहता। ऐसे पेन कार्ड को देखकर काफी फ्रस्ट्रेटिंग फील हो सकता है। ऐसे में नया पेन कार्ड बनवाना टाइम लेने वाला और चैलेंजिंग लग सकता है लेकिन आपको बता दें कि यह प्रोसेस पूरी तरह से आसान और ऑनलाइन है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने पेन कार्ड को नए पेन फॉर्मेट में अवेलेबल कराया है, जिसके लिए आप घर बैठे कुछ ही मिनटों में दोबारा अप्लाई कर सकते हैं।

आपको कहीं जाने या किसी एजेंट के पास जाने की भी जरूरत नहीं है। बस कुछ बेसिक जानकारी डालकर, आप अपना नया पेन कार्ड अपने घर पर मंगवा सकते हैं। पीवीसी पेन कार्ड के बारे में अवेयरनेस बढ़ रही है क्योंकि वे पुराने पेपर कार्ड के मुकाबले ज्यादा सिक्योर और भरोसेमंद हैं। तो, आइए समझते हैं कि यह पीवीसी पेन कार्ड क्या है और आप इसे घर बैठे कैसे ऑर्डर कर सकते हैं।

पीवीसी पेन कार्ड और कुछ नहीं बल्कि पेन कार्ड का नया, मॉडर्न और सुरक्षित संस्करण है। यह प्लास्टिक पीवीसी से बना होता है, जो पानी से खराब नहीं होता। ये मुड़ता या फटता नहीं है और लंबे समय तक सही स्थिति में रहता है। साथ ही इसमें दफकोड दिया होता है, जिससे कार्ड की ऑथेंटिसिटी तुरंत चेक की जा सकती है, यानी यह कार्ड दिखने में एटीएम कार्ड जैसा होता है और काफी मजबूत रहता है।

नया पीवीसी पेन कार्ड बैठे कैसे प्राप्त करें?

अगर आपका पेन कार्ड चोरी हो गया है, खो गया है या खराब हो गया है, तो नया नया पीवीसी पेन कार्ड बनवाने के लिए इन आसान स्टेप्स को फॉलो करें:

- सबसे पहले तो आधिकारिक वेबसाइट www.utiitsl.com पर जाएं।
- इसके बाद 'Reprint PAN' या 'Download e-PAN / Reprint PAN' वाला ऑप्शन सेलेक्ट करें।
- यहां नया या डुप्लीकेट कार्ड मंगाने का ऑप्शन मिलेगा।
- अपनी जानकारी जैसे पेन नंबर, जन्मतिथि, आधार नंबर दर्ज करें।
- अब आपको केवल 50 रूपये का चार्ज देना होगा, जिसे यूपीआई, कार्ड या नेट बैंकिंग से पे किया जा सकता है।
- पेमेंट पूरा होने के बाद फॉर्म सबमिट करें।

कितना समय लगता है डिलीवरी में?

आमतौर पर पीवीसी पेन कार्ड 10 से 15 दिनों के भीतर स्पीड पोस्ट के जरिए आपके एड्रेस पर पहुंच जाता है। कभी-कभी छुट्टी, पिन कोड या वेरिफिकेशन कारणों से थोड़ी देरी भी हो सकती है।

एक ही ऑर्बिट में भारत-रूस का स्पेस स्टेशन

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का सफर 2030-31 तक खत्म होने वाला है। इसके बाद रूस और भारत ने भविष्य के अपने अंतरिक्ष स्टेशनों को एक ही कक्षा में रखने का फैसला किया है। यह घोषणा रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के प्रमुख दमित्री बकानोव ने नई दिल्ली दौरे के दौरान की. वे राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ आए थे। दोनों स्टेशन 51.6 डिग्री झुकाव वाली कक्षा में चक्कर लगाएंगे। यह वही कक्षा है जिसमें आज आईएसएस घूमता है। इससे दोनों देशों के अंतरिक्ष यात्री आसानी से एक-दूसरे के स्टेशन पर जा सकेंगे। वैज्ञानिक प्रयोग कर सकेंगे। आपात स्थिति में मदद ले सकेंगे। बकानोव ने कहा कि यह फैसला दोनों देशों के लिए आपसी लाभ वाला होगा। इससे पहले रूस अपने रशियन ऑर्बिटल स्टेशन के लिए 96 डिग्री झुकाव वाली कक्षा सोच रहा था, लेकिन अब 51.6 डिग्री पर सहमति बनी है।

रूस का आरओएसः रशियन स्पेस सेंटर एनर्जिया द्वारा विकसित होगा। यह स्टेशन गहरे अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यान बनाने और लॉन्च करने का आधार बनेगा। इसका मॉड्यूलर डिजाइन इसे लंबे समय तक काम करने लायक बनाएगा।

भारत का बीएएसः भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा 2035 तक पूरा करने की योजना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे स्वतंत्रता के 100वें साल (2047) से पहले चंद्रयान-3 जैसी सफलताओं के बाद घोषित किया था।

एक ही कक्षा क्यों? 51.6 डिग्री झुकाव आईएसएस जैसी है, जो पृथ्वी के 51.6 डिग्री उत्तर-दक्षिण अक्षांश को कवर करती है। इससे रूस के सोयूज रॉकेट और भारत के गगनयान मिशन आसानी से डॉकिंग कर सकेंगे। अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ेगा।

पहला वैज्ञानिक और पावर मॉड्यूल 2028 में लॉन्च होगा। बाकी चार मुख्य मॉड्यूल 2030 तक। 2031-33 में अतिरिक्त मॉड्यूल जोड़ेंगे। खुनिचेव सेंटर को तीन मॉड्यूल के लिए अंगारा-A5M रॉकेट ऑर्डर दिए गए हैं।

इसरो ने 2035 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। हाल ही में स्पेडेक्स सैटेलाइट डॉकिंग सफलता के बाद भारत चौथा देश बना जो यह तकनीक हासिल कर सका (रूस, अमेरिका, चीन के बाद)। 2030-31 में दोनों देश करर से अलग हो जाएंगे। रूस पहले ही घोषणा कर चुका है कि वह करर के लिए अमेरिका का साथ नहीं दोगा।

भारत-रूस का पुराना रिश्ताः भारत ने अपना पहला सैटेलाइट आर्यभट्ट रूस की मदद से लॉन्च किया था। चंद्रयान-2 में रूस ने मदद की थी। गगनयान मिशन के लिए भारतीय यात्री रूस में ट्रेनिंग ले चुके हैं। पुतिन का यह दौरा ब्रिक्स समिट के बाद हुआ, जहां दोनों नेताओं ने अंतरिक्ष सहयोग पर बात की. बकानोव ने कहा किरूस की उन्नत तकनीक भारत के साथ साझा होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि यह समझौता रूस को करर के बाद नई साझेदारी देगा, जबकि भारत को अमेरिका-चीन के बीच संतुलन बनाने में मदद मिलेगी। अगर सब ठीक रहा, तो 2030 के दशक में अंतरिक्ष में रूसो-भारतीय कॉरिडोर बनेगा।

बिना बीप कोई भी फोन कॉल रिकॉर्ड करें

बोस्ट कॉल रिकार्डर एक पूरी तरह से कस्टमाइज किया जा सकने वाला एस60 सिंबयिन सॉफ़्टवेयर है, इसके द्वारा आपके मोबाइल फोन पर आने वाली और की जाने वाली सभी कॉलें रिकॉर्ड की जा सकती हैं भले ही वह नम्बर आपकी फोन लिस्ट में हो या फिर न हों। यह कॉल रिकार्डिंग साफ्ट्वेयर बहुत ही सरल है। इसके सेटिंग विकल्प बेहद आसानी से समझ में आने वाले हैं।

इसमें उपलब्ध महत्वपूर्ण गुण हैं...

- इसमें कॉल रिकॉर्ड करते समय बीप की आवाज बंद कर सकते हैं।
- इसमें स्वतः ही कॉल रिकॉर्ड होने लगती है, बात-चीत कितनी भी लम्बी क्यों न हो, रिकॉर्ड की जा सकती है।
- यदि आप फोन मेमोरी इस्तेमाल करते हैं तो आप रिकॉर्ड की गयी कॉल कहां पर सुरक्षित की जायेगी इसे निश्चित कर सकते हैं।
- इसमें आप यह सेट कर सकते हैं कि किस नम्बर से आने वाली कॉल को रिकॉर्ड किया जायेगा या फिर आने वाली कॉल ही रिकॉर्ड की जायेंगी या फिर सिर्फ की जाने वाली कॉल ही।
- इसका प्रयोग करने पर आपके मोबाइल की बैटरी खर्च होने की दर बहुत ही कम है।
- इसका इंटरफेस बेहद सरल और समझ में आने वाला है।

कम खर्च होगा डेटा, अपनाएं काम की 8 टिप्स

पिछले कुछ सालों में मोबाइल पर डेटा की खपत तेजी से बढ़ी है। स्मार्टफोन यूजर्स अपने ज्यादातर काम ऑनलाइन ही कर रहे हैं। आज लगभग हर छोटे-बड़े काम के लिए ऐप्स उपलब्ध हैं। ये ऐप्स भी लगातार अपडेट होते हैं, जिनमें यूजर का काफी डेटा खर्च होता है। इसके अलावा, भारत में विडियो स्ट्रीमिंग सर्विसेज भी तेजी से पॉप्युलर हुई हैं। ऐसे में यूजर की डेटा की जरूरतें लगातार बढ़ रही है। यहां हम आपको कुछ ऐसे तरीके बता रहें जिनसे आप अपने मोबाइल में इंटरनेट का इस्तेमाल करने के साथ डेटा की बचत कर सकते हैं।

अपनी डेटा लिमिट सेट करें

अपने ऐंड्रॉयड फोन में डेटा के लिए लिमिट सेट करके आप अपना डेटा यूज ट्रैक कर सकते हैं। डेटा लिमिट सेट करने के लिए अपने ऐंड्रॉयड फोन की सेटिंग में जाएं। सेटिंग्स में डेटा यूजेज ऑप्शन पर टैप करें, फिर बिलिंग साइकल में जाएं इसके बाद डेटा लिमिट और बिलिंग साइकल पर टैप करके आप डेटा लिमिट सेट कर सकते हैं।

बैकग्राउंड डेटा रिस्ट्रिक्ट करें

कई ऐप्स फोन के बैकग्राउंड में मोबाइल डेटा कंज्यूम करते रहते हैं। ऐसे में जिन ऐप्स को बैकग्राउंड में रन करने की जरूरत नहीं है, उन्हें आप सेटिंग्स में जाकर डेटा यूजेज में 'रिस्ट्रिक्ट ऐप बैकग्राउंड डेटा' पर टैप करके बैकग्राउंड में डेटा खर्च होने से बचा सकते हैं।

डेटा कंप्रेशन का यूज करें

गूगल क्रोम सबसे पॉप्युलर ऐप्स में से एक है। इस ऐप में डेटा कंप्रेशन का ऑप्शन इंबिल्ट होता है। इसके लिए आपको दायीं तरफ कॉर्नर में तीन डॉट नजर आएंगे उन पर टैप करके सेटिंग्स में जाकर डेटा सेवर ऑप्शन पर टैप करके उसे ऑन करें।

अपडेट के लिए वाई-फाई का करें इस्तेमाल

अपने स्मार्टफोन में ऐप्स को अपडेट करने के लिए वाई फाई का इस्तेमाल करने से आप डेटा की बचत कर सकते हैं। इसके लिए आप फोन के मेन्यू में जाकर सेटिंग्स में जाएं और 'ऑटो अपडेट ऐप्स ओवर वाई-फाई ओनली' ऑप्शन पर टैप करें।

फोन में स्टोर करें विडियो और म्यूजिक

स्मार्टफोन पर म्यूजिक और विडियो स्ट्रीमिंग करने में सबसे ज्यादा डेटा खर्च होता है। ऐसे में आप विडियो और म्यूजिक अगर फोन में लोकली स्टोर करते हैं तो आप डेटा की बचत कर सकते हैं।

ऑफलाइन मैप का इस्तेमाल करें

गूगल मैप्स एक पॉप्युलर सर्विस है। इसके इस्तेमाल में यूजर का काफी डेटा खर्च होता है। ऐसे में डेटा बचाने के लिए आप मैप्स को सेव कर सकते हैं। मैप डाउनलोड होने के बाद आप जीपीएस की मदद से इसका इस्तेमाल ऑफलाइन कर सकते हैं।

मैलवेयर को रखें दूर

ऐंड्रॉयड फोन में मैलवेयर (वायरस) के चलते भी आपका ज्यादा डेटा खर्च हो सकता है। इसके लिए यूजर को अपने फोन को स्कैन करते रहना चाहिए। इसके लिए किसी अच्छे एंटीवायरस ऐप का इस्तेमाल किया जा सकता है।

जरूरत न होने पर डेटा ऑफ कर दें

जिस वक्त आप फोन का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं या ऑफलाइन सर्विस यूज कर रहे हैं उस वक्त डेटा ऑफ कर दें। इस तरह आप काफी मोबाइल डेटा सेव कर सकेंगे।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. देवेन्द्र सिंह द्वारा द इंडियन एक्सप्रेस प्रा.लि. सी-26 अमौसी इंडस्टियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन : 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादकः डॉ. देवेन्द्र सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।